

# श्री प्रज्ञापना सूत्र

॥ श्री आगम-गुण-मञ्जूषा ॥

॥ श्री आगम-गुण-मंजूषा ॥

॥ Sri Agama Guna Manjusa ॥

(सचित्र)

प्रेरक-संपादक

अचलगच्छाधिपति प.पू.आ.भ.स्व. श्री गुणसागर सूरीश्वरजी म.सा.

## ४५ आगमो का संक्षिप्त परिचय

### ११ अंगसूत्र

- १) **श्री आचारांग सूत्र :-** इस सूत्र में साधु और श्रावक के उत्तम आचारो का सुंदर वर्णन है। इनके दो श्रुतस्कंध और कुल २५ अध्ययन है। द्रव्यानुयोग, गणितानुयोग, धर्मकथानुयोग और चरणकरणानुयोगोमे से मुख्य चौथा अनुयोग है। उपलब्ध श्लोको कि संख्या २५०० एवं दो चुलिका विद्यमान है।
- २) **श्री सूत्रकृतांग सूत्र :-** श्री सुयगडांग नाम से भी प्रसिद्ध इस सूत्र में दो श्रुतस्कंध और २३ अध्ययन के साथ कुलमिला के २००० श्लोक वर्तमान में विद्यमान है। १८० क्रियावादी, ८४ अक्रियावादी, ६७ अज्ञानवादी अपरंच द्रव्यानुयोग इस आगम का मुख्य विषय रहा है।
- ३) **श्री स्थानांग सूत्र :-** इस सूत्र ने मुख्य गणितानुयोग से लेकर चारो अनुयोगो कि बाते आती है। एक अंक से लेकर दस अंको तक में कितनी वस्तुओं है इनका रोचक वर्णन है, ऐसे देखा जाय तो यह आगम की शैली विशिष्ट है और लगभग ७६०० श्लोक है।
- ४) **श्री समवायांग सूत्र :-** यह सूत्र भी ठाणांगसूत्र की भांति कराता है। यह भी संग्रहग्रंथ है। एक से सो तक कौन कौन सी चीजे है उनका उल्लेख है। सो के बाद देढसो, दोसो, तीनसो, चारसो, पांचसो और दोहजार से लेकर कोटाकोटी तक कौनसे कौनसे पदार्थ है उनका वर्णन है। यह आगमग्रंथ लगभग १६०० श्लोक प्रमाण में उपलब्ध है।
- ५) **श्री व्याख्याप्रज्ञप्ति सूत्र (भगवती सूत्र) :-** यह सबसे बड़ा सूत्र है, इसमें ४२ शतक है, इनमें भी उपविभाग है, १९२५ उद्देश है। इस आगमग्रंथ में प्रभु महावीर के प्रथम शिष्य श्री गौतमस्वामी गणधरादि ने पुछे हुए प्रश्नो का प्रभु वीर ने समाधान किया है। प्रश्नोत्तर संकलन से इस ग्रंथ की रचना हुई है। चारो अनुयोगो कि बाते अलग अलग शतको में वर्णित है। अगर संक्षेप में कहना हो तो श्री भगवतीसूत्र रत्नो का खजाना है। यह आगम १५००० से भी अधिक संकलित श्लोको में उपलब्ध है।
- ६) **ज्ञातार्थधर्मकथांग सूत्र :-** यह सूत्र धर्मकथानुयोग से है। पहले इसमें साडेतीन करोड कथाएं थी अब ६००० श्लोको में उन्नीस कथाओं उपलब्ध है।
- ७) **श्री उपासकदशांग सूत्र :-** इसमें बाराह व्रतो का वर्णन आता है और १० महाश्रावको

के जीवन चरित्र है, धर्मकथानुयोग के साथ चरणकरणानुयोग भी इस सूत्र में सामील है। इसमें ८०० से ज्यादा श्लोक है।

- ८) **श्री अन्तकृद्दशांग सूत्र :-** यह मुख्यतः धर्मकथानुयोग में रचित है। इस सूत्र में श्री शत्रुंजयतीर्थ के उपर अनशन की आराधना करके मोक्ष में जानेवाले उत्तम जीवो के छोटे छोटे चरित्र दिए हुए है। फिलाल ८०० श्लोको में ही ग्रंथ की समाप्ति हो जाती है।
- ९) **श्री अनुत्तरोपपातिक दशांग सूत्र :-** अंत समय में चारित्र की आराधना करने अनुत्तर विमानवासी देव बनकर दूसरे भव में फीर से चारित्र लेकर मुक्तिपद को प्राप्त करने वाले महान् श्रावको के जीवनचरित्र है इसलिये मुख्यतया धर्मकथानुयोगवाला यह ग्रंथ २०० श्लोक प्रमाणका है।
- १०) **श्री प्रश्नव्याकरण सूत्र :-** इस सूत्र में मुख्यविषय चरणकरणानुयोग है। इस आगम में देव-विद्याघर-साधु-साध्वी श्रावकादि ने पुछे हुए प्रश्नों का उत्तर प्रभु ने कैसे दिया इसका वर्णन है। जो नंदिसूत्र में आश्रव-संवरद्वार है ठीक उसी तरह का वर्णन इस सूत्र में भी है। कुलमिला के इसके २०० श्लोक है।
- ११) **श्री विपाक सूत्र :-** इस अंग में २ श्रुतस्कंध है पहला दुःखविपाक और दूसरा सुखविपाक, पहले में १० पापीओं के और दूसरे में १० धर्मीओ के द्रष्टांत है मुख्यतया धर्मकथानुयोग रहा है। १२०० श्लोक प्रमाण का यह अंगसूत्र है।

### १२ उपांग सूत्र

- १) **श्री औपपातिक सूत्र :-** यह आगम आचारांग सूत्र का उपांग है। इस में चंपानगरी का वर्णन १२ प्रकार के तपों का विस्तार कोणिक का जुलुस अम्बडपरिव्राजक के ७०० शिष्यो की बाते है। १५०० श्लोक प्रमाण का यह ग्रंथ है।
- २) **श्री राजप्रश्रीय सूत्र :-** यह आगम सुयगडांगसूत्र का उपांग है। इसमें प्रदेशीराजा का अधिकार सूर्याभदेव के जरीए जिनप्रतिमाओं की पूजा का वर्णन है। २००० श्लोको से भी अधिक प्रमाण का ग्रंथ है।

## दश प्रकीर्णक सूत्र

- ३) श्री जीवाजीवाभिगम सूत्र :- यह ठाणांगसूत्र का उपांग है। जीव और अजीव के बारे में अच्छा विश्लेषण किया है। इसके अलावा जम्बुद्वीप की जगती एवं विजयदेव ने कि हुइ पूजा की विधि सविस्तर बताई है। फिलाल जिज्ञासु ४ प्रकरण, क्षेत्रसमासादि जो पढते हैं वह सभी ग्रंथे जीवाभिगम अपराच पत्रवणासूत्र के ही पदार्थ हैं। यह आगम सूत्र ४७०० श्लोक प्रमाण का है।
- ४) श्री प्रज्ञापना सूत्र- यह आगम समवायांग सूत्र का उपांग है। इसमें ३६ पदों का वर्णन है। प्रायः ८००० श्लोक प्रमाण का यह सूत्र है।
- ५) श्री सुर्यप्रज्ञप्ति सूत्र :-
- ६) श्री चन्द्रप्रज्ञप्ति सूत्र :- इस दो आगमों में गणितानुयोग मुख्य विषय रहा है। सूर्य, चन्द्र, ग्रहादि की गति, दिनमान ऋतु अयनादि का वर्णन है, दोनों आगमों में २२००, २२०० श्लोक हैं।
- ७) श्री जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति सूत्र :- यह आगम भी अगले दो आगमों की तरह गणितानुयोग में है। यह ग्रंथ नाम के मुताबित जम्बूद्वीप का सविस्तर वर्णन है। ६ आरों के स्वरूप बताया है। ४५०० श्लोक प्रमाण का यह ग्रंथ है।
- ८) श्री निरयावली सूत्र :- इन आगम ग्रंथों में हाथी और हारादि के कारण नानाजी का दोहिर के साथ जो भयंकर युद्ध हुआ उस में श्रेणिक राजा के १० पुत्र मरकर नरक में गये उसका वर्णन है।
- ९) श्री कल्पावतंसक सूत्र :- इसमें पचकुमार और श्रेणिकपुत्र कालकुमार इत्यादि १० भाइयों के १० पुत्रों का जीवन चरित्र है।
- १०) श्री पुष्पिका उपांग सूत्र :- इसमें १० अध्ययन हैं। चन्द्र, सूर्य, शुक, बहुपुत्रिका देवी, पूर्णभद्र, माणिभद्र, दत्त, शील, जल, अणाढ्य श्रावक के अधिकार हैं।
- ११) श्री पुष्पचुलीका सूत्र :- इसमें श्रीदेवी आदि १० देवीओं का पूर्वभव का वर्णन है।
- १२) श्री वृष्णिदशा सूत्र :- यादववंश के राजा अंधकवृष्णि के समुद्रादि १० पुत्र, १० में पुत्र वासुदेव के पुत्र बलभद्रजी, निषधकुमार इत्यादि १२ कथाएं हैं। अंतके पांचो उपांगों को निरयावली पंचक भी कहते हैं।

- १) श्री चतुशरण प्रकीर्णक सूत्र :- इस पयत्रे में अरिहन्त, सिद्ध, साधु और गच्छधर्म के आचार के स्वरूप का वर्णन एवं चारों शरण की स्वीकृति है।
- २) श्री आतुर प्रत्याख्यान प्रकीर्णक सूत्र :- इस आगम का विषय है अंतिम आराधना और मृत्युसुधार
- ३) श्री भक्तपरिज्ञा प्रकीर्णक सूत्र :- इस पयत्रे में पंडित मृत्यु के तीन प्रकार (१) भक्त परिज्ञा मरण (२) इंगिनी मरण (३) पादोपगमन मरण इत्यादि का वर्णन है।
- ६) श्री संस्तारक प्रकीर्णक सूत्र :- नामानुसार इस पयत्रे में संथारा की महिमा का वर्णन है। इन चारों पयत्रे पठन के अधिकारी श्रावक भी हैं।
- ७) श्री तंदुल वैचारिक प्रकीर्णक सूत्र :- इस पयत्रे को पूर्वाचार्यगण वैराग्य रस के समुद्र के नाम से चीन्हित करते हैं। १०० वर्षों में जीवात्मा कितना खानपान करे इसकी विस्तृत जानकारी दी गई है। धर्म की आराधना ही मानव मन की सफलता है। ऐसी बातों से गुंफित यह वैराग्यमय कृति है।
- ८) श्री चन्दाविजय प्रकीर्णक सूत्र :- मृत्यु सुधार हेतु कैसी आराधना हो इसे इस पयत्रे में समजाया गया है।
- ९) श्री देवेन्द्र-स्तव प्रकीर्णक सूत्र :- इन्द्र द्वारा परमात्मा की स्तुति एवं इन्द्र संबंधित अन्य बातों का वर्णन है।
- १०A) श्री मरणसमाधि प्रकीर्णक सूत्र :- मृत्यु संबंधित आठ प्रकरणों के सार एवं अंतिम आराधना का विस्तृत वर्णन इस पयत्रे में है।
- १०B) श्री महाप्रत्याख्यान प्रकीर्णक सूत्र :- इस पयत्रे में साधु के अंतिम समय में किए जाने योग्य पयन्ना एवं विविध आत्महितकारी उपयोगी बातों का विस्तृत वर्णन है।

१०C) श्री गणिविद्या प्रकीर्णक सूत्र :- इस पत्रे में ज्योतिष संबधित बड़े ग्रंथों का सार है।

उपरोक्त दसों पयन्नों का परिमाण लगभग २५०० श्लोकों में बध्य है। इसके अलावा २२ अन्य पयन्ना भी उपलब्ध हैं। और दस पयन्नों में चंदाविजय पयन्नो के स्थान पर गच्छाचार पयन्ना को गिनते हैं।

## छह छेद सूत्र

(१) निशिथ सूत्र (२) महानिशिथ सूत्र (३) व्यवहार सूत्र (४) जीतकल्प सूत्र  
(५) पंचकल्प सूत्र (६) दशा श्रुतस्कंध सूत्र

इन छेद सूत्र ग्रन्थों में उत्सर्ग, अपवाद और आलोचना की गंभीर चर्चा है। अति गंभीर केवल आत्मार्थ, भवभीरू, संयम में परिणत, जयणावंत, सूक्ष्म दष्टि से द्रव्यक्षेत्रादिक विचार धर्मदष्टि से करने वाले, प्रतिपल छहकाया के जीवों की रक्षा हेतु चिंतन करने वाले, गीतार्थ, परंपरागत उत्तम साधु, समाचारी पालक, सर्वजीवो के सच्चे हित की चिंता करने वाले ऐसे उत्तम मुनिवर जिन्होंने गुरु महाराज की निश्रा में योगद्वहन इत्यादि करके विशेष योग्यता अर्जित की हो ऐसे मुनिवरों को ही इन ग्रन्थों के अध्ययन पठन का अधिकार है।

## चार मूल सूत्र

१) श्री दशवैकालिक सूत्र :- पंचम काल के साधु साध्वीओं के लिए यह आगमग्रन्थ अमृत सरोवर सरीखा है। इसमें दश अध्ययन हैं तथा अन्त में दो चूलिकाए रतिवाक्या व, विवित्त चरिया नाम से दी हैं। इन चूलिकाओं के बारे में कहा जाता है कि श्री स्थूलभद्रस्वामी की बहन यक्षासाध्वीजी महाविदेहक्षेत्र में से श्री सीमंधर स्वामी से चार चूलिकाए लाइ थी। उनमें से दो चूलिकाएं इस ग्रंथ में दी हैं। यह आगम ७०० श्लोक प्रमाण का है।

२) श्री उत्तराध्ययन सूत्र :- परम कृपालु श्री महावीरभगवान के अंतिम समय के उपदेश इस सूत्र में हैं। वैराग्य की बातें और मुनिवरों के उच्च आचारों का वर्णन इस आगम ग्रंथ में ३६ अध्ययनों में लगभग २००० श्लोकों द्वारा प्रस्तुत हैं।

३) श्री निर्युक्ति सूत्र :- चरण सत्तरी-करण सत्तरी इत्यादि का वर्णन इस आगम ग्रन्थ में है। पिंडनिर्युक्ति भी कई लोग ओघ निर्युक्ति के साथ मानते हैं अन्य कई लोग इसे अलग आगम की मान्यता देते हैं। पिंडनिर्युक्ति में आहार प्राप्ति की रीत बताइ हैं। ४२ दोष कैसे दूर हों और आहार करने के छह कारण और आहार न करने के छह कारण इत्यादि बातें हैं।

४) श्री आवश्यक सूत्र :- छह अध्ययन के इस सूत्र का उपयोग चतुर्विध संघ में छोट बड़े सभी को है। प्रत्येक साधु साध्वी, श्रावक-श्राविका के द्वारा अवश्य प्रतिदिन प्रातः एवं सायं करने योग्य क्रिया (प्रतिक्रमण आवश्यक) इस प्रकार हैं :-

(१) सामायिक (२) चतुर्विंशति (३) वंदन (४) प्रतिक्रमण  
(५) कार्यात्सर्ग (६) पच्चक्खाण

## दो चूलिकाए

१) श्री नंदी सूत्र :- ७०० श्लोक के इस आगम ग्रन्थ में परमात्मा महावीर की स्तुति, संघ की अनेक उपमाए, २४ तीर्थकरों के नाम ग्यारह गणधरों के नाम, स्थविरावली और पांच ज्ञान का विस्तृत वर्णन है।

२) श्री अनुयोगद्वार सूत्र :- २००० श्लोकों के इस ग्रन्थ में निश्चय एवं व्यवहार के आलंबन द्वारा आराधना के मार्ग पर चलने की शिक्षा दी गई है। अनुयोग-याने शास्त्र की व्याख्या जिसके चार द्वार हैं (१) उत्क्रम (२) निक्षेप (३) अनुगम (४) नय

यह आगम सब आगमों की चावी है। आगम पढने वाले को प्रथम इस आगम से शुरुआत करनी पडती है। यह आगम मुखपाठ करने जैसा है।

॥ इति शम् ॥

## Introduction

45 Āgamas, a short sketch

### I Eleven Āngas :

- (1) **Ācārāṅga-sūtra** : It deals with the religious conduct of the monks and the Jain householders. It consists of 02 Parts of learning, 25 lessons and among the four teachings on entity, calculation, religious discourse and the ways of conduct, the teaching of the ways of conduct is the main topic here. The Āgama is of the size of 2500 *Ślokas*.
- (2) **Sūyagaḍāṅga-sūtra** : It is also known as Sūtra-Kṛtāṅga. It's two parts of learning consist of 23 lessons. It discusses at length views of 363 doctrine-holders. Among them are 180 ritualists, 84 non-ritualists, 67 agnostics and 32 restraint-propounders, though it's main area of discussion is the teaching of entity. It is available in the size of 2000 *Ślokas*.
- (3) **Ṭhāṅga-sūtra** : It begins with the teaching of calculation mainly and discusses other three teachings subordinately. It introduces the topic of one dealing with the single objects and ends with the topic of eight objects. It is of the size of 7600 *Ślokas*.
- (4) **Samavāyāṅga-sūtra** : This is an encompendium, introducing 01 to 100 objects, then 150, 200 to 500 and 2000 to crores and crores of objects. It contains the text of size of 1600 *Ślokas*.
- (5) **Vyākhyā-prajñapti-sūtra** : It is also known as Bhagavati-sūtra. It is the largest of all the Āngas. It contains 41 centuries with subsections. It consists of 1925 topics. It depicts the questions of Gautama *Gapadhara* and answers of Lord Mahāvira. It discusses the four teachings in the centuries. This Āgama is really a treasure of gems. It is of the size of more than 15000 *Ślokas*.
- (6) **Jñātādharma-Kathāṅga-sūtra** : It is of the form of the teaching of the religious discourses. Previously it contained three and a half crores of discourses, but at present there are 19 religious discourses. It is of the size of 6000 *Ślokas*.
- (7) **Upāsaka-daśāṅga-sūtra** : It deals with 12 vows, life-sketches of 10 great Jain householders and of Lord Mahāvira, too. This deals with the teaching of the religious discourses and the ways of conduct.

It is of the size of around 800 *Ślokas*.

- (8) **Antagaḍa-daśāṅga-sūtra** : It deals mainly with the teaching of the religious discourses. It contains brief life-sketches of the highly spiritual souls who are born to liberate and those who are liberating ones : they are Andhaka Vṛṣṇi, Gautama and other 9 sons of queen Dhārīnī, 8 princes like Akṣobhakumāra, 6 sons of Devaki, Gajasukumāra, Yādava princes like Jāli, Mayālī, Vasudeva Kṛṣṇa, 8 queens like Rukmiṇī. It is available of the size of 800 *Ślokas*.
- (9) **Anuttarovavāyi-daśāṅga-sūtra** : It deals with the teaching of the religious discourses. It contains the life-sketches of those who practise the path of religious conduct, reach the *Anuttara Vimāna*, from there they drop in this world and attain Liberation in the next birth. Such souls are Abhayakumāra and other 9 princes of king Śrenika, Dirghasena and other 11 sons, Dhannā *Aṅgāra*, etc. It is of the size of 200 *Ślokas*.
- (10) **Praśna-vyākaraṇa-sūtra** : It deals mainly with the teaching of the ways of conduct. As per the remark of the Nandī-sūtra, it contained previously Lord Mahāvira's answers to the questions put by gods, Vidyādhara, monks, nuns and the Jain householders. At present it contains the description of the ways leading to transgression and the self-control. It is of the size of 200 *Ślokas*.
- (11) **Vipāka-sūtrāṅga-sūtra** : It consists of 2 parts of learning. The first part is called the Fruition of miseries and depicts the life of 10 sinful souls, while the second part called the Fruition of happiness narrates illustrations of 10 meritorious souls. It is available of the size of 1200 *Ślokas*.

### II Twelve Upāngas

- (1) **Uvavāyi-sūtra** : It is a subservient text to the *Ācārāṅga-sūtra*. It deals with the description of Campā city, 12 types of austerity, procession-arrival of Koṛīka's marriage, 700 disciples of the monk Ambaḍa. It is of the size of 1000 *Ślokas*.
- (2) **Rāyapaseṇī-sūtra** : It is a subservient text to *Sūyagaḍāṅga-sūtra*. It depicts king Pradesī's jurisdiction, god Sūryabha worshipping the Jina idols, etc. It is of the size of 2000 *Ślokas*.

- (3) **Jivābhigama-sūtra** : It is a subservient text to Tānānga-sūtra. It deals with the wisdom regarding the self and the non-self, the Jambū continent and its areas, etc. and the detailed description of the veneration offered by god Vijaya. The four chapters on areas, society, etc. published recently are composed on the line of the topics of this Sūtra and of the Pannāvaṇā-sūtra. It is of the size of 4700 Ślokas.
- (4) **Pannāvaṇā-sūtra** : It is a subservient text to the Samavāyānga-sūtra. It describes 36 steps or topics and it is of the size of 8000 Ślokas.
- (5) **Sūrya-prajñapti-sūtra** and
- (6) **Candra-prajñapti-sūtra** : These two falls under the teaching of the calculation. They depict the solar and the lunar transit, the movement of planets, the variations in the length of a day, seasons, northward and the southward solstices, etc. Each one of these Āgamas are of the size of 2200 Ślokas.
- (7) **Jambūdīpa-prajñapti-sūtra** : It mainly deals with the teaching of the calculations. As it's name indicates, it describes at length the objects of the Jambū continent, the form and nature of 06 corners (āra). It is available in the size of 4500 Ślokas.
- Nirayāvali-pañcaka** :
- (8) **Nirayāvali-sūtra** : It depicts the war between the grandfather and the daughter's son, caused of a necklace and the elephant, the death of king Śreṇika's 10 sons who attained hell after death. This war is designated as the most dreadful war of the Downward (avasarpinī) age.
- (9) **Kalpāvatamsaka-sūtra** : It deals with the life-sketches of Kālakumara and other 09 princes of king Śreṇika, the life-sketch of Padamakumra and others.
- (10) **Pupphiyā-upānga-sūtra** : It consists of 10 lessons that covers the topics of the Moon-god, Sun-god, Venus, queen Bahuputrīka, Pūrṇabhadra, Maṇibhadra, Datta, Śīla, Bala and Anādḍhiya.
- (11) **Pupphaculīya-upānga-sūtra** : It depicts previous births of the 10 queens like Śrīdevī and others.
- (12) **Vahnidaśa-upānga sūtra** : It contains 10 stories of Yadu king Andhakavṛṣṇi, his 10 princes named Samudra and others, the tenth

one Vāsudeva, his son Balabhadra and his son Niṣadha.

### III Ten Payannā-sūtras :

- (1) **Āurapaccakhāṇa-sūtra** : It deals with the final religious practice and the way of improving (the life so that the) death (may be improved).
- (2) **Bhattaparinnā-sūtra** : It describes (1) three types of Paṇḍita death, (2) knowledge, (3) Ṇgini devotee (4) Pādapopagamaṇa, etc.
- (4) **Santhāraga-payannā-sūtra** : It extols the Samstāraka.

**\*\* These four payannās can also be learnt and recited by the Jain householders. \*\***

- (5) **Tandula-viyāliya-payannā-sūtra** : The ancient preceptors call this Payannā-sūtra as an ocean of the sentiment of detachment. It describes what amount of food an individual soul will eat in his life of 100 years, the human life can be justified by way of practising a religious life.
- (6) **Candāvijaya-payannā-sūtra** : It mainly deals with the religious practice that improves one's death.
- (7) **Devendrathui-payannā-sūtra** : It presents the hymns to the Lord sung by Indras and also furnishes important details on those Indras.
- (8) **Maraṇasamādhi-payannā-sūtra** : It describes at length the final religious practice and gives the summary of the 08 chapters dealing with death.
- (9) **Mahāpaccakhāṇa-payannā-sūtra** : It deals specially with what a monk should practise at the time of death and gives various beneficial informations.
- (10) **Gaṇivijaya-payannā-sūtra** : It gives the summary of some treatise on astrology.

These 10 Payannās are of the size of 2500 Ślokas.

Besides about 22 Payannās are known and even for these above 10 also there is a difference of opinion about their names. The Gacchācāra is taken, by some, in place of the Candāvijaya of the 10 Payannās.

#### IV Six Cheda-sūtras

- (1) Vyavahāra-sūtra, (2) Nisītha-sūtra,
- (3) Mahānisītha-sūtra, (4) Pancakalpa-sūtra,
- (5) Daśāsruta-skandha-sūtra and (6) Bṛhatkalpa-sūtra.

These Chedasūtras deal with the rules, exceptions and vows.

The study of these is restricted only to those best monks who are

- (1) serene, (2) introvert, (3) fearing from the worldly existence, (4) exalted in restraint, (5) self-controlled, (6) rightfully discerning the subtlety of entity, territories, etc. (7) pondering over continuously the protection of the six-limbed souls, (8) praiseworthy, (9) exalted in keeping the tradition, (10) observing good religious conduct, (11) beneficial to all the beings and (12) Who have paved the path of Yoga under the guidance of their master.

#### V Four Mūlasūtras

- (1) **Daśavaikalika-sūtra** : It is compared with a lake of nectar for the monks and nuns established in the fifth stage. It consists of 10 lessons and ends with 02 Cūlikās called Rativākyā and Vivittacariyā. It is said that monk Sthūlabhadra's sister nun Yakṣā approached Simandhara Svāmī in the Mahāvīdeha region and received four Cūlikās. Here are incorporated two of them.
- (2) **Uttarādhyayana-sūtra** : It incorporates the last sermons of Lord Mahāvīra. In 36 lessons it describes detachment, the conduct of monks and so on. It is available in the size of 2000 *Slokas*.
- (3) **Anuyogadvāra-sūtra** : It discusses 17 topics on conduct, behaviour, etc. Some combine Piṇḍaniryukti with it, while others take it as a separate Āgama. Piṇḍaniryukti deals with the method of receiving food (*bhikṣā* or *gocari*), avoidance of 42 faults and to receive food, 06 reasons of taking food, 06 reasons for avoiding food, etc.
- (4) **Avāśyaka-sūtra** : It is the most useful Āgama for all the four groups of the Jain religious constituency. It consists of 06 lessons. It describes 06 obligatory duties of monks, nuns, house-holders and housewives. They are : (1) *Sāmāyika*, (2) *Caturvīṃsatistava*, (3) *Vandanā*, (4) *Pratikramaṇa*, (5) *Kāyotsarga* and (6) *Paccakhāṇa*.

#### VI Two Cūlikās

- (1) **Nandī-sūtra** : It contains hymn to Lord Mahāvīra, numerous similies for the religious constituency, name-list of 24 *Tirthaṅkaras* and 11 *Gaṇadhāras*, list of *Sthaviras* and the fivefold knowledge. It is available in the size of around 700 *Slokas*.
- (2) **Anuyogadvāra-sūtra** : Though it comes last in the serial order of the 45 Āgamas, the learner needs it first. It is designated as the key to all the Āgamas. The term *Anuyoga* means explanatory device which is of four types : (1) Statement of proposition to be proved, (2) logical argument, (3) statement of accordance and (4) conclusion.

It teaches to pave the righteous path with the support of firm resolve and worldly involvements.

It is of the size of 2000 *Slokas*.

## આગમ - ૧૫

દ્રવ્યાનુયોગમય પ્રજ્ઞાપના ઉપાંગ સૂત્ર - ૧૫

અન્યનામ :- પાણ્ડાવણા.

અધ્યયન ----- ૧

પદ ----- ૩૬

ઉદ્દેશક ----- ૪૪

ઉપલબ્ધ પાઠ ----- ૭૭૮૭ શ્લોક પ્રમાણ

ગદ્યસૂત્ર ----- ૬૧૪

પદ્યસૂત્ર ----- ૧૯૫

આ ઉપાંગના આરંભમાં વીરપ્રભુને વંદના કરીને ૩૬ પ્રજ્ઞાપના પદોના નામો જણાવ્યાં છે.

## (૧) પ્રજ્ઞાપના પદ

આમાં અજીવ-જીવ પ્રજ્ઞાપનાના અરૂપી અને રૂપી એમ બે ભેદો અને તે બંનેના અનુક્રમે દસ અને ચાર પ્રભેદો બતાવીને તેમના વર્ણ, ગંધ, રસ, સ્પર્શ વગેરેના ભેદો જણાવીને બાહર સૂક્ષ્મ એકેન્દ્રિય, બેઈન્દ્રિય, ત્રણ ઈન્દ્રિય, ચારઈન્દ્રિય અને પંચેન્દ્રિય જીવોના તેમજ તિર્યચ, મનુષ્ય અને દેવતાઓના ભેદ-પ્રભેદોનું વિસ્તૃત વિવરણ છે.

## (૨) સ્થાન - પદ

આમાં અધોલોક, ઉર્ધ્વલોક વગેરે આઠ પૃથ્વીઓમાં પૃથ્વીકાયિક, અપકાયિક વગેરેના તિર્યચો, નારકીઓ, મનુષ્યો અને દેવોના સ્થાનોનું વર્ણન કરી અંતે સિદ્ધોના સ્થાનનું વર્ણન છે.

## (૩) અલ્પબહુત્વ - પદ

આમાં દિશાદ્વારથી માંડીને પુદ્ગલદ્વાર સુધીના ૨૭ દ્વારો તથા અઠાવીસમા મહાદંડક દ્વારના અલ્પત્વ અને બહુત્વનું વર્ણન છે.

**(૪) સ્થિતિ-પદ**

આમાં નરકો, નારકીયો તેમજ દેવ, તિર્યચ અને મનુષ્યની પર્યાસ અને અપર્યાસ સ્થિતિનું વર્ણન છે.

**(૫) વિશેષ - પદ**

આમાં પર્યાયના ભેદોથી આરંભીને જઘન્ય - ઉત્કૃષ્ટ પ્રકારના વર્ણ-ગંધ-સ્પર્શ પુદ્ગલો અને તેમના અનંત પર્યાયની વાત છે.

**(૬) વ્યુત્ક્રાંતિ - પદ**

આમાં ગતિ-અપેક્ષા, દંડકાપેક્ષા વગેરે આઠ દ્વારો અને ચાર ગતિઓ માં જ-મ-મરણનું વર્ણન છે.

**(૭) શ્વાસોચ્છવાસ-પદ**

આમાં ૨૪ દંડકોમાં જીવોના જઘન્ય-ઉત્કૃષ્ટ પ્રકારના શ્વાસોચ્છવાસનું વર્ણન છે.

**(૮) સંજ્ઞા-પદ**

આમાં ૨૪ દંડકોમાં જીવોની ૧૦ સંજ્ઞાઓ, બાહ્ય કારણ વગેરે ચાર સંજ્ઞાઓ અને અલ્પત્વ-બહુત્વનું વર્ણન છે.

**(૯) યોનિ-પદ**

આમાં ૨૪ દંડકોમાં ત્રણ પ્રકારની યોનિઓનું વર્ણન છે.

**(૧૦) ચરમાચરમ-પદ**

આમાં આઠ પૃથ્વીઓના નામ પરિમંડલ વગેરે પાંચ સંસ્થાનો અને ૨૪ દંડકોમાં જીવોના ચરમ (અંત) અને અચરમ (અનંત)ની વાત જણાવી છે.

**(૧૧) ભાષા-પદ**

આમાં અવધારિણી ભાષાનું સ્વરૂપ, તેના ચાર ભેદો આપીને સત્યભાષા વગેરે વિવિધ ભાષા પ્રકારોનું વર્ણન કરીને ૧૬ વચનો તેમજ આરાધક-વિરાધકની ભાષાઓ જણાવી છે.

**(૧૨) શરીર-પદ**

આમાં પાંચ શરીરોના નામ અને ૨૪ દંડકોમાં જીવોના શરીર, તેના ભેદ વગેરેનું વર્ણન છે.

**(૧૩) પરિણામ-પદ**

આમાં જીવ-અજીવના પરિણામના ભેદો તથા ૨૪ દંડકોમાં ૧૦ પરિણામોનું વર્ણન છે.

**(૧૪) કષાય-પદ**

આમાં ક્રોધ, માન, માયા અને લોભ એ ચાર પ્રકારના કષાયના સ્થાન, નિમિત્ત અને ભેદ તેમજ ૨૪ દંડકોમાં કષાયના ભેદનું વર્ણન છે.

**(૧૫) ઈન્દ્રિય-પદ**

આના પહેલા ઉદ્દેશકમાં ૨૫ દ્વારોના નામો, પાંચ ઈન્દ્રિયોના સ્થાન, વિસ્તાર વગેરે, નિર્જરા પુદ્ગલ વગેરેનું વર્ણન છે.

અને બીજા ઉદ્દેશકમાં ૧૨ અધિકારોના નામો તથા ૨૪ દંડકોમાં ૧૨ અધિકારોનું વર્ણન છે.

**(૧૬) પ્રયોગ-પદ**

આમાં પ્રયોગના ૧૫ ભેદો અને ૨૪ દંડકોમાં ૧૫ પ્રયોગો અને તેના વિભિન્ન અંગો વગેરે વર્ણન છે.

**(૧૭) લેશ્યા-પદ**

આના પહેલા ઉદ્દેશકમાં સાત અધિકારો તથા તે બધા ૨૪ દંડકોમાં સ્થિત છે એમ ખતાવ્યું છે.

બીજા ઉદ્દેશકમાં છ લેશ્યાઓના નામ, ત્રીજા ઉદ્દેશકમાં ૨૪ દંડકોમાં ઉત્પત્તિ, ઉદ્ધર્તન વગેરે, ચોથામાં ૧૫ અધિકારો તથા લેશ્યાઓના રૂપ, વર્ણ વગેરે, પાંચમામાં લેશ્યાઓના રૂપ, વર્ણ વગેરેના પરિણામના દષ્ટાંતો તથા છઠા ઉદ્દેશકમાં છ લેશ્યાઓને કારણે (કર્મભૂમિ, અકર્મભૂમિ તથા અંતર્દ્રીપોના) અઠી દ્રીપમાં મનુષ્યોની સ્થિતિ વગેરે

વિષયોનું વર્ણન છે.

**(૧૮) કાયસ્થિતિ-પદ**

આમાં ૨૨ અધિકારોના નામ આપ્યા પછી નારકીય, તિર્યચ, મનુષ્ય, દેવ અને સિદ્ધોની તે તે રૂપમાં સ્થિતિ વગેરેથી માંડીને ધર્માસ્તિકાય વગેરેની સંસ્થિતિનું વર્ણન છે.

**(૧૯) સમ્યક્ત્વ-પદ**

આમાં ૨૪ દંડકોમાં ત્રણ દષ્ટિ અને સિદ્ધોમાં એક દષ્ટિનું વર્ણન છે.

**(૨૦) અંતક્રિયા-પદ**

આમાં ૨૪ દંડકોમાં અનંતરાગત તેમજ પરંપરાગતની અંતક્રિયા તેમજ વિવિધ ઉત્પત્તિઓનું વર્ણન કરીને અસંયત ભવ્યદ્રવ્ય દેવ વગેરે ૧૪ના આયુષ્ય વગેરેનું વર્ણન છે.

**(૨૧) શરીર-પદ**

આમાં ઔદારિક, વૈક્રિય વગેરે પાંચ શરીરોના ભેદ-પ્રભેદ, જઘન્ય-ઉત્કૃષ્ટતા વગેરે વર્ણન છે.

**(૨૨) ક્રિયા-પદ**

આમાં આરંભિકા વગેરે ૨૫ ક્રિયાઓનું વર્ણન છે.

**(૨૩) કર્મપ્રકૃતિ-પદ**

આના પહેલા ઉદ્દેશકમાં જ્ઞાનાવરણીય વગેરે આઠ કર્મ પ્રકૃતિઓના બંધનહેતુ, વેદન અને અનુભાવનું વર્ણન છે, અને બીજા ઉદ્દેશકમાં તે આઠ પ્રકૃતિઓના ભેદ-પ્રભેદો બતાવ્યા છે.

**(૨૪) કર્મબંધ-પદ**

આમાં ૨૪ દંડકોમાં જ્ઞાનાવરણીય વગેરે આઠ કર્મપ્રકૃતિઓના બંધ-કાલ વિષે વર્ણન છે.

**(૨૫) કર્મવેદ-પદ**

આમાં ૨૪ દંડકોમાં આઠ કર્મ પ્રકૃતિઓના વેદન વિષે વર્ણન છે.

**(૨૬) કર્મવેદબંધ-પદ**

આમાં ૨૪ દંડકોમાં આઠ કર્મ પ્રકૃતિઓના કર્મવેદન કાળના બંધ વિષે વર્ણન છે.

**(૨૭) કર્મવેદક - પદ**

આમાં ૨૪ દંડકોમાં આઠ પ્રકૃતિઓના કર્મવેદક વિષે વર્ણન છે.

**(૨૮) આહાર-પદ**

આના પહેલા ઉદ્દેશકમાં ૧૧ અધિકારના નામ આપીને ૨૪ દંડકોમાં ત્રણ પ્રકારના આહાર વિષયક વિસ્તૃત વર્ણન છે, જ્યારે બીજા ઉદ્દેશકમાં ૧૩ અધિકારો, આહારક-અનાહારક વિષે વર્ણન છે.

**(૨૯) ઉપયોગ-પદ**

આમાં ત્રિકાળ વિષે સ્પષ્ટ-અસ્પષ્ટ જ્ઞાન દર્શન એટલે કે ઉપયોગના ભેદ-પ્રભેદો વર્ણવાયા છે.

**(૩૦) પશ્યતા-પદ**

આમાં પશ્યતા એટલે કે ત્રિકાલવિષયક સ્પષ્ટ જ્ઞાન દર્શનના ભેદ-પ્રભેદો, તેના દ્રશ્ય, ભિન્ન-ભિન્ન સમય વગેરેનું વર્ણન છે.

**(૩૧) સંજ્ઞી-પદ , (૩૨) સંયત-પદ**

આ બંને પદોમાં અનુક્રમે સંજ્ઞી-અસંજ્ઞી તેમજ સંયત-અસંયત વગેરે વર્ણન છે.

**(૩૩) અવધિ-પદ**

આમાં ૧૦ અધિકારોના નામ પછી નારકીયોથી માંડીને દેવો સુધીના બધાના અવધિજ્ઞાન વિષયક વર્ણન છે.

**(૩૪) પરિચારણા-પદ**

આમાં સાત અધિકારોના નામ પછી ૨૪ દંડકોમાં અનંતરાહારથી માંડીને વિકુર્વણા સુધીનું વર્ણન તેમજ પરિચારણા (મૈથુન) વિષયક બાબતો પર પ્રકાશ પાડ્યો છે.

## (૩૫) વેદના-પદ

આમાં ૨૪ દંડકોમાં વિવિધ પ્રકારની વેદનાનું વર્ણન છે.

## (૩૬) સમુદ્ઘાત-પદ

આ છેલ્લા પદમાં સાત અધિકારોના નામ પછી સાત પ્રકારના સમુદ્ઘાત, તેના કાળ, સમુદ્ઘાતોની સંખ્યા વગેરે વર્ણન છે.

सिरि उसहदेव सामिस्स णमो । सिरि गोडी - जिराउला - भव्वोदयपासणाहाणं णमो । नमोत्थुणं समणस्स भगवओ महइमहावीर  
वद्धमाणसामिस्स । सिरि गोयम - सोहम्माइ सव्व गणहराणं णमो । सिरि सुगुरु- देवाणं णमो । ॐ पणवणासुत्तं १. पढमं  
पणवणापदं ॐ नमो वीतरागाय । ॐ सुत्तं १. मंगलं अभिधेयं च नमो अरिहंताणं । नमो सिद्धाणं । नमो आयरियाणं । नमो उवज्झायाणं । नमो लोए  
सव्व साहुणं । १. ववगयजर-मरणभए सिद्धे अभिवंदिऊण तिविहेणं । वंदामि जिणवरिंदं तेलोक्कगुरुं महावीरं ॥१॥ सुयरयणनिहाणं जिणवरेण  
भवियजणणिवुइकरेण । उवदंसिया भयवया पणवणा सव्वभावाण ॥२॥ वायगवरवंसाओ तेवीसइमेण धीरपुरिसेण । दुद्धरधरेण मुणिणा पुव्वसुयसमिद्धबुद्धीण  
॥१॥ सुयसागरा विणेऊण जेण सुयरयणमुत्तमं दिन्नं । सीसगणस्स भगवओ तस्स नमो अज्जसामस्स ॥२॥ [पक्खित्तं गाहाजुयलयं] अज्जयणमिणं चित्तं  
सुयरयणं दिट्ठिवायणीसंदं । जह वण्णियं भगवया अहमवि तह वण्णइस्सामि ॥३॥ [सुत्ताइं २-३. छत्तीसपयनामाणि पणवणोवक्कमो य ] २. पणवणा १  
ठाणाइं २ बहुवत्तव्वं ३ ठिई ४ विसेसा य ५ । वक्कंती ६ उस्सासो ७ सण्णा ८ जोणी य ९ चरिमाइं १० ॥४॥ भासा ११ सरीर १२ परिणाम १३ कसाए १४ इंदिए  
१५ पओगे य १६ लेसा १७ कायठिई या १८ सम्मत्ते १९ अंतकिरिया य २० ॥५॥ ओगाहणसंठाणे २१ किरिया २२ कम्मे त्ति यावरे २३ । कम्मस्स बंधए २४  
कम्मवेदए २५ वेदस्स बंधए २६ वेयवेयए २७ ॥६॥ आहारे २८ उवओगे २९ पासणया ३० सण्णि ३१ संजमे ३२ चेव । ओही ३३ पवियारण ३४ वेयणा य ३५  
तत्तो समुग्घाए ३६ ॥७॥ ३. से किं तं पणवणा ? पणवणा दुविहा पन्नत्ता । तं जहा-जीवपणवणा य १ अजीवपणवणा य २ । [सुत्ताइं ४-१३. अजीवपणवणा]  
४. से किं तं अजीवपणवणा ? अजीवपणवणा दुविहा पणत्ता । तं जहा-रूविअजीवपणवणा य १ अरूविअजीवपणवणा य २ । [सुत्तं ५. अरूविअजीवपणवणा]  
५. से किं तं अरूविअजीवपणवणा ? अरूविअजीवपणवणा दसविहा पन्नत्ता । तं जहा-धम्मत्थिकाए १ धम्मत्थिकायस्स देसे २ धम्मत्थिकायस्स पदेसा ३,  
अधम्मत्थिकाए ४ अधम्मत्थिकायस्स देसे ५ अधम्मत्थिकायस्स पदेसा ६, आगासत्थिकाए ७ आगासत्थिकायस्स देसे ८ आगासत्थिकायस्स पदेसा ९ अद्धासमए  
१० । से तं अरूविअजीवपणवणा । [सुत्ताइं ६-१३. रूविअजीवपणवणा] ६. से किं तं रूविअजीवपणवणा ? रूविअजीवपणवणा चउव्विहा पणत्ता । तं  
जहा-खंधा १ खंधदेसा २ खंधप्पएसा ३ परमाणुपोग्गला ४ । ७. ते समासतो पंचविहा पणत्ता । तं जहा-वण्णपरिणया १ गंधपरिणया २ रसपरिणया ३  
फासपरिणया ४ संठाणपरिणया ५ । ८. १ जे वण्णपरिणया ते पंचविहा पणत्ता । तं जहा-काल-वण्णपरिणया १ नीलवण्णपरिणया २ लोहियवण्णपरिणया ३  
हालिइवण्णपरिणया ४ सुक्किलवण्णपरिणया ५ । २ जे गंधपरिणया ते दुविहा पन्नत्ता । तं जहा-सुब्भिगंधपरिणया १ दुब्भिगंधपरिणया २ । ३ जे  
रसपरिणया ते पंचविहा पन्नत्ता । तं जहा-तित्तरसपरिणया १ कडुयरसपरिणया २ कसायरसपरिणया ३ अंबिलरसपरिणया ४ महुररसपरिणया ५ । ४ जे  
फासपरिणया ते अट्टविहा पणत्ता । तं जहा-कक्खडफासपरिणया १ मउयफासपरिणया २ गरुयफासपरिणया ३ लहुयफासपरिणया ४ सीयफासपरिणया ५  
उसिणफासपरिणया ६ निद्धफासपरिणया ७ लुक्खसफासपरिणया ८ । ५ जे संठाणपरिणया ते पंचविहा पणत्ता । तं जहा-परिमंडल-संठाणपरिणया १  
वट्टसंठाणपरिणया २ तंससंठाणपरिणया ३ चउरंससंठाणपरिणया ४ आयतसंठाणपरिणया ५ । २५। ९. १ जे वण्णओ कालवण्णपरिणया ते गंधओ सुब्भिगंधपरिणया  
वि दुब्भिगंधपरिणया वि, रसओ तित्तरसपरिणया वि कडुयरसपरिणया वि कसायरसपरिणया वि अंबिलरसपरिणया वि महुररसपरिणया वि, फासओ  
कक्खडफासपरिणया वि मउयफासपरिणया वि गरुयफासपरिणया वि लहुयफासपरिणया वि सीयफासपरिणया वि उसिणफासपरिणया वि निद्धफासपरिणया वि  
लुक्खफासपरिणया वि, संठाणओ परिमंडलसंठाणपरिणया वि वट्टसंठाणपरिणया वि तंससंठाणपरिणया वि चउरंससंठाणपरिणया वि आयतसंठाणपरिणया वि  
२० । २ जे वण्णओ नीलवण्णपरिणया ते गंधओ सुब्भिगंधपरिणया वि दुब्भिगंधपरिणया वि, रसओ तित्तरसपरिणया वि कडुयरसपरिणया वि कसायरसपरिणया

सौजन्य :- शाह एन्जनीयरींग ड्रुं गांधीधाम - भेराड. (५२४)







वि गरुयफासपरिणता वि लहुयफासपरिणता वि सीतफासपरिणता वि उसिणफासपरिणता वि निद्धफासपरिणता वि लुक्खफासपरिणता वि २०। ५ जे संठाणतो आयतसंठाणपरिणता ते वण्णतो कालवण्णपरिणता वि नीलवण्णपरिणता वि लोहियवण्णपरिणता वि ह्वाल्लिद्धवण्णपरिणता वि सुक्किल्लवण्णपरिणता वि, गंधतो सुब्भिगंधपरिणता वि दुब्भिगंधपरिणता वि, रसतो तित्तरसपरिणता वि कडुयरपरिणता वि कसायरसपरिणता वि अंबिलरसपरिणता वि महुररसपरिणता वि, फासतो कक्खडफासपरिणता वि मउयफासपरिणता वि गरुयफासपरिणता वि लहुयफासपरिणता वि सीतफासपरिणता वि उसिणफासपरिणता वि निद्धफासपरिणता वि लुक्खफासपरिणता वि २०।१००।५। से तं रूविअजीवपणवणा । से तं अजीवपणवणा । [सुत्ताइं १४-१४७. जीवणवणा ?] १४. से किं तं जीवपणवणा ? जीवपणवणा दुविहा पणत्ता । तं जहा संसारसमावण्णजीवपणवणा य १ असंसारसमावण्णजीवपणवणा य २ । [सुत्ताइं १५-१७. असंसारसमावण्णजीवपणवणा] १५. से किं तं असंसारसमावण्णजीवपणवणा ? असंसारसमावण्णजीवपणवणा दुविहा पणत्ता । तं जहा अणंतरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा य १ परंपरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा य २ । १६. से किं तं अणंतरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा ? अणंतरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा पन्नरसविहा पन्नत्ता । तं जहा तित्थसिद्धा १ अतित्थसिद्धा २ तित्थगरसिद्धा ३ अतित्थगरसिद्धा ४ सयंबुद्धसिद्धा ५ पत्तेयबुद्धसिद्धा ६ बुद्धबोहियसिद्धा ७ इत्थीलिंगसिद्धा ८ पुरिसलिंगसिद्धा ९ नपुंसकलिंगसिद्धा १० सलिंगसिद्धा ११ अण्णलिंगसिद्धा १२ गिहिलिंगसिद्धा १३ एगसिद्धा १४ अणेगसिद्धा १५ । से तं अणंतरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा १७. से किं तं परंपरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा ? परंपरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा अपढमसमयसिद्धा दुसमयसिद्धा तिसमयसिद्धा चउसमयसिद्धा जाव संखेज्जसमयसिद्धा असंखेज्जसमयसिद्धा अणंतसमयसिद्धा । से तं परंपरसिद्धअसंसारसमावण्णजीवपणवणा । से तं असंसारसमावण्णजीवपणवणा । [सुत्ताइं १८-१४७. संसारसमावण्णजीवपणवणा] १८. से किं तं संसारसमावण्णजीवपणवणा ? संसारसमावण्णजीवपणवणा पंचविहा पन्नत्ता । तं जहा एगिंदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा १ बेइंदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा २ तेदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा ३ चउरेदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा ४ पंचेदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा ५ । [सुत्ताइं १९-५५. एगिंदियजीवपणवणा] १९. से किं तं एगेदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा ? एगेदियसंसारसमावण्णजीवपणवणा पंचविहा पणत्ता । तं जहा पुढविकाइया १ आउकाइया २ तेउकाइया ३ वाउकाइया ४ वणस्सइकाइया ५ । [सुत्ताइं २०-२५. पुढवीकायजीवपणवणा] २०. से किं तं पुढविकाइया ? पुढविकाइया दुविहा पणत्ता । तं जहा सुहुमपुढविकाइया य बादरपुढविकाइया य । २१. से किं तं सुहुमपुढविकाइया ? सुहुमपुढविकाइया दुविहा पणत्ता । तं जहा पज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइया य । से तं सुहुमपुढविकाइया । २२. से किं तं बादरपुढविकाइया ? दुविहा पन्नत्ता तं जहा सण्हबादरपुढविकाइया य खरबादरपुढविकाइया य । २३. से किं तं सण्हबादरपुढविकाइया ? सण्हबादरपुढविकाइया सत्तविहा पन्नत्ता । तं जहा किण्हमत्तिया १ नीलमत्तिया २ लोहियमत्तिया ३ ह्वाल्लिद्धमत्तिया ४ सुक्किल्लमत्तिया ५ पंडुमत्तिया ६ पणगमत्तिया ७ । से तं सण्हबादरपुढविकाइया । २४. से किं तं खरबादरपुढविकाइया ? खरबादरपुढविकाइया अणेगविहा पणत्ता । तं जहा पुढवी य १ सक्करा २ वालुया य ३ उवले ४ सिला य ५ लोणूसे ६-७ । अय ८ तंब ९ तउय १० सीसय ११ रूप १२ सुवण्णे य १३ वइरे य १४ ॥८॥ हरियाले १५ हिंगुलुए १६ मणोसिला १७ सासगंडजण १८-१९ पवाले २० । अब्भपडल २१ ऽब्भवालुय २२ बादरकाए मणिविहाणा ॥९॥ गोमेज्जए २३ रुपए २४ अंके २५ फलिहे य २६ लोहियक्खे य २७ । मरगय २८ मसारगल्ले २९ भुयमोयग ३० इंदनीले य ३१ ॥१०॥ चंदण ३२ गेरुय ३३ हंसे ३४ पुलए ३५ सोगंधिए य ३६ बोधव्वे । चंदप्पभ ३७ वेरुलिए ३८ जलकंते ३९ सूरकंते य ४० ॥११॥ जे यावण्णे तहप्पगारा । २५. १ ते समासतो दुविहा पन्नत्ता । तं जहा पज्जत्तगा य

अपज्जत्तगा य । २ तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं असंपत्ता । ३ तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा एतेसि णं वण्णादेसेणं गंधादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं, संखेज्जाइं जोणिप्पमुहसतसहस्साइं । पज्जत्तगणिस्साए अपज्जत्तगा वक्कमंति जत्थ एगो तत्थ णियमा असंखिज्जा । से तं खरबादरपुढविकाइया । से तं बादरपुढविकाइया । से तं पुढविकाइया । [सुत्ताइं २६- २८. आउक्कायजीवपणवणा] २६. से किं तं आउक्काइया ? आउक्काइया दुविहा पणत्ता । तं जहा सुहुमआउक्काइया य बादरआउक्काइया य । २७. से किं तं सुहुमआउक्काइया ? सुहुमआउक्काइया दुविहा पन्नत्ता । तं जहा पज्जत्तसुहुमआउक्काइया य अपज्जत्तसुहुमआउक्काइया य । से तं सुहुमआउक्काइया । २८. १ से किं तं बादरआउक्काइया ? बादरआउक्काइया अणेगविहा पणत्ता । तं जहा ओसा हिमण महिया करए हरतणूए सुद्धोदए सीतोदए उसिणोदए खारादए खट्टोदए अंबिलोदए लवणोदए वारुणोदए खीरोदए घओदए खोतोदए रसोदए, जे यावडण्णे तहप्पगारा । २ ते समासतो दुविहा पन्नत्ता । तं जहा पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । ३ तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं असंपत्ता । ४ तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा एतेसि णं वण्णादेसेणं गंधादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं, संखेज्जाइं जोणीपमुहसयसहस्साइं । पज्जत्तगणिस्साए अपज्जत्तगा वक्कमंति जत्थ एगो तत्थ णियमा असंखेज्जा । से तं बादरआउक्काइया । से तं आउक्काइया । [सुत्ताइं २९- ३१. तेउक्कायजीवपणवणा] २९. से किं तं तेउक्काइया ? तेउक्काइया दुविहा पणत्ता । तं जहा सुहुमतेउक्काइया य बादरतेउक्काइया य । ३०. से किं तं सुहुमतेउक्काइया सुहुमतेउक्काइया दुविहा पन्नत्ता तंजहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तआ य । से तं सुहुमतेउक्काइया । ३१. १ से किं तं बादरतेउक्काइया ? बादरतेउक्काइया अणेगविहा पणत्ता । तं जहा इंगाले जाला मुम्मरे अच्ची अलाए सुद्धागणी उक्का विज्जू असणी णिग्घाए संघरिससमुट्टिए सूरकंतमणिणिस्सिए, जे यावडण्णे तहप्पगारा । २ ते समासतो दुविहा पन्नत्ता । तं जहा पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । ३ तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं असंपत्ता । ४ तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा एतेसि णं वण्णदेसेणं गंधादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं, संखेज्जाइं जोणिप्पमुहसयसहस्साइं । पज्जत्तगणिस्साए अपज्जत्तगा वक्कमंति जत्थ एगो तत्थ णियमा असंखेज्जा । से तं बादरतेउक्काइया । से तं तेउक्काइया । [सुत्ताइं ३२- ३४. वाउकायजीवपणवणा] ३२. से किं तं वाउक्काइया ? वाउक्काइया दुविहा पणत्ता । तं जहा सुहुमवाउक्काइया य बादरवाउक्काइया य । ३३. से किं तं सुहुमवाउक्काइया ? सुहुमवाउक्काइया दुविहा पन्नत्ता । तं जहा पज्जत्तगसुहुमवाउक्काइया य अपज्जत्तगसुहुमवाउक्काइया य । से तं सुहुमवाउक्काइया । ३४. १ से किं तं बासरवाउक्काइया ? बादरवाउक्काइया अणेगविहा पणत्ता । तं जहा पाईणसाए पडीणवाए दाहिणवाए उह्णवाए अहोवाए तिरिवाए विदिसीवाए वाउक्कलिया वायमंडलिया उक्कलियावाए मंडलियावाए गुंजावाए झंझावाए संवट्टगवाए घणवाए तणुवाए सुद्धवाए, जे या वडण्णे तहप्पगारे । २ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । ३ तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं असंपत्ता । ४ तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा एतेसि णं वण्णदेसेणं गंधादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं, संखेज्जाइं जोणिप्पमुहसयसहस्साइं । पज्जत्तगणिस्साए अपज्जत्तगा वक्कमंति जत्थ एगो तत्थ णियमा असंखेज्जा । से तं बादरवाउक्काइया । से तं वाउक्काइया । [सुत्ताइं ३५—५५. वणस्सइकायजीवपणवणा] ३५. से किं तं वणस्सइकाइया ? वणस्सइकाइया दुविहा पणत्ता । तं जहा सुहुमवणस्सइकाइया य बादरवणस्सइकाइया य । ३६. से किं तं सुहुमवणस्सइकाइया ? सुहुमवणस्सइकाइया दुविहा पन्नत्ता । तं जहा पज्जत्तसुहुमवणस्सइकाइया य अपज्जत्तसुहुमवणस्सइकाइया य । से तं सुहुमवणस्सइकाइया । ३७. से किं तं बादरवणस्सइकाइया ? बादरवणस्सइकाइया दुविहा पणत्ता । तं जहा पत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइया य साहारणसरीरबादरवणप्फइकाइया य साहारणसरीरबादरवणप्फइकाइया य । ३८. से किं तं पत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइया ? पत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइया दुवालसविहा पन्नत्ता । तं जहा रुक्खा १ गुच्छा २ गुम्मा ३ लता य ४ वल्ली य ५ पव्वगा चेव ६ । तण ७ वलय ८ हरिय ९ ओसहि १० जलरुह ११ कुहणा य १२ बोधव्वा ॥१२॥ ३९. से किं तं रुक्खा ? रुक्खा दुविहा पन्नत्ता । तं जहा एगट्टिया य

बहुबीयगा य । ४० से किं तं एगट्टिया ? एगट्टिया अणेगविहा पणत्ता । तं जहा णिंबंजं बु कोसंब साल अंकोल्ल पीलु सेलू य । सल्लइ मोयइ मालुय वउल पलासे करंजे य ॥१३॥ पुत्तंजीवयऽरिट्ठे बिभेलए हरडए य भल्लाए । उंबेभरिया खीरिणि बोधव्वे धायइ पियाले ॥१४॥ पूईकरंज सेण्हा(सण्हा) तह सीसवा य असणे य । पुण्णाग णागरुक्खे सीवण्णि तहा असोणे य ॥१५॥ जे यावऽण्णे तहप्पगारा । एतेसि णं मूला वि असंखेज्जजीविया, कंदा वि खंधा वि तया वि साला वि पवाला वि । पत्ता पत्तेयजीविया । पुप्फा अणेगजीविया । फला एगट्टिया । से तं एगट्टिया । ४१. से किं तं बहुबीयगा ? बहुबीयगा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा अत्थिय तिंदु कविट्ठे अंबाडग माउलिंग बिल्ले य । आमलग फणस दाडिम आसोत्थे उंपर वडे य ॥१६॥ णग्गोह णंदिरुक्खे पिप्परि सयरी पिलुक्खरुक्खे य । काउंबरि कुत्थंभरि बोधव्वा देवदाली य ॥१७॥ तिलए लउए छत्तोह सिरीसे सत्तिवण्ण दहिवन्ने । लोद्ध धव चंदणऽज्जुण णीमे कुडए कयंबे य ॥१८॥ जे यावऽण्णे तहप्पगारा । एएसि णं मूला वि असंखेज्जजीविया, कंदा वि खंधा वि तया वि साला वि पवाला वि । पत्ता पत्तेयजीविया । पुप्फा अणेगजीविया । फला बहुबीया । से तं बहुबीयगा । से तं रुक्खा । ४२. से किं तं गुच्छा ? गुच्छा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा वाइंगण सल्लइ बोंडई य तहा कच्छुरी य जासुमणा । रूवी आढइ नीली तुलसी तह माउलिंगी य ॥१९॥ कत्थंभरि पिप्पलिया अतसी बिल्ली य कायमाई या । चुच्चु पडोला कंदलि बाउच्चा वत्थुले बदरे ॥२०॥ पत्तउर सीयउरए हवति तहा जवसए य बोधव्वे । णिग्गुंडि अक्क तूवरि आढई चैव तलऊडा ॥२१॥ सण वाण कास मद्दग अगघाडग साम सिंदुबारे य । करमइ अद्दरुसग करीर एरावण महित्थे ॥२२॥ जाउलग माल परिली गयमारिणि कुच्च कारिया भंडी । जावइ केयइ तह गंज पाडला दासि अंकोल्ले ॥२३॥ जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं गुच्छा । ४३. से किं तं गुम्मा ? गुम्मा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा सेरियए णोमालिय कोरंटय बंधुजीवग मणोज्जे । पीईय पाण कणइर कुज्जय तह सिंदुबारे य ॥२४॥ जाई मोग्गर तह जूहिया य तह मल्लिया य वासंती । वत्थुल कच्छुल सेवाल गंठि मगदंतिया चैव ॥२५॥ चंपगजाती णवणीइया य कुदो तहा महाजाई । एवमणेगागारा हवंति गुम्मा मुणेयव्वा ॥२६॥ से तं गुम्मा । ४४. से किं तं लयाओ ? लयाओ अणेगविहाओ पणत्ताओ । तं जहा पउमलता नागलता असोण-चंपयलता य चूतलता । वणलय वासंतिलया अइमत्तय-कुंद-सामलता ॥२७॥ जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं लयाओ । ४५. से किं तं वल्लीओ ? वल्लीओ अणेगविहाओ पणत्ताओ । तं जहा पूसफली कालिंगी तुंबी तउसी य एलवालुंकी । घोसाडई पडोला पंचंगुलिया य णालीया ॥२८॥ कंगूया कद्दुइया कक्कोडइ कारियल्लई सुभगा । कुवधा(या) य वागली पाववल्लि तह देवदारू य ॥२९॥ अप्फोया अइमुत्तय णागलया कण्ह-सूरवल्ली य । संघट्ट सुमणसा वि य जासुवण कुविदंल्ली य ॥३०॥ मुद्दिय अप्पा भल्ली छीरविराली जियंति गोवाली । पाणी मासावल्ली य वच्छाणी ॥३१॥ ससबिंदु गोत्तफुसिया गिरिकण्णइ मालुया य अंजणई । दहफुल्लइ कागणि मोगली य तह अक्कबोंदी य ॥३२॥ जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं वल्लीओ । ४६. से किं तं पव्वगा ? पव्वगा अणेगविहा पत्तत्ता । तं जहा इक्खू य इक्खुवाडी वीरण तह एक्कडे भमासे य । सुंबे सरे य वेते तिमिरे सतपोरग णले य ॥३३॥ वसे वेलू कणए कंकावंसे य चाववंसे य । उदए कुडए कुडए विमए कंडावेलू य कल्लाणे ॥३४॥ जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं पव्वगा । ४७. से किं तं तणा ? तणा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा सडिय भत्तिय होत्तिय डब्भ कुसे पव्वए य पोडइला । अज्जुण असाढए रोहियंसा सुय वेय खीर तुसे ॥३५॥ एरंडे कुरुविदे कक्खड सुंठे तहा विभंगू य । महुरतण लुणय सिप्पय बोधव्वे सुंकलितणा य ॥३६॥ जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं तणा । ४८. से किं तं वलया ? अणेगविहा पणत्ता । तं जहा ताल तमाले तक्कलि तेयलि सारे य सारकल्लणे । सरले जावति केयइ कंदलि तह धम्मरुक्खे य ॥३७॥ भुयरुक्ख हिंगरुक्खे लवंगरुक्खे य होति बोधव्वे । पूयफली खज्जूरी बोधव्वा नालिएरी य ॥३८॥ जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं वलया । ४९. से किं तं हरिया ? हरिया अणेगविहा पणत्ता । तं जहा अज्जोरुह वोडाणे हरितग तह तंदुलेज्जग तणे य । वत्थुल पारग मज्जार पाइ बिल्ली य पालक्का ॥३९॥ दगपिप्पली य दव्वी सोत्थियसाए तहेव मंडुक्की । मूलग सरिसव अंबिलसाए य जियंतए चैव ॥४०॥ तुलसी कण्ह उराले फणिज्जए अज्जए य भूयणए । चोरग दमणग मरुयग सयपुप्फदीवरे य तहा ॥४१॥ जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं हरिया । ५०. से किं तं ओसहीओ ? ओसहीओ अणेगविहाओ पणत्ताओ । तं

जहा साली १ वीही २ गोधूम ३ जवजवा ४ कल ५ मसूर ६ तिल ७ मुग्गा ८ । मास ९ निप्फाव १० कुलत्थ ११ अलिसंद १२ सतीण १३ पलिमंथा १४ ॥४२॥  
 अयसी १५ कुसुंभ १६ कोद्व १७ कंगू १८ रालग १९ वरसामग २० कोदूसा २१। सण २२ सरिसव २३ मूलग २४ बीय २५ जा यावऽण्णा तहपगारा ॥४३॥ से  
 तं ओसहीओ । ५१. से किं तं जहा उदए अवए पणए सेवाले कलंबुया हे कसेरुया कच्छा भाणी उप्पले पउमे कुमुदे नलिणे सुभए सुगंधिए पोंडरीए महापोंडरीए  
 सयपत्ते सहस्सपत्ते ककल्हारे कोकणदे अरविदे तामरसे भिसे भिसमुणाले पोक्खले पोक्खलत्थिभए, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं जलरुहा । ५२. से किं तं  
 कुहणा ? कुहणा अणेगविहा पण्णत्ता । तं जहा आए काए कुहणे कुणक्के दव्वहलिया सप्फाए सज्जाए सित्ताए वंसी णहिया कुरए, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं  
 कुहणा । ५३. णाणाविहसंठाणा रुक्खाणं एगजीविया पत्ता । खंधो वि एगजीवो ताल-सरल-नालिएरीणं ॥४४॥ जह सगलसरिसवाणं सिलेसमिस्साण वट्टिया वट्टी ।  
 पत्तेयसरीराणं तह होति सरीरसंघाया ॥४५॥ जह वा तिलपप्पडिया बहुएहिं तिलेहिं संहिता संती । पत्तेयसरीराणं तह होति सरीरसंघाया ॥४६॥ से तं  
 पत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइया । ५४. १ से किं तं साहारणसरीरबादरवणस्सइकाइया ? साहारणसरीरबादरवणस्सइकाइया अणेगविहा पण्णत्ता । तं जहा  
 अवए पणए सेवाले लोहिणी मिहू त्थिहू त्थिभगा । असकणी सीहकणी सिउंढि तत्तो मुसुंढी य ॥४७॥ रुरु कंडुरिया जारू छीरविराली तहेव किट्टीया । हलिद्दा  
 सिंगबेरे य आलूगा मूलए इय ॥४८॥ कंबू य कण्हकडबू महुओ वलई तहेव महुसिंगी । णिरुहा सप्पसुयंधा छिण्णरुहा चेव बीयरुहा ॥४९॥ पाढा मियवालुंकी  
 महुररसा चेव रायवल्ली य । पउमा य माढरी दंती चंडी किट्टि ति यावरा ॥५०॥ मासपणी मुग्गपणी जीविय रसभेय रेणुया चेव । काओली खीरकाओली तहा भंगी  
 णही इ य ॥५१॥ किमिरासि भद्दमुत्था णंगलई पलुगा इ य । किण्हे पउले य हढे हरतणुया चेव लोयाणी ॥५२॥ कण्हे कंदे वज्जे सूरणकंदे तहेव खल्लूडे । एए  
 अणंतजीवा, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥५३॥ २ तणमूल कंदमूले वंसमूले ति यावरे । संखेज्जमसंखेज्जा बोधव्वाऽणंतजीवा य ॥५४॥ सिंघाडगस्स गुच्छो अणेगजीवो  
 उ होति पायव्वो । पत्ता पत्तेयजिवा, दोण्णि य जीवा फले भणिता ॥५५॥ ३ जस्स मूलस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसए । अणंतजीवे उ से भूले, जे यावऽण्णे  
 तहाविहा ॥५६॥ जस्स कंदस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसए । अणंतजीवे उ से कंदे, जे यावऽणे तहाविहा ॥५७॥ जस्स खंदस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसई ।  
 अणंतजीवे उ से खंधे, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥५८॥ जीसे तयाए भग्गाए समो भंगो पदीसए । अणंतजीवा तया सा उ, जा या वउत्था तहाविहा ॥५९॥ जस्स  
 सालस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसई । अणंतजीवे उ से साले, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥६०॥ जस्स पवालस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसई । अणंतजीवे पवाले से,  
 पीसे तयाए भग्गाए समो भंगो पदीसए, अणंतजीवा तया सा उ जे यावऽण्णे तहाविहा ॥६१॥ जस्स पत्तस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसई । अणंतजीवे उ से पत्ते, जे  
 यावऽण्णे तहाविहा ॥६२॥ जस्स पुप्फस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसई । अणंतजीवे उ से पुप्फे, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥६३॥ जस्स फलस्स भग्गस्स समो भंगो  
 पदीसती । अणंतजीवे फले से उ, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥६४॥ जस्स बीयस्स भग्गस्स समो भंगो पदीसई । अणंतजीवे उ से बीए, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥६५॥ ४  
 जस्स मूलस्स भग्गस्स हीरो भंगे पदीसई । परित्तजीवे उ से मूले, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥६६॥ जस्स कंदस्स भग्गस्स हीरो भंगे पदीसई । परित्तजीवे उ से कंदे, जे  
 यावऽण्णे तहाविहा ॥६७॥ जस्स खंधस्स भग्गस्स हीरो भंगे पदीसई । परित्तजीवे उ से खंधेले, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥६८॥ जीसे तयाए भग्गस्स हीरो भंगे  
 पदीसई । परित्तजीवे तया सा उ, जा यावऽण्णा तहाविहा ॥६९॥ जस्स सालस्स भग्गस्स हीरो भंगे पदीसती । परित्तजीवे उ से साले, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥७०॥  
 जस्स पवालस्स भग्गस्स हीरो भंगे पदीसति । परित्तजीवे पवाले उ, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥७१॥ जस्स पत्तस्स भग्गस्स हीरो भंगे पदीसति । परित्तजीवे उ से पत्ते,  
 जे यावऽण्णे तहाविहा ॥७२॥ जस्स पुप्फस्स भग्गस्स हीरो भंगे पदीसति । परित्तजीवे उ से पुप्फे, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥७३॥ जस्स फलस्स भग्गस्स हीरो भंगे  
 पदीसति । परित्तजीवे फले से उ, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥७४॥ जस्स बीयस्स भग्गस्स हीरो भंगे पदीसति । परित्तजीवे उ से बीए, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥७५॥ ५  
 जस्स मूलस्स कट्ठाओ छल्ली बहलतरी भवे । अणंतजीवा उ सा छल्ली, जा यावऽण्णा तहाविहा ॥७६॥ जस्स कंदस्स कट्ठाओ छल्ली बहलतरी भवे । अणंतजीवा

तु सा छल्ली, जा यावऽण्णा तहाविहा ॥७७॥ जस्स खंधस्स कट्ठाओ छल्ली बहलतरी भवे । अणंतजीवा उ सा छल्ली, जा यावऽण्णा तहाविहा ॥७८॥ जीसे सालाए कट्ठाओ छल्ली बहलतरी भवे । अणंतजीवा उ सा छल्ली, जा यावऽण्णा तहाविहा ॥७९॥ ६ जस्स मूलस्स कट्ठाओ छल्ली तणुयतरी भवे । परित्तजीवा उ सा छल्ली, जा यावऽण्णा तहाविहा ॥८०॥ जस्स कंदस्स कट्ठाओ छल्ली तणुयतरी भवे । परित्तजीवा उ सा छल्ली, जा यावऽण्णा तहाविहा ॥८१॥ जस्स खंधस्स कट्ठाओ छल्ली तणुयतरी भवे । परित्तजीवा उ सा छल्ली, जा यावऽण्णा तहाविहा ॥८२॥ जीसे सालाए कट्ठाओ छल्ली तणुयतरी भवे । परित्तजीवा उ सा छल्ली, जा यावऽण्णा तहाविहा ॥८३॥ ७-चक्कागं भज्जमाणस्स गंठी चुण्णघणो भवे । पुढविसरिसेण भेएण अणंतजीवं वियाणाहि ॥८४॥ गूढछिरागं पत्तं सच्छीरं जं च होति णिच्छीरं । जं पि य पणद्वसंधिं अणंतजीवं वियाणाहि ॥८५॥ ८ पुप्फा जलया थलया य वेंटबद्धा य णालबद्धा य । संखेज्जमसंखेज्जा बोधव्वाऽणंतजीवा य ॥८६॥ जे केइ नालियाबद्धा पुप्फा संखेज्जजीविया भणिता । णिहुया अणंतजीवा, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥८७॥ पउमुप्पलिणीकंदे अंतरकंदे तहेव झिल्ली य । एते अणंतजीवा एगो जीवो भिस-मुणाले ॥८८॥ पलइ-लहसणकंदे य कंदली य कुसुंबए । एए परित्तजीवा, जे यावऽण्णे तहाविहा ॥८९॥ पउमुप्पल-नलिणाणं सुभग-सोगंधियाण य । अरविंद-कोकणाणं सववत्त-सहस्सवत्ताणं ॥९०॥ वेंटं बाहिरपत्ता य कण्णिया चेव एगजीवस्स । अब्भितरगा पत्ता पत्तेयं केसरा मिंजा ॥९१॥ वेणु णल इक्खुवाडिय मसमा सइखू य इक्कडेरंडे । करकर सुंठि विहुंगुं तणाण तह पव्वगाणं च ॥९२॥ अच्छिं पव्वं बलिमोडओ य एगस्स होति जीवस्स । पत्तेयं पत्ताइं पुप्फाइं अणेगजीवाइं ॥९३॥ पुस्सफलं कालिंगं तुंबं तउसेलवालु वालुकं । घोसाडयं पडोलं तिंदूयं चेव तेंदूसं ॥९४॥ विटं समसं-कडाइं एयाइं होति एगजीवस्स । पत्तेयं पत्ताइं सकेसरमकेसरं मिंजा ॥९५॥ सप्फाए सज्जाए उव्वेहलिया य कुहण कंदुक्के । एए अणंतजीवा कंदुक्के होति भयणा उ ॥९६॥ ९ जोणिपब्भूए बीए जीवो वक्कमइ सो व अण्णो वा । जो वि य मूले जीवो सो वि य पत्ते पढमताए ॥९७॥ सब्बो वि किसलओ खलु उग्गममाणो अणंतओ भणिओ । सो चेव विवहंतो होइ परित्तो अणंतो वा ॥९८॥ १० समयं वक्कंताणं समयं तेसिं सरीरनिव्वत्ती । समयं आणुगहणं समयं ऊसास-नीसासे ॥९९॥ एकस्स उ जं गहणं बहूणं साहारणाण तं चेव । जं बहुयाणं गहणं समासओ तं पि एगस्स ॥१००॥ साहारणमाहरो साहारणमाणुपाणगहणं च । साहारणजीवाणं साहारणलक्खणं एयं ॥१०१॥ जह अयगोलो धंतो जाओ तत्तवणिज्जसंकासो । सब्बो अगणिपरिणतो निगोयजीवे तहा जाण ॥१०२॥ एगस्स दोण्ह तिण्ह व संखेज्जाण व न पासिउं सक्का । दीसंति सरीराइं णिओयजीवाणऽणंतानं ॥१०३॥ ११ लोगागासपएसे णिओयजीवं ठवेहि एक्केक्कं । एवं भवेज्जमाणा हवंति लोया अणंता उ ॥१०४॥ लोगागासपएसे परित्तजीवं ठवेहि एक्केक्कं । एवं मविज्जमाणा हवंति लोया असंखेज्जा ॥१०५॥ पत्तेया पज्जत्ता पयरस्स असंखभागमेत्ता उ । लोगाऽसंखाऽपज्जत्तगाण साहारणमणंता ॥१०६॥ [एएहिं सरीरेहिं पच्चक्खं ते परूविया जीवा । सुहुमा आणागेज्झा चक्खुप्फासं ण ते एंति ॥१॥] [पक्खित्ता गाहा] जे यावऽण्णे तहप्पगाराः ५५. १ ते समासओ दुविहा पण्णत्ता । तं जहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । २ तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं असंपत्ता । ३ तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा तेसिं वण्णादेसेणं गंधादेसेणं रसादेसेणं फासादेसेणं सहस्सग्गसो विहाणाइं, संखोज्जाइं जोणिप्पमुमुहसयसहस्साइं । पज्जत्तगणिस्साए अपज्जत्तगा वक्कमंति-जत्थ एगो तत्थ सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय अणंता । एएसि णं इमाओ गाहाओ अणुगंतव्वाओ । तं जहा- कंदा य १ कंदमूला य २ रुक्खमूला इ ३ यावरे । गुच्छा य ४ गुम्म ५ वल्ली य ६ वेलुराणि ७ तणाणि य ८ ॥१०७॥ पउमुप्पल ९-१० संघाडे ११ हडे य १२ सेवाल १३ किण्हए १४ पणए १५ । अवएय १६ कच्छ १७ भाणी १८ कंदुक्केक्कणवीसइमे १९ ॥१०८॥ तय-छल्लि-पवालेसु य पत्त-पुप्फ-फलेसु य । मूलऽग्ग-मज्झ-बीएसु जोणी कस्स य कित्तिया ? ॥१०९॥ से त्तं साहारणसरीरबादरवणस्सइकाइया । से त्तं बादरवणस्सइकाइया । से त्तं वणस्सइकाइया । से त्तं एगिदिया । [सुत्तं ५६. बेइंदियजीवपण्णवणा] ५६. १ से किं तंबेदिया ? बेदिया (? से किं तं बेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ? बेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा) अणेगविहा पन्नत्ता । तं जहा - पुलकिमिया कुच्छिकिमिया गंडूयलगा गोलोमा णेउरा सोमंगलगा वंसीमुहा सूइमुहा गोजलोया जलोया जलोउया संखा संखणगा घुल्ला खुल्ला वराडा सोत्तिया मोत्तिया कलुया वासा एगओवत्ता दुहओवत्ता

णंदियावत्ता संवुक्का माईवाहा सिप्पिसंपुडा चंदणा समुदलिकखा, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । सव्वेते समुच्छिमा नपुंसगा । २ ते समासतो दुविहा पन्नत्ता । तं जहा - पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । एएसि णं एवमादियाणं बेइंदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं सत्त जाइकुलकोडिजोणीपमुहसतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । से तं बेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा । [सुत्तं ५७. तेइंदियजीवपण्णवणा] ५७. १ से किं तं तेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ? तेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा अणेगविहा पन्नत्ता । तं जहा - ओवत्तया रोहिणीया कुंथू पिपीलिया उदंसगा उदेहिया उक्कलिया उप्पाया उक्कडा उप्पडा तणाहारा कट्टाहारा मालुया पत्ताहारा तणविटिया पत्तविटिया पुप्फविटिया फलविटिया बीयविटिया तेदुरणमज्जिया तउसमिजिया कप्पासट्टिसमिजिया हिल्लिया झिल्लिया झिगिरा किंगिरिडा पाहुया सुभगा सोवच्छिया सुयविंटा इंदिकाइया इंदगोवया उरुलुंचगा कोत्थलवाहगा जूया हालाहला पिसुया सतवाइया गोम्ही हत्थिसोंडा, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । सव्वेते सम्मुच्छिम-णपुंसगा । २ ते समासतो दुविहा पण्णत्ता । तं जहा - पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । एएसि णं एवमाइयाणं तेइंदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं अट्ट जातिकुलकोडिजोणिप्पमुहुसतसहस्सा भवंतीति मक्खायं । से तं तेइंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा । [सुत्तं ५८. चउरिंदियजीवपण्णवणा] ५८. १ से किं तं चउरिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ? चउरिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा अणेगविहा पण्णत्ता । तं जहा - अंधिय णेतिय मच्छिय मगमिगकीडे तहा पयंगे य । ढिंकुण कुक्कुड कुक्कुह णंदावत्ते य सिगिरिडे ॥११०॥ किण्हपत्ता नीलपत्ता लोहियपत्ता अलिइपत्ता सुक्किलपत्ता चित्तपक्खा विचित्तपक्खा ओभंजलिया जलचारिया गंभीरा णीणिया तंतवा अच्छिरोडा अच्छिक्केहा सारंगा णेउला दोला भमरा भरिली जरुला तोट्टा विच्छुता पत्तविच्छुया छाणविच्छुया जलविच्छुया पियंगाला कणगा गोमयकीडगा, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । सव्वेते समुच्छिमा नपुंसगा । २ ते समासतो दुविहा पण्णत्ता । तं जहा - पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । एतेसि णं एवमाइयाणं चउरिंदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं णव जातिकुलकोडिजोणिप्पमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । से तं चउरिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा । [सुत्ताइं ५९-१४७. पंचिंदियजीवपण्णवणा] ५९. से किं तं पंचिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ? पंचिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा चउव्विहा पण्णत्ता । तं जहा - नेरइयपंचिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णव १ तिरिक्खजोणियपंचिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणाणा २ मणुस्सपंचिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णवणा ३ देवपंचिंदियसंसारसमावण्णजीवपण्णव ४णा । [सुत्तं ६०. नेरइयजीवपण्णवणा] ६०. से किं तं नेरइया ? नेरइया सत्तविहा पण्णत्ता । तं जहा - रयणप्पभापुढविनेरइया १ सक्करप्पभापुढविनेरइया २ वालुयप्पभापुढविनेरइया ३ पंकप्पभापुढविनेरइया ४ धूमप्पभापुढविनेरइया ५ तमप्पभापुढविनेरइया ६ तमतमप्पभापुढविनेरइया ७ । ते समासतो दुविहा पण्णत्ता । तं जहा - पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । से तं नेरइया । [सुत्ताइं ६१-९१. तिरिक्खजोणियजीवपण्णवणा] ६१. से किं तं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया ? पंचिंदियतिरिक्खजोणिया तिविहा पण्णत्ता । तं जहा - जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया १ थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया २ खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया ३ । ६२. से किं तं जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया ? जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया पंचविहा पण्णत्ता । तं जहा - मच्छा १ कच्छहा २ गाहा ३ मगरा ४ सुंसुमारा ५ । ६३. से किं तं मच्छा ? मच्छा अणेगविहा पण्णत्ता । तं जहा - सण्हमच्छा खवल्लमच्छा जुगमच्छा विज्झिडियमच्छा हलमच्छा मगरिमच्छा रोहियमच्छा हलीसागरा गागरा वडा वडगरा तिमी तिमिगिला णक्का तंदुलमच्छा कणिक्कामच्छा सालिसच्छियामच्छा लंमणमच्छा पडागा पडागातिपडागा, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं मच्छा । ६४. से किं तं कच्छभा ? कच्छभा दुविहा पण्णत्ता । तं जहा - अट्टिकच्छभा य मंसकच्छभा य । से तं कच्छभा । ६५. से किं तं गाहा ? गाहा पंचविहा पण्णत्ता । तं जहा - दिली १ वेढला २ मुद्धया ३ पुलगा ४ सीमागारा ५ । से तं गाहा । ६६. से किं तं मगरा ? मगरा दुविहा पण्णत्ता । तं जहा - सोहडमगरा य मट्टमगरा य । से तं मगरा । ६७. से किं तं सुंसुमारा ? सुंसुमारा एगागारा पण्णत्ता । से तं सुंसुमारा । जे यावऽण्णे तहप्पगारा । ६८. १ ते समासतो दुविहा पण्णत्ता । तं जहा - सम्मुच्छिमा य गब्भवक्कतिया य । २ तत्थ

पं जे ते सम्मुच्छि ते सव्वे नपुंसगा । ३ तत्थ पं जे ते गब्भवक्कंतिया ते तिविहा पणत्ता । तं जहा - इत्था १ पुरिसा २ नपुंसगा ३ । ४ एतेसि पं एवमाइयाणं जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं अब्बतेरस जाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खायं । से तं जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ६९. से किं तं थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पणत्ता । तं जहा - चउप्पयजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया य परिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया य । ७०. से किं तं चउप्पयथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? चउप्पयथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया चउव्विहा पणत्ता । तं जहा - एगखुरा १ दुखुरा २ गंडीपदा ३ सणप्फदा ४ । ७१. से किं तं एगखुरा ? एगखुरा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा - अस्सा अस्सतरा घोडगा गहमा गोरक्खरा कंदलगा सिरिकंदलगा आवत्ता, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं एगखुरा । ७२. से किं तं दुखुरा ? दुखुरा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा - उट्टा गोणा गवया रोज्झा पसया महिसा मिया संवरा वराहा अय-एलग-रुरु सरभ-चमर-कुरंग-गोकणमादी । से तं दुखुरा । ७३. से किं तं गंडीपया ? गंडीपया अणेगविहा पणत्ता । तं जहा - हत्थी पूयणया मंकुणहत्थी खग्गा गंडा, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं गंडीपया । ७४. से किं तं सणप्फदा ? सणप्फदा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा - सीहा वग्घा दीविया अच्छा तरच्छा परस्सरा सियाला बिडाला सुणगा कोलसुणगा [ग्रन्थाग्रम् ५००] कोकंतिया ससगा चित्तगा चित्तलगा, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं सणप्फदा । ७५. १ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा - सम्मुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य । २ तत्थ पं जे ते सम्मुच्छिमा ते सव्वे णपुंसगा । ३ तत्थ पं जे ते गब्भवक्कंतिया ते तिविहा पणत्ता । तं जहा - इत्थी १ पुरिसा २ णपुंसगा ३ । ४ एतेसि पं एवमादियाणं थलयरपंचिदियतिरिक्खजोणिया पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं दस जाइकुलकोडिजोणिप्पमुहसयसहस्सा हवंतीति मक्खातं । से तं चउप्पयथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ७६. से किं तं परिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? परिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पणत्ता । तं जहा - उरपरिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया य भुयपरिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया य । ७७. से किं तं उरपरिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? उरपरिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया चउव्विहा पणत्ता । तं जहा - अही १ अयगरा २ आसालिया ३ महोरगा ४ । ७८. से किं तं अही ? अही दुविहा पणत्ता । तं जहा - दव्वीकरा य मउलिणो य । ७९. से किं तं दव्वीकरा ? दव्वीकरा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा - आसीविसा दिट्ठीविसा उग्गविसा भोगविसा तथाविसा लालविसा उस्सासविसा निस्सासविसा कण्हसप्पा सेदसप्पा काओदरा दज्झपुप्फा कोलहा मेलिमिंदा, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं दव्वीकरा । ८०. से किं तं मउलिणो ? मउलिणो अणेगविहा पणत्ता । तं जहा - दिव्वागा गोणसा कसाहीया वइउला चित्तलिणो मंडलिणो मालिणो अही अहिसलागा पडागा, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं मउलिणो । से तं अही । ८१. से किं तं अयगरा ? अयगरा एगागारा पणत्ता । से तं अयगरा । ८२. से किं तं आसालिया ? कहि पं भंते ! आसालिया सम्मुच्छति ? गोयमा ! अंतोमणुस्सखित्ते अट्ठाइज्जेसु दीवेसु, निव्वाघाएणं पण्णरससु कम्मभूमीसु, वाघातं पडुच्च पंचसु महाविदेहेसु, चक्कवट्ठिखंधावारेसु वा वासुदेवखंधावारेसु बलदेवखंधावारेसु मंडलियखंधावारेसु महामंडलियखंधावारेसु वा गामनिवेसेसु नगरनिवेसेसु निगमणिवेसेसु खेडनिवेसेसु कब्बडनिवेसेसु मडंबनिवेसेसु वा दोणमुहनिवेसेसु पट्टणनिवेसेसु आगरनिवेसेसु आसमनिवेसेसु संवाहनवेसेसु रायहाणीनिवेसेसु एतेसि पं चैव विणासेसु एत्थ पं आसालिया समुच्छति, जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागमेत्तीए ओगाहणाए उक्कोसेणं बारसजोयणाइं, तयणुरूवं च पं विक्खंभबाहल्लेणं भूमिं दालित्ताणं समुट्ठेति अस्सण्णी मिच्छद्दिट्ठी अण्णाणी अंतोमुहुत्तद्धाउया चैव कालं करेइ । से तं आसालिया । ८३. से किं तं महोरगा ? महोरगा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा - अत्थेगइया अंगुलं पि अंगुलपुहत्तिया वि वियत्थिं पि वियत्थिपुहत्तिया वि रयणिं पि रयणिपुहत्तिया वि कुच्छिं पि कुच्छिपुहत्तिया वि धणुं पि धणुपुहत्तिया वि गाउयं पि गाउयपुहत्तिया वि जोयणं पि जोयणपुहत्तिया वि जोयणसत्तं नि जोयणसत्तपुहत्तिया वि जोयणसहस्सं पि । ते पं थले जाता जले वि चरंति थले वि चरंति । ते णत्थि इहं, बाहिरएसु दीव-समुद्दएसु हवंति, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से तं महोरगा । ८४. १ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा - सम्मुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य । २ तत्थ पं जे ते सम्मुच्छिमा ते सव्वे नपुंसगा । ३ तत्थ पं जे ते गब्भवक्कंतिया ते पं तिविहा पणत्ता । तं जहा - इत्थी १ पुरिसा

२ नपुंसगा ३ । ४ एएसि णं एवमाइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं उरपरिसप्पाणं दस जाइकुलकोडीजोणिप्पमुहसतसहस्सा हवंतीति मक्खातं । से त्तं उरपरिसप्पा । ८५. १ से किं तं भुयपरिसप्पा ? भुयपरिसप्पा अणेगविहा पणत्ता । तं जहा-णउला गोहा सरडा सल्ला सरंठा सारा खारा घोइला विस्संभरा मूसा मंगुसा पयलाइया छीरविरालिया जाहा चउप्पाइया, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । २ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं तहा-सम्मुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य । ३ तत्थ णं जे ते सम्मुच्छिमा ते सब्बे णपुंसगा । ४ तत्थ णं जे ते गब्भवक्कंतिया ते णं तिविहा पणत्ता । तं जहा- इत्थी १ पुरिसा २ नपुंसगा ३ । ५ एतेसि णं एवमाइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं भुयपुंसिप्पाणं णव जाइकुलकोडिजोणीपमुहसतसहस्सा हवंतीति मक्खायं । से त्तं भुयपरिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणियाणा । से त्तं परिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया । ८६. से किं तं खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया ? खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया चउव्विहा पणत्ता । तं जहा- चम्मपक्खी १ लोमपक्खी २ समुग्गपक्खी ३ वियतपक्खी ४ । ८७. से किं तं चम्मपक्खी ? चम्मपक्खी अणेगविहा पणत्ता । तं जहा-वग्गुली जलोया अडिला भारंडपक्खी जीवंचीवा समुद्दवासया कण्णत्तिया पक्खिबिराली, जे यावऽण्णे तहप्पगारा । से त्तं चम्मपक्खी । ८८. से किं तं लोमपक्खी ? लोमपक्खी णेगविहा पत्तत्ता । तं जहा-ढंका कंका कुरला वायसा चक्कागा हंसा कलहंसा पायहंसा रायहंसा अडा सेडी बगा बलागा पारिप्पवा कोंचा सारसा मेमेसरा मसूरा मयूरा सतवच्छा गहरा पोंडरीया कागा कामंजुगा वंजुलगा तित्तिरा वट्टगा लावगा कवोया कविंजला पारेवया चिडगा चासा कुक्खुडा सुगा बरहिणा मदणसलागा कोइला सेहा वरेल्लगमादी । से त्तं लोमपक्खी । ८९. से किं तं समुग्गपक्खी ? समुग्गपक्खी एगागारी पणत्ता । ते णं णत्थि इहं, बाहिरएसु दीव-समुद्दएसु भवंति । से त्तं समुग्गपक्खी । ९०. से किं तं विततपक्खी ? विततपक्खी एगागारा पणत्ता । ते णं नत्थि इहं, बाहिरएसु दीव-समुद्दएसु भवंति । से त्तं विततपक्खी । ९१. १ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा सम्मुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य । २ तत्थ णं जे ते सम्मुच्छिमा ते सब्बे नपुंसगा । ३ तत्थ णं जे ते गब्भवक्कंतिया ते णं तिविहा पणत्ता । तं जहा इत्थी १ पुरिसा २ नपुंसगा ३ । ४ एएसि णं एवमाइयाणं खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं बारस जातीकुलकोडीजोणिप्पमुहसतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । सत्तट्ठ जातीकुलकोडिलक्ख नव अद्धतेरसाइं च । दस दस य होति णवगा तह बारस चेव बोधव्वा ॥१११॥ से त्तं खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया । से त्तं पंचेदियतिरिक्खजोणिया । से त्तं तिरिक्खजोणिया । [सुत्ताइं ९२-१३८. कणुस्सजीवपणवणा] ९२. से किं तं मणुस्सा ? मणुस्सा दुविहा पणत्ता । तं जहा सम्मुच्छिमणुस्सा य गब्भवक्कंतियमणुस्सा य । ९३. से किं तं सम्मुच्छिमणुस्सा ? कहि णं भंते ! सम्मुच्छिमणुस्सा सम्मुच्छंति ? गोयमा ! अंतोमणुस्सखेत्ते पणुतालीसाए जोयणसयसहस्सेसु अट्ठाइज्जेसु दीव-समुद्देसु पत्तरससु कम्मभूमीसु तीसाए अकम्मभूमीसु उप्पण्णाए अंतरदीवएसु गब्भवक्कंतियमणुस्साणं चेव उच्चारेसु वा १ पासवणेसु वा २ खेलेसु वा ३ सिंघाणेसु वा ४ वंतेसु वा ५ पित्तेसु वा ६ पूएसु वा ७ सोणिएसु वा ८ सुक्केसु वा ९ सुक्कपोग्गलपरिसाडेसु वा १० विगतजीवकलेवरेसु वा ११ थी-पुरिसंजोएसु वा १२ [गाकणिद्धमणेसु वा १३] णगरणिद्धमणेसु वा १४ सब्बेसु चेव असुइएसु ठाणेसु, एत्थ णं सम्मुच्छिमणुस्सा सम्मच्छंति । अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्तीए ओगाहणाए असण्णी मिच्छद्दिट्ठी सब्बाहिं पज्जत्तीहिं अपज्जत्तगा अंतोमुहुत्ताउया चेव कालं करेति । से त्तं सम्मुच्छिमणुस्सा । ९४. से किं तं गब्भवक्कंतियमणुस्सा ? गब्भवक्कंतियमणुस्सा तिविहा पणत्ता । तं जहा कम्मभूमगा १ अकम्मभूमगा २ अंतरदीवगा ३ । ९५. से किं तं अंतरदीवगा ? अंतरदीवगा अट्ठावीसतिविहा पणत्ता । तं जहा एगोरुया १ आभासिया २ वेसाणिया ३ गंगोली ४ हयकण्णा ५ गयकण्णा गोकण्णा ७ सुक्कलिकण्णा ८ आयंसमुहा ९ मेंढमुहा १० अयोमुहा ११ गोमुहा १२ आसमुहा १३ हत्थिमुहा १४ सीहमुहा १५ वग्घमुहा १६ आसकण्णा १७ सीहकण्णा १८ अकण्णा १९ कण्णा उरणा २० उक्कामुहा २१ मेहमुहा २२ विज्जुमुहा २३ विज्जुदंता २४ घणदंता २५ लड्ढदंता २६ गूढदंता २७ सुद्धदंता २८ । से त्तं अंतरदीवगा । ९६. से किं तं अकम्मभूमगा तीसतिविहा पत्तत्ता । तं जहा पंचहिं हेमवएहिं पंचहिं हिरण्णवएहिं पंचहिं हरिवासेहिं पंचहिं रम्मगवासेहिं पंचहिं देवकुरुहिं पंचहिं उत्तरकुरुहिं । से त्तं अकम्मभूमगा । ९७. १ से किं तं कम्मभूमया पण्णरसविहा पणत्ता । तं जहा पंचहिं भरदेहिं पंचहिं एरवतेहिं पंचहिं महाविदेहिं । २

ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा आरिया य मिलक्खू य । ९८. से किं तं मिलक्खू ? मिलक्खू अणेगविहा पणत्ता । तं जहा सग-जवण-चिलाय-सबर-बब्-काय-मुखडोड्ड-भडग-णिण्णग-पक्कणिय-कुलक्ख-गोड-सिंहल-पारस-गोधोठंठ-दमिल-चिल्लल-पुलिंद-हारोस-डोंब वोक्काण-गंधाहारग-बहलिय-अज्ज-रोम-पास-पउस-मलया य चुंचुया यमूयलि-कोंकणग-मेय-पल्हव-मालव-गग्गर-आभासिय-णक्क-चीणा ल्हसिय-खस-खासिय-णेडूर-मंढ-डोबिलग-लउस-बउस-केक्कया अरवागा हूण-रोसग-भरुग-रुय-विलायविसयवासी य एवमादी । से तं मिलक्खू । ९९. से किं तं आरिया ? आरिया दुविहा पणत्ता । तं जहा इड्ढिपत्तारिया यअणिड्ढिपत्तारिया य । १००. से किं तं इड्ढिपत्तारिया ? इड्ढिपत्तारिया छव्विहा पणत्ता । तं जहा अरहंता १ चक्कवट्टी २ बलदेवा ३ वासुदेवा ४ चारणा ५ विज्जाहरा ६ । से तं इड्ढिपत्तारिया । १०१. से किं तं अणिड्ढिपत्तारिया ? अणिड्ढिपत्तारिया णवविहा पणत्ता । तं जहा खेत्तारिया २ कुलारिया ३ कम्मरिया ४ सिप्पारिया ५ भासारिया ६ णाणारिया ७ दंसणारिया ८ चरित्तारिया ९ । १०२. से किं तं खेत्तारिया अब्बछव्वीसतिविहा पणत्ता तं जहा रायगिह मगह १, चंपा अंगा २, तह तामलित्ति वंगा य ३ । कंचणपुरं कलिंगा ४, वाणारसि चैव कासी य ५ ॥११२॥ साएय कोसला ६, गयपुरं च कुरु ७, सोरियं कुसट्टा य ८ । कंपिल्लं पंचाला ९ अहिच्छत्ता जहगला चैव १० ॥११३॥ बारवती य सुरट्टा ११, महिल विदेहाय १२, वच्छ कोसंबी १३ । णंदिपुरं संडिल्ला १४ भहिलपुरमेव मलया य १५ ॥११४॥ वइराड वच्छ १६, वरणा अच्छा १७, तह भत्तियावइ दसण्णा १८ । सुत्तीमई य चेदी १९, वीइभयं सिंधुसोवीरा २० ॥११५॥ महुरा य सूरसेणा २१ पावा भंगी य २२ मासपुरि वट्टा २३ । सावत्थी य कुणाला २४, कोडीवरिसं च लाढा य २५ ॥११६॥ सेयविया वि य णयरी केयइअब्बं च २५ ॥आरियं भणितं । एत्थुप्पत्ति जिणाणं चक्कीणं राम-कहाणं ॥११७॥ से तं खेत्तारिया । १०३. से किं तं जातिआरिया ? जातिआरिया छव्विहा पणत्ता । तं जहा अंबट्टा १ य कालिंदा २ विदेहा ३ वेदगा ४ इ य । हरिया ५ चुंचुणा ६ चैव, उ एया इब्भगातिओ ॥११८॥ से तं जातिआरिया । १०४. से किं तं कुलारिया ? कूलारिया छव्विहा पणत्ता । तं जहा उग्गा १ भोगा २ राइण्णा ३ इक्खागा ४ णाता कोरव्वा ६ । से तं कुलारिया । १०५. से किं तं कम्मरिया ? कम्मरिया अणेगविहा पणत्ता । तं जहा दोस्सिया सोत्तिया कप्पसिया सुत्तवेयालिया भंडवेयालिया कोलालिया णरदावणिया, जे यावडण्णे तहप्पगारा । से तं कम्मरिया । १०६. से किं तं सिप्पारिया ? सिप्पारिया अणेगविहा पणत्ता । तं जहा तुण्णागा तंतुवाया पट्टगारा देयडा वरणा छव्विया कट्टपाउयारा मुंजपाउयारा छत्तारा वज्झारा पोत्थारा लेप्पारा चित्तारा संखारा दंतारा भंडारा जिज्झगारा सेल्लगारा कोडिगारा, जे यावडण्णे तहप्पगारा । से तं सिप्परिया । १०७. से किं तं भासारिया ? भासारिया जे णं अब्बमागहाए भासाए भासिति, जत्थ वि य णं बंभी लिवी पवत्तइ । बंभीए णं लिवीए अट्टारसविहे लेक्खविहाणे पणत्ते । तं जहा बंभी १ जवणालिया २ दोसापुरिया ३ खरोट्टी ४ पुक्खरसारिया ५ भोगवईया ६ पहराईयाओ य ७ अंतक्खरिया ८ अक्खरपुट्टिया ९ वेणइया १० णिण्हइया ११ अंकलिवी १२ गणितलिवी १३ गंधव्वलिवी १४ आयंसलिवी १५ माहेसरी १६ दामिली १७ पोलिंदी १८ । से तं भासारिया । १०८. से किं तं णाणारिया ? गारिया पंचविहा पणत्ता । तं जहा आभिणिबोहियणाणारिया १ सुयणाणारिया २ ओहिणाणारिया ३ मणपज्जवणाणारिया ४ केवलणाणारिया ५ । से तं णाणारिया । १०९. से किं तं दंसणारिया ? दंसणारिया दुविहा पणत्ता । तं जहा सरागदंसणारिया य वीररागदंसणारिया य । ११०. से किं तं सरागदंसणारिया दसविहा पणत्ता । तं जहा निस्सग्गुवएसरुई १-२ आणारुइ ३ सुत्त४-बीयरुइ५ मेव । अहिगम६-वित्थारुई७ किरिया८-संखेव९-धम्मरुई१० ॥११९॥ भूअत्थेणाधिगया जीवाडजीवं च पुण्ण-पावं च । सहसम्मुइयाडसव-संवरे य रोएइ उ णिसग्गो ॥१२०॥ जो जिणदिट्ठे भावे चउव्विहे सद्धहाइ सयमेव । एमेव णडण्ह त्ति य णिस्सग्गरुइ त्ति गायव्वो १ ॥१२१॥ एते चैव उ भावे उवदिट्ठे जो परेण सद्धहइ । छउमत्थेण जिणेव व उवएसरुइ त्ति नायव्वो २ ॥१२२॥ जो हेउमयाणंतो आणाए रोयए पवयणं तु । एमेव णडण्ह त्ति य एसो आणारुई नाम ३ ॥१२३॥ जो सुत्तमहिज्जंतो सुएण ओगाहई उ सम्मंतं । अंणेण बाहिरेण व सो सुत्तरुइ त्ति गायव्वो ४ ॥१२४॥ एगएडणेगाइं पदाइं जो पसरई उ सम्मंतं । उदए व्व तेल्लबिंदू सो बीयरुइ त्ति गायव्वो ५ ॥१२५॥ सो होइ अहिगमरुई सुयणाणं जस्स अत्थओ दिट्ठं । एक्कारस अंगाइं पइण्णं

दिद्विवाओ य ६ ॥१२६॥ दव्वाण सव्वभावा सव्वपमाणेहिं जस्स उवलद्धा । सव्वाहिं णयविहीहिं वित्थाररुइ त्ति णायव्वो ७ ॥१२७॥ दंसण-णाण-चरित्ते तव-  
विणए सव्वसमिइ-गुत्तीसु । जो किरियाभावरुई सो खलु किरियारुई णाम ८ ॥१२८॥ अणभिग्गहियकुदिट्ठी संखेवरुइ त्ति होइ णायव्वो । अविसारओ पवयणे  
अणभिग्गहियो य सेसेसु ९ ॥१२९॥ जो अत्थिकायधम्मं सुयधम्मं खलु चरित्तधम्मं च । सदहइ जिणाभिहित्तं ण्णं धम्मरुइ त्ति नायव्वो १० ॥१३०॥ परमत्थसंथवो  
त्ता सुदिइपरमत्थसेवणा वा वि । वावण्ण-कुदंसणवज्जणा य सम्मत्तसदहणा ॥१३१॥ निस्संकिं १ निक्कंखिय २ निव्वित्तिगिच्छा ३ अमूढदिट्ठी ४ य । उववूह ५  
थिरीकरणे ६ वच्छल्ल ७ पभावणे ८ अट्ठ ॥१३२॥ से त्तं सरागदंसणारिया । १११. से किं तं वीरागदंसणारिया ? वीयरागदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता । तं जहा  
उवसंतकसायवीयरायदंसणारिया खीणकसायवीरारायदंसणारिया । ११२. से किं तं उवसंतकसायवीयरायदंसणारिया ? उवसंतकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा  
पण्णत्ता । तं जहा पढमसमयउवसंतकसायवीयरायदंसणारिया अपढमसमयउवसंतकसायवीयरायदंसणारिया, अहवा चरिमसमयउवसंतकसायवीयरायदंसणारिया  
य अचरिमसमयउवसंतकसायवीयरायदंसणारिया य । ११३. से किं तं खीणकसायवीयरायदंसणारिया ? खीणकसायवीयरायदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता । तं  
जहा छउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया य केवलिखीणकसायवीयरागदंसणारिया य । ११४. से किं तं छउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया ?  
छउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता । तं जहा-सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया य बुद्धबोहियछउमत्थखीण-  
कसायवीयरागदंसणारिया य । ११५. से किं तं सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया ? सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता । तं  
जहा पढम-समयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया य अपढमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया य, अहवा  
चरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया य अचरिमसमयसयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया य । से त्तं  
सयंबुद्धछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया । ११६. से किं तं बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया ? बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरा-  
गदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता । तंजहा- पढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया य अपढमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणक-  
सायवीयरागदंसणारिया य, अहवा चरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया य अचरिमसमयबुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया  
य । से त्तं बुद्धबोहियछउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया । से त्तं छउमत्थखीणकसायवीयरागदंसणारिया । ११७. से किं तं  
केवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया ? केवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया दुविहा पण्णत्ता । तं जहा- सजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया य  
अजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया य । ११८. से किं तं सजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया ? सजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया  
दुविहा पण्णत्ता ! तं जहा पढमसमयसजोगिकेवलि-खीणकसायवीतरागदंसणारिया य अपढमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया य, अहवा  
चरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया य अचरिमसमयसजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया य । से त्तं  
सजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया । ११९. से किं तं अजोगिकेवलिखीणक-सायवीतरागदंसणारिया ? अजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया  
दुविहा पण्णत्ता । तं जहा पढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया य अपढमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया य, अहवा  
चरिमसमयअजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया य अचरिमसमयअजोगिकेवलिखी-णकसायवीतरागदंसणारिया य । से त्तं  
अजोगिकेवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया । से त्तं केवलिखीणकसायवीतरागदंसणारिया । से त्तं खीणकसायवीतरागदंसणारिया । से त्तं वीयरायदंसणारिया ।  
से त्तं दंसणारिया । १२०. से किं तं चरित्तारिया ? चरित्तारिया दुविहा पण्णत्ता । तं जहा सरागचरित्तारिया य वीयरागचरित्तारिया य । १२१. से किं तं  
सरागचरित्तारिया ? सरागचरित्तारिया दुविहा पण्णत्ता । तं जहा सुहमसंपरायसरागचरित्तारिया य बायरसंपरायसरागचरित्तारिया य । १२२. से किं तं



सामाइयचरित्तारिया १ छेदोवट्टावणियचरित्तारिया २ परिहारविसुद्धियचरित्तारिया ३ सुहुमसंपरायचरित्तारिया ४ अहक्खायचरित्तारिया ५ । १३४. से किं तं सामाइयचरित्तारिया ? सामाइयचरित्तारिया दुविहा पणत्ता । तंजहा इत्तरियसामाइयचरित्तारिया य आवकहियसामाइयचरित्तारिया य । से तं सामारियचरित्तारिया । १३५. से किं तं छेदोवट्टावणियचरित्तारिया ? छेदोवट्टावणियचरित्तारिया दुविहा पणत्ता । तं जहा साइयारछेदोवट्टावणियचरित्तारिया य णिरइयारछेदोवट्टावणियचरित्तारिया य । से तं छेदोवट्टावणियचरित्तारिया । १३६. से किं तं परिहारविसुद्धियचरित्तारिया ? परिहारविसुद्धियचरित्तारिया दुविहा पणत्ता । तं जहा निव्विसमाणपरिहारविसुद्धियचरित्तारिया य निव्विट्ठकाइयपरिहारविसुद्धियचरित्तारिया य । से तं परिहारविसुद्धियचरित्तारिया । १३७. से किं तं सुहुमसंपरायचरित्तारिया ? सुहुमसंपरायचरित्तारिया दुविहा पणत्ता । तं जहा संकिलिस्समाणसुहुमसंपरायचरित्तारियाय विसुज्झमाणसुहुमसंपरायचरित्तारियाय । से तं सुहुमसंपरायचरित्तारिया । १३८. से किं तं अहक्खायचरित्तारिया ? अहक्खायचरित्तारियादुविहा पणत्ता । तं जहा छउमत्थअहक्खायचरित्तारिया य केवलिअहक्खायचरित्तारिया य । से तं अहक्खायचरित्तारिया । से तं चरित्तारिया । से तं अणिट्ठिपत्तारिया । से तं आरिया । से तं कम्मभूमगा । से तं गब्भवक्कंतिया । से तं मणुस्सा । [सुत्ताइं १३९-१४७. देवजीवपणवणा] १३९. से किं तं देवा ? देवा चउव्विहा पणत्ता । तं जहा भवणवासी १ वाणमंतरा २ जोइसिया ३ वेमाणिया ४ । १४०. १ से किं तं भवणवासी ? भवणवासी दसविहा पत्तत्ता । तं जहा-असुरकुमारा १ नागकुमारा २ सुवण्णकुमारा ३ विज्जुकुमारा ४ अण्णिकुमारा ५ दीवकुमारा ६ उदहिकुमारा ७ दिसाकुमारा ८ वाउकुमारा ९ थणियकुमारा १० । २ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । से तं भवणवासी । १४१. १ से किं तं वाणमंतरा ? वाणमंतरा अट्टविहा पणत्ता । तं जहा किन्नरा १ किंपुरिसा २ महोरगा ३ गंधव्वा ४ जक्खा ५ रक्खसा ६ भूया ७ पिसाया ८ । २ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । से तं वाणमंतरा । १४२. १ से किं तं जोइसिया ? जोइसिया पंचविहा पत्तत्ता । तं जहा चंदा १ सूरा २ गहा ३ नक्खत्ता ४ तारा ५ । २ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । से तं जोइसिया । १४३. से किं तं वेमाणिया ? वेमाणिया दुविहा पणत्ता । तं जहा कप्पोवगा य कप्पातीता य । १४४. १ से किं तं कप्पोवगा ? कप्पोवगा बारसविहा पणत्ता । तं जहा सोहम्मा १ ईसाणा २ सणंकुमारा ३ माहिंदा ४ बंभलोया ५ लंतया ६ सुक्का ७ सहस्सारा ८ आणता ९ पाणता १० आरणा ११ अच्युता १२ । २ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । से तं कप्पोवगा । १४५. से किं तं कप्पतीया ? कप्पातीया दुविहा पणत्ता । तं जहा गेवेज्जगा य अणुत्तरोववाइया य । १४६. १ से किं तं गेवेज्जगा ? गेवेज्जगा णवविहा पणत्ता । तं जहा हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जगा १ हेट्ठिममज्झिमगेवेज्जगा २ हेट्ठिमउवमिगेवेज्जगा ३ मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जगा ४ मज्झिममज्झिमगेवेज्जगा ५ मज्झिमउवरिमगेवेज्जगा ६ उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जगा ७ उवरिममज्झिमगेवेज्जगा ८ उवरिमउवरिमगेवेज्जगा ९ । २ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । से तं गेवेज्जगा । १४७. १ से किं तं अणुत्तरोववाइया ? अणुत्तरोववाइया पंचविहा पणत्ता । तं जहा विजया १ वेजयंता २ जयंता ३ अपराजिता ४ सब्बट्ठिसिद्धा ५ । २ ते समासतो दुविहा पणत्ता । तं जहा पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । से तं अणुत्तरोववाइया । से तं कप्पाईया । से तं वेमाणिया । से तं देवा । से तं पंचिदिय । से तं संसारसमावण्णजीवपणवणा । से तं जीवपणवणा । से तं पणवणा । **॥ पणवणाए भगवईए पढमं पणवणापयं समत्तं ॥** **॥ २. विइयं ठाणपयं सुत्ताइं ॥ १४८-१५०. पुढविकायठाणाइं १४८. कहि णं भंते ! बातरपुढविकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पणत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अट्टसु पुढविसु । तं जहा-रयणप्पभाए १ सक्करप्पभाए २ वालुयप्पभाए ३ पंकप्पभाए ४ धूमप्पभाए ५ तमप्पभाए ६ तमतमप्पभाए ७ इसीपब्भाराए ८-१, अहोलोए पायालेसु भवणेसु भवणपत्थडेसु णिरएसु निरयावलियासु निरयपत्थडेसु २, उड्डलोए कप्पेसु विमाणेसु विमाणावलियासु विमाणपत्थडेसु ३, तिरियलोए टंकेसु कूडेसु सेलेसु सिहरीसु पब्भारेसु विजएसु वक्खारेसु वासेसु वासहरपव्वएसु वेलासु वेइयासु दारेसु तोरणेसु दीवेसु समुद्वेसु**

एक, एत्थ णं बादरपुढविकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । १४९. कहि णं भंते ! बादरपुढविकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बादरपुढविकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा तत्थेव बादरपुढविकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । तं जहा उववाएणं सब्वलोए, समुग्घाएणं सब्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । १५०. कहि णं भंते ! सुहुमपुढविकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं य ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सुहुमपुढविकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सब्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सब्वलोयपरियावण्णगा पण्णत्ता समणाउसो ! । [सुत्ताइं १५१-१५३. आउक्कायठाणाइं] १५१. कहि णं भंते ! बादरआउक्काइयाणं पज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं सत्तसु घणोदधीसु सत्तसु घणोदधिवलएसु १, अहोलोए पायालेसु भवणेसु भवणपत्थडेसु २ उड्डलोए कप्पेसु विमाणेसु विमाणावलियासु विमाणपत्थडेसु ३, तिरियलोए अगडेसु तलाएसु नदीसु दहेसु वावीसु पुक्खरिणीसु दीहियासु गुंजालियासु सरेसु सरपंतियासु सरसरपंतियासु बिलेसु बिलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सब्वेसु चेव जलासएसु जलट्टाणेसु ४, एत्थ णं बादरआउक्काइयाणं पज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । १५२. कहि णं भंते ! बादरआउक्काइयाणं अपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बादरआउक्काइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा तत्थेव बादरआउक्काइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं सब्वलोए, समुग्घाएणं सब्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । १५३. कहि णं भंते ! सुहुमआउक्काइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सुहुमआउक्काइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सब्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सब्वलोयपरियावण्णगा पन्नत्ता समणाउसो ! [सुत्ताइं १५४-१५६. तेउक्कायठाणाइं] १५४. कहि णं भंते ! बादरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अंतोमणुस्सखेत्ते अड्डइज्जेसु दीव-समुद्देसु निव्वाघाएणं पण्णरससु कम्मभूमीसु, वाघायं पडुच्च पंचसु महाविदेहेसु एत्थ णं बादरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । १५५. कहि णं भंते ! बादरतेउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बादरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा तत्थेव बादरतेउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स दोसुद्धकवाडेसु तिरियलोयतट्टे य, समुग्घाएणं सब्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । १५६. कहि णं भंते ! सुहुमतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं य ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सुहुमतेउकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सब्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सब्वलोयपरियावण्णगा पण्णत्ता समणाउसो ! । [सुत्ताइं १५७-१५९. वाउकायठाणाइं] १५७. कहि णं भंते ! बादरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं सत्तसु घणवाएसु सत्तसु घणवायवलएसु सत्तसु तणुवाएसु सत्तसु तणुवायवलएसु १, अहोलोए पायालेसु भवणेसु भवणपत्थडेसु भवणछिद्देसु भवणणिखुडेसु निरएसु निरयावलियासु णिरयपत्थडेसु णिरयछिद्देसु णिरयणिखुडेसु २, उड्डलोए कप्पेसु विमाणेसु विमाणावलियासु विमाणपत्थडेसु विमाणछिद्देसु विमाणणिखुडेसु ३, तिरिलोए पाईश-पडीणदाहिणउदीण सब्वेसु चेव लोगागासछिद्देसु लोगनिखुडेसु य ४, एत्थ णं बायरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जेसु भागेसु, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जेसु भोगेसु, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जेसु भोगेसु । १५८. कहि णं भंते ! अपज्जत्तबादरवाउकाइयाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बादरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा तत्थेव बादरवाउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं सब्वलोए, समुग्घाएणं सब्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जेसु भोगेसु । १५९. कहि णं भंते ! सुहुमवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! सुहुमवाउकाइया जे य पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सब्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सब्वलोयपरियावण्णगा पण्णत्ता समणाउसो ! । [सुत्ताइं १६०-१६२ वणस्सइकायठाणाइं] १६०. कहि णं भंते ! बादरवणस्सकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं सत्तसु घणोदहीसु सत्तसु घणोदधिवलएसु १, अहोलोए पायलेसु भवणेसु भवणपत्थडेसु २, उड्डलोए कप्पेसु विमाणेसु विमाणावलियासु विमाणपत्थडेसु ३, तिरियलोए अगडेसु तडागेसु नदीसु दहेसु वावीसु

पुक्खरिणीसु दीहियासु गुंजालियासु सरेसु सरपंतियासु सरसरपंतियासु बिलेसु बिलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासएसु जलट्टाणेसु ४, एत्थ णं बादरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं सव्वलोए, समुग्घाएणं सव्वलोए, सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । १६१. कहि णं भंते ! बादरवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बादरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा तत्थेव बादरवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं सव्वलोए, समुग्घाएणं सव्वलोए, सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । १६२. कहि णं भंते ! सुहुमवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाणं य ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! सुहुमवणस्सइकाइया जे य पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावण्णगा पण्णत्ता समणाउसो ! । [सुत्तं १६३. बेइंदियठाणाइं] १६३. कहि णं भंते ! बेइंदियाणं पज्जत्तयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! उह्लोए तदेक्कदेसभागे १, अहोलोए तदेक्कदेसभाए २, तिरिलोए अगडेसु तलाएसु नदीसु दहेसु वावीसु पुक्खरिणीसु दीहियासु गुंजालियासु सरेसु सरपंतियासु सरसरपंतियासु बिलेसु बिलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासएसु जलट्टाणेसु ३, एत्थ णं बेइंदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । [सुत्तं १६४. तेइंदियठाणाइं] १६४. कहि णं भंते ! तेइंदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! उह्लोए तदेक्कदेसभाए १, अहोलोए तदेक्कदेसभाए २, तिरिलोए अगडेसु तलाएसु नदीसु दहेसु वावीसु बुक्खरिणीसु दीहियासु गुंजालियासु सरेसु सरपंतियासु सरसरपंतियासु बलेसु बलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासएसु जलट्टाणेसु ३, एत्थ णं तेइंदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । [सुत्तं १६५. चउरिदियठाणाइं] १६५. कहि णं भंते ! चउरिदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! उह्लोए तदेक्कदेसभाए १, अहोलोए तदेक्कदेसभाए २, तिरिलोए अगडेसु तलाएसु नदीसु दहेसु वावीसु पुक्खरिणीसु दीहियासु गुंजालियासु सरेसु सरपंतियासु सरसरपंतियासु बिलेसु बिलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासएसु जलट्टाणेसु ३, एत्थ णं चउरिदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, संट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । [सुत्तं १६६. पंचिदियाइं] १६६. कहि णं भंते ! पंचिदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! उह्लोए तदेक्कदेसभाए २, तिरिलोए अगडेसु तलाएसु नदीसु दहेसु वावीसु बिलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चेव जलासएसु जलट्टाणेसु ३, एत्थ णं पंचेदियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । [सुत्ताइं १६७-१७४. नेरइयाठाणाइं] १६७. कहि णं भंते ! नेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! नेरइया परिवसंति ? गोयमा ! सट्टाणेणं सत्तसु पुढवीसु । तं जहा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए पंक्कप्पभाए धूमप्पगाए तमप्पभाए तमतमप्पभाए, एत्थ णं णेरइयाणं चउरासीति णिरयावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खायं । ते णं णरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिता णिच्चंधयारतमसा ववगयगह-चंद-सूर-णक्खत्त जोइसपहा मेदवसापूय-रुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला असुई वीसा परमदुब्धिगंधा काऊअगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा णरगा असुभा णरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं णेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, संट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । एत्थ णं बहवे णेरइया परिवसंति काला कालोमासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकण्हा वण्णेणं पण्णत्ता समणाउसो ! ते णं तत्थ णिच्चं भीता णिच्चं तत्था णिच्चं तसिया णिच्चं उविग्गि णिच्चं परममसुहं संबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति । १६८. कहि णं भंते ! रयणप्पभापुढविणेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! रयणप्पभापुढविणेरइया परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए

असीउत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्टा वेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अट्टहत्तरे जोयणसतंसहस्से, एत्थ णं रयणप्पभापुढविनेरइयाणं तीसं णिरयावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं णरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा णिरयावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं णरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिता णिच्चंधयारतमसा ववगयगह-चंद-सूर-णक्खत्तजोइसप्पभा मेदवसापूयपडलरुहिर - मंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला असुई वीसा परमदुब्धिगंधा काऊअगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा णरगा असुभा णरगेषु वेयणाओ, एत्थ णं रयणप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घातेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । एत्थ णं बहवे रयणप्पभापुढविनेरइया परिवसंति काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वण्णेणं पणत्ता समणाउसो ! । ते णं णिच्चं भीता णिच्चं तत्था णिच्चं तसिया णिच्चं उव्विग्गा णिच्चं परममसुहं संबद्धं णरगभयं पच्चभवमाणा विहरंति । १६९. कहिं णं भंते ! सक्करप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहिं णं भंते ! सक्करप्पभापुढविनेरइया परिवसंति ? गोयमा ! सक्करप्पभाए पुढवीए बत्तीसुत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्टा वेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे तीसुत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं सक्करप्पभापुढविनेरइयाणं पणवीसं णिरयावाससतसहस्सा हवंतीति मक्खातं । ते णं णरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिता णिच्चंधयारतमसा ववगयगह-चंद-सूर-णक्खत्तजोइसप्पहा मेद-वसा-पूयपडल-रुहिर-मंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला असुई वीसा परमदुब्धिगंधा काऊअगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरगेषु वेयणाओ, एत्थ णं सक्करप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे सक्करप्पभापुढविनेरइया परिवसंति काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वण्णेणं पणत्ता समणाउसो ! । ते णं णिच्चं भीता णिच्चं तत्था णिच्चं तसिया णिच्चं उव्विग्गा णिच्चं परममसुहं संबद्धं नरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति । १७०. कहिं णं भंते ! वालुयप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? गोयमा ! वालुयप्पभाए पुढवीए अट्टावीसुत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्टा वेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे छव्वीसुत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं वालुयप्पभापुढविनेरइयाणं पण्णरस णिरयावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं णरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिता णिच्चंधयारतमसा ववगयगह-चंद-सूर-नक्खत्तजोइसप्पहा मेद-वसा -पूयपडल-रुहिर-मंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला असुई वीसा परमदुब्धिगंधा काऊअगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरगेषु वेदणाओ, एत्थ णं वालुयप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे वालुयप्पभापुढवीनेरइया परिवसंति काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वण्णेणं पणत्ता समणाउसो ! । ते णं णिच्चं भीता णिच्चं तत्था णिच्चं तसिया णिच्चं उव्विग्गा णिच्चं परममसुहं संबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति । १७१. कहिं णं भंते ! पंकप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंकप्पभाए पुढवीए वीसत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिता हिट्टा वेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अट्टारससुत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थे णं पंकप्पभापुढविनेरइयाणं दस णिरयावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं णरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिता णिच्चंधयारतमसा ववगयगह-चंद-सूर-नक्खत्तजोइसपहा मेदवसापूयपडल-रुहिर-मंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला असुई वीसा परमदुब्धिगंधा काऊअकणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरगेषु वेयणाओ, एत्थ णं पंकप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे पंकप्पभापुढविनेरइया परिवसंति काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वण्णेणं पणत्ता समणाउसो ! । ते णं निच्चं भीता निच्चं तत्था निच्चं तसियानिच्चं

उव्विग्गा निच्चं नरममसुहं संबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति । १७२. कहि णं भंते ! धूमप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! धूमप्पभाए पुवीए अट्टारसुत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिच्चा हिट्ठा वेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे सोलसुत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं धूमप्पभापुढविनेरइयाणं तिन्नि निरयावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं णरगा अंतो वट्ठा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिता णिच्चंधयारतमसा ववगयगह-चंद-सूर-नक्खत्तजोइसपहा मेद-वसा-पूयपडल-रुहिर-मंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला असुई वीसा परमदुब्धिगंधा काऊअगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा णरगेषु वेयणाओ, एत्थ णं धूमप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे धूमप्पभापुढविनेरइया परिवसंति काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता समणाउसो ! । ते णं णिच्चं भीता णिच्चं तत्था णिच्चं तसिया णिच्चं उव्विग्गा णिच्चं परमसुहं संबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति । १७३. कहि णं भंते ! तमप्पभापुढविदेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तमप्पभाए पुवीए सोलसुत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहिच्चा हिट्ठा वि एगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे चोइसुत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं तमप्पभापुढविनेरइयाणं एगे पंचूणे णरगावाससतसहस्से हवंतीति मक्खातं । ते णं णरगा अंतो वट्ठा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिता निच्चंधयारतमसा ववगयगह-चंद-सूर-नक्खत्तजोइसपहा मेद-वसा-पूयपडल-रुहिर-मंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला असुई वीसा परमदुब्धिगंधा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा णरगा असुभा नरगेषु वेदणाओ, एत्थ णं तमप्पभापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे तमप्पभापुढविनेरइया परिवसंति काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता समणाउसो ! । ते णं णिच्चं भीता णिच्चं तत्था णिच्चं तसिया णिच्चं उव्विग्गा णिच्चं परमसुहं संबद्धं नरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति । १७४. कहि णं भंते ! तमतमापुढविनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! तमतमाए पुढवीए अट्टोत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं अब्बतेवण्णं जोयणसहस्साइं ओगाहिच्चा हिट्ठा वि अब्बतेवण्णं जोयणसहस्साइं वज्जेत्ता मज्झे तिसु जोयणसहस्सेसु, एत्थ णं तमतमापुढविनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं पंचदिसिं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया पण्णत्ता, तं जहा-काले १ महाकाले २ रोरुए ३ महारोरुए ४ अपइट्ठाणे ५ । ते णं णरगा अंतो वट्ठा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिता निच्चंधयारतमसा ववगयगह-चंद-सूर-नक्खत्त-जोइसपहा मेद-वसा-पूयपडल-रुहिर-मंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला असुई वीसा परमदुब्धिगंधा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरगेषु वेयणौ, एत्थ णं तमतमापुढविनेरइयाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे तमतमापुढविनेरइया परिवसंति काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणया परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता समणाउसो ! । ते णं णिच्चं भीता णिच्चं तत्था णिच्चं तसिया णिच्चं उव्विग्गा णिच्चं परमसुहं संबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरंति । आसीतं १ बत्तीसं २ अट्ठावीसं च होइ ३ वीसं च ४ । अट्टारस ५ सोलसगं ६ अट्टुत्तरमेव ७ हिट्ठिमया ॥ १३३ ॥ अडहुत्तरं च तीसं २ छव्वीसं चैव सतसहस्सं तु ३ । अट्टारस ४ सोलसगं ५ चोइसमहियं तु छट्ठीए ६ ॥ १३४ ॥ अब्बतिवण्णसहस्सा उवरिमऽहे वज्जिऊण तो भणियं । मज्झे उ तिसु सहस्सेसु होति नरगा तमतमाए ७ ॥ १३५ ॥ तीसा य १ पण्णवीसा २ पण्णरस ३ दसेव सयसहस्साइं ४ । तिण्णि य ५ पंचूणेगं ६ पंचेव अणुत्तरा नरगा ७ ॥ १३६ ॥

[सुत्तं १७५. पंचिंदियतिरिक्खजोणियाठाणाइं] १७५. कहि णं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! उड्डलोए तदेक्कदेसभाए १, अड्डलोए तदेक्कदेसभाए २, तिरियलोए अगडेसु तलाएसु नदीसु दहेसु वावीसु पुक्खरिणीसु दीहियासु गुंजालियासु सरेसु सरपंतियासु सरसरपंतियासु बिलेसु

बिलपंतियासु उज्झरेसु निज्झरेसु चिल्ललेसु पल्ललेसु वप्पिणेसु दीवेसु समुद्देसु सव्वेसु चव जलासा सु जलट्टाणेसु ३, एत्थ णं पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । [सुत्तं १७६. मणुस्सठाणइं] १७६. कहिणं भंते ! मणुस्साणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? गोयमा ! अंतोमणुस्सखेत्ते पणतालीसाए जोयणसतसहस्सेसु अट्टाज्जेसु दीवसमुद्देसु पण्णरससु कम्मभूमीसु तीसाए अकम्मभूमीसु छप्पण्णाए अंतरदीवेसु, एत्थ णं मणुस्साणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं सव्वलोए, सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । [सुत्ताइं १७७-८७. भवणवासिदेवठाणाइं] १७७. कहि णं भंते ! भवणवासीणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! भवणवासी देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एणं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा वेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झिमअट्टहत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं भवणवासीणं देवाणं सत्त भवणकोडीओ बावत्तरिं च भवणावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा अंतो समचउरंसा अहे पुक्खरकणियासंठाणसंठिता उक्किण्णंतरविउलगंभीरखात-परिहा पागार-डट्टालय-कवाड-तोरण-पडिदुवारदेसभागा जंत-सयग्घि-मुसल-मुसुंढिपरियरिया अउज्झा सदाजता सदागुत्ता अडयालगोट्टगरइया अडयालकयवणमाला खेमा सिवा किं करामरदंडोवरक्खिया लाउल्लोइयमहिया गोसीस-सरसरत्तचंदणदहरदिण्णपंचंगुलितला उवचियचंदणकलसा चंदणघडसुकततोरणपडिदुवारदेसभागा आसत्तोसत्तविउलवट्टवग्घारियमल्लदामकलावा पंचवण्णसरससुरहिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिया [ग्रन्थाग्रम् १०००] कालागुरु-पवरकुंदुरुक्क-तुरक्कधूमधमधेतंगंधुद्धुयाभिरामा सुगंधवरगंधगंधिया गंधवट्टिभूता अच्छरगणसंघसंविगिण्णा दिव्वतुडितसद्वसंपणदिता सव्वरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्टा मट्टा गीरया णिम्मला निप्पंका निक्ककडच्छाया सप्पहा सस्सिरिया समरिया सउज्जोया पासातीता दरसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा, एत्थ णं भवणवासीणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे भवणवासी देवा परिवसंति । तं जहा- असुरा १ नाग २ सुवण्णा ३ विज्जू ४ अग्गी य ५ दीव ६ उदही य ७ । दिसि ८ पवण ९ थणिय १० नामा दसहा एए भवणवासी ॥ १३७ ॥ चूडामणिमउडरयण १- भूसणणागफड २- गरुल ३ वइर ४- पुण्णकलसविउप्फेस ५- सीह ६- हयवर ७- गयअंक ८- मगर ९- वद्धमाण १० निज्जुत्तचित्तचिंधगता सुरूवा महिद्धीया महज्जुतीया महायसा महब्बला महाणुभागा महासोक्खा हारविराइयवच्छा कडगतुडियथंभियभुया अंगद-कुंडल-मट्टगंडतलकण्णपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमालामउलीमउडा कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरा भासुरबोदी पलंबवणमालधरा दिव्वेणं वव्वेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इट्ठीए दिव्वाए जुतीए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्छीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दसदिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं भवणावाससयसहस्साणं साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं साणं साणं तायत्तीसगाणं साणं साणं लोगपालाणं साणं साणं अगमहिसीणं साणं साणं परिसाणं साणं साणं अणियाणं साणं साणं अणियाहिवतीणं साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं भवणवासीणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महयरगतं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा पालेमाणा महताऽहतनट्ट-गीत-वाइततंती-तल-ताल-तुडिय-घणमुयंग-पडुप्पवाइयरवेण दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति । १७८. १ कहि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवारं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! असुरकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रतणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एणं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा वेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अट्टहत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं असुरकुमाराणं देवाणं चोवट्टिहिं वट्ठा अंतो चउरंसा अहे पुक्खरकणियासंठाणसंठिता उक्किण्णंतरविउल-गंभीरखाय-परिहा पागार-ऽट्टालय-कवाड-तोरण-पडिदुवारदेस-भागा जंतसयग्घि-मुसल-मुसुंढिपरियरिया अओज्झा सदाजया सदागुत्ता अडयालकोट्टगरइया अडयालकयवणमाला खेमा सिवा किं करामरदंडोवरक्खियालोउल्लोइयमहिमा गोसीस-

सरसरत्तचंदणदहरदिण्णपंचंगुलितला उवचितचंदणकलसा चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा आसत्तोसत्तविउलवट्टवग्गघरियमल्लदामकलवा पंचवण्णसरससुरभिमुक्कपुप्फपुजोवयारकलिया कालागरु- पवरकुंदुरक्क - तुरुक्कधूवमघमघेतंगंधुद्धयाभिरामा सुगंधवरगंधगंधिया गंधवट्टिभूता अच्छरगणसंघसंविगिण्णा दिव्वतुडितद्वसंपणदिया सव्वरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्टा मट्ट णीरया निम्मला निप्पंका णिक्ककडच्छाया सप्पभा समरीया सउज्जोया पासाईया दरसणिज्जा अभिरूवा, एत्थ णं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताडपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्टाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे असुरकुमारा देवा परिवसंति काला लोहियक्ख-बिंबोट्टा धवलपुप्फदंता असियकेसा वामेयकुंडलधरा अद्वचंदणाणुलित्तगता, ईसीसिलिंधपुप्फपगासाइं असंकिलिट्टाइं सुहुमाइं वत्थाइं पवर परिहिया, वयं च पढमं समइक्कंता, बिइयं च असंपत्ता, भद्वे जोव्वणे वट्टमाणा, तलभंगयतुडितपवरभूसणनिम्मलमणिरयणमंडितभुया महायसा महब्बला महाणुभागा महासोक्खा हारविराइयवच्छा कडय-तुडियथंभियभुया अंगयकुंडलमट्टगंडयलकण्णपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमाला-मउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरा भासुरबोंदी पलंबवणमालधरा दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इट्ठीए दिव्वाए गंधेणं दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्छीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं भवणावाससतसहस्साणं साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं साणं साणं तावत्तीसाणं साणं साणं लोगपलाणं साणं साणं अग्गमहिशीणं साणं साणं परिसाणं साणं साणं अणियाणं साणं साणं अणियाधिवतीणं साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं भवणवासीणं देवाण य आहेवच्चं पोरवच्चं सामिच्चं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा पालेमाणा महताऽहतणट्टगीत-वाइवतंती-तल-ताल-तुडिय-घणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजेमाणा विहरंति । २ चमर-बलिणो यऽत्थ दुवे असुरकुमाररिंदा असुरकुमाररयाणो परिवसंति काला महानीलसरिसा णीलगुलियगवलअयसिकुसुमप्पगासा वियसियसयवत्तणिम्मलइसीसितरत्ततंबणयणा गरुलाययउज्जुतुंगणासा ओयवियसिलप्पवालबिंबफलसन्निभाहरोट्टा पंडरससिसगलविमलनिम्मलदहिघणसंखगोखीरकुंददगरयमुणालियाधवलदंतसेढी हुयवहणिद्धंतधोयतत्तवणिज्जरत्ततलतालुजीहा अंजण-घणकसिणरुयगरमणिज्जणिद्धकेसा वामेयकुंडलधरा अद्वचंदणाणुलित्तगता, ईसीसिलिंधपुप्फपगासाइं असंकिलिट्टाइं सुहुमाइं वत्थाइं पवर परिहिया, वयं च पढमं समइक्कंता, बिइयं तु असंपत्ता, भद्वे जोव्वणे वट्टमाणा, तलभंगय-तुडित-पवरभूसण-निम्मलमणि-रयणमंडितभुया दसमुद्दामंडतग्गहत्था चूडामणिचित्तचिंधगता सुरूवा महिट्ठीया महज्जुइ;या महासया महाबला महाणुभागा महासोक्खा हारविराइयवच्छा कडय-तुडितथंभियभुया अंगद-कुंडल-मट्टगंडतलकण्णपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा-वित्तमाला-मउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया भासारबोंदी पलंबवणमालधरा दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इट्ठीए दिव्वाए जुतीए दिव्वाए भासाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए पहाए दिव्वाए अच्छीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं भवणावाससतसहस्साणं साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं साणं साणं तावत्तीसाणं साणं साणं लोगपालाणं साणं साणं अग्गमहिशीणं साणं साणं परिसाणं साणं साणं अणियाणं साणं साणं अणियाधिवतीणं साणं साणं आतरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं भवणवासीणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महयरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा पालेमाणा महताऽतनट्ट-गीत-वाइततंती-तलतालतुडितघणमुइंगपडुप्पवाइतरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति । १७९. १ कहि णं भंते ! दाहितणल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! दाहिणिल्ला असुरकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वतस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एणं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्टा वेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्टहत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं दाहिणिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं चोत्तीसं भवणावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा, सो

चेव वण्णओ [सु. १७८ १] जाव पडिरूवा । एत्थ णं दाहिणिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे दाहिणिल्ला असुरकुमारा देवा य देवीओ य परिवसंति । काला लोहियक्खा तहेव [सु. १७८] १ जाव भुंजमाणा विहरंति । एतेसि णं तहेव तायत्तीसगलोगपाला भवंति । एवं सब्बत्थ भाणितव्वं भवणवासीणं । २ चमरे अत्थ असुरकुमारिदे असुरकुमारराया परिवसंति काले महानीलसरिसे जाव [सु. १७७ १] पभासेमाणे । से णं तत्थ चोत्तीसाए भवणावाससतसहस्साणं चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं तावत्तीसाए तावत्तीसाणं चउण्हं लोगपालाणं पंचण्ह अग्गमहिस्सीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाधिवतीणं चउण्ह य चउसट्ठीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं दाहिणिल्लाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव [सु. १७८] २ विहरति । १८०. १ कहि णं भंते ! उत्तरिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! उत्तरिल्ला असुरकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुडवीए [ग्रन्थाग्रम् ११००] असीउत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एणं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा वेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अट्टहत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं उत्तरिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं तीसं भवणावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा अंतो चउरंसा, सेसं जहा दाहिणिल्लाणं सु. १७९ १ जाव विहरंति । २ बली यऽत्थ वइरोयणिदि वइरोयणराया परिवसति काले महानीलसरिसे जाव [सु. १७७] २ पभासेमाणे । से णं तत्थ तीसाए भवणावाससयसहस्साणं सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं तावत्तीसाए तावत्तीसगाणं चउण्हं लोगपालाणं पंचण्हं अग्गमहिस्सीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाधिवतीणं चउण्ड य सट्ठीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं उत्तरिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं कुव्वमाणे विहरति । १८१. १ कहि णं भंते ! णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! णागकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुडवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एणं जोयणसहस्सं ओगाहिता हेट्ठा वेगं जोयणसहस्सं वज्जिऊण मज्झे अट्टहत्तरे जोयणसयसहस्से, एत्थ णं णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं चुलसीइ भवणावाससयसहस्सा हवंतीति मक्खातं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा अंतो चउरंसा जाव [सु. १७७] १ पडिरूवा । तत्थ णं णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे णागकुमारा देवा परिवसंति महिद्धीया महाजुतीया, सेसं जहा ओहियाणं [सु. १७७ १] जाव विहरंति । २ धरण-भूयाणंदा एत्थ दुवे णागकुमारिंदा णागकुमाररायाणो परिवसंति महिद्धीया, सेसं जहा ओहियाणं जाव [सु. १७७] २ विहरंति । १८२. १ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! दाहिणिल्ला णागकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुडवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एणं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेट्ठा वेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अट्टहत्तरे जोयणसयसहस्से, एत्थ णं दाहिणिल्लाणं णागकुमाराणं देवाणं चोयालीसं भवणावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भवणा बाहिं वट्ठा अंतो चउरंसा जाव पडिरूवा । एत्थ णं दाहिणिल्लाणं णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । एत्थ णं बहवे दाहिणिल्ला नागकुमारा देवा परिवसंति महिद्धीया जाव [सु. १७७] १ विहरंति । २ धरणे वऽत्थे णागकुमारिदे णागकुमारराया परिवसति महिद्धीए जाव [सु. १७७] २ पभासेमाणे । से णं तत्थ चोयालीसाए भवणावाससयसहस्साणं छण्हं सामाणियसाहस्सीणं तावत्तीसाए तावत्तीसगाणं चउण्हं लोगपालाणं पंचण्हं अग्गमहिस्सीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाधिवतीणं चउव्वीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं दाहिणिल्लाणं नागकुमाराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं कुव्वमाणे विहरति । १८३. १ कहि णं भंते ! उत्तरिल्लाणं णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! उत्तरिल्ला णागकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वतस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए

पुढवीए असीउत्तरजोयणसतसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहेत्ता हेद्दा वेगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अद्दहत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं उत्तरिल्लाणं णागकुमाराणं देवाणं चत्तालीसं भवणावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भवणा बाहिं वद्दा सेसं जहा दाहिणिल्लाणं [सु. १८२] १ जाव विहरंति । २ भूयाणंदे यऽत्थ णागकुमारिदे नागकुमाराया परिवसति पहिद्दीए जाव [सु. १७७] २ पभासेमाणे । से णं तत्थ चत्तालीसाए भवणावाससतसहस्साणं आहेवच्चं जाव [सु. १७७] २ विहरंति । १८४. १ कहि णं भंते ! सुवण्णकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहिं णं भंते ! सुसण्णकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव एत्थ णं सुवण्णकुमारा देवाणं बावत्तरिं भवणावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भवणा बाहिं वद्दा जाव पडिख्वा । तत्थ णं सुवण्णकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगसतस असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति महिद्दिया, सेसं जहा ओहियाणं [सु. १७७] १ जाव विहरंति । २ वेणुदेवा-वेणुदाली यऽत्थ दुवे सुवण्णकुमारिदा सुवण्णकुमाररायणो परिवसंति महिद्दिया जाव [सु. १७७] २ विहरंति । १८५. १ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! दाहिणिल्ला सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे जाव मज्झे अद्दहत्तरे जोयणसतसहस्से, एत्थ णं दाहिणिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं अद्दत्तीसं भवणावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भवणा बाहिं वद्दा जाव पडिख्वा । एत्थ णं दाहिणिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । एत्थ णं बहवे सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति । २ वेणुदेवे यऽत्थ सुवण्णिदे सुवण्णकुमारराया परिवसइ । सेसं जहा णागकुमाराणं [सु. १८२] २ । १८६. १ कहि णं भंते ! उत्तरिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणं पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! उत्तरिल्ला सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए जाव एत्थ णं उत्तरिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं चोत्तीसं भवणावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भवणा जाव एत्थ णं बहवे उत्तरिल्ला सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति महिद्दिया जाव [सु. १७७] १ विहरंति । २ वेणुदाली यऽत्थ सुवण्णकुमारिदे सुवण्णकुमारराया परिवसति महिद्दीए, सेसं जहा णागकुमाराणं [सु. १८३] २ । १८७. एवं जहा सुवण्णकुमाराणं वत्तव्वया भणिता तहा सेसाण वि चोद्दसण्हं दाणं भाणितव्वा । नवरं भवणनाणत्तं इंदणाणत्तं वण्णणाणत्तं परिहाणणाणत्तं च इमाहिं गाहाहिं अणुगंतव्वं चोवट्ठिं असुराणं १ चुलसीती चेव होति णागाणं २ । बावत्तरिं सुवण्णे ३ वाउकुमाराण छण्णउई ४ ॥ १३८ ॥ दीव-दिसा-उदहीणं विज्जुकुमारिद-थणिय-मग्गीणं । छण्हं पि जुवल्याणं छावत्तरि मो सतसहस्सा १० ॥ १३९ ॥ चोत्तीसा १ चोयाला २ अद्दत्तीसं च सयसहस्साइं ३ । पण्णा ४ चत्तालीसा ५-१० दाहिणओ होति भवणाइं ॥ १४० ॥ तीसा १ चत्तालीसा २ चोत्तीसं चेव सयसहस्साइं ३ । छायाला ४ छत्तीसा ५-१० उत्तरओ होति भवणाइं ॥ १४१ ॥ चउसट्ठी १ सट्ठी २ खलु छ च्च सहस्सा ३-१० उ असुरवज्जाणं । सामाणियाउ एए, चउग्गुणा आयरक्खा उ ॥ १४२ ॥ चमरे १ धरणे २ तह वेणुदेव ३ हरिकंत ४ अग्गिसीहे य ५ । पुण्णे ६ जलकंते या ७ अमिय ८ विलंबे य ९ घोसे य १० ॥ १४३ ॥ बलि १ भूयाणंदे २ वेणुदालि ३ हरिस्सहे ४ अग्गिमाणव ५ वसिट्ठे ६ । जलप्पहे ७ अमियवाहण ८ पभंजणे या ९ महाघोसे १० ॥ १४४ ॥ उत्तरिल्लाणं जाव विहरंति । काला असुरकुमारा, णागा उदही य पंडरा दो वि । वरकणगणिहसगोरा होति सुवण्णा दिसा थणिया ॥ १४५ ॥ उत्तकणगवन्ना विज्जू अग्गी य होति दीवा य । सामा पियंगुवण्णा वाउकुमारा मुणेयव्वा ॥ १४६ ॥ असुरेसु होति रत्ता, सिलिंधपुप्फप्पभा य नागुदही । आसासगवसणधरा होति सुवण्णा दिसा थणिया ॥ १४७ ॥ णीलाणुरागवसणा विज्जू अग्गी य होति दीवा य । संज्ञाणुरागवसणा वाउकुमारा मुणेयव्वा ॥ १४८ ॥ [सुत्ताइं १८८-१९४. वाणमंतरदेवठाणाइं] १८८. कहि णं भंते ! वाणमंतराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! वाणमंतरा देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसतं ओगाहिता हेद्दा वि एगं जोयणसतं वज्जेत्ता मज्झे अद्दसु जोयणसएसु, एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जणगरावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भोमेज्जा णगरा बहिं वद्दा अंतो चउरंसा अहे पुक्खरकणियासंठाणसंठिता उक्किणंतरविउगंभीरखाय-परिहा पागार-ऽट्टालय-कवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा जंतसयग्घिमुसलमुसुंढिपरियरिया

अओज्झा सदाजता सदागुत्ता अडयालकोट्टगरइया अडयालकयवणमाला खेमा सिवा किंकरामरदंडोवरक्खिया लाउल्लोड्डगरइया अडयालकयवणमाला खेमा सिवा किंकरामरदंडोवरक्खिया लाउल्लोइयमहिया गोसीस -सरसरत्तचंदणददरदिन्नपंचंगुलितला उवचितचंदणकलसा चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा आसत्तोससतविउलवट्टवघारियमल्लदामकलावा पंचवणसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिया कालागरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघमघेतंजंधुद्धयाभिरामा सुगंधवरगंधगंधिया गंधवट्टिभूता अच्छरगणसंघसंविक्किणा दिव्वतुडितसददसंपणदिता पडागमालाउलाभिरामा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्टा मट्टा नीरया निम्मला निप्पका णिक्कंकडच्छाया सप्पभा समरीया सउज्जोता पासातीता दरसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा, एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे वाणमंतरा देवा परिवसंति । तं जहा पिसाया १ भूया २ जक्खा ३ रक्खसा ४ किन्नरा ५ किंपुरिसा ६ भुयगवइणो य महाकाया ७ गंधव्वगणा य निउणगंधव्वगीतरइणो ८ अणवण्णिय १ -पणवण्णिय २ -इसिवाइय ३ -भूयवाइय ४ कंदित ५ महाकंदिया य ६ कुहंड ७ पयगदेवा ८ चंचलचलचलचित्तकीलण -दवप्पिया गहिरहसिय -गीय -णच्चणरई वणमाला -मेल-मउल-कुंडल-सच्छंदविउव्वियाभरणचारुभूसणधरा सव्वोउयसुरभिकुसुमसुरइयपलंबसोहंतकंतवियसंतचित्तवणमालरइयवच्छा कामकामा कामरूवदेहधारी णाणाविहवण्णविहवण्णारागवरवत्थचित्तचिल्लं ल गणियंसणा विविहदेसिणेवच्छगहियवेसा पमुइयकंदप्पकलहकेलिकोलाहलप्पिया हास-बोलबहुला असि-मोग्गर-सत्ति-कोत-हत्था अणेगमणि-रयणविविहणिजुत्तविचित्तचिंधगया सुरूवा महिड्ढीया महज्जुतीया महायसा महाबला महाणुभागा महासोक्खा हारविराइयवच्छा कडयतुडितथंभियभुया अंगयकुंडलमट्टगंडयलकन्नपीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमालामउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरा भासुरबोदी पलंबवणमालधरा दिव्वेणं वण्णेणठ गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुतीए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्छीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेस्साए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं भोमेज्जगणगरावाससतसहस्साणं साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं साणं साणं अग्गमहिसीणं साणं साणं परिसाणं साणं साणं अणियाणं साणं साणं अणियाधिवतीणं साणं साणं आयक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूण वाणमंतराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महयरगतं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा पालेमाणा महयाऽहतणट्ट - गीयवाइयतंतीतलतालतुडियघडमुड्गपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वइं भोगभोगाई भुंजमाणा विहरंति । १८९. १ कहि णं भंते ! पिसायाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! पिसाया देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एणं जोयणसतं ओगाहत्ता हेट्टा वेगं जोयणसतं वज्जेत्ता मज्झे अट्टसु जोयणसएसु, एत्थ णं पिसायाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जणगरावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं भोमेज्जणगरा बाहिं वट्टा जहा ओहिओ भवणवण्णओ [सु. १७७] तहा भाणितव्वो जाव पडिरूवा । एत्थ णं पिसायाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे पिसाया देवा परिवसंति महिड्ढीया जहा ओहिया जाव [सु. १८८] विहरंति । २ काल-महाकाला यऽत्थ पिसायइंदा पिसायरायाणो परिवसंति महिड्ढीया महज्जुइया जाव [सु. १८८] विहरंति । १९०. १ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! दाहिणिल्ला पिसाया देवा परिवसंति ? गोयमा ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एणं जोयणसतं ओगाहत्ता हेट्टा वेगं जोयणसतं वज्जेत्ता मज्झे अट्टसु जोयणसएसु, एत्थ णं दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जनगरावाससतसहस्सा भवंतरति मक्खातं । ते णं भोमेज्जणगरा बाहिं वट्टा जहा ओहिओ भवणवण्णओ [सु. १७७] तहा भाणियव्वो जाव पडिरूवा । एत्थ णं दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे दाहिणिल्ला पिसाया देवा परिवसंति महिड्ढीया जहा ओहिया जाव [सु. १८८] विहरंति । २ काले यऽत्थ पिसायइंदे पिसायराया परिवसति महिड्ढीए [सु. १८८] जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ

तिरियमसंखेज्जाणं भोमेज्जगनगरावाससतसहस्साणं चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चउण्हमग्गमहिसीरं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाधिवत्तीणं सोलसण्हं आतरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं दाहिणिल्लाणं वाणमंतराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं [सु. १८८] जाव विहरति । १९१. १ उत्तरिल्लाणं पुच्छा । गोयमा ! जहेव दाहिणिल्लाणं वत्तव्वया [सु. १९०] १ तहेव उत्तरिल्लाणं पि । नवरं मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं । २ महाकाले यउत्थे पिसायइंदे पिसायराया परिवसति जाव [सु. १९०] २ विहरति । १९२. एवं जहा पिसायाणां [सु. १८९-१९०] तहा भूयाणं पि जाव गंधव्वाणं । णवरं इंदेसु णाणत्तं भाणियव्वं इमेण विहिणाभूयाणं सुरूवपडिरूवा, जक्खाणं पुण्णभद्दमाणिभद्दा, रक्खसाणं भीम-महाभीमा, किण्णराणं किण्णर-किंपुरिसा, किंपुरिसाणं सप्पुरिस-महापुरिसा, महोरगाणं अइकाय-महाकाया, गंधव्वाणं गीतरती-गीतजसे जाव [सु. १८८] विहरति । काले य महाकाले १ सुरूव पडिरूव २ पुण्णभद्दे य । अमरवइ माणिभद्दे ३ भीमे य तहा महाभीमे ४ ॥१४९॥ किण्णर किंपुरिसे खलु ५ सप्पुरिसे खलु तहा महापुरिसे ६ । अइकाय महाकाय ७ गीयरई चैव गीतजसे ८ ॥१५०॥ १९३. १ कहि णं भंते ! अणवन्नियाणं देवाणं [पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं] ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! अणवण्णिया देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स मंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं हेट्ठा य एगं जोयणसयं वज्जेता मज्झे अट्ठसु जोयणसतेसु, एत्थ णं अणवण्णियाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा णगरावाससयसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं जाव [सु. १८८] पडिरूवा । एत्थ णं अणवण्णियाणं देवाणं ठाणा । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे अणवन्निया देवा परिवसंति महड्डिया जहा पिसाया [सु. १८९ १] जाव विहरंति । २ सन्निहिय-सामाणा यउत्थे दुवे अणवण्णिंदा अणवण्णियकुमाररायाणो परिवसति महिड्डिया जहा काल-महाकाला [सु. १८९ २] । १९४. एवं जहा काल-महाकालाणं दोण्हं पि दाहिणिल्लाणं उत्तरिल्लाण य भणिया [सु. १९०] २, [१९१ २] तहा सन्निहिय-सामाणा ई णं पि भाणियव्वा । संगहणिगाहा- अणवन्निया १ पणवन्निया २ इसिवाइय ३ भूयवाइया चैव ४ । कंद ५ महाकंदिय ६ कुहंडे ७ पययदेवा ८ इमे इंदा ॥१५१॥ सण्णिहिया सामाणा १ धाय विधाए २ इसी य इसिपाले ३ । ईसर महेसरे या ४ हवइ सुवच्छे विसाले य ॥१५२॥ हासे हासरई वि य ६ सेते य तहा वे महासेते ७ । पयते पययपई वि य ८ नेयव्वा आणुपुव्वीए ॥१५३॥ [सुत्तं १९५. जोइसियदेवठाणाइं] १९५. १ कहि णं भंते ! जोइसियाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! जोइसिया देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रतणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ सत्ताणउते जोयणसते उड्ढं उप्पइत्ता दसुत्तरे जोयणसतबाहल्ले तिरिमसंखेज्जे जोतिसविसये, एत्थ णं जोइसियाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा जोइसियविमाणावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं विमाणा अब्बकविट्ठगंठाणसंठिता सव्वफालियामया अब्भुग्गयमूसियपहसिया इव विविहमणिकणगरतणभत्तिचित्ता वाउद्धतविजयवेजयंतीपडागच्छत्ताइच्छत्ताइत्तकलिया तुंगा गगणतलमणुलिहमाणसिहारा जालंतररयण-पंजरुम्लिय व्व मणि-कणगथूभियागा वियसियसयवत्तपुंडरीया(य-) तिलयरयणद्धचंदचित्ता णाणामणिमयदामालंकिया अंतो बहिं च सण्हा तवणिज्जरुइलवालुयापत्थडा सुहफासा सस्सिरीया सुरूवा पासाईया दरसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा । एत्थ णं जोइसियाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखिज्जतिभागे । तत्थ णं बहवे जोइसिया देवा परिवसंति, तं जहा बहस्सती चंदा सूरा सुक्का सणिच्छरा राहू धूमकेऊ बुहा अंगारगा तत्ततवणिज्जकणगवण्णा, जे य गहा जोइसम्मि चारं चरंति केतू य गइरइया अट्ठवीसतिहिहा य नक्खत्तदेवयगणा, णाणासंठाणसंठियाओ य पंचवण्णाओ तारयाओ, ठिलिस्सा चारिणो अविस्साममंडलगई पत्तेयणामंकपागडियचिंधमउडा महिड्डिया जाव [सु. १८८] पभासेमाणा । तेणं तत्थ साणं साणं विमाणावाससतसहस्साणं साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं साणं साणं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं साणं साणं परिसाणं साणं अणियाणं साणं साणं अणियाधिवत्तीणं साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं जोइसियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव [सु. १८८] विहरंति । २ चंदिम-सूरिया यउत्थ दुवे जोइसिंदा जोससियरायाणो परिवसंति महिड्डिया जाव

[सु. १८८] पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं जोइसियविमाणावाससतसहस्साणं चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं अग्गमहिस्सीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाधिवतीणं सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं जोइसियाण य देवीण य ओहवच्चं पोरेवच्चं जाव विहरंति । [सुत्ताइं १९६-२१०. वेमाणियदेवठाणाइं] १९६. कहि णं भंते ! वेमाणियाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं णं भंते ! वेमाणिया देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रतणप्पभाए पुढवीए बहुसंम्मरमणिज्जातो भूमिभागातो उह्णं चंदिम-सूरियगहणक्खत्तारारूवाणं बहूइं जोयणसताइं बहूइं जोयणसहस्साइं बहूइं जोयणसयसहस्साइं बहुगीओ जोयणकोडी बहुगीओ जोयणकोडाकोडीओ उह्णं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सोहम्मीसाणसणं कुमारमाहिंदंबं भलोयलंतगमहासुकुसहस्सारआणयपाणयआरणअच्चुतगेवेज्जअणुत्तरेसु एत्थ णं वेमाणियाणं देवाणं चउरासीइ विमाणावाससतसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवंतीति मक्खातं । ते णं विमाणा सव्वरतणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा नीरया निम्मला निप्पंका निक्कं कडच्छाया सप्पभा सस्सिरीया सउज्जोया पासातीता दरसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा । एत्थ णं वेमाणियाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । तिसु वि लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे वेमाणिया देवा परिवसंति । तं जहा सोहम्मीसाणसणं कुमारमाहिंदंबं भलोगलंतगमहासुकुसहस्सारआणयपाणयआरणऽच्चुयगेवेज्जगाऽच्चुयगेवेज्जगाऽणुत्तरोववाइया देवा । ते णं भिग १ - महिस २ - वराह ३ - सीह ४ - छगल ५ - ददुर ६ - हय ७ - गयवड ८ - भुयग ९ - खग्ग १० - उसभंक ११ - विडिम १२ - पागडियचिंधमउडा पसढिलवरमउड-तिरीडधारिणो वर-कुंडलुज्जोइयाणणा मउडवित्तिसिरया रत्ताभा पउमपम्हगोरा सेया सुहवण्ण-गंध-फासा उत्तमवेउव्विणो पवरवत्थ-गंध-मल्लाणुलेवणधरा महिड्डीया महाजुइया महायसा महाबला महाणुभागा महासोक्खा हारविराइयवच्छा कडय -तुडियथंभियभुया अंगद-कुंडल-मट्ठगंडतलकण्ण -पीढधारी विचित्तहत्थाभरणा विचित्तमाला-मउली कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया कल्लाणगपवरमल्लाऽणुलेवणा भासरबोदी पलंबवणमालधरा दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्डीए दिव्वाए जुतीए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेस्साए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससयसहस्साणं साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं साणं साणं तावत्तीसगाणं साणं साणं लोगपालाणं साणं साणं अग्गमहिस्सीणं सपरिवाराणं साणं साणं परिसाणं साणं साणं अणियाणं साणं साणं अणियाधिवतीणं साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं वेमाणियाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महयरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा पालेमाणा महताऽहतनट्ट-गीय-वाइततंती-तल-ताल-तुडित-घणमुइंगपडुप्पवाइतरवेणं दिव्वाइं भोगभोगां भुंजमाणा विहरंति । १९७. १ कहि णं भंते ! सोहम्मगदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! सोहम्मगदेवा परिवसंति ? गोयमा ! जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वतस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उह्णं चंदिम-सूरिय-गह-नक्खत्तारारूवाणं बहूणि जोयणसताणि बहूइं जोयणसहस्साइं बहूइं जोयणसतसहस्साइं बहुयाओ जोयणकोडीओ बहुगीओ जोयणकोडाकोडीओ उह्णं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सोहम्मे णामं कप्पे पण्णते पाईण-पडीणायते उदीण-दाहिणवित्थिण्णे अब्बचंदसंठाणसंठिते अच्चिमालिभासरासिवण्णाभे असंखेज्जाओ जोयणकोडीओ असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयाम-विकखंभेणं, असंखेज्जाओ जोयणकोडीओ परिकखेवेणं, सव्वरयणामए अच्छे जाव [सु. १९६] पडिरूवे । तत्थ णं सोहम्मगदेवाणं बत्तीसं विमाणावाससतसहस्सा हवंतीति मक्खातं । ते णं विमाणा सव्वीयणामया अच्छा जाव [सु. १९६] पडिरूवा ! तेसि णं विमाणाणं बहुमज्झदेसभागे पंच वडेंसया पण्णत्ता । तं जहा असोगवडेंसए १ सत्तिवण्णवडेंसया सव्वरयणामया अच्छा जाव [सु. १९६] पडिरूवा । एत्थ णं सोहम्मगदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तीसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससतसहस्साणं साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं एवं जहेव ओहियाणं [सु. १९६] तहेव एतेसिं पि भाणितव्वं जाव आयरक्खदेवसाहस्सीणं एवं जहेव ओहियाणं [सु. १९६] तहेव एतेसिं पि भाणितव्वं जाव आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं सोहम्मगकप्पवासीणं

वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव [सु. १९६] विहरंति । २ सक्के यऽत्थ देविदे देवराया परिवसति वज्जपाणी पुरंदरे सतकतू सहस्सक्खे मघवं पागसासणे दाहिणह्लोगाधिवती बत्तीसविमाणावाससतसहस्साधिवती एरावणवाहणे सुरिदे अयरयंबरवत्थधरे आलइयमाल-मउडे णवहेमचारुचित्तचंचलकुंडलविलिहिज्जमाणगंडे महिह्णिए जाव [सु. १९६] पभासेमाणे । से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससतसहस्साणं चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं तावत्तीसाए तावत्तीसगाणं चउणहं लोगपालाणं अट्टणहं अग्गमहिस्सीणं सपरिवाराणं तिणहं परिसाणं सत्तणहं अणियाणं सत्तणहं अणियाधिवतीणं चउणहं चउरासीईणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं सोहम्मगकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं कुव्वमाणे जाव [सु. १९६] विहरइ । १९८. १ कहि णं भंते ! ईसाणगदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! ईसाणगदेवा परिवसंति ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वतस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभाग्गओ उह्णं चंदिम- सुरिय - गहगण - णक्खत्त - ताराखूवाणं बहूइं जोयणसताइं बहूइं जोयणसहस्साइं जाव [सु. १९७] १ उप्पइत्ता एत्थ णं ईसाणे णामं कप्पे पण्णत्ते पाईण-पडीणायते उदीण - दाहिणविच्छिण्णे एवं जहा सोहम्मे [सु. १९७] १ जाव पडिरूवे । तत्थ णं ईसाणगदेवाणं अट्टावीसं विमाणावाससतसहस्सा हवंतीति मक्खातं । ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा । तेसि णं बहुमज्झदेसभाए पंच वडेंसगा पण्णत्ता, जं जहा अंकवडेंसए १ फलिहवडेंसए २ रतणवडेंसए ३ जातरूववडेंसए ४ मज्झे एत्थ ईसाणवडेंसए ५ । ते णं वडेंसया सव्वरयणामया जाव [सु. १९६] पडिरूवा । एत्थ णं ईसाणाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जतिभागे । सेसं जहा सोहम्मगदेवाणं जाव [सु. १९७] १ विहरंति । २ ईसाणे यऽत्थ देविदे देवराया परिवसति सूलपाणी वसभवाहणे उत्तरह्लोगाधिवती अट्टासीसविमाणावाससतसहस्साधिवती अरयंबरवत्थधरे सेसं जहा सक्करस [सु. १९७] २ जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ अट्टावीसाए विमाणावाससतसहस्साणं असीतीए सामाणियसाहस्सीणं तिणहं परिसाणं सत्तणहं अणियाणं सत्तणहं अणियाधिवतीणं चउणहं असीतीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं ईसाणकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं कुव्वमाणे जाव [सु. १९६] विहरति । १९९. १ कहि णं भंते ! सणंकुमारदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! सणंकुमारा देवा परिवसंति ? गोयमा ! सोहम्मस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं बहूइं जोयणसताइं बहूइं जोयणसहसहस्साइं बहूइं जोयणसतसहस्साइं बहुगीओ जोयणकोडीओ बहुगीओ जोयणकोडाकोडीओ उह्णं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सणंकुमारे णामं कप्पे पाईण-पडीणायते उदीण-दाहिण-विच्छिण्णे जहा सोहम्मे [सु. १९७] १ जाव पडिरूवे । एत्थ णं सणंकुमाराणं देवाणं बारस विमाणावाससतसहस्सा भवंतीति मक्खातं । ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव [सु. १९६] पडिरूवा । तेसि णं विमाणाणं बहुमज्झदेसभागे पंच वडेंसगा पण्णत्ता । तं जहा असोगवडेंसए १ सत्तिवण्णवडेंसए २ चंपगवडेंसए ३ च्यूवडेंसए ४ मज्झे यऽत्थ सणंकुमारवडेंसए ५ । ते णं वडेंसया सव्वरयणामया अच्छा जाव [सु. १९६] पडिरूवा । एत्थ णं सणंकुमारदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जिभागे । तत्थ णं बहवे सणंकुमारा देवा परिवसंति महिह्णिया जाव [सु. १९६] पभासेमाणा विहरंति । णवरं अग्गमहिस्सीओ णत्थि । २ सणंकुमारे यऽत्थ देविदे देवराया परिवसति, अरयंबरवत्थधरे सेसं जहा सक्कस्स [सु. १९७] २ अग्गमहिस्सीवज्जं । णवरं चउणहं बावत्तरीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव [सु. १९६] विहरइ । २००. १ कहि णं भंते ! माहिंदाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! माहिंदगदेवा परिवसंति ? गोयमा ! ईसाणस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव [सु. १९९] १ बहुगीओ जोयणकोडाकोडीओ उह्णं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं माहिदे णामं कप्पे पायीण-पडीणायए एवं जहेव सणंकुमारे [सु. १९९] १ , णवरं अट्ट विमाणावाससतसहस्सा । वडेंसया जहा ईसाणे [सु. १९८] १, णवर मज्झे यऽत्थ माहिंदवडेंसए । एवं सेसं जहा सणंकुमारगदेवाणं [सु. १९६] जाव विहरति । २ माहिदे यऽत्थ देविदे देवराया परिवसति अरयंबरवत्थधरे, एवं जहा सणंकुमारे [सु. १९९] २ जाव विहरति । णवरं अट्टणहं विमाणावाससतसहस्साणं सत्तरीए

सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं सत्तरीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव [सु. १९६] विहरइ। २०१. १ कहि णं भंते ! बंभलोगदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! बंभलोगदेवा परिवसंति ? गोयमा ! सणंकुमार-माहिंदाणं कप्पाणं उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव [सु. १९९] १ उप्पइत्ता एत्थ णं बंभलोए णामं कप्पे पाईण-पडीणायए उदीण-दाहिणविच्छिण्णे पडिपचन्नचंददंठाणसंठिते अच्चिमाली-भासरासिप्पभे अवसेसं जहा अणंकुमाराणं [सु. १९९] १, णवरं चत्तारि विमाणावाससतसहस्सा । वडिंसगा जहा सोहम्मवडेंसया [सु. १९७] १, णवरं चत्तारि विमाणावाससतसहस्सा । वडिंसगा जहा सोहम्मवडेंसया [सु. १९७] १, णवरं मज्झे यऽत्थ बंभलोयवडेंसए । एत्थ णं बंभलोगाणं देवाणं ठाणा पन्नत्ता । सेसं तहेव जाव [सु. १९६] विहरंति । २ बंभे यऽत्थ देविदे देवराया परिवसति अरयंवरवत्थधरे, एवं जहा सणंकुमारे [सु. १९९] २ जाव विहरति । णवरं चउण्हं विमाणावाससतसहस्साणं सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं चउण्ह य सट्ठीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं जाव [सु. १९६] विहरति । २०२. १ कहि णं भंते ! लंतगदेवा परिवसंति ? गोयमा ! बंभलोगस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं बहूइं जोयणसयाइं जाव [सु. १९९] १ बहुगीओ जोयणकोडाकोडीओ उहं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं लंतए णामं कप्पे पण्णत्ते पाईणपडीणायए जहा बंभलोए [सु. २०१] १, णवरं पण्णासं विमाणावाससहस्सा भवंतीति मक्खातं । वडेंसगा [सु. २०१] १, णवरं पण्णासं विमाणावाससहस्सा भवंतीति मक्खातं । वडेंसगा जहा ईसाणवडेंसगा [सु. १९८] १, णवरं मज्झे यऽत्थ लंतगवडेंसए । देवा तहेव जाव [सु. १९६] विहरंति । २ लंतए यऽत्थ देविदे देवराया परिवसति जहा सणंकुमारे । [सु. १९९] २ णवरं चत्तालिसाए विमाणावाससहस्साणं चत्तालिसाए सामाणियसाहस्सीणं चउण्ह य चत्तालिसाणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं जाव [सु. १९६] विहरति । २०३. १ कहि णं भंते ! महासुक्काणं देवाणं पज्जत्ताऽत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! महासुक्का देवा परिवसंति ? गोयमा ! लंतयस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं जाव [सु. १९९] १ उप्पइत्ता एत्थ णं महासुक्के णामं कप्पे पण्णत्ते पायणी-पडीणायए उदीण-दाहिणवित्थिण्णे जहा बंभलोए [सु. २०१] १, णवरं चत्तालीसं विमाणावाससहस्सा भवंतीति मक्खातं । वडेंसगा जहा सोहम्मवडेंसगा [सु. १९७] १, णवरं मज्झे यऽत्थ महासुक्कवडेंसए जाव [सु. १९६] विहरति । २ महासुक्के यऽत्थ देविदे देवराया जहा सणंकुमारे [सु. १९९] २, णवरं चत्तालीसाए विमाणावाससहस्साणं चत्तालीसाए सामाणियसाहस्सीणं चउण्ह य चत्तालीसाणं अयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव [सु. १९६] विहरति । २०४. १ कहि णं भंते ! संस्सारदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! सहस्सारदेवा परिवसंति ? गोयमा ! महासुक्कस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं जाव [सु. १९९] १ उप्पइत्ता एत्थ णं सहस्सारे णामं कप्पे पण्णत्ते पाईण-पडीणायते जहा बंभलोए [सु. २०१] १, णवरं छव्विमाणावाससहस्सा भवंतीति मक्खातं । देवा तहेव [सु. १९७] १ जाव वडेंसगा जहा ईसाणस्स वडेंसगा [सु. १९८] १, णवरं मज्झे यऽत्थ सहस्सारवडेंसए जाव [सु. १९६] विहरंति । २ सहस्सारे यऽत्थे देविदे देवराया परिवसति जहा सणंकुमारे [सु. १९९] २, णवरं उण्हं विमाणावाससहस्साणं तीसाए सामाशियसाहस्सीणं चउण्ह य तीसाए आयरक्खसेवासाहस्सीणं जाव [सु. १९६] आहेवच्चं कारेमाणे विहरति । २०५. १ कहि णं भंते ! आणय-पाणयाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! आणय-पाणया देवा परिवसंति ? गोयमा ! सहस्सारस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं जाव [सु. १९९] १ उप्पइत्ता एत्थ णं आणय-पाणयनामेणं दुवे कप्पा पण्णत्ता पाईण-पडीणायता उदीण-दाहिणवित्थिण्णा अद्धचंदसंठाणसंठिता अच्चिमाली-भासरासिप्पभा, सेसं जहा सणंकुमारे [सु. १९९] १, णवरं मज्झे पाणयवडेंसए । ते णं वडेंसगा जहा सोहम्मे [सु. १९७] १, णवरं मज्झे पाणयवडेंसए । ते णं वडेंसगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा [सु. १९६] । एत्थ णं आणय-पाणयदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे आणय-पाणयदेवा परिवसंति महिद्धीया जाव [सु. १९६] पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावससयाणं जाव [सु. १९६] विहरंति । २ पाणए यऽत्थ देविदे देवराया परिवसति जहा सणंकुमारे [सु. १९९] २, णवरं चउण्हं विमाणावाससयाणं वीसाए सामाणियसाहस्सीणं असीतीए आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं जाव [सु. १९६] विहरति । २०६. १ कहि णं भंते ! आरण-ऽच्चुत्ताणं देवाणं

पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! आरण -ऽच्चुता देवा परिवसंति ? गोयमा ! आणय-पाणयाणं कप्पाणं उप्पिं सपक्खिं सपक्खिं सपडिदिसिं एत्थ णं आरणऽच्चुया णामं दुवे कप्पा पणत्ता, पाईण-पडीणायया उदीण-दहिणविच्छिण्णा अद्धचंदसंठाणसंठाणसंठिता अच्चिमाली-भासरासिवण्णाभा असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविकखंभेणं असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिकखेवेणं सव्वरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा भट्ठा नीरया निम्मला विप्पंका निक्कं कडच्छाया सप्पभा सस्सिरीया सउज्जोया पासार्इया दरसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा, एत्थ णं आरणऽच्चुताणं देवाणं तिन्नि विमाणावाससता हवंतीति मक्खायं । ते णं विमाणा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा नीरया निम्मला पिप्पंका निक्कं कडच्छाया सप्पभा सस्सिरीया सउज्जोता पासार्इया दरसणिज्ज अभिरूवा पडिरूवा । तेसि णं विमाणं बहुमज्झदेसभाए पंच वडेंसगा पणत्ता, तंजहा अंकवडेंसए १ फलिहवडेंसए २ रयणवडेंसए ३ जायरूववडेंसए ४ मज्झे अऽत्थ अच्चुतवडेंसए ५ । ते णं वडेंसया सव्वरयणामया जाव [सु. २०६] १ पडिरूवा । एत्थ णं आरणऽच्चुयाणं देवाण पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे आरणऽच्चुता देवा जाव [सु. १९६] विहरंति । २ अच्चुते यऽत्थ देविदे देवराया परिवसति जहा पाणए [सु. २०५] २ जाव विहरति । णवरं तिण्हं विमाणावासवताणं दसण्हं सामाणियसाहस्सीणं चत्तालीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं आहेवच्चं कुव्वमाणे जाव [सु. १९६] विहरति । बत्तीस अट्ठवीसा बारस अट्ठ चउरो सतसहस्सा । पण्णा चत्तालीसा छ च्च सहस्सा सहस्सारे ॥१५४॥ आणय-पाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरण-ऽच्चुए तिन्नि । सत्त विमाणसयाइं चउसु वि एएसु कप्पेसु ॥१५५॥ सामाणियसगहणीगाहा चउरासीइ १ असीई २ बासत्तरि ३ सत्तरी य ४ सट्ठी य ५ । पण्णा ६ चत्तालीसा ७ तीसा ९-१० दस सहस्सा ११-१२ ॥१५६॥ एते चेव आयरक्खा चउगुणा । २०७. कहि णं भंते ! हेट्ठिमगे वेज्जगदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! हेट्ठिमगेवेज्जगा देवा परिवसंति ? गोयमा ! आरणच्चुताणं कप्पाणं उप्पिं जाव [सु. २०६] १ उहं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं हेट्ठिमगेवेज्जगाणं देवाणं तओ गेवेज्जविमाणपत्थडा पणत्ता पाईण-पडीणायया उदीण- दाहिणविच्छिण्णा पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिता अच्चिमाली-भासरासिवण्णाभा सेसं जहा बंभलोगे जाव [सु. २०१] १ पडिरूवा । एत्थ णं हेट्ठिमगेवेज्जगाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखिज्जइभागे । तत्थ णं बहवे हेट्ठिमगेवेज्जगा देवा परिवसंति सव्वे समिद्धिया सव्वे समज्जुतीया सव्वे समजसा सव्वे समबला सव्वे समाणुभावा महासोक्खा अणिंदा अप्पेसा अपुरोहिया अहमिंदा णामं ते देवगणा पणत्ता समणाउसो ! । २०८. कहि णं भंते ! मज्झिमगाणं गेवेज्जगदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! मज्झिमगेवेज्जगा देवा परिवसंति ? गोयमा ! हेट्ठिमगेवेज्जगाणं उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं जाव [सु. २०६] १ उप्पइत्ता एत्थ णं मज्झिमगेवेज्जगदेवा [सु. २०६] १ पडिरूवा । एत्थ णं मज्झिमगेवेज्जगाणं देवाणं जाव [सु. २०७] तिसु वि लोगस्स असंखेज्जतिभागे । तत्थ णं बहवे मज्झिमगेवेज्जगा देवा परिवसंति जाव [सु. २०७] अहमिंदा नामं ते देवगणा पणत्ता समणाउसो ! । २०९. कहि णं भंते ! उवरिमगेवेज्जगदेवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! उवरिमगेवेज्जगा देवा परिवसंति ? गोयमा ! मज्झिमगेवेज्जगदेवाणं उप्पिं जाव [सु. २०६] १ उप्पइत्ता एत्थ णं उवरिमगेवेज्जगाणं देवाणं तओ गेवेज्जगविमाणपत्थडा पणत्ता पाईण-पडीणायता सेसं जहा हेट्ठिमगेवेज्जगाणं [सु. २०७], नवरं एगे विमाणावाससते भवतंति मक्खातं । सेसं तहेव भाणियव्वं [सु. २०७] जाव अहमिंदा णामं ते देवगणा पणत्ता समणाउसो ! । एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं च मज्झिमए । सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥१५७॥ २१०. कहि णं भंते ! अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पणत्ता ? कहि णं भंते ! अणुत्तरोववाइया देवा परिवसंति ? गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उहं चंदिम-सूरिय-गह-नक्खत्त-तारावाणं बहूइं जोयणसयाइं बहूइं जोयणसहस्साइं बहूइं जोयणसतसहस्साइं बहुगीओ जोयणकोडीओ बहुगीओ जोयणकोडाकोडीओ उहं दूरं उप्पइत्ता सोहम्मीसाण-सणकुमार-माहिंद-बंभलोय-लतंग-सुक्क-सहस्सार-आणय-पाणय-आरण-अच्चुयकप्पा तिण्णि य अट्ठारसुत्तरे गेविज्जविमाणावाससते वीतीवत्तिता तेण परं दूरं गता णीरया निम्मला वितिमिरा विसुद्धा पंचदिसिं पंच अणुत्तरा महतिमहालया विमाणा पणत्ता । तं जहा-विजये १ वेजयंते २ जयंते ३ अपराजिते ४ सव्वट्ठसिद्धे ५ । ते णं

विमाणा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्टा मट्टा नीरया निम्मला निप्पंका निक्कं कडच्छया सप्पभा सस्सिरिया सउज्जोया पासाईया दरसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा, अत्थ णं अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं पज्जत्ताऽपज्जत्ताणं ठाणा पण्णत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जतिभागे । तत्थ णं बहवे अणुत्तरोववाइया देवा परिवसंति सव्वे समिद्धिया सव्वे समबला सव्वे समाणुभावा महासोक्खा अणिंदा अपेस्सा अपुरोहिता अहमिंदा णामं ते देवगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । [सुत्तं २११.सिद्धठाणाइं] २११. कहि णं भंते ! सिद्धाणं ठाणा पण्णत्ता ? कहि णं भंते ! सिद्धा परिवसंति ? गोयमा ! सव्वट्टसिद्धस्स महाविमाणस्स उवरिल्लाओ थूभियग्गाओ दुवालस जोयणे उट्ठं अबाहाए एत्थ णं ईसीपब्भारा णामं पुढवी पण्णत्ता, पणतालीसं जोयणसतसहस्साणि आयाम-विक्खंभेणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च सतसहस्साइं तीसं च सहस्साइं दोण्णि य अउणापण्णे जोयणसते किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं पण्णत्ता । ईसीपब्भाराए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभाए अट्टजोयणिए खेत्ते अट्ट जोयणाइं बाहल्लेणं पण्णत्ते, ततो अणंतरं च णं माताए माताए पएसपरिहाणीए परिहायमाणी परिहायमाणी सव्वेसु चरिमंतेसु मच्छियपथातो तणुयरी अंगुलस्स असंखेज्जति भागं बाहल्लेणं पण्णत्ता । ईसीपब्भाराए णं पुढवीए दुवालस नामधिज्जा पण्णत्ता । तं जहा-ईसी ति वा १ ईसीपब्भारा इ वा २ तणू ति वा ३ तणुतणू ति वा ४ सिद्धी ति वा ५ सिद्धालए ति वा ६ मुत्ती इ वा ७ मुत्तालए ति वा ८ लोयग्गे इ वा ९ लोयग्गथूभिया ति वा १० लोयग्गपडिवुज्झणा इ वा ११ सव्वपाण-भूत-जीव-सत्तसुहावहा इ वा १२ । ईसीपब्भारा णं पुढवी सेता संखदलविमलसोत्थिय-मुणाल-दगरय-तुसार-गोक्खीर-हारवण्णा उत्ताणयच्छत्तसंठाण-संठिता सव्वज्जुणसुवण्णमती अच्छा सण्हा लण्हा घट्टा मट्टा नीरया निम्मला निप्पंका निक्कं कडच्छया सप्पभा सस्सिरिया सउज्जोता पासातीता दरसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा । ईसीपब्भाराए णं सीताए जोयणम्मि लोगंतो । तस्स णं जोयणस्स जे से उवरिल्ले गाउए तस्स णं गाउयस्स जे से उवरिल्ले छब्भागे एत्थ णं सिद्धा भगवंतो सादीया अपज्जवसिता अणेगजाति-जरा-मरण-जोणिसंसारकलं--कलीभाव-पुण्णभवगब्भवासवसहीपवंचसमतिकंता सासयमणागतद्धं कालं चिट्ठंति । तत्थ वि य ते अवेदा अवेदणा निम्ममा असंगा य । संसारविप्पमुक्का पदेसनिव्वत्तसंठाणा ॥१५८॥ कहिं पडिहता सिद्धा ? कहिं सिद्धा पइट्ठिता ? । कहिं बोदिं चइत्ता णं ? कहिं गंतूण सिज्झई ? ॥१५९॥ अलोए पडिहता सिद्धा, लोयग्गे य पइट्ठिया । इहं बोदिं चाइत्ता णं तत्थ गंतूण सिज्झई ॥१६०॥ दीहं वा हुस्सं वा जं चरिमभवे हवेज्ज संठाणं । तत्तो तिभागहीणा सिद्धाणोगाहणा भणिया ॥१६१॥ जं संठाणं तु इहं भवं चयंतस्स चरिमसमयम्मि । आसी य पदेसघणं तं संठाणं तहिं तस्स ॥१६२॥ तिण्णि सया तेत्तीसा धणुत्तिभागो य होति बोधव्वो । एसा खलु सिद्धाणं उक्कोसोगाहणा भणिया ॥१६३॥ चत्तारि य रयणीओ रयणितिभागूणिया य बोद्धव्वा । एसा खलु सिद्धाणं मज्झिम ओगाहणा भणिया ॥१६४॥ एगा य होइ रयणी अट्टेव य अंगुलाइं साहीया । एसा खलु सिद्धाणं जहण्ण ओगाहणा भणिया ॥१६५॥ ओगाहणाए सिद्धा भवत्तिभागेण होति परिहीणा । संठाणमणित्थंथं [ग्रन्थाग्रम् १५००] जरा-मरणविप्पमुक्काणं ॥१६६॥ जत्थ य एगो सिद्धो तत्थ अणंता भवक्खयविमुक्का । अण्णोणसमोगाढा पुट्टा सव्वे वि लोयंते ॥१६७॥ फुसइ अणंते सिद्धे सव्वपएसेहिं नियमसो सिद्धो । ते वि असंखेज्जगुणा देस-पदेसेहिं जे पुट्टा ॥१६८॥ असरीरा जीवघणा उवउत्ता दंसणे य नाणे य । सागरमणागारं लक्खणमेयं तु सिद्धाणं ॥१६९॥ केवलणाणुवउत्ता जाणंती सव्वभावगुण-भावे । पासंति सव्वतो खलु केवलदिट्ठीहणंताहिं ॥१७०॥ न वि अत्थि मणुसाणं तं सोक्खं न वि यं सव्वदेवाणं । जं सिद्धाणं सोक्खं अब्बबाहं उवगयाणं ॥१७१॥ सुरगणसुहं समत्तं सव्वद्धापिडितं अणंतगुणं । ण वि पावे मुत्तिसुहं णंताहिं वि वग्गवग्गूहिं ॥१७२॥ सिद्धस्स सुहो रासी सव्वद्धापिडितो जइ हवेज्जा । सोऽणंठवग्गभइतो सव्वागासे ण माएज्जा ॥१७३॥ जह णाम कोइ मेच्छो णगरगुणे बहुविहे वियाणंतो । न चएइ परिकहेउं उवमाए तहिं असंतीए ॥१७४॥ इय सिद्धाणं सोक्खं अणोवमं, णत्थि तस्स ओवम्मं । किंचि विसेसेणेत्तो सारिक्खमिणं सुणह वोच्छं ॥१७५॥ जह सव्वकामगुणितं पुरिसो भोत्तूण भोयणं कोइ । तण्हा-छुहाविमुक्को अच्छेज्ज जहा अमियत्तित्तो ॥१७६॥ इय सव्वकालत्तित्ता अतुलं णेव्वाणमुवगया सिद्धा । सासयमव्वाबाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥१७७॥ सिद्ध त्ति य बुद्ध त्ति य पारगत त्ति य

परंपरगत त्ति । उम्मुक्ककम्मकवया अजरा अमरा असंगा य ॥१७८॥ णिच्छिन्नसव्वदुक्खा जाति-जरा-मरणबंधणविमुक्का । अग्वाबाहं सोक्खं अणुहुंती सासयं सिद्दा ॥१७९॥ ☆☆☆ ॥ पणवणाए भगवईए बिइयं ठाणपर्यं समत्तं ॥ ॥ग्रन्थाग्रम् १५२०॥ ☆☆☆. तइयं बहुवत्तव्यपर्यं सुत्तं ☆☆☆ [२१२. दिसाइसत्तावीसइदारनामाइं] २१२. दिसि १ गति २ इंदिय ३ काए ४ जोगे ५ वेदे ६ कसाय ७ लेस्सा य ८ । सम्मत्त ९ णाण १० दंसण ११ संजय १२ उवओग १३ आहारे १४ ॥१८०॥ भासग १५ परित्त १६ पज्जत्त १७ सुहुम १८ सण्णी १९ भवऽत्थिए २०-२१ चरिमे २२ । जीवे य २३ खेत्त २४ बंधे २५ पोग्गल २६ महदंडए २७ चेव ॥१८१॥ [सुत्ताइं २१३-२२४. पढमं दिसिदारं] २१३. दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा जीवा पच्चत्थिमेणं, पुरत्थिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । २१४. १ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा पुढविकाइया दाहिणेणं, उत्तरेणं विसेसाहिया, पुरत्थिमेणं विसेसाहिया, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया । २ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा आउक्काइया पच्चत्थिमेणं, पुरत्थिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । ३ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा तेउक्काइया दाहिणुत्तरेणं, पुरत्थिमेणं संखेज्जगुणा, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया । ४ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा वाउकाइया पुरत्थिमेणं, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया । ५ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा वणस्सइकाइया पच्चत्थिमेणं, पुरत्थिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । २१५. १ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा बेइंदिया पच्चत्थिमेणं, पुरत्थिमेणं विसेसाहिया, दक्खिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । २ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा तेइंदिया पच्चत्थिमेणं, पुरत्थिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । ३ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा चउरिंदिया पच्चत्थिमेणं, पुरत्थिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । २१६. १ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा नेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । २ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा रयणप्पभापुढविनेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ३ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा सक्करप्पभापुढविनेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ४ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा वालुयप्पभापुढविनेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ५ दिसाणुवातेणं सव्वत्थोवा पंकप्पभापुढविनेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ६ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा धूमप्पभापुढविनेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ७ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा तमप्पभापुढविनेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ८ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा अहेसत्तमापुढविनेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । २१७. १ दाहिणिल्लेहिंतो अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । २ दाहिणिल्लेहिंतो तमापुढविनेरइएहिंतो पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ३ दाहिणिल्लेहिंतो धूमप्पभापुढविनेरइएहिंतो चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ४ दाहिणिल्लेहिंतो पंकप्पभापुढविनेरइएहिंतो तइयाए वालुयप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ५ दाहिणिल्लेहिंतो वालुयप्पभापुढविनेरइएहिंतो दुइयाए सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । ६ दाहिणिल्लेहिंतो सक्करप्पभापुढविनेरइएहिंतो इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरत्थिम-पच्चत्थिम-उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । २१८. दिसाणुवातेणं सव्वत्थोवा पंचेदियतिरिक्खजोणिया पच्चत्थिमेणं, पुरत्थिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । २१९. दिसाणुवातेणं सव्वत्थोवा मणुस्सा दाहिणउत्तरेणं, पुरत्थिमेणं संखेज्जगुणा, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया । २२०. दिसाणुवातेणं सव्वत्थोवा भवणवासी देवा पुरत्थिम-पच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । २२१. दिसाणुवातेणं सव्वत्थोवा वाणमंतरा देवा पुरत्थिमेणं, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया । २२२. दिसाणुवातेणं सव्वत्थोवा जोइसिया देवा पुरत्थिम-पच्चत्थिमेणं, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । २२३. १ दिसाणुवातेणं













कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मणजोगी १, वइजोगी असंखेज्जगुणा २, अजोगी अणंतगुणा ३, कायजोगी अणंतगुणा ४, सजोगी विसेसाहिया ५ । दारं ५ ॥ [सुत्तं २५३. छट्ठं वेयदारं] २५३. एतेसि णं भंते ! जीवाणं सवेदगाणं इत्थीवेदगाणं पुरिसवेदगाणं नपुंसकवेदगाणं अवेदगाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पुरिसवेदगा १, इत्थीवेदगा संखेज्जगुणा २, अवेदगा अणंतगुणा ३, नपुंसगवेदगा अणंतगुणा ४, सवेयगा विसेसाहिया ५ । दारं ६ ॥ [सुत्तं २५४. सत्तमं कसायदारं] २५४. एतेसि णं भंते ! जीवाणं सकसाईणं कोहकसाईणं माणकसाईणं मायकसाईणं लोभकसाईणं अकसाईणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा अकसायी १, माणकसायी अणंतगुणा २, कोहकसायी विसेसाहिया ३, मायकसाई विसेसाहिया ४, लोहकसाई विसेसाहिया ५, सकसाई विसेसाहिया ६ । दारं ७ ॥ [सुत्तं २५५. अट्ठमं लेस्सादारं] २५५. एतेसि णं भंते ! जीवाणं सलेस्साणं किण्हलेस्साणं नीललेस्साणं काउलेस्साणं तेउलेस्साणं पम्हलेस्साणं सुक्कलेस्साणं अलेस्साणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सुक्कलेस्सा १, पम्हलेस्सा संखेज्जगुणा २, तेउलेस्सा संखेज्जगुणा ३, अलेस्सा अणंतगुणा ४, काउलेस्सा अणंतगुणा ५, नीललेस्सा विसेसाहिया ६, किण्हलेस्सा विसेसाहिया ७, सलेस्सा विसेसाधिया ८ । दारं ८ ॥ [सुत्तं २५६. नवमं सम्मत्तदारं] २५६. एतेसि णं भंते ! जीवाणं सम्मद्दिट्ठीणं मिच्छद्दिट्ठीणं विहा पण्णत्ता । तं जहा-णं सम्मामिच्छादिट्ठीणं च कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सम्मामिच्छद्दिट्ठी १, सम्मद्दिट्ठी अणंतगुणा २, मिच्छद्दिट्ठी अणंतगुणा ३ । दारं ९ ॥ [सुत्ताइं २५७-२५९. दसमं णाणदारं] २५७. एतेसि णं भंते ! जीवाणं आभिणिबोहियणाणीणं सुयणाणीणं ओहिणाणीणं मणपज्जवणाणीणं केवलणाणीणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मणपज्जवणाणी १, ओहिणाणी असंखेज्जगुणा २, आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी दो वि तुल्ला विसेसाहिया ३, केवलणाणी अणंतगुणा ४ । २५८. एतेसि णं भंते ! जीवाणं मइअण्णाणीणं सुतअण्णाणीणं विहंगणाणीणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा विभंगणाणी १, मइअण्णाणी सुतअण्णाणी दो वि तुल्ला अणंतगुणा २ । २५९. एतेसि णं भंते ! जीवाणं आभिणिबोहियणाणीणं सुयणाणीणं ओहिणाणीणं मणपज्जवणाणीणं केवलणाणीणं मतिअण्णाणीणं सुतअण्णाणीणं विमंगनाणीयं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मणपज्जवणाणी १, ओहिणाणी असंखेज्जगुणा २, आभिणि बोहियणाणी सुतणाणी य दो वि तुल्ला विसेसाहिया ३, विहंगणाणी असंखेज्जगुणा ४, केवलणाणी अणंतगुणा ५, मइअण्णाणी सुतअण्णाणी य दो वि तुल्ला अणंतगुणा ६ । दारं १० ॥ [सुत्तं २६०. एक्करसमं दंसणदारं] २६०. एतेसि णं भंते ! जीवाणं चक्खुदंसणीणं अचक्खुदंसणीणं ओहिदंसणीणं केवलदंसणीणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा ओहिदंसणी १, चक्खुदंसणी असंखेज्जगुणा २, केवलदंसणी अणंतगुणा ३, अचक्खुदंसणी अणंतगुणा ४ । दारं ११ ॥ [सुत्तं २६१. दुवालसमं संजयदारं] २६१. एतेसि णं भंते ! जीवाणं संजयाणं असंजयाणं संजयसंजयाणं नोसंजयनोअसंजयनोसंजतासंजराणं कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा संजता १, संजयासंजता असंखेज्जगुणा २, नोसंजतनोअसंजतनोसंजतासंजता अणंतगुणा ३, असंजता अणंतगुणा ४ । दारं १२ ॥ [सुत्तं २६२. तेरसमं उवओगदारं] २६२. एतेसि णं भंते ! जीवाणं सागारोवउत्ताणं अणागारोवत्ताणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा अणागारोवउत्ता १, सागारोवउत्ता संखेज्जगुणा २ । दारं १३ ॥ [सुत्तं २६३. चोइसमं आहारदारं] २६३. एतेसि णं भंते ! जीवाणं आहारगाणं अणाहारगाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा अणाहारगा १, आहारगा असंखेज्जगुणा २ । दारं १४ ॥ [सुत्तं २६४. पनरसमं भासगदारं]

२६४. एतेसि णं भंते ! जीवाणं भासगाणं अभासगाण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुवा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ? सव्वत्थोवा जीवा भासगा १, अभासगा अणंतगुणा २ । दारं १५ ॥ [सुत्तं २६५. सोलसमं परित्तदारं] २६५. एतेसि णं भंते ! जीवाणं परित्ताणं अपतरत्ताणं नोपरित्तनोअपरित्ताण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुवा वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा परित्ता १, नोपरित्तनोअपरित्ता अणंतगुणा २, अपरित्ता अणंतगुणा ३ । दारं १६ ॥ [सुत्तं २६६. सत्तरसमं पज्जत्तदारं] २६६. एएसि णं भंते ! जीवाणं पज्जत्ताणं अपज्जत्ताणं नोपज्जत्तनोअपज्जत्ताण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुवा वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा नोपज्जत्तगनोअपज्जत्तगा १, अपज्जत्तगा अणंतगुणा २, पज्जत्तगा संखेज्जगुणा ३ । दारं १७ ॥ [सुत्तं २६७. अट्टारसमं सुहमदारं] २६७. एएसि णं भंते ! जीवाणं सुहुमाणं बादराणठ नोसुहुमनोबादराण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा णोसुहुमणोबादरा १, बादरा अणंतगुणा २, सुहुमा असंखेज्जगुणा ३ । दारं १८ ॥ [सुत्तं २६८. एगूणवीसइमं सण्णिदारं] २६८. एतेसि णं भंते ! जीवाणं सण्णीणं असण्णीणं नोसण्णीनोअसण्णीणो य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सण्णी १, णोसण्णीणोअसण्णी अणंतगुणा २, असण्णी अणंतगुणा ३ । दारं १९ ॥ [सुत्तं २६९. वीसइमं भवदारं] २६९. एतेसि णं भंते ! जीवाणं भवसिद्धियाणं अभवसिद्धियाणं णोभवसिद्धियणोअभवसिद्धियाण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा अभवसिद्धिया १, णोभवसिद्धियणोअभवसिद्धिया अणंतगुणा २, भवसिद्धिया अणंतगुणा ३ । दारं २० ॥ [सुत्ताइं २७०-२७३. एगवीसइमं अत्थिकायदारं] २७०. एतेसिं णं भंते ! धम्मत्थिकाय - अधम्मत्थिकाय - आगासत्थिकाय - जीवत्थिकाय - पोग्गलत्थिकाय - अब्बासमयाणं दव्वट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए य एए तिन्नि वि तुल्ला दव्वट्टयाए सव्वत्थोवा १, जीवत्थिकाए दव्वट्टयाए अणंतगुणे २, पोग्गलत्थिकाए दव्वट्टयाए अणंतगुणे ३, अब्बासमए दव्वट्टयाए अणंतगुणे ४ । २७१. एएसि णं भंते धम्मत्थिकाय - अधम्मत्थिकाय - आगासत्थिकाय - जीवत्थिकाय - पोग्गलत्थिकाय - अब्बासमयाणं पदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए य एते णं दो वि तुल्ला पदेसट्टयाए सव्वत्थोवा १, जीवत्थिकाए पदेसट्टयाए अणंतगुणे २, पोग्गलत्थिकाए पदेसट्टयाए अणंतगुणे ३, अब्बासमए पदेसट्टयाए अणंतगुणे ४, आगासत्थिकाए पदेसट्टयाए अणंतगुणे ५ । २७२. १ एतस्स णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स दव्वट्ट-पदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे एगे धम्मत्थिकाए दव्वट्टयाए, से चेव पदेसट्टयाए असंखेज्जगुणे । २ एतस्स णं भंते ! अधम्मत्थिकायस्स दव्वट्ट-पदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे एगे अधम्मत्थिकाए दव्वट्टयाए, से चेव पदेसट्टयाए असंखेज्जगुणे । ३ एतस्स णं भंते ! आगासत्थिकायस्स दव्वट्ट-पदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे एगे आगासत्थिकाए दव्वट्टयाए, से चेव पदेसट्टयाए अणंतगुणे । ४ एतस्स णं भंते ! जीवत्थिकायस्स दव्वट्ट-पदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे जीवत्थिकाए दव्वट्टयाए, से चेव पदेसट्टयाए असंखेज्जगुणे । ५ एतस्स णं भंते ! पोग्गलत्थिकायस्स दव्वट्ट-पदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे पोग्गलत्थिकाए दव्वट्टयाए, से चेव पदेसट्टयाए असंखेज्जगुणे । ६ अब्बासमए ण पुच्छिज्जइ पदेसाभावा । २७३. एतेसि णं भंते ! धम्मत्थिकायअधम्मत्थिकायआगासत्थिकायजीवत्थिकायपोग्गलत्थिकायअब्बासमयाणं दव्वट्टपदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए य एते णं तिण्णि वि तुल्ला दव्वट्टयाए सव्वत्थोवा १, धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए य एते णं दोण्णि वि तुल्ला पदेसट्टयाए असंखेज्जगुणा २, जीवत्थिकाए दव्वट्टयाए अणंतगुणे ३, से चेव पदेसट्टयाए असंखेज्जगुणे ४,

पोग्गलत्थिकाए दव्वड्डयाए अणंतगुणे ५, से चेव पदेसड्डयाए असंखेज्जगुणे ६, अब्बासमए दव्वड्ड-पदेसड्डयाए अणंतगुणे ७, आगासत्थिकाए पएसड्डयाए अणंतगुणे ८ । दारं २१ ॥ [सुत्तं २७४. बावीसइमं चरिमदारं] २७४. एतेसि णं भंते ! जीवाणं चरिमाणं अचरिमाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा अचरिमा १, चरिमा अणंतगुणा २ । दारं २२ ॥ [सुत्तं २७५. तेवीसइमं जीवदारं] २७५. एतेसि णं भंते ! जीवाणं पोग्गलाणं अब्बसमयाणं सव्वदव्वाणं सव्वपदेसाणं सव्वपज्जवाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा १, पोग्गला अणंतगुणा २, अब्बापमया अणंतगुणा ३, सव्वदव्वा विसेसाहिया ४, सव्वपदेसा अणंतगुणा ५, सव्वपज्जवा अणंतगुणा ६ । दारं २३ ॥ [सुत्ताइं २७६ - ३२४. चउवीसइमं खेत्तदारं] २७६. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा जीवा उड्डल्लोयतिरियलोए १, अहेल्लोयतिरियलोए विसेसाहिया २, तिरियलोए असंखेज्जगुणा ३, तेलोक्के असंखेज्जगुणा ४, उड्डल्लोए असंखेज्जगुणा ५, अहेलोए विसेसाहिया ६ । २७७. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा नेरइया तेलोक्के १, अहोल्लोकतिरियलोए असंखेज्जगुणा २, अहेलोए असंखेज्जगुणा ३ । २७८. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा तिरक्खिज्जोणिया उड्डल्लोयतिरियलोए १, अहेल्लोयतिरियलोए विसेसाहिया २, तिरियलोए असंखेज्जगुणा ३, तेलोक्के असंखेज्जगुणा ४, उड्डल्लोए असंखेज्जगुणा ५, अधेल्लोए विसेसाहिया ६ । २७९. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ तिरक्खिज्जोणिणीओ उड्डल्लोए १, उड्डल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ २, तेलोक्के संखेज्जगुणाओ ३, अधेल्लोयतिरियलोए संखेज्जगुणाओ ४, अधेल्लोए संखेज्जगुणाओ ५, तिरियलोए संखेज्जगुणाओ ६ । २८०. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा मणुस्सा तेलोक्के १, उड्डल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा २, अधेल्लोयतिरियलोए संखेज्जगुणा ३, उड्डल्लोए संखेज्जगुणा ४, अधेल्लोए संखेज्जगुणा ५, तिरियलोए संखेज्जगुणा ६ । २८१. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ मणुस्सीओ तेलोक्के १, उड्डल्लोयतिरियलोए संखेज्जगुणाओ २, अधेल्लोयतिरियलोए संखेज्जगुणाओ ३, उड्डल्लोए संखेज्जगुणाओ ४, अधेल्लोए संखेज्जगुणाओ ५, तिरियलोए संखेज्जगुणाओ ६ । २८२. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा उड्डल्लोए १, उड्डल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा २, तेलोक्के संखेज्जगुणा ३, अधेल्लोयतिरियलोए संखेज्जगुणा ४, अधेल्लोए संखेज्जगुणा ५, तिरियलोए संखेज्जगुणा ६ । २८३. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ देवीओ उड्डल्लोए १, उड्डल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ २, तेलोक्के संखेज्जगुणाओ ३, अधेल्लोयतिरियलोए संखेज्जगुणाओ ४, अधेल्लोए संखेज्जगुणाओ ५, तिरियलोए संखेज्जगुणाओ ६ । २८४. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा भवणवासी देवा उड्डल्लोए १, उड्डल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा २, तेलोक्के संखेज्जगुणा ३, अधेल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा ४, तिरियलोए असंखेज्जगुणा ५, अधेल्लोए असंखेज्जगुणा ६ । २८५. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ भवणवासिणीओ देवीओ उड्डल्लोए १, उड्डल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ २, तेलोक्के संखेज्जगुणाओ ३, अधेल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ ४, तिरियलोए असंखेज्जगुणाओ ५, अधेल्लोए असंखेज्जगुणाओ ६ । २८६. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा वाणमंतरा देवा उड्डल्लोए १, उड्डल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा २, तेलोक्के संखेज्जगुणा ३, अधेल्लोयतिरिलोए असंखेज्जगुणा ४, अहेलोए संखेज्जगुणा ५, तिरियलोए संखेज्जगुणा ६ । २८७. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ वाणमंतरीओ देवीओ उड्डल्लोए १ उड्डल्लोयतिरिलोए असंखिज्जगुणाओ २, तेलोक्के संखिज्जगुणाओ ३, अधेल्लोयतिरियलोए असंखिज्जगुणाओ ४, अधेल्लोए संखिज्जगुणाओ ५, तिरियलोए संखिज्जगुणाओ ६ । २८८. खित्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा जोइसिया देवा उड्डल्लोए १, उड्डल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा २, तेलोक्के संखेज्जगुणा ३, अधेल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा ४, अधेल्लोए संखेज्जगुणा ५, तिरियलोए असंखेज्जगुणा ६ । २८९. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ जोइसिणीओ देवीओ उड्डल्लोए १, उड्डल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ २, तेलोक्के संखेज्जगुणाओ ३ अधेल्लोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ ४ अधेल्लोए संखेज्जगुणाओ ५, तिरियलोए असंखेज्जगुणाओ ६ । २९०. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा ग्रन्थाग्रम् २००० उड्डल्लोयतिरियलोए १, तेलोक्के संखेज्जगुणा २, अधेल्लोयतिरियलोए संखेज्जगुणा ३, अधेल्लोए संखेज्जगुणा ४, तिरियलोए संखेज्जगुणा ५, उड्डल्लोए असंखेज्जगुणा ६ । २९१. खेत्ताणुवाएणं





तिरियलोए असंखेज्जगुणा ४, उड्डलोए असंखेज्जगुणा ५, अधेलोए विसेसाहिया ६ । ३२७. दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा पोग्गला उड्डदिसाए १, अधेदिसाए विसेसाहिया २, उत्तरपुरत्थिमेणं दाहिणपच्चत्थिमेण य दो वि तुल्ला असंखेज्जगुणा ३, दाहिणपुरत्थिमेणं उत्तरपच्चत्थिमेण य दो वि तुल्ला विसेसाधिया ४, पुरत्थिमेणं असंखेज्जगुणा ५, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया ६, दाहिणेणं विसेसाहिया ७, उत्तरेणं विसेसाहिया ८ । ३२८. खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाइं दव्वाइं तेलोक्के १, उड्डलोयतिरियलोए अणंतगुणाइं २, अधेलोयतिरियलोए विसेसाहियाइं ३, उड्डलोए असंखेज्जगुणाइं ४, अधेलोए अणंतगुणाइं ५, तिरियलोए संखेज्जगुणाइं ६ । ३२९. दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवाइं दव्वाइं अधेदिसाए १, उड्डदिसाए अणंतगुणाइं २, उत्तरपुरत्थिमेणं दाहिणपच्चत्थिमेण य दो वि तुल्लाइं असंखेज्जगुणाइं ३, दाहिणपुरत्थिमेणं उत्तरपच्चत्थिमेण य दो वि तुल्लाइं विसेसाहियाइं ४, पुरत्थिमेणं असंखेज्जगुणाइं ५, पच्चत्थिमेणं विसेसाहियाइं ६, दाहिणेणं विसेसाहियाइं ७, उत्तरेणं विसेसाहियाइं ८ । ३३०. एतेसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं संखेज्जपदेसियाणं असंखेज्जपदेसियाणं अणंतपदेसियाण य खंधाणं दव्वट्टयाए पदेसट्टयाए दव्वट्टपदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणंतपदेसिया खंधा दव्वट्टयाए १, परमाणुपोग्गला दव्वट्टयाए अणंतगुणा २, संखेज्जपदेसिया खंधा दव्वट्टयाए संखेज्जगुणा ३, असंखेज्जपदेसिया खंधा दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा ४, पदेसट्टयाए - सव्वत्थोवा अणंतपदेसिया खंधा पएसट्टयाए १, परमाणुपोग्गला अपदेसट्टयाए अणंतगुणा २, संखेज्जपदेसिया खंधा पदेसट्टयाए संखेज्जगुणा ३, असंखेज्जपदेसिया खंधा पएसट्टयाए असंखेज्जगुणा ४; दव्वट्टपदेसट्टयाए-सव्वत्थोवा अणंतपदेसिया खंधा दव्वट्टयाए १, ते चेव पदेसट्टयाए अणंतगुणा २, परमाणुपोग्गला दव्वट्टापदेसट्टयाए अणंतगुणा ३, संखेज्जपदेसिया खंधा दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा ४, ते चेव पदेसट्टयाए संखेज्जगुणा ५, असंखेज्जपदेसिया खंधा दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा ६, ते चेव पएसट्टयाए असंखेज्जगुणा ७ । ३३१. एतेसि णं भंते ! एगपदेसोगाढाणं संखेज्जपएसोगाढाणं असंखेज्जपएसोगाढाण य पोग्गलाणं दव्वट्टयाए पदेसट्टयाए दव्वट्टपदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगपदेसोगाढा पोग्गला दव्वट्टयाए १, संखेज्जपदेसोगाढा पोग्गला दव्वट्टयाए संखेज्जगुणा २, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा ३; पएसट्टयाएसव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला पएसट्टयाए १, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पदेसट्टयाए संखेज्जगुणा २, असंखेज्जपएसोगाढा पोग्गला पएसट्टयाए असंखेज्जगुणा ३; दव्वट्टपएसट्टयाएसव्वत्थोवा एगपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्टपएसट्टयाए १, संखेज्जपएसोगाढा पोग्गला दव्वट्टयाए संखेज्जगुणा २, ते चेव पएसट्टयाए संखेज्जगुणा ३, असंखेज्जपदेसोगाढा पोग्गला दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा ४, ते चेव पदेसट्टयाए असंखेज्जगुणा ५ । ३३२. एतेसि णं भंते ! एगसमयठितीयाणं संखेज्जसमयठितीयाणं असंखेज्जसमयठितीयाण य पोग्गलाणं दव्वट्टयाए पदेसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगसमयठितीया पोग्गला दव्वट्टयाए १, संखेज्जसमयठितीया पोग्गला दव्वट्टयाए संखेज्जगुणा २, असंखेज्जसमयठितीया पोग्गला दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा ३; पदेसट्टयाए-सव्वत्थोवा एगसमयठितीया पोग्गला अपदेसट्टयाए १, संखेज्जसमयठितीया पोग्गला पदेसट्टयाए संखेज्जगुणा २, असंखेज्जसमयठितीया पोग्गला पदेसट्टयाए असंखेज्जगुणा ३; दव्वट्टपदेसट्टयाए - सव्वत्थोवा एगसमयठितीया पोग्गला दव्वट्टापदेसट्टयाए १, संखेज्जसमयठितीया पोग्गला दव्वट्टयाए संखेज्जगुणा २, ते चेव पदेसट्टयाए संखेज्जगुणा ३, असंखेज्जसमयठितीया पोग्गला दव्वट्टयाए असंखेज्जगुणा ४, ते चेव पदेसट्टयाए असंखेज्जगुणा ५ । ३३३. एतेसि णं भंते ! एगगुणकालगाणं संखेज्जगुणकालगाणं असंखेज्जगुणकालगाणं अणंतगुणकालगाण य पोग्गलाणं दव्वट्टयाए पदेसट्टयाए दव्वट्टपदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! जहा परमाणुपोग्गला [सु. ३३०] तहा भाणितव्वा । एवं संखेज्जगुणकालयाण वि । एवं सेसा वि वण्ण-गंध-रसा भाणितव्वा । फासाणं कक्खड-मउय-गरुय-लहुयाणं जधा एगपदेसोगाढाणं [सु. ३३१] भणितं तहा भाणितव्वं । अवसेसा फासा जधा वण्णा भणिता तथा भाणितव्वा । दारं २६ ॥ [ सुत्तं ३३४. सत्तावीसइमं

महादंडयदारं] ३३४. अह भंते ! सव्वजीवप्पबहुं महादंडयं वत्तइस्सामि-सव्वत्थोवा गब्भवक्कंतिया मणुस्सा १, मणुस्सीओ संखेज्जगुणाओ २, बादरतेउक्काइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा ३, अणुत्तरोववाइया देवा असंखेज्जगुणा ४, उवरिमगेवेज्जगा देवा संखेज्जगुणा ५, मज्झिमगेवेज्जगा देवा संखेज्जगुणा ६, हेट्ठिमगेवेज्जगा देवा संखेज्जगुणा ७, अच्चुते कप्पे देवा संखेज्जगुणा ८, आरणे कप्पे देवा संखेज्जगुणा ९, पाणए कप्पे देवा संखेज्जगुणा १०, आणए कप्पे देवा संखेज्जगुणा ११, अधेसत्तमाए पुढवीए नेरइया असंखेज्जगुणा १२, छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइया असंखेज्जगुणा १३, सहस्सारे कप्पे देवा असंखेज्जगुणा १४, महासुक्के कप्पे देवा असंखेज्जगुणा १५, पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखेज्जगुणा १६, लंतए कप्पे देवा असंखेज्जगुणा १७, चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखेज्जगुणा १८, बंभलोए कप्पे देवा असंखेज्जगुणा १९, तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखेज्जगुणा २०, माहिंदे कप्पे देवा असंखेज्जगुणा २१, सणंकुमारि कप्पे देवा असंखेज्जगुणा २२, दोच्चाए सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखेज्जगुणा २३, सम्मुच्छिममणुस्सा असंखेज्जगुणा २४, ईसाणे कप्पे देवा असंखेज्जगुणा २५, ईसाणे कप्पे देवीओ संखेज्जगुणाओ २६, सोहम्मि कप्पे देवा संखेज्जगुणाओ २७, सोहम्मि कप्पे देवीओ संखेज्जगुणाओ २८, भवणवासी देवा असंखेज्जगुणा २९, भवणवासिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ ३०, इमीसे रतणप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखेज्जगुणा ३१, खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया पुरिसा असंखेज्जगुणा ३२, खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिणीओ संखेज्जगुणाओ ३३, थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया पुरिसा संखेज्जगुणा ३४, थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिणीओ संखेज्जगुणाओ ३५, जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया पुरिसा संखेज्जगुणा ३६, जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिणीओ संखेज्जगुणाओ ३७, वाणमंतरा देवा संखेज्जगुणा ३८, वाणमंतरीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ ३९, जोइसिया देवा संखेज्जगुणा ४०, जोइसिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ ४१, खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया णपुंसया संखेज्जगुणा ४२, थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया णपुंसया संखेज्जगुणा ४३, जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिया णपुंसया संखेज्जगुणा ४४, चउरिंदिया पज्जत्तया संखेज्जगुणा ४५, पंचेदिया पज्जत्तया विसेसाहिया ४६, बेइंदिया पज्जत्तया विसेसाहिया ४७, तेइंदिया पज्जत्तया विसेसाहिया ४८, पंचिदिया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ४९, चउरिंदिया अपज्जत्तया विसेसाहिया ५०, तेइंदिया अपज्जत्तया विसेसाहिया ५१, बेइंदिया अपज्जत्तया विसासाहिया ५२, पत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा ५३, बादरणिगोदा पज्जत्तया असंखेज्जगुणा ५४, बादरपुढविकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा ५५, बादरआउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा ५६, बादरवाउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा ५७, बादरतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ५८, पत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ५९, बादरणिगोदा अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ६०, बादरपुढविकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ६१, बादरआउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ६२, बादरवाउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ६३, सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ६४, सुहुमपुढविकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया ६५, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया ६६, सुहुमवाउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया ६७, सुहुमतउकाइया पज्जत्तया संखेज्जगुणा ६८, सुहुमपुढविकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया ६९, सुहुमआउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया ७०, सुहुमवाउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया ७१, सुहुमणिगोदा अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ७२, सुहुमणिगोदा पज्जत्तया संखेज्जगुणा ७३, अभवसिद्धया अणंतगुणा ७४, परिवडितसम्मत्ता अणंतगुणा ७५, सिद्धा अणंतगुणा ७६, बादरवणस्सतिकाइया पज्जत्तया अणंतगुणा ७७, बादरपज्जत्तया विसेसाहिया ७८, बादरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ७९, बादरअपज्जत्तया विसेसाहिया ८०, बादरा विसेसाहिया ८१, सुहुमवणस्सतिकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा ८२, सुहुमा अपज्जत्तया विसेसाहिया ८३, सुहुमवणस्सइकाइया पज्जत्तया संखेज्जगुणा ८४, सुहुमपज्जत्तया विसेसाहिया ८५, सुहुमाविसेसाहिया ८६, भवसिद्धिया विसेसाहिया ८७, निगोदजीवा विसेसाहिया ८८, वणप्फतिजीवा विसेसाहिया ८९, एगिदिया विसेसाहिया ९०, तिरिक्खजोणिया विसेसाहिया ९१, मिच्छहिट्ठी विसेसाहिया ९२, अविरता विसेसाहिया ९३,



















**जीवपञ्जवा]** ४३९. जीवपञ्जवा णं भंते ! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जीवपञ्जवा नो संखेज्जा नो असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! असंखेज्जा नेरइया, असंखेज्जा असुरा, असंखेज्जा णागा, असंखेज्जा सुव्वण्णा, असंखेज्जा विज्जुकुमारा, असंखेज्जा अग्गिकुमारा, असंखेज्जा दीवकुमारा, असंखेज्जा उदहिकुमारा, असंखेज्जा दिसाकुमारा, असंखेज्जा वाउकुमारा, असंखेज्जा थणियकुमारा, असंखेज्जा पुढविकाइया, असंखेज्जा आउकाइया, असंखेज्जा तेउकाइया, असंखेज्जा वाउकाइया, अणंता वणप्फइकाइया, असंखेज्जा बेइंदिया, असंखेज्जा तेइंदिया, असंखेज्जा चउरिंदिया, असंखेज्जा पंचिदियतिरिक्खजोणिया, असंखेज्जा मणुस्सा, असंखेज्जा वाणमंतरा, असंखेज्जा जोइसिया, असंखेज्जा वेमाणिया, अणंता सिद्धा, से एणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति ते णं णो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता । [सुत्तं ४४०. नेरइयाणं पञ्जवा] ४४०. नेरइयाणं भंते ! केवतिया पञ्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पञ्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति नेरइयाणं अणंता पञ्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! नेरइए नेरइयस्स दवट्ठयाए तुल्ले, पदेसट्ठताए तुल्ले; ओगाहणट्ठताए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए - जति हीणे असंखेज्जतिभागहीणे वा संखेज्जतिभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा, अह अब्भहिए असंखेज्जभागब्भहिए वा संखेज्जभागब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा; ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए - जइ हीणे असंखेज्जतिभागहीणे वा संखेज्जतिभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा, अह अब्भहिए असंखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइभागमब्भहिए वा संखेज्जइगुणमब्भहिए वा असंखेज्जइगुणमब्भहिए वा; कालवण्णपञ्जवेहिं सिय हीणे सिय तुल्ले सिय मब्भहिए - जदि हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जइभागहीणे वा संखेज्जइभागहीणे वा संखिज्जइगुणहीणे वा असंखिज्जइगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा, अह अब्भतिए अणंतभागमब्भइए वा असंखेज्जतिभागमब्भहिए वा संखेज्जतिभागमब्भइए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा अणंतगुणमब्भहिए वा; णीलवण्णपञ्जवेहिं लोहियवण्णपञ्जवेहिं हालिद्ववण्णपञ्जवेहिं सुक्किल्लवण्णपञ्जवेहिं य छट्ठाणवडिए; सुब्भिगंधपञ्जवेहिं दुब्भिगंधपञ्जवेहिं य छट्ठाणवडिए; तित्तरसपञ्जवेहिं कडुयरसपञ्जवेहिं कसायरसपञ्जवेहिं अंबिलरसपञ्जवेहिं महुररसपञ्जवेहिं य छट्ठाण वडिए; कक्खडफासपञ्जवेहिं मउयफासपञ्जवेहिं गरुयफासपञ्जवेहिं लहुयफासपञ्जवेहिं सीयफासपञ्जवेहिं उसिणफासपञ्जवेहिं निद्धफासपञ्जवेहिं लुक्खफासपञ्जवेहिं य छट्ठाणवडिए; आभिणिबोहियणाणपञ्जवेहिं सुयणाणपञ्जवेहिं ओहिणाणपञ्जवेहिं मतिअण्णाणपञ्जवेहिं सुयअण्णाणपञ्जवेहिं विभंगणाणपञ्जवेहिं चक्खुदंसणपञ्जवेहिं अचक्खुदंसणपञ्जवेहिं ओहिदंसणपञ्जवेहिं य छट्ठाणवडिते, से एणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति नेरइयाणं नो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता पञ्जवा पण्णत्ता । [सुत्ताइं ४४१-४४२. भवणवासीणं पञ्जवा] ४४१. असुरकुमाराणं भंते ! केवतिया पञ्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पञ्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति असुरकुमाराणं अणंता पञ्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! असुरकुमारे असुरकुमारस्स दवट्ठयाए तुल्ले, पदेसट्ठताए तुल्ले; ओगाहणट्ठताए चउट्ठाणवडिए, ठितीए चउट्ठाणवडिए, कालवण्णपञ्जवेहिं छट्ठाणवडिए, एवं णीलवण्णपञ्जवेहिं लोहियवण्णपञ्जवेहिं हालिद्ववण्णपञ्जवेहिं सुक्किल्लवण्णपञ्जवेहिं, सुब्भिगंधपञ्जवेहिं दुब्भिगंधपञ्जवेहिं, तित्तरसपञ्जवेहिं कडुयरसपञ्जवेहिं कसायरसपञ्जवेहिं अंबिलरसपञ्जवेहिं महुररसपञ्जवेहिं, कक्खडफासपञ्जवेहिं मउयफासपञ्जवेहिं निद्धफासपञ्जवेहिं लहुयफासपञ्जवेहिं सीतफासपञ्जवेहिं उसिणफासपञ्जवेहिं निद्धफासपञ्जवेहिं लुक्खफासपञ्जवेहिं, आभिणिबोहियणाणपञ्जवेहिं सुतणाणपञ्जवेहिं ओहिणाणपञ्जवेहिं, मतिअण्णाणपञ्जवेहिं सुयअण्णाणपञ्जवेहिं विभंगणाणपञ्जवेहिं, चक्खुदंसणपञ्जवेहिं अचक्खुदंसणपञ्जवेहिं ओहिदंसणपञ्जवेहिं य छट्ठाणवडिते, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति असुरकुमाराणं अणंता पञ्जवा पण्णत्ता । ४४२. एवं जहा नेरइया जहा असुरकुमारा तहा नागकुमारा वि जाव थणियकुमारा । [सुत्ताइं ४४३-४४७. एगिंदियाणं पञ्जवा] ४४३. पुढविकाइयाणं भंते ! केवतिया पञ्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पञ्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति पुढविकाइयाणं अणंता पञ्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! पुढविकाइए पुढविकाइयस्स

द्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले; ओगाहणद्वयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भइए-जदि हीणे असंखेज्जतिभागहीणे वा संखेज्जतिभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा, अह अब्भहिए असंखेज्जतिभागअब्भतिए वा संखेज्जतिभागअब्भइए वा संखेज्जगुणअब्भहिए वा असंखेज्जगुणअब्भहिए वा ठितीए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भइएजति हीणे असंखेज्जभागहीणे वा संखेज्जभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा, अह अब्भतिए असंखेज्जभागअब्भतिए वा संखेज्जभागअब्भतिए वा संखेज्जगुणअब्भतिए वा; वण्णहिं गंधेहिं रसेहिं फासेहिं, मतिअण्णाणपज्जवेहिं सुयअण्णाणपज्जवेहिं अचक्खदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवहिते । ४४४. आउकाइयाणं भंते ! केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति आउकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! आउकाइए आउकाइयस्स द्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए चउट्ठाणवडिते, ठितीए तिट्ठाणवडिते, वण्ण-गंध-रस-फास-मति-अण्णाण-सुतअण्णाण-अचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिते । ४४५. तेउक्काइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जया पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति तेउकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! तेउक्काइए तेउक्काइयस्स द्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले ओगाहणद्वयाए चउट्ठाणवडिते ठितीए तिट्ठाणवडिते वण्ण गंध-रस-फास-मतिअण्णाण-सुय-अण्णाण अचक्खुदंसणपज्जवेहिय छट्ठाणवडिते । ४४६. वाउक्काइयाणं पुच्छा । गोयमा ! वाउकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति वाउक्काइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! वाउक्काइए वाउक्काइयस्स द्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए चउट्ठाणवडिते, ठितीए तिट्ठाणवडिते, वण्णगंधरसफासमतिअण्णाणसुयअण्णाणअचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिते । ४४७. वणप्फइकाइयाणं भंते ! केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति वणप्फइकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! वणप्फइकाइए वणप्फइकाइयस्स द्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए चउट्ठाएवडिते, ठितीए तिट्ठाणवडिए, वण्णगंधरसफासमतिअण्णाणसुयअण्णाणअचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिते, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति वणस्सतिकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता । [सुत्ताइं ४४८-४५०. विगलिंदियाणं पज्जवा] ४४८. बेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! बेइंदिए बेइंदियस्स द्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले; ओगाहणद्वयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए-जति हीणे असंखेज्जतिभागहीणे वा संखेज्जतिभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा, अह मब्भहिए असंखेज्जभागमब्भहिए वा संखेज्जभागम्भइए वा संखेज्जगुणमब्भइए वा असंखेज्जगुणमब्भइए वा; ठितीए तिट्ठाणवडिते; वण्णगंधरसफासआभिणिबोहियणाणसुतणाणमतिअण्णाणसुतअण्णाणअचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिते । ४४९. एवं तेइदिया वि । ४५०. एवं चउरिदिया वि । णवरं दो दंसणा-चक्खुदंसणं अचक्खुदंसणं च । [सुत्तं ४५१. पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जवा] ४५१. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जवा जहा नेरइयाणं तहा भाणितव्वा । [सुत्तं ४५२. मणुस्साणं पज्जवा] ४५२. मणुस्साणं भंते ! केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति मणुस्साणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! मणुस्से मणुस्सस्स द्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए चउट्ठाणवडिते, ठितीए चउट्ठाणवडिते, वण्ण-गंध-रस-फास-आभिणिबोहियणाण-सुतणाण-ओहिणाण-मणपज्जवणाणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिते, केवलणाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं उट्ठाणवडिते, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । [सुत्तं ४५३. वाणमंतराणं पज्जवा] ४५३. वाणमंतरा ओगाहणद्वयाए ठितीए च चउट्ठाणवडिया, वण्णादीहिं छट्ठाणवडिता । [सुत्तं ४५४. जोइसिय-वेमाणियाणं पज्जवा] ४५४. जोइसिय-वेमाणिया वि एवं चेव । णवरं ठितीए तिट्ठाणवडिता । [सुत्ताइं ४५५-४६३. ओगाहणाइसु नेरइयाणं पज्जवा] ४५५. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! नेरइयाणं केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णोगाहणगाणं वेरइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए नेरइए जहण्णोगहणगस्स नेरइयस्स द्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए



गाणेहिं तिहिं अण्णाणेहिं छट्ठाणवडिते, चक्खुदंसणपज्जवेहिं तुल्ले, अचक्खुदंसणपज्जवेहिं ओहिदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसचक्खुदंसणी वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसचक्खुदंसणी वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिते । ४६३. एवं अचक्खुदंसणी वि ओहिदंसणी वि । [सुत्ताइं ४६४-४६५. ओगाहणाए भवणवासीणं पञ्जवा] ४६४. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! असुरकुमाराणं केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णोगाहणगाणं असुरकुमाराणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए असुरकुमारे जहण्णोगाहणगस्स असुरकुमारस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पदेसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठितीए चउट्ठाणवडिते, वन्नादीहिं छट्ठाणवडिते, अभिणिबोहियणाण-सुतणाण-ओहिणाणपज्जवेहिं तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसोगाहणए वि । एवं अजहन्नमणुक्कोसागाहणए वि । नवरं उक्कोसोगाहणए वि असुरकुमारे ठितीए चउट्ठाणवडिते । ४६५. एवं जाव थणियकुमारा । [सुत्ताइं ४६६-४७२. ओगाहणाइसु एगिंदियाणं पज्जवा] ४६६. १ जहण्णोगाहणगाहणं भंते ! पुढविकाइयाणं केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णोगाहणगाणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए पुढविकाइए जहण्णोगाहणगस्स पुढविकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पदेसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठितीए तिट्ठाणवडिते, वण्ण-गंध-रस-फास-पज्जवेहिं दोहिं अण्णाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसोगाहणए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे चउट्ठाणवडिते । ४६७. १ जहण्णट्ठितीयाणं भंते ! पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णट्ठितीयाणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णठितीए पुढविकाइए जहण्णठितीयस्स पुढविकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पदेसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिते, ठितीए तुल्ले, वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं मतिअण्णाण-सुतअण्णाण-अचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसठितीए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे तिट्ठाणवडिते । ४६८. १ जहण्णगुणकालयाणं भंते ! पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णगुणकालयाणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए पुढविकाइए जहण्णगुणकालगस्स पुढविकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पदेसट्ठयाए तुल्ले ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिते ट्ठितीए तिट्ठाणवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले अवसेसंहिं वण्ण गंध-रस कासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिते, दोहिं अण्णाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुण कालए वि ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिते । ४६९. एवं पंच वण्णा दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा भाणितव्वा । ४७०. १ जहण्णमतिअण्णाणीणं भंते ! पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णमतिअण्णाणीणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णमतिअण्णाणी पुढविकाइए जहण्णमतिअण्णाणिस्स पुढविकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पदेसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिते, ठितीए तिट्ठाणवडिते, वण्ण-गंध-रस-फास-पज्जवेहिं छट्ठाणवडिते, मतिअण्णाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयअण्णाणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसमतिअण्णाणी वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसमइअण्णाणी वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिते । ४७१. एवं सुयअण्णाणी वि । अचक्खुदंसणी वि एवं चेव । ४७२. एवं जाव वणप्फइकाइयाणं । [सुत्ताइं ४७३-४८०. ओगाहणाइसु विगलिंदियाणं पज्जवा] ४७३. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! बेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णोगाहणगाणं बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णोगाहणं, बेइंदिए जहण्णोगाहणगस्स बेइंदियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठितीए तिट्ठाणवडिते, वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं दोहिं णाणेहिं दोहिं अण्णाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसोगाहणए वि । नवरं णाणा णत्थि । ३ अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए जहा जहण्णोगाहणए । नवरं सट्ठाणे ओगाहणाए चउट्ठाणवडिते । ४७४. १ जहण्णठितीयाणं भंते ! बेइंदियाणं पुच्छा ।

गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णठितीयाणं बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णठितीए बेइंदिए जहण्णठितीयस्स बेइंदियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए तुल्ले, वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं दोहिं अण्णाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहि य, छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसठितीए वि । णवरं दो णाणा अब्भइया । ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए जहा उक्कोसठितीए । णवरं ठितीए तिट्टाणवडिते । ४७५. १ जहण्णगुणकालयाणं बेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णगुणकालयाणं बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए बेइंदिए जहण्णगुणकालयस्स बेइंदियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए तिट्टाणवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसहिं वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं दोहिं णाणेहिं दोहिं अण्णाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुणकालए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव । णवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ४७६. एवं पंच वण्णा दो गंधा रसा अट्ट फासा भाणितव्वा । ४७७. १ जहण्णाभिणिबोहियणाणीणं भंते ! बेइंदियाणं केवतिया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णाभिणिबोहियणाणी बेइंदिए जहण्णाभिणिबोहियणाणस्स बेइंदियस्स दव्वट्टयाए तुल्ल, पएसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए तिट्टाणवडिते, वण्ण -गंध -रस -फासपज्जवेहिं छट्टाणवडिते, आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयणाणपज्जवेहिं छट्टाणवडिते, अचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसभिणिबोहियणाणी वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसाभिणिबोहियणाणी वि एवं चेव । णवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ४७८. एवं सुतणाणी वि, सुतअण्णाणी वि, मतिअण्णाणी वि, अचक्खुदंसणी वि । णवरं जत्थ णाणा तत्थ अण्णाणा णत्थि, जत्थ अण्णाणा तत्थ णाणा णत्थि । जत्थ दंसणं तत्थ णाणा वि अण्णाणा वि । ४७९. एवं तेइंदियाणं वि । ४८०. चउरिदियाण वि एवं चेव । णवरं चक्खुदंसणं अब्भतियं । [सुत्ताइं ४८१-४८८. ओगाहणाइसु पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पञ्जवा] ४८१. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं केवइया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जहण्णोगाहणगाणं पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं अणंता पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए पंचेदियतिरिक्खजोणिए जहण्णोगाहणयस्स पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए तुल्ले, ठितीए तिट्टाणवडिते, वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं दोहिं णाणेहिं दोहिं अण्णाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्टाणवडिते । २ उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । णवरं तिहिं णाणेहिं तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्टाणवडिते । ३ जहा उक्कोसोगाहणए तहा अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि । णवरं ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिए, ठिईए चउट्टाणवडिए । ४८२. १ जहण्णठितीयाणं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं केवतिया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णठितीए पंचेदियतिरिक्खजोणिए जहण्णठितीयस्स पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए तुल्ले, वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं दोहिं अण्णाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्टाणवडिते । २ उक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं दो नाणा दो अन्नाणा दो दंसणा । ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं ठितीए चउट्टाणवडिते, तिण्णि णाणा, तिण्णि अण्णाणा, तिण्णि दंसणा । ४८३. १ जहण्णगुणकालगाणं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा ! गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए पंचेदियतिरिक्खजोणिए जहण्णगुणकालगस्स पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले पएसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं तिहिं णाणेहिं तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुणकालए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव । णवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ४८४. एवं पंच वण्णा दो गंधा पंच रसा अट्ट फासा । ४८५. १ जहण्णाभिणिबोहियणाणीणं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं केवतिया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णाभिणिबोहियणाणी पंचेदियतिरिक्खजोणिए जहण्णाभिणिबोहियणाणस्स पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले,

पदेसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए चउद्वानवडिते, ठितीए चउद्वानवडिते, वण्ण- गंध -रस -फासपज्जवेहिं छद्वानवडिते, आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयणाणपज्जवेहिं छद्वानवडिते, चक्खुदंसणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहि य छद्वानवडिते । २ एवं उक्कोसाभिणिबोहियणाणी वि । णवरं ठितीए तिद्वानवडिते, तिण्णि णाणा, तिण्णि दंसणा, सद्वाने तुल्ले, सेसेसु छद्वानवडिते । ३ अजहण्णुक्कोसाभिणिबोहियणाणी जहा उक्कोसाभिणिबोहियणाणी । णवरं ठितीए चउद्वानवडिते, सद्वाने छद्वानवडिते । ४८६. एवं सुतणाणी वि । ४८७. १ जहण्णोहिणाणीणं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णोहिणाणी पंचेदियतिरिक्खजोणिएजहण्णोहिणाणिस्स पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वद्वयाते तुल्ले, पदेसद्वयाते तुल्ले, ओगाहणद्वयाते चउद्वानवडिते, ठितीए तिद्वानवडिते, वण्ण -गंध -रस -फासपज्जवेहिं आभिणिबोहियणाण -सुतणाणपज्जवेहि य छद्वानवडिते, ओहिणाणपज्जवेहिं तुल्ले, अण्णाणा णत्थि, चक्खुदंसणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहि य छद्वानवडिते । २ एवं उक्कोसोहिणाणी वि । ३ अजहण्णुक्कोसोहिणाणी वि एवं चेव । नवरं सद्वाने छद्वानवडिते । ४८८. जहा आभिणिबोहियणाणी तहा मइअण्णाणी य । जहा ओहिणाणी तहा विभंगणाणी वि । चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी य जहा आभिणिबोहियणाणी । ओहिंदंसणी जहा ओहिणाणी । जत्थ णाणा तत्थ अण्णाणा णत्थि, जत्थ अण्णाणा तत्थ णाणा णत्थि, जत्थ दंसणा तत्थ णाणा वि अण्णाणा वि अत्थि ति भाणितव्वं । [सुत्ताइं ४८९-४९८. ओगाहणाइसु मणुस्साणं पज्जवा] ४८९. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! मणुस्साणं केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चइ जहण्णोगाहणगाणं मणुस्साणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए मणूसे जहण्णोगाहणगस्स मणूसस्स दव्वद्वयाते तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए तुल्ले, ठितीए तिद्वानवडिते, वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं तिहिं णाणेहिं दोहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छद्वानवडिते । २ उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । नवरं ठितीए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिते-जति हीणे असंखेज्जतिभागहीणे, अह अब्भहिए असंखेज्जतिभागब्भहिते; दो णाणा दो अण्णाणा दोदंसणा । ३ अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । णवरं ओगाहणद्वयाए चउद्वानवडिते, ठितीए चउद्वानवडिते, आइल्लेहिं चउहिं नाणेहिं छद्वानवडिते, केवलणाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छद्वानवडिते, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । ४९०. १ जहण्णठितीयाणं भंते ! मणुस्साणं केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णठितीए मणुस्से जहण्णठितीयस्स मणूसस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए चउद्वानवडिते ठितीए तुल्ले, वण्ण-गंध-रस-फास पदेसद्वयाए तुल्ले, पज्जवेहिं दोहिं अण्णाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छद्वानवडिते । २ एवं उक्कोसठितीए वि । नवरं दो णाणा, दोअण्णाणा, दो दंसणा । ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं ठितीए चउद्वानवडिते ओगाहणद्वयाए चउद्वानवडिए आदिल्लेहिं चउनाणेहिं छद्वानवडिते, केवलनाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छद्वानवडिते, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । ४९१. १ जहण्णगुणकालयाणं भंते ! मणुस्साणं केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए मणूसे जहण्णगुणकालगस्स मणूसस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए चउद्वानवडिते, ठितीए चउद्वानवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं छद्वानवडिते, चउहिं णाणेहिं छद्वानवडिते, केवलणाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अण्णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छद्वानवडिते, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । २ एवं उक्कोसगुणकालए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव । नवरं सद्वाने छद्वानवडिते । ४९२. एवं पंच वण्णा दो गंधा पंच रसा अद्व फासा भाणितव्वा । ४९३. १ जहण्णभिणिबोहियणाणीणं भंते ! मणुस्साणं केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णाभिणिबोहियणाणी मणूसे जहण्णाभिणिबोहियणाणिस्स मणूसस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए चउद्वानवडिते, ठितीए चउद्वानवडिते, वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं छद्वानवडिते, आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुतणाणपज्जवेहिं

तुल्ले, दोहिं दंसणेहिं छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसाभिणिबोहियणाणी वि । नवरं आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले, ठितीए तिट्टाणवडिते, तिहिं णाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्टाणवडिते । ३ अजहण्णमणुक्कोसाभिणिबोहियणाणी जहा उक्कोसाभिणिबोहियणाणी । णवरं ठितीए चउट्टाणवडिते, सट्टाणे छट्टाणवडिते । ४९४. एवं सुतणाणी वि । ४९५. १ जहण्णोहिणाणीणं भंते ! मणुस्साणं केवतिया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्टेणंभंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णोहिणाणी मणुस्से जहण्णोहिणाणस्स मणुसस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठिईए तिट्टाणवडिते, वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं दोहिं नाणेहिं छट्टाणवडिए, ओहिणाणपज्जवेहिं तुल्ले, मणपज्जवणाणपज्जवेहिं छट्टाणवडिए, तिहिं दंसणेहिं छट्टाणवडिए । २ एवं उक्कोसोहिणाणी वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसोहिणाणी वि एवं चेव । णवरं सट्टाणे छट्टाणवडिए । ४९६. जहा ओहिणाणी तहा मणपज्जवणाणी वि भाणितव्वे । नवरं ओगाहणट्टयाए तिट्टाणवडिए । जहा आभिणिबोहियणाणी तहा मतिअण्णाणी सुतअण्णाणी य भाणितव्वे । जहा ओहिणाणी तहा विभंगणाणी वि भाणियव्वे । चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी य जहा आभिणिबोहियणाणी । ओहिदंसणी जहा ओहिणाणी । जत्थ णाणा तत्थ अण्णाणा णत्थि, जत्थ अण्णाणा तत्थ णाणा णत्थि, जत्थ दंसणा तत्थ णाणा वि अण्णाणा वि । ४९७. केवलणाणीणं भंते ! मणुस्साणं केवतिया पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ केवलणाणीणं मणुस्साणं अणंता पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! केवलनाणी मणुसे केवलणाणस्स मणुसस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए तिट्टाणवडिते, वण्ण-गंध-रस-फासपज्जवेहिं छट्टाणवडिते, केवलणाणपज्जवेहिं केवलदंसणपज्जवेहि य तुल्ले । ४९८. एवं केवलदंसणी वि मणुसे भाणियव्वे । [सुत्तं ४९९. ओगाहणाइसु वाणमंतराइणं पज्जवा] ४९९. १ वाणमंतरा जहा असुरकुमारा । २ एवं जोइसिया वेमाणिया । नवरं सट्टाणे ठितीए तिट्टाणवडिते भाणितव्वे । से तं जीवपज्जवा । [सुत्ताइं ५००-५५८. अजीवपज्जवा] ५००. अजीवपज्जवा णं भंते ! कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा-रूविअजीवपज्जवा य अरूविअजीवपज्जवा य । ५०१. अरूविअजीवपज्जवा णं भंते ! कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! दसविहा दुविहा पणत्ता । तं जहा-धम्मत्थिकाए १ धम्मत्थिकायस्स देसे २ धम्मत्थिकायस्स पदेसा ३ अधम्मत्थिकाए ४ अधम्मत्थिकायस्स देसे ५ अधम्मत्थिकायस्स पदेसा ६ आगासत्थिकाए ७ आगासत्थिकायस्स देसे ८ आगासत्थिकायस्स पदेसा ९ अद्धासमए १० । ५०२. रूविअजीवपज्जवा णं भंते ! कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! चउविहापणत्ता । तं जहा खंधा १ खंधदेसा २ खंधपदेसा ३ परमाणुपोग्गले ४ । ५०३. ते णं भंते ! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति नो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा ! अणंता परमाणुपोग्गला, अणंता दुपदेसिया खंधा जाव अणंता दसपदेसिया खंधा, अणंता संखेज्जपदेसिया खंधा, अणंता असंखेज्जपदेसिया खंधा, अणंता अणंतपदेसिया खंधा, से तेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति ते णं नो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता । ५०४. परमाणुपोग्गलाणं भंते ! केवतिया पज्जवा पणत्ता गोयमा ! परमाणुपोग्गलाणं अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति परमाणुपोग्गलाणं अणंता पज्जवा पणत्ता ? गोयमा ! परमाणुपोग्गले परमाणुपोग्गलस्स दव्वट्टयाते तुल्ले, पदेसट्टयाते तुल्ले, ओगाहणट्टयाते तुल्ले, ठितीए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिते-जाति हीणे असंखेज्जतिभागहीणे वा असंखेज्जतिभागहीणे वा असंखेज्जतिगुणहीणे वा, अह अब्भतिए असंखेज्जगुणतिभागअब्भहिते वा, संखेज्जतिभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणअब्भहिए वा असंखेज्जगुणअब्भहिते वा; कालवण्णपज्जेवेहिं सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए-जति हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जतिभागहीणे वा संखेज्जभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा, अह अब्भहिए अणंतभागमब्भहिते वा असंखेज्जतिभागमहिए वा संखेज्जतिभागमब्भमिते वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा अणंतगुणमब्भहिए वा; एवं अवसेसवण्ण-गंध-रस-फास-पज्जवेहिं छट्टाणवडिते, फासा णं सीय-उसिण-निद्ध-लुक्खेहिं छट्टाणवडिते, से तेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति पामाणुपोग्गलाणं अणंता पज्जवा पणत्ता । ५०५. दुपदेसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पणत्ता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! दुपदेसिए दुपदेसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए तुल्ले;

ओगाहणद्वयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिते-जति हीणे पदेसहीणे, अह अब्भहिते पदेसमब्भहिते; ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादीहिं उवरिल्लेहिं चउहिं फासेहिं य छट्टाणवडिते । ५०६. एवं तिपएसिए वि । नवरं ओगाहणद्वयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिते-जति हीणे पएसहीणे वा दुपएसहीणे वा, अह अब्भहिते पएसमब्भहिते वा दुपएसमब्भहिते वा । ५०७. एवं जाव दसपएसिए । नवरं ओगाहणाए पएसपरिवुद्धी कायव्वा जाव दसपएसिए णवपएसहीणे त्ति । ५०८. संखेज्जपदेसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! संखेज्जपएसिए खंधे संखेज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वद्वयाए तुल्ले; पदेसद्वयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय मब्भहिते-जति हीणे संखेज्जभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा, अह अब्भइए एवं चेव; ओगाहणद्वयाए वि दुट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादि - उवरिल्लचउफासपज्जवेहिं य छट्टाणवडिते । ५०९. असंखेज्जपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! असंखेज्जपएसिए खंधे असंखेज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वियाए चउट्टावडिते, ओगाहणद्वयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादि -उवरिल्लचउफासहिं य छट्टाणवडिते । ५१०. अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! अणंतपएसिए खंधे अणंतपएसियस्स खंधस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए छट्टाणवडिते, ओगाहणद्वयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्ण -गंध -रस -फासपज्जवेहिं छट्टाणवडिते । ५११. एगपएसोगाढाणं पोग्गलोणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! एगपएसोगाढ पोग्गले एगपएसोगाढस्स पोग्गलस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए छट्टाणवडिते, ओगाहणद्वयाते तुल्ले, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादि-उवरिल्लचउफासेहिं य छट्टाणवडिते । ५१२. एवं दुपएसोगाढे वि जाव दसपएसोगाढे । ५१३. संखेज्जपएसोगाढाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! संखेज्जपएसोगाढे पोग्गले संखेज्जपएसोगाढस्स पोग्गलस्स दव्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए छट्टाणवडिते, ओगाहणद्वयाए दुट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णाइ-उवरिल्लचउफासेहिं य छट्टाणवडिते । ५१४. असंखेज्जपएसोगाढाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! असंखेज्जपएसोगाढे पोग्गले असंखेज्जपएसोगाढस्स पोग्गलस्स दव्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए छट्टाणवडिते, ओगाहणद्वयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादि-अट्टफासेहिं छट्टाणवडिते । ५१५. एगसमयठितीयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पण्णत्ता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! एगसमयठितीए पोग्गले एगसमयठितीयस्स पोग्गलस्स दव्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए छट्टाणवडिते, ओगाहणद्वयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए तुल्ले, वण्णादि छट्टाणवडिते । ५१६. एवं जाव दससमयठिईए । ५१७. संखेज्जसमयठितीयाणं एवं चेव । नवरं ठितीए दुट्टाणवडिते । ५१८. असंखेज्जसमयठितीयाणं एवं चेव । नवरं ठिईए चउट्टाणवडिते । ५१९. एगगुणकालगाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! एगगुणकालए पोग्गले [ग्रन्थाग्रम् ३०००] एगगुणकालगस्स पोग्गलस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए छट्टाणवडिते, ओगाहणद्वयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्ण-गंध रस-फासपज्जवेहिं छट्टाणवडिते, अट्टहिं फासेहिं छट्टाणवडिते । ५२०. एवं जाव दसगुणकालए । ५२१. संखेज्जगुणकालए वि एवं चेव । नवरं सट्टाणे दुट्टाणवडिते । ५२२. एवं असंखेज्जगुणकालए वि । णवरं सट्टाणे चउट्टाणवडिते । ५२३. एवं अणंतगुणकालए वि । नवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ५२४. एवं जहा कालवण्णस्स वत्तव्वया भणिया तहा सेसाण वि वण्ण-गंध रस-फासाणं वत्तव्वया भाणितव्वा जाव अणंतगुणलुक्खे । ५२५. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! दुपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए दुपएसिए खंधे जहण्णोगाहणगस्स दुपएसियस्स खंधस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए तुल्ले, ठितीए चउट्टाणवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं छट्टाणवडिते, सेसवण्ण-गंध-रसपज्जवेहिं छट्टाणवडिते, सीय-उसिण-णिद्ध-लुक्खफासपज्जवेहिं छट्टाणवडिते, से तेणट्टेणं गोतमा ! एवं वुच्चति जहण्णोगाहणगाणं दुपएसियाणं पोग्गलाणं अणंता पज्जवा पण्णत्ता । २ उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । ३ अजहण्णमणुक्कोसोगाहणओ नत्थि । ५२६. १ जहण्णोगाहणयाणं भंते ! तिपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा !

जहा दुपएसिते जहण्णोगाहणते । २ उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । ३ एवं अजहण्णमणुक्कोसोगाहण एत्थि वि । ५२७. १ जहण्णोगाहणयाणं भंते ! चउपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहा जहण्णोगाहणए दुपएसिते तहा जहण्णोगाहणए चउपएसिते । २ एवं जहा उक्कोसोगाहणए दुपएसिए तहा उक्कोसोगाहणए चउप्पएसिए वि । ३ एवं अजहण्णमणुक्कोसोगाहणओ वि चउप्पएसिते । णवरं ओगाहणद्वयाते सिय हीणे सिय तुल्ले सिय मब्भइए-जति हीणे णे पएसहीणे, अहऽब्भइते पएसब्भतिए । ५२८. एवं जाव दसपएसिए णेयव्वं । णवरमजहण्णुक्कोसोगाहणए पदेसपरिवुद्धी कातव्वा, जाव दसपएसियस्स सत्त पएसो परिवह्णिज्जंति । ५२९. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! संखेज्जपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णोगाहणगे संखेज्जपएसिए जहण्णोगाहणगस्स संखेज्जपएसियस्स दव्वद्वयाते तुल्ले, पएसद्वयाते दुट्ठाणवडिते, ओगाहणद्वयाते तुल्ले, ठितीए चउट्ठाणवडिए, वण्णादि-चउफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसोगाहणए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । णवरं सट्ठाणे दुट्ठाणवडिते । ५३०. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! असंखेज्जपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णोगाहणे असंखेज्जपएसिए खंधे जहण्णोगाहणगस्स असंखेज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पएसद्वयाते चउट्ठाणवडिते, ओगाहणद्वयाते तुल्ले, ठितीए चउट्ठाणवडिते, वण्णादि-उवरिल्लफासेहि य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसोगाहणए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे चउट्ठाणवडिते । ५३१. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणद्वेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए अणंतपएसिए खंधे जहण्णोगाहणगस्स अणंतपएसियस्स खंधस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए चउट्ठाणवडिते, ओगाहणद्वयाते तुल्ले, ठितीए चउट्ठाणवडिते, वण्णादि-उवरिल्लचउफासेहिं छट्ठाणवडिए । २ उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । नवरं ठितीए वि तुल्ले । ३ अजहण्णमणुक्कोसोगाहणगाणं भंते ! अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणद्वेणं ? गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए अणंतपएसिए खंधे अजहण्णमणुक्कोसोगाहणगस्स अणंतपदेसियस्स खंधस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए छट्ठाणवडिते, ओगाहणद्वयाए चउट्ठाणवडिए, ठितीए चउट्ठाणवडिते, वण्णादिअट्ठाफासेहिं छट्ठाणवडिते । ५३२. १ जहण्णठितीयाणं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणद्वेणं ? गोयमा ! जहण्णठितीए परमाणुपोग्गले जहण्णठितीयस्स परमाणुपोग्गलस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले, ओगाहणद्वयाए तुल्ले, ठितीए तुल्ले, वण्णादि-दुफासेहि य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसठितीए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं ठितीए चउट्ठाणवडिते । ५३३. १ जहण्णठितीयाणं दुपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणद्वेणं भंते !? गोयमा ! जहण्णठितीए दुपएसिते जहण्णठितीयस्स दुपएसियस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए तुल्ले; ओगाहणद्वयाए सिय हीण सिय तुल्ले सिय अब्भहिए-जति हीणे पदेसहीणे, अह अब्भतिए पदेसब्भतिते; ठितीए तुल्ले, वण्णादि-चउप्फासेहि य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसठितीए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं ठितीए चउट्ठाणवडिते । ५३४. एवं जाव दसपदेसिते । नवरं पदेसपरिवुद्धी कातव्वा । ओगाहणद्वयाए तिसु वि गमएसु जाव दसपएसिए णव पएसो वह्णिज्जंति । ५३५. १ जहण्णद्वितीयाणं भंते ! संखेज्जपदेसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणद्वेणं ? गोयमा ! जहण्णद्वितीए संखेज्जपदेसिए खंधे जहण्णठितीयस्स संखेज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए दुट्ठाणवडिते, ओगाहणद्वयाए दुट्ठाणवडिते, ठितीए तुल्ले, वण्णादि-चउफासेहि य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसठितीए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं ठितीए चउट्ठाणवडिते । ५३६. १ जहण्णद्वितीयाणं असंखेज्जपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणद्वेणं ? गोयमा ! जहण्णद्वितीए असंखेज्जपएसिए जहण्णठितीयस्स असंखेज्जपएसियस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाते चउट्ठाणवडिते, ओगाहणद्वयाते चउट्ठाणवडिते, ठितीए तुल्ले, वण्णादि-उवरिल्लचउप्फासेहि य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसठिईए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं ठितीए चउट्ठाणवडिते । ५३७. १ जहण्णठितीयाणं अणंतपदेसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणद्वेणं ? गोयमा ! जहण्णद्वितीए अणंतपएसिए जहण्णठितीयस्स अणंतपएसियस्स दव्वद्वयाए तुल्ले, पदेसद्वयाए छट्ठाणवडिते, ओगाहणद्वयाए चउट्ठाणवडिते, ठितीए तुल्ले, वण्णादि-अट्ठाफासेहि य छट्ठाणवडिते । २ एवं उक्कोसठितीए वि । ३

अजहणमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं ठितीए चउट्टाणवडिते । ५३८. १ जहणगुणकालयाणं परमाणुपोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहणगुणकालए परमाणुपोग्गले जहणगुणकालगस्स परमाणुपोग्गलस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए तुल्ले, ठितीए चउट्टाणवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसा वण्णा णत्थि, गंध-रस-फासपज्जवेहि य छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुणकालए वि । ३ एवमजहणमणुक्कोसगुणकालए वि । णवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ५३९. १ जहणगुणकालयाणं भंते ! दुपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहणगुणकालए दुपसिए जहणगुणकालगस्स दुपएसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भतिते-जति हीणे पदेसहीणे, अह अब्भतिए पएसमब्भतिए; ठितीए चउट्टाणवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसवण्णादि-उवरिल्लचउफासेहि य छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुणकालए वि । ३ अजहणमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव । नवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ५४०. एवं जाव दसपएसिते । णवरं पएसपरिवट्टी, ओगाहणा तहेव । ५४१. १ जहणगुणकालयाणं भंते ! संखेज्जपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहणगुणकालए संखेज्जपएसिए जहणगुणकालगस्स संखेज्जपएसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाते दुट्टाणवडिते, ओगाहणट्टयाए दुट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णादि-उवरिल्लचउफासेहि य छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुणकालए वि । ३ अजहणमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव । नवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ५४२. १ जहणगुणकालयाणं भंते ! असंखेज्जपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहणगुणकालए असंखेज्जपएसिए जहणगुणकालगस्स असंखेज्जपएसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिए, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णादि-उवरिल्लचउफासेहि य छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुणकालए वि । ३ अजहणमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव । नवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ५४३. १ जहणगुणकालयाणं भंते ! अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहणगुणकालए अणंतपएसिए जहणगुणकालयस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए छट्टाणवडिते, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णादि-अट्टफासेहि य छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुणकालए वि । ३ अजहणमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव । नवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ५४४. एवं नील-लोहित-हालिद्-सुक्किल्ल-सुब्भिगंध-दुब्भिगंध-तित्त-कडुय-कसाय-अंबिल-महुररसपज्जवेहि य वत्तव्वया भाणियव्वा । नवरं परमाणुपोग्गलस्स सुब्भिगंधस्स दुब्भिगंधो न भण्णति, दुब्भिगंधस्स सुब्भिगंधो न भण्णति, तित्तस्स अवसेसा ण भण्णति । एवं कडुयादीण वि । सेसं तं चेव । ५४५. १ जहणगुणकक्खडा अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहणगुणकक्खडे अणंतपएसिए जहणगुणकक्खडस्स अणंतपदेसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए छट्टाणवडिते, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्ण-गंध-रसेहिं छट्टाणवडिते, कक्खडफासपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं सत्तफासपज्जवेहिं छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुणकक्खडे वि । ३ अजहणमणुक्कोसगुणकक्खडे वि एवं चेव । नवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ५४६. एवं मउय-गरुय-लहुए वि भाणितव्वे । ५४७. १ जहणगुणसीयाणं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहणगुणसीते परमाणुपोग्गले जहणगुणसीतस्स परमाणुपोग्गलस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए तुल्ले, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्ण-गंध-रसेहिं छट्टाणवडिते, सीतफासपज्जवेहि य तुल्ले, उसिणफासो न भण्णति, णिद्ध-लुक्खफासपज्जवेहिं छट्टाणवडिते । २ एवं उक्कोसगुणसीते वि । ३ अजहणमणुक्कोसगुणसीते वि एवं चेव । नवरं सट्टाणे छट्टाणवडिते । ५४८. १ जहणगुणसीयाणं दुपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहणगुणसीते दुपएसिए जहणगुणसीयस्स दुपएसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए तुल्ले; ओगाहणट्टयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिते जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएसमब्भतिए; ठिईए चउट्टाणवडिए, वण्ण-गंध-रसपज्जवेहिं छट्टाणवडिए, सीतफासपज्जवेहिं तुल्ले, उसिण-निद्ध-लुक्खफासपज्जवेहिं छट्टाणवडिए । २ एवं उक्कोसगुणसीए वि । ३

अजहण्णमणुक्कोसगुणसीते वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । ५४९. एवं जाव दसपएसिए । नवरं ओगाहणट्टयाए पदेसपरिवट्टी कायव्वा जाव दसपएसियस्स णव पएसि वट्टिज्जंति । ५५०. १ जहण्णगुणसीयाणं संखेज्जपएसियाणं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहण्णगुणसीते संखेज्जपएसिए जहण्णगुणसीयस्स संखेज्जपएसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए दुट्ठाणवडिए, ओगाहणट्टयाए दुट्ठाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णाईहिं छट्ठाणवडिए, सीतफासपज्जवेहिं तुल्ले, उसिण-निद्ध-लुक्खेहिं छट्ठाणवडिए । २ एवं उक्कोसगुणसीए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । ५५१. १ जहण्णगुणसीताणं असंखेज्जपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहण्णगुणसीते असंखेज्जपएसिए जहण्णगुणसीयस्स असंखेज्जपएसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए चउट्टाणवडिते, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादिपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीतफासपज्जवेहिं तुल्ले, उसिण-निद्ध-लुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । २ एवं उक्कोसगुणसीते वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसगुणसीते वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिते । ५५२. १ जहण्णगुणसीताणं अणंतपदेसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहण्णगुणसीते अणंतपदेसिए जहण्णगुणसीतस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए छट्ठाणवडिते, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादिपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीतफासपज्जवेहिं तुल्ले, लुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । २ एवं उक्कोसगुणसीते वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसगुणसीते वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिते । ५५३. एवं उसिणे निद्धे लुक्खे जहा सीते । परमाणुपोग्गलस्स तहेव पडिवक्खो, सव्वेसिं न भण्णइ ति भाणितव्वं । ५५४. १ जहण्णपदेसियाणं भंते ! खंधाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहण्णपदेसिते खंधे जहण्णपएसियस्स खंधस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए तुल्ले; ओगाहणट्टयाए सिय हीण सिय तुल्ले सिय मब्भहिते-जति हीणे पदेसहीणे, अह अब्भतिए पदेसमब्भतिए; ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्ण-गंध-रस-उवरिल्लचउफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिते । २ उक्कोसपएसियाणं भंते ! खंधाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! उक्कोसपएसिए खंधे उक्कोसपएसियस्स खंधस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पएसट्टयाए तुल्ले, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादि-अट्टफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिते । ३ अजहण्णमणुक्कोसपदेसियाणं भंते ! खंधाणं केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसपदेसिए खंधे अजहण्णमणुक्कोसपदेसियस्स खंधस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए छट्ठाणवडिते, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादि -अट्टफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिते । ५५५. १ जहण्णोगाहणगाणं भंते ! पोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहण्णोगाहणए पोग्गले जहण्णोगाहणगस्स पोग्गलस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए छट्ठाणवडिते, ओगाहणट्टयाए तुल्ले, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादि- उवरिल्लफासेहि य छट्ठाणवडिते । २ उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव । नवरं ठितीए तुल्ले । ३ अजहण्णमणुक्कोसोगाहणगाणं भंते ! पोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसोगाहणए पोग्गले अजहण्णमणुक्कोसोगाहणगस्स पोग्गलस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए छट्ठाणवडिते, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए चउट्टाणवडिते, वण्णादि- अट्टफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिते । ५५६. १ जहण्णट्टितीयाणं भंते ! पोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहण्णठितीए पोग्गले जहण्णट्टितीयस्स पोग्गलस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए छट्ठाणवडिते, ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते, ठितीए तुल्ले, वण्णादि अट्टफासयज्जवेहि य छट्ठाणवडिते, २ एवं उक्कोसठितीए वि । ३ अजहण्णमणुक्कोसठितीए वि एवं चेव । नवरं चउट्टाणवडिते । ५५७. १ जहण्णगुणकालयाणं भंते ! पोग्गलाणं केवतिया पज्जवा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता । से केणट्टेणं ? गोयमा ! जहण्णगुणकालए पोग्गले जहण्णगुणकालयस्स पोग्गलस्स दव्वट्टयाए तुल्ले, पदेसट्टयाए छट्ठाणवडिते ओगाहणट्टयाए चउट्टाणवडिते ठितीए चउट्टाणवडिते कालवण्णपज्जवेहिं तुल्ले अवसेसेहिं वण्ण गंध-रस-फासपज्जवेहियं छट्ठाणवडिते से एणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति जहण्णगुणकालयाणं पोग्गलाणं अणंता पज्जवापण्णत्ता २ एवं उक्कोसगुणकालए वि ३ अजहण्णमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव । नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिते । ५५८. एवं जहा कालवण्णपज्जवाणं वत्तव्वया भणिता तहा सेसाण वि वण्ण -गंध -रस -

फासपज्जवाणं वत्तव्वया भाणितव्वा, जाव अजहण्णमणुक्कोसलुक्खे सट्ठाणे छट्ठाणवडिते । से त्तं रूविअजीवपज्जवा । से त्तं अजीवपज्जवा । ☆☆☆ ॥ पणवणाए  
 भगवईए पंचमं विसेसपयं समत्तं ॥ ☆☆☆ ☆☆☆ ६. छट्ठं वक्रतिपयं ☆☆☆ [५५९. अट्टदारपरूवणं] ५५९. बारस १ चउवीसाइं २ सअंतरं ३  
 एगसमय ४ कत्तो य ५ । उव्वट्टण ६ परभवियाउयं ७ च अट्टेव आगरिसा ८ ॥ १८२ ॥ [सुत्ताइं ५६०-५६८.] पढमं बारसदारं ५६०. निरयगती णं भंते ! केवतियं  
 कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । ५६१. तिरयगती णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ?  
 गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । ५६२. मणुयगती णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं,  
 उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । ५६३. देवगती णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । ५६४.  
 सिद्धगती णं भंते ! केवतियं कालं विरहिता सिज्झणयाए पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं छम्मासा । ५६५. निरयगती णं भंते ! केवतियं कालं  
 विरहिता उव्वट्टणयाए पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । ५६६. तिरयगती णं भंते ! केवतियं कालं विरहिता उव्वट्टणयाए पणत्ता ?  
 गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । ५६७. मणुयगती णं भंते ! केवतियं कालं विरहिता उव्वट्टणयाए पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं,  
 उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । ५६८. देवगती णं भंते ! केवतियं कालं विरहिता उव्वट्टणाए पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । दारं १ ॥  
 [सुत्ताइं ५६९-६०८.] बिइयं चउबीसाइंदारं ५६९. रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं,  
 उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता । ५७०. सक्करप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं सत्त  
 रातिदियाणि । ५७१. वालुयप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अद्धमासं । ५७२.  
 पंकप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं मासं । ५७३. धूमप्पभापुढविनेरइया णं भंते !  
 केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं दो मासा । ५७४. तमापुढविनेरइया णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया  
 उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चत्तारि मासा । ५७५. अथेसत्तमापुढविनेरइया णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ?  
 गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं छम्मासा । ५७६. असुरकुमारा णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं,  
 उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता । ५७७. णागकुमारा णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता ।  
 ५७८. एवं सुवण्णकुमाराणं विज्जुकुमाराणं अग्गिकुमाराणं दीवकुमाराणं उदहिकुमाराणं दिसाकुमाराणं वाउकुमाराणं थणियकुमाराणं य पत्तेयं पत्तेयं जहण्णेणं एगं  
 समयं, उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता । ५७९. पुढविकाइया णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! अणुसमयमविहियं उववाएणं पणत्ता ।  
 ५८०. एवं आउकाइयाणं वि तेउकाइयाणं वि वाउकाइयाणं वि वणप्फइकाइयाणं वि अणुसमयं अविरहिया उववाएणं पणत्ता । ५८१. बेइंदिया णं भंते ! केवतियं  
 कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । ५८२. एवं तेइदिय - चउरिदिया । ५८३. सम्मुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणिया  
 णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ! गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । ५८४. गभभवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणिया णं भंते !  
 केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता । ५८५. सम्मुच्छिममणुस्सा णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया  
 उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता । ५८६. गभभवक्कतियमणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं  
 बारस मुहुत्ता । ५८७. वाणमंतराणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता । ५८८. जोइसियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं,  
 उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता । ५८९. सोहम्मकप्पे देवा णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउवीसं

मुहुत्ता । ५९०. ईसाणे कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता । ५९१. राणंकुमार देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं नव रातिदियाई वीसा यं मुहुत्ता । ५९२. माहिंददेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारसं राइंदियाइं दस मुहुत्ता । ५९३. बंभलोए देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अद्धतेवीसं रातिदियाइं । ५९४. लंतगदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं पणतालीसं रातिदियाइं । ५९५. महासुक्कदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असीतिं रातिदियाइं । ५९६. सहस्सारदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं रातिदियसंतं । ५९७. आणयदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा मासा । ५९८. पाणयदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा मासा । ५९९. आरणदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा वासा । ६००. अच्चुयदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा वासा । ६०१. हेट्टिमगेवेज्जाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससताइं । ६०२. मज्झिमगेवेज्जाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं । ६०३. उवरिमगेवेज्जगदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससतसहस्साइं । ६०४. विजय-वेजयंत-जयंताऽपराजियदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । ६०५. सव्वट्टिसिद्धगदेवा णं भंते ! केवतियं कालं विरहिता उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स संखेज्जइभागं । ६०६. सिद्धा णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया सिज्झणयाए पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं छम्मसा । ६०७. रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उव्वट्टणाए पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउवीसं मुहुत्ता । ६०८. एवं सिद्धवज्जा उव्वट्टणा वि भाणितव्वा जाव अणुत्तरोववाइय ति । नवरं जोइसिय-वेमाणिएसु चयणं ति अहिलावो कायव्वो । दारं २ ॥ [ सुत्ताइं ६०९-६२५ ] तइयं सअंतरंदारं ६०९. नेरइया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति ? निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६१०. तिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति ? निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६११. मणुस्सा णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति ? निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६१२. देवा णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति ? निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६१३. रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति ? निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६१४. एवं जाव अहेसत्तमाए संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६१५. असुरकुमारा णं भंते ! देवा किं संतरं उववज्जंति ? निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६१६. एवं जाव थणियकुमारा संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति । ६१७. पुढविकाइया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति ? निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! नो संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति । ६१८. एवं जाव वणस्सइकाइया नो संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति । ६१९. बेइंदिया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति ? निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६२०. एवं जाव पंचेदियतिरिक्खजोणिया । ६२१. मणुस्सा णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति ? निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६२२. एवं वाणमंतरा जोइसिया सोहम्म-ईसाण-सणंकुमार-माहिंद-बंभलोय-लंतग-महासुक्क-सहस्सार-आणय-पाणय-आरण-ऽच्चुय-हेट्टिमगेवेज्जग-मज्झिम-गेवेज्जग-उवरिमगेवेज्जग-विजय- वेजयंत-जयंत-अपराजित-सव्वट्टिसिद्धदेवा य संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । ६२३. सिद्धा णं भंते ! किं संतरं सिज्झंति ? निरंतरं सिज्झंति ? गोयमा ! संतरं पि सिज्झंति, निरंतरं पि सिज्झंति । ६२४. नेरइया णं भंते ! किं संतरं उव्वट्टंति ? निरंतरं उव्वट्टंति ? गोयमा ! संतरं पि उव्वट्टंति, निरंतरं पि उव्वट्टंति । ६२५. एवं जहा उववाओ भणितो तहा उव्वट्टणा वि सिद्धवज्जा भाणितव्वा जाव वेमाणिता । नवरं जोइसिय-वेमाणिएसु चयणं ति अभिलावो कातव्वो । दारं ३ ॥ [ सुत्ताइं ६२६-६३८ ] चउत्थं

एगसमयदारं ६२६. नेरइया णं भंते ! एगसमएणं केवतिया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एगो वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति । ६२७. एवं जाव अहेसत्तमाए । ६२८. असुरकुमारा णं भंते ! एगसमएणं केवतिया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जवा वा असंखेज्जा वा । ६२९. एवं णागकुमारा जाव थणियकुमारा वि भाणियव्वा । ६३०. पुढविकाइयाणं भंते ! एगसमएणं केवतिया उववज्जंति ? गोयमा ! अणुसमय अविरहिय असंखेज्जा उववज्जंति । ६३१. एवं जाव वाउकाइया । ६३२. वणप्फतिकाइया णं भंते ! एगसमएणं केवतिया उववज्जंति ? गोयमा ! सट्ठाणुववायं पडुच्च अणुसमयं अविहिया अणंता उववज्जंति ? परट्ठाणुववायं पडुच्च अणुसमयं अविरहिया असंखेज्जा उववज्जंति । ६३३. बेइंदिया णं भंते ! केवतिया एगसमएणं उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एगो वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा । ६३४. एवं तेइंदिया चउरिदिया सम्मुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणिया गब्भवक्कंतियपंचेदियतिरिक्खजोणिया सम्मुच्छिममणूसा वाणमंतर-जोइसिय-सोहम्मी-साण-सणंकुमार-माहिंद-बंधलोय-लंतग-सुक्क-सहस्सारकप्पदेवा, एते जहा नेरइया । ६३५. गब्भवक्कंतियमणूस-आणय-पाणय-आरण-अच्चुय-गेवेज्जग-णुत्तरो-ववाइया य एते जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति । ६३६. सिद्धा णं भंते ! एगसमएणं केवतिया सिज्झंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं अट्टसतं । ६३७. नेरइया णं भंते ! एगसमएणं केवतिया उव्वट्ठंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उव्वट्ठंति । ६३८. एवं जहा उववाओ भणितो तहा उव्वट्ठणा वि सिद्धवज्जा भाणितव्वा जाव अणुत्तरोववाइया । णवरं जोइसिय -वेमाणियाणं चयणेणं अभिलावो कातव्वो दारं ४॥ [ सुत्ताइं ६३९- ६६५. पंचमं कत्तोदारं] ६३९. १ नेरइयाणं भंते ! कतोहिंता उववज्जंति ? किं नेरइएहिंतो उववज्जंति ? तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? मणुस्सेहिंतो उववज्जंति ? देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नेरइया नो नेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, नो देवेहिंतो उववज्जंति । २ जदि तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? बेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? तेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? चउरिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नो एगिदिय० नो बेदिय० नो तेइंदिय० नो चउरिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति । ३ जति पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वि उववज्जंति, थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिं वि उववज्जंति, खहयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वि उववज्जंति । ४ जइ जलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं सम्मुच्छिमजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गब्भवक्कंतियजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! समुच्छिमजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वि उववज्जंति, गब्भवक्कंतियजलयरपंचेदिएहिंतो वि उववज्जंति । ५ जति समुच्छिमजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तयसमुच्छिमजलयर-पंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? अपज्जत्तयसमुच्छिमजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तयसमुच्छिमजलयर-पंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, नो अपज्जत्तयसमुच्छिमजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति । ६ जति गब्भवक्कंतियजलयर-पंचेदियतिरिक्खजोणिए उववज्जंति किं पज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचेदिएहिंतो उववज्जंति ? अपज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचेदियहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, नो अपज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति । ७ जइ थलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं चउप्पयथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? परिसप्पथलयरपंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ?



सम्मुच्छिममणुस्सेहितो उववज्जति ? गब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति ? गोयमा ! नो सम्मुच्छिममणुस्सेहितो उववज्जति, गब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति ।

२४ जइ गब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति किं कम्मभूमगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति ? अकम्मभूमगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति ? अंतरदीवगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति ? गोयमा ! कम्मभूमिगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति, नो अकम्मभूमगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति नो अंतरदीवगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति । २५ जति कम्मभूमगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति किं संखेज्जवासाउएहितो उववज्जति ? असंखेज्जवासाउ,हितो उववज्जति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति, नो असंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति । २६ जति संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कतियमणुस्सेहितो उववज्जति किं पज्जत्तगेहितो उववज्जति ? अपज्जत्तगेहितो उववज्जति ? गोयमा ! पज्जत्तएहितो उववज्जति, नो अपज्जत्तएहितो उववज्जति । ६४०. एवं जहा ओहिया उववाइया तहा रयणप्पभापुढविनेरइया वि उववाएयव्वा । ६४१. सक्करप्पभापुढविनेरइयाणं पुच्छा । गोयमा ! एते वि जहा ओहिया तहेवोववाएयव्वा । नवरं सम्मुच्छिमोहितो पडिसेहो कातव्वो । ६४२. वालुयप्पभापुढविनेरइया । णं भंते ! कतोहितो उववज्जति ? गोयमा जहा सक्करप्पभापुढवि नेरइया । नवरं भुयपरिसप्पेहितो वि पडिसेहो कातव्वो । ६४३. पंकप्पभापुढविनेरइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहा वालुयप्पभापुढविनेरइया । नवरं खहयरेहितो वि पडिसेहो कातव्वो । ६४४. धूमप्पभापुढविनेरइयाणं पुच्छश । गोयमा ! जहा पंकप्पभापुढविनेरइया । नवरं चउप्पएहितो वि पडिसेहो कातव्वो । ६४५. १ तमापुढविनेरइया णं भंते ! कतोहितो उववज्जति ? गोयमा ! जहा धूमप्पभापुढविनेरइया ! नवरं थलयरेहितो वि पडिसेहो कातव्वो । २ इमेणं अभिलावेणं-जति पंचेदियतिरिक्खजोणिएहितो उववज्जति किं जलयरपंचेदिएहितो उववज्जति ? थलयरपंचेदिएहितो उववज्जति ? खहयरपंचेदिएहितो उववज्जति ? गोयमा ! जलयरपंचेदिएहितो उववज्जति, नो थलयरेहितो नो खहयरेहितो उववज्जति । ३ जति मणुस्सेहितो उववज्जति किं कम्मभूमएहितो अकम्मभूमएहितो अंतरदीवएहितो ? गोयमा ! कम्मभूमएहितो उववज्जति, नो अकम्मभूमएहितो उववज्जति, नो अंतरदीवएहितो । ४ जति कम्मभूमएहितो उववज्जति किं संखेज्जवासाउएहितो असंखेज्जवासाउएहितो उववज्जति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउएहितो उववज्जति, नो असंखेज्जवासाउएहितो उववज्जति । ५ जति संखेज्जवासाउएहितो उववज्जति किं पज्जत्तएहितो उववज्जति ? अपज्जत्तएहितो उववज्जति ? गोयमा ! पज्जत्तएहितो उववज्जति, नो अपज्जत्तएहितो । ६ जति पज्जत्तयसंखेज्जवासाउयकम्मभूमएहितो उववज्जति किं इत्थीहितो उववज्जति ? पुरिसेहितो उववज्जति । नपुंसएहितो उववज्जति ? गोयमा ! इत्थीहितो वि उववज्जति पुरिसेहितो वि उववज्जति, नपुंसएहितो वि उववज्जति । ६४६. अथेसत्तमापुढविनेरइया णं भंते ! कतोहितो उववज्जति ? गोयमा ! एवं चेव । नवरं इत्थीहितो वि पडिसेधो कातव्वो । ६४७. अस्सण्णी खलु पढमं, दोच्चं च सिरीसिवा, तइय पक्खी । सीहा जंति चउत्थिं, उरगा पुण पंचमी पुढविं ॥१८३॥ छट्ठिं च इत्थियाओ, मच्छा मणुया य सत्तमिं पुढविं । एसो परमुववाओ बोधव्वो नरयपुढवीणं ॥१८४॥ ६४८. असुरकुमारा णं भंते ! कतोहितो उववज्जति ? गोयमा ! नो नेरइएहितो उववज्जति, तिरिक्खजोणिएहितो उववज्जति, मणुएहितो उववज्जति, नो देवेहितो उववज्जति । एवं जेहितो नेरइयाणं उववाओ तेहितो असुरकुमाराण वि भाणितव्वो । नवरं असंखेज्जवासाउय-अकम्मभूमग-अंतरदीवगमणुस्सतिरिक्खजोणिएहितो वि उववज्जति । सेसं तं चेव । ६४९. एवं जाव थणियकुमारा । ६५०. १ पुढविकाइया णं भंते ! कओहितो उववज्जति ? किं नेरइएहितो जाव देवेहितो उववज्जति ? गोयमा ! नो नेरइएहितो उववज्जति, तिरिक्खजोणिएहितो मणुयजोणिएहितो देवेहितो वि उववज्जति । २ जति तिरिक्खजोणिएहितो उववज्जति किं एगिदियतिरिक्खजोणिएहितो उववज्जति ? जाव पंचेदियतिरिक्खजोणिएहितो उववज्जति ? गोयमा ! एगिदियतिरिक्खजोणिएहितो उववज्जति ? जाव पंचेदियतिरिक्खजोणिएहितो वि उववज्जति । ३ जति एगिदियतिरिक्खजोणिएहितो उववज्जति किं पुढविकाइएहितो जाव वणप्फइकाइएहितो उववज्जति ? गोयमा ! पुढविकाइएहितो वि जाव वणप्फकाइएहितो वि उववज्जति । ४ जति पुढविकाइएहितो उववज्जति किं सुहुमपुढविकाइएहितो उववज्जति ? बादरपुढविकाइएहितो उववज्जति ? गोयमा ! दोहितो वि उववज्जति । ५ जति सुहुमपुढविकाइएहितो उववज्जति किं

पज्जत्तसुहुमपुढविकाइएहिंतो उववज्जंति ? अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! दोहिंतो वि उववज्जंति । ६ जति बादरपुढविकाइएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तएहिंतो अपज्जत्तएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! दोहिंतो वि उववज्जंति । ७ एवं जाव वणप्फतिकाइया चउक्कणं भेदेणं उववाएयव्वा । ८ जति बेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तयबेइंदिएहिंतो उववज्जंति ? अपज्जत्तयबेइंदिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! दोहिंतो वि उववज्जंति । ९ एवं तेइंदिय-चउरिदिएहिंतो वि उववज्जंति । १० जति पंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं जलयरपंचेदियेहिंतो उववज्जंति ? एवं जेहिंतो नेरइयाणं उववाओ भणितो तेहिंतो एतेसिं पि भाणितव्वो । नवरं पज्जत्तग-अपज्जत्तगेहिंतो वि उववज्जंति, सेसं तं चव । ११ जति मणुस्सेहिंतो उववज्जंति किं सम्मुच्छिमणूसेहिंतो उववज्जंति ? भव्वकंतिमणूसेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! दोहिंतो वि उववज्जंति । १२ जति गभव्वकंतिमणूसेहिंतो उववज्जंति किं कम्मभूमगगभव्वकंतिमणूसेहिंतो उववज्जंति ? अकम्मभूमगगभव्वकंतिमणूसेहिंतो उववज्जंति ? सेसं जहा नेरइयाणं [सु. ६३९ ४-२६ ] । नवरं अपज्जत्तएहिंतो वि उववज्जंति । १३ जति देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासि-वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएहिंतो ? गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतो वि उववज्जंति जाव वेमाणियदेवेहिंतो वि उववज्जंति । १४ जति भवणवासिदेवेहिंतो उववज्जंति किं असुरकुमारदेवेहिंतो जाव थणियकुमारदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! असुरकुमारदेवेहिंतो वि जाव थणियकुमारदेवेहिंतो वि उववज्जंति । १५ जति वाणमंतरेहिंतो उववज्जंति किं पिसाएहिंतो जाव गंधव्वेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पिसाएहिंतो वि जाव गंधव्वेहिंतो वि उववज्जंति । १६ जइ जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति किं चंदविमाणेहिंतो जाव ताराविमाणेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! चंदविमाणजोइसियदेवेहिंतो वि जाव ताराविमाणजोइसियदेवेहिंतो वि उववज्जंति । १७ जति वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति किं कप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? कप्पातीतगवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! कप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति, नो कप्पातीयवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति । १८ जति कप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति किं सोहम्मिहिंतो जाव अच्चुएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! सोहम्मिसाणेहिंतो उववज्जंति, नो सणंकुमार जाव अच्चुएहिंतो उववज्जंति । ६५१. एवं आउक्काइया वि । ६५२. एवं तेउ-वाऊ वि । नवरं देववज्जेहिंतो उववज्जंति । ६५३. वणस्सइकाइया जहा पुढविकाइया । ६५४. बेइंदिय-तेइंदिय-चउरेंदिया एते जहा तेउ-वाऊ देववज्जेहिंतो भाणितव्वा । ६५५. १ पंचेदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! कतोहिंतो उववज्जंति ? किं नेरइएहिंतो उववज्जंति ? जाव देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नेरइएहिंतो वि तिरिक्खजोणिएहिंतो वि मणूसेहिंतो वि देवेहिंतो वि उववज्जंति । २ जति नेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति ? जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो वि जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो वि उववज्जंति । ३ जति तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिदिएहिंतो उववज्जंति ? जाव पंचेदिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! एगिदिएहिंतो वि जाव पंचेदिएहिंतो वि उववज्जंति । ४ जति एगिदिएहिंतो उववज्जंति किं पुढविकाइएहिंतो उववज्जंति ? एवं जहा पुढविकाइयाणं उववाओ भणितो तहेव एएसिं पि भाणितव्वो । नवरं देवेहिंतो जाव सहस्सारकप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो वि उववज्जंति, नो आणयकप्पोवगवेमाणियदेवेहिंतो जाव अच्चुएहिंतो वि उववज्जंति । ६५६. १ मणुस्सा णं भंते ! कतोहिंतो उववज्जंति ? किं नेरइएहिंतो जाव देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नेरइएहिंतो वि उववज्जंति जाव देवेहिंतो वि उवज्जंति । २ जति नेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभापुढविनेरइएहिंतो जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! रतणप्पभापुढविनेरइएहिंतो वि जाव तमापुढविदेरइएहिंतो वि उववज्जंति, नो अहेसत्तमापुढविनेरइएहिंतो उववज्जंति । ३ जति तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? एवं जेहिंतो पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं उववाओ भणितो तेहिंतो मणुस्साण वि णिरवसेसो भाणितव्वो । नवरं अहेसत्तमापुढविनेरइय-तेउ-वाउकाइएहिंतो ण उववज्जंति । सव्वदेवेहिंतो वि उववज्जावेयव्वा जाव कप्पातीतगवेमाणिय-सव्वद्विसिद्धदेवेहिंतो वि उववज्जावेयव्वा । ६५७. वाणमंतरदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? किं नेरइएहिंतो जाव देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जेहिंतो असुरकुमारा । ६५८. जोइसियदेवा णं भंते ! कतोहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! एवं चव । नवरं सम्मुच्छिमअसंखेज्जवासाउयखहयर-अंतरदीवमणुस्सवज्जेहिंतो

उववज्जावेयव्वा । ६५९. एवं चेव वेमाणिया वि सोहम्मीसाणगा भाणितव्वा । ६६०. एवं सर्णकुमारगा वि । णवरं असंखेज्जवासाउयअकम्मभूमगवज्जेहितो उववज्जंति । ६६१. एवं जाव सहस्सारकप्पोवगवेमाणियदेवा भाणितव्वा । ६६२. १ आणयदेवा णं भंते ! कतोहितो उववज्जंति ? किं नेरइएहितो जाव देवेहितो उववज्जंति ? गोयमा ! नो नेरइएहितो उववज्जंति, नो तिरिक्खजोणिएहितो उववज्जंति, मणुस्सेहितो उववज्जंति, नो देवेहितो । २ जति मणुस्सेहितो उववज्जंति किं सम्मुच्छिममणुस्सेहितो गब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति ? गोयमा ! गब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति, नो सम्मुच्छिममणुस्सेहितो । ३ जति गब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति, नो अकम्मभूमगेहितो उववज्जंति, नो अंतरदीवगेहितो । ४ जइ कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति किं संखेज्जवासाउयेहितो उववज्जंति ? असंखेज्जवासाउएहितो उववज्जंति ? गोयमा ! संखेज्जवासाउएहितो, नो असंखेज्जवासाउएहितो उववज्जंति । ५ जति संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति किं पज्जत्तएहितो अपज्जत्तएहितो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति, णो अपज्जत्तएहितो । ६ जति पज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति किं सम्मदिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगेहितो उववज्जंति ? मिच्छदिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयेहितो उववज्जंति ? सम्मामिच्छदिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति ? गोयमा ! सम्मदिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो वि उववज्जंति, मिच्छदिट्ठिपज्जत्तगेहितो वि उववज्जंति, णो सम्मामिच्छदिट्ठिपज्जत्तगेहितो उववज्जंति । ७ जति सम्मदिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति किं संजतसम्मदिट्ठिहितो ? असंजतसम्मदिट्ठिपज्जत्तएहितो ? संजयासंजयसम्मदिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जेहितो उववज्जंति ? गोयमा ! तीहितो वि उववज्जंति । ६६३. एवं जाव अच्चुओ कप्पो । ६६४. एवं गेवेज्जगदेवा वि । णवरं असंजत-संजतासंजतेहितो वि एते पडिसेहेयव्वा । ६६५. १ एवं जहेव गेवेज्जगदेवा तहेव अणुत्तरोववाइया वि । णवरं इमं णाणत्तं-संजया चेव । २ जति संजतसम्मदिट्ठिपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणुस्सेहितो उववज्जंति किं पमत्तसंजतसम्मदिट्ठिपज्जत्तएहितो अपमत्तसंजतेहितो उववज्जंति ? गोयमा ! अपमत्तसंजएहितो उववज्जंति, नो पमत्तसंजएहितो उववज्जंति । ३ जति अपमत्तसंजएहितो उववज्जंति किं इट्ठिपत्तअपमत्तसंजतेहितो उववज्जंति ? अणिट्ठिपत्तअपमत्तसंजतेहितो उववज्जंति ? गोयमा ! दोहितो वि उववज्जंति । दारं ५ ॥ [सुत्ताइं ६६६ - ६७६. छट्ठं उव्वट्ठणादारं] ६६६. १ नेरइया णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठिता कहिं गच्छंति ? कहिं उववज्जंति ? किं नेरइएसु उववज्जंति ? तिक्खिजोणिएसु उववज्जंति ? मणुस्सेसु उववज्जंति ? देवेसु उववज्जंति ? गोयमा ! णो नेरइएसु उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति, मणुस्सेसु उववज्जंति, नो देवेसु उववज्जंति । २ जति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति, किं एगिदिय जाव पंचेदियतिक्खिजोणिएसु उववज्जंति ? गोयमा ! नो एगिदिएसु जाव नो चउरिदिएसु उववज्जंति, पंचिदिएसु उववज्जंति । ३ एवं जेहितो उववाओ भणितो तेसु उव्वट्ठणा वि भाणितव्वा । णवरं सम्मुच्छिमेषु ण उववज्जंति । ६६७. एवं सव्वपुढवीसु भाणितव्वं । नवरं अहेसत्तमाओ मणुस्सेसु ण उववज्जंति । ६६८. १ असुरकुमारा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठिता कहिं गच्छंति ? कहिं उववज्जंति ? किं नेरइएसु उववज्जंति ? जाव देवेसु उववज्जंति ? गोयमा ! णो नेरइएसु उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति, मणुस्सेसु उववज्जंति, नो देवेसु उववज्जंति । २ जइ तिक्खिजोणिएसु उववज्जंति किं एगिदिएसु जाव पंचेदियतिक्खिजोणिएसु उववज्जंति ? गोयमा ! एगिदियतिक्खिजोणिएसु उववज्जंति, नो बेइदिएसु [ग्रन्थाग्रम् ३५००] जाव नो चउरिदिएसु उववज्जंति, पंचेदियतिक्खिजोणिएसु उववज्जंति । ३ जति एगिदिएसु उववज्जंति किं पुढविकाइयए गिदिएसु जाव वणस्सइकाइयएगिदिएसु उववज्जंति ? गोयमा ! पुढविकाइयएगिदिएसु वि आउकाइयएगिदिएसु वि उववज्जंति, नो तेउकाइएसु नो वाउकाइएसु उववज्जंति, वणस्सइकाइएसु उववज्जंति । ४ जति पुढविकाइएसु उववज्जंति किं सुहुमपुढविकाइएसु उववज्जंति ? बादरपुढविकाइएसु उववज्जंति ? गोयमा ! बादरपुढविकाइएसु

उववज्जंति, नो सुहुमपुढविकाइएसु । ५ जइ बादरपुढविकाइएसु उववज्जंति किं पज्जत्तगबादरपुढविकाइएसु उववज्जंति ? अपज्जत्तयबायरपुढविकाइएसु उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तएसु उववज्जंति, नो अपज्जत्तएसु । ६ एवं आउ-वणस्सतीसु वि भाणितव्वं । ७ पंचेदियतिरिक्खजोणिय-मणूसेसु य जहा नेरइयाणं उव्वट्टणा सम्मुच्छिमवज्जा तहा भाणितव्वा । ८ एवं जाव थणियकुमारा । ६६९. १ पुढविकाइया णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति ? कहिं उववज्जंति ? किं नेरइएसु जाव देवेसु ? गोयमा ! नो नेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिय - मणूसेसु उववज्जंति, नो देवेसु । २ एवं जहा एतेसिं चैव उववाओ तहा उव्वट्टणा वि भाणितव्वा । ६७०. एवं आउ-वणस्सइ-बेइंदिय-तेइंदिय-चउरेदिया वि । ६७१. एवं तेऊ वाऊ वि । णवरं मणुस्सवज्जेसु उववज्जंति । ६७२. १ पंचेदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ? किं नेरइएसु जाव देवेसु ? गोयमा ! नेरइएसु उववज्जंति जाव देवेसु उववज्जंति । २ जदि णेरइएसु उववज्जंति किं रयणप्पभाबुढविनेरइएसु उववज्जंति जाव अहेसत्तमापुढविनेरइएसु उववज्जंति ? गोयमा ! रयणप्पभापुढविनेरइएसु वि उववज्जंति जाव अथेसत्तमापुढविनेरइएसु वि उववज्जंति । ३ जइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति किं एगिदिएसु जाव पंचेदिएसु ? गोयमा ! एगिदिएसु वि उववज्जंति जाव पंचेदिएसु वि उववज्जंति । ४ एवं जहा एतेसिं चैव उववाओ उव्वट्टणा वि तहेव भाणितव्वा । नवरं असंखेज्जवासाउएसु वि एते उववज्जंति । ५ जति मणुस्सेसु उववज्जंति किं सम्मुच्छिममणुस्सेसु उववज्जंति गब्भवक्कंतियमणूसेसु उववज्जंति ? गोयमा ! दोसु वि उववज्जंति । ६ एवं जहा उववाओ तहेव उव्वट्टणा वि भाणितव्वा । नवरं अकम्मभूमग- अंतरदीवग - असंखेज्जवासाउएसु वि एते उववज्जंति त्ति भाणितव्वं । ७ जति देवेसु उववज्जंति किं भवणवतीसु उववज्जंति ? जाव किं वेमाणिएसु उववज्जंति ? गोयमा ! सव्वेसु चैव उववज्जंति । ८ जति भवणवतीसु उववज्जंति किं असुरकुमारेसु उववज्जंति ? जाव थणियकुमारेसु उववज्जंति ? गोयमा ! सव्वेसु चैव उववज्जंति । ९ एवं वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिसु निरंतरं उववज्जंति जाव सहस्सारो कप्पो ति । ६७३. १ मणुस्सा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति ? कहिं उववज्जंति ? किं नेरइएसु उववज्जंति जाव देवेसु उववज्जंति ? गोयमा ! नेरइएसु वि उववज्जंति जाव देवेसु वि उववज्जंति । २ एवं निरंतरं सव्वेसु ठाणेसु उववज्जंति, ण कहिचि पडिसेहो कायव्वो जाव सव्वट्टगसिद्धदेवेसु वि उववज्जंति, अत्थेगतिया सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणं अंतं करेति । ६७४. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया सोहम्मीसाणा य जहा असुरकुमारा । नवरं जोइसियाणं वेमाणियाण य चयंतीति अभिंलावो कातव्वो । ६७५. सणंकुमारदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहा असुरकुमारा । नवरं एगिदिएसु ण उववज्जंति । एवं जाव सहस्सारगदेवा । ६७६. आणय जाव अणुत्तरोववाइया देवा एवं चैव । णवरं णो तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति, मणूसेसु पज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगब्भवक्कंतियमणूसु उववज्जंति । दारं ६ ॥ [सुत्ताइं ६७७-६८३. सत्तमं परभवियाउयंदारं] ६७७. नेरइया णं भंते ! कतिभागासेसाउया परभवियाउयं पकरेति ? गोयमा ! णियमा छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं पकरेति । ६७८. एवं असुरकुमारा वि जाव थणियकुमारा । ६७९. पुढविकाइया णं भंते ! कतिभागावसेसाउया परभवियाउयं पकरेति ? गोयमा ! पुढविकाइया दुविहा पणत्ता । तं जहा- सोवक्कमाउया य निरुवक्कमाउया य । तत्थ णं जे ते निरुवक्कमाउया ते णियमा तिभागावसेसाया परभवियाउयं पकरेति । तत्थ णं जे ते सोवक्कमाउया ते सिय तिभागावसेसाउया परभवियाउयं पकरेति, सिय तिभागतिभागावसेसाउया परभवियाउयं पकरेति, सिय तिभागतिभागावसेसाउया परभवियाउयं पकरेति । ६८०. आउ-तेउ-वाउ-वणप्फइकाइयाणं बेइंदिय -चउरिदियाण वि एवं चैव । ६८१. पंचेदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! कतिभागावसेसाउया परभवियाउयं पकरेति ? गोयमा ! पंचेदियतिरिक्खजोणिया दुविहा पणत्ता । तं जहा- संखेज्जवासाउया य असंखेज्जवासाउया य । तत्थ णं जे ते असंखेज्जवासाउया ते नियमा छम्मासावसेसाउया परभवियाउयं पकरेति । तत्थ णं जे ते संखेज्जवासाउया ते दुविहा पणत्ता । तं जहा-सोवक्कमाउया य निरुवक्कमाउया य । तत्थ णं जे ते निरुवक्कमाउया ते णियमा तिभागावसेसाउया परभवियाउयं पकरेति । तत्थ णं जे ते सोवक्कमाउया ते णं सिय तिभागे परभवियाउयं पकरेति, सिय तिभागतिभागे य परभवियाउयं पकरेति, सिय तिभागतिभागावसेसाउया परभवियाउयं पकरेति । ६८२. एवं मणूसु वि । ६८३. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा नेरइया । दारं ७ ॥ [सुत्ताइं ६८४.-६९२. अट्टमं आगरिसदारं]

६८४. कतिविधे णं भंते ! आउयबंधे पणवन्ते ? गोयमा ! छव्विधे आउयबंधे पणवन्ते । तं जहा-जातिणामणिहत्ताउए १ गइनामनिहत्ताउए २ ठितीनामनिहत्ताउए ३ ओगाहणाणामणिहत्ताउए ४ पदेसाणामणिहत्ताउए ५ अणुभावणामणिहत्ताउए ६ । ६८५. नेरइयाणं भंते ! कतिविधे आउयबंधे पणवन्ते ? गोयमा ! छव्विधे आउयबंधे पणवन्ते । तं जहा - जातिणामनिहत्ताउए १ गतिणामनिहत्ताउए २ ठितीणामणिहत्ताउए ३ ओगाहणाणामनिहत्ताउए ४ पदेसाणामनिहत्ताउए ५ अणुभावणामनिहत्ताउए ६ । ६८६. एवं जाव वेमाणियाणं । ६८७. जीवा णं भंते ! जातिणामणिहत्ताउयं कतिहिं आगरिसेहिं पकरेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा, उक्कोसेणं अट्टहिं । ६८८. नेरइयाणं भंते ! जाइनामनिहत्ताउयं कतिहिं आगरिसेहिं पकरेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा, उक्कोसेणं अट्टहिं । ६८९. एवं जाव वेमाणिया । ६९०. एवं गतिणामणिहत्ताउए वि ठितीणामनिहत्ताउए वि ओगाहणाणामनिहत्ताउए वि पदेसाणामनिहत्ताउए वि अणुभावणामनिहत्ताउए वि । ६९१. एतेसि णं भंते ! जीवाणं जातिनामनिहत्ताउयं जहण्णेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं अट्टहिं आगरिसेहिं पकरेमाणायं कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा जातिणामणिहत्ताउयं अट्टहिं आगरिसेहिं पकरेमाणा, सत्तहिं आगरिसेहिं पकरेमाणा संखेज्जगुणा, छहिं आगरिसेहिं पकरेमाणा संखेज्जगुणा, एवं पंचहिं संखेज्जगुणा, चउहिं संखेज्जगुणा, तिहिं संखेज्जगुणा, दोहिं संखेज्जगुणा, एगेणं आगरिसेणं पगरेमाणा संखेज्जगुणा । ६९२. एवं एतेणं अभिलावेणं जाव अणुभावनिहत्ताउयं । एवं एते छ प्पि य अप्पाबहुदंडगा जीवादीया भाणियव्वा । दारं ८ ॥ **★ ★ ★ ॥ पणवणाए भगवईए छट्ठं वक्रतिपयं समत्तं ॥ ★ ★ ★ ७. सत्तमं उस्सासपयं ★ ★ ★ [सुत्तं ६९३. नेरइयाणं उस्सासविरहकालो ] ६९३. नेरइया णं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ? गोयमा ! सततं संतयामेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा । [सुत्ताइं ६९४ - ६९६.] भवणवासीणं उस्सासविरहकालो ६९४. असुरकुमाराणं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तण्हं थोवाणं, उक्कोसेणं सातिरेगस्स पक्खस्स वा आणमंति वा जाव नीससंति वा । ६९५. णागगुमारा णं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तण्हं थोवाणं, उक्कोसेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स । ६९६. एवं जाव थणियकुमाराणं । ६९७-६९८. एगिदियाईणं उस्सासविरहकालो ६९७. पुढविकाइया णं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! वेमायाए आणमंति वा जाव नीससंति वा । ६९८. एवं जाव मणूसा । [सुत्तं ६९९. वाणमंतराणं उस्सासविरहकालो ] ६९९. वाणमंतरा जहा णागकुमारा । [सुत्तं ७००. जोइसियाणं उस्सासविरहकालो] ७००. जोइसिया णं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं वि मुहुत्तपुहुत्तस्स जाव नीससंति वा । [सुत्ताइं ७०१-७२४. वेमाणियाणं उस्सासविरहकालो ] ७०१. वेमाणिया णं भंते ! केविकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७०२. सोहम्मगदेवा णं भंते ! केविकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं दोण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७०३. ईसाणगदेवा णं भंते ! केविकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सातिरेगस्स मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं सातिरेगाणं दोण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७०४. सणकुमारदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं दोण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं सत्तण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७०५. माहिंदगदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सातिरेगाणं दोण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं सातिरेगाणं सत्तण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७०६. बंभलोगदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं दसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७०७. लंतगदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं दसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं**

चोदसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७०८. महासुक्कदेवा णं भंते ! केवतिकालस्सआणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं चोदसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं सत्तरसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७०९. सहस्सारगदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तरसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं अट्टारसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७१०. आणयदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्टारसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं एकूणवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७११. पाणयदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं एगूणवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं वीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७१२. आरणदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं वीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं एगवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७१३. अच्चुयदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं एकवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं बावीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७१४. हेट्टिमहेट्टिमगेविज्जगदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं बावीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं तेवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७१५. हेट्टिममज्झिमगेवेज्जगदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं तेवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं चउवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७१६. हेट्टिमउवरिमगेवेज्जगा णं देवा णं भंते ! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं चउवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं पणुवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७१७. मज्झिमहेट्टिमगेवेज्जगा णं भंते ! देवाणं केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं पणुवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं छव्वीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७१८. मज्झिममज्झिमगेवेज्जगदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं छव्वीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं सत्तावीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७१९. मज्झिमउवरिमगेवेज्जगा णं भंते ! देवा णं केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तावीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं अट्टावीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७२०. उवरिमहेट्टिमगेवेज्जगा णं भंते ! देवा णं केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्टावीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं एगूणतीसासाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७२१. उवरिमज्झिमगेवेज्जगा णं भंते ! देवा णं केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं एगूणतीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७२२. उवरिमउवरिमगेवेज्जगा णं भंते ! देवा णं केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं एकतीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७२३. विजय-वेजयंत-जयंतापराजितविमाणेसु णं भंते ! देवा केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहण्णेणं एकतीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा, उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ७२४. सव्वद्वसिद्धगदेवा णं भंते ! केवतिकालस्स जाव नीससंति वा ? गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा । ★★ ★॥ पणवणाए भगवईए सत्तमं उस्सासपयं समत्तं ॥ ★★ ★८. अट्टमं सण्णापयं★ ★ ★ सुत्तं ७२५. सण्णाभेयपरूवणं ७२५. कति णं भंते ! सण्णाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! दस सण्णाओ पण्णत्ताओ । तं जहा - आहारसण्णा १ भयसण्णा २ मेहूणसण्णा ३ परिग्गहसण्णा ४ कोहसण्णा ५ माणसण्णा ६ मायासण्णा ७ लोभसण्णा ८ लोगसण्णा ९ ओघसण्णा १० । [सुत्ताइं ७२६ - ७२९. नेरइयाईणं सण्णाओ] ७२६. नेरइयाणं भंते ! कति सण्णाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! दस सण्णाओ पण्णत्ताओ । तं जहा - आहारसण्णा १ भयसण्णा २ मेहूणसण्णा ३ परिग्गहसण्णा ४ कोहसण्णा ५ माणसण्णा ६ मायासण्णा ७ लोभसण्णा ८ लोगसण्णा ९ ओघसण्णा १० । असुरकुमारणं भंते ! कति सण्णाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! दस सण्णाओ पण्णत्ताओ । तं जहा - आहारसण्णा जाव ओघसण्णा । ७२९. एवं पुढविकाइयाणं वेमाणियावसाणाणं णेयव्वं । [सुत्ताइं ७३०-७३१. नेरइयाणं सण्णावियारो] ७३०. नेरइया णं भंते ! किं आहारसण्णोवउत्ता भयसण्णोवउत्ता

मेहुणसण्णोवउत्ता परिग्गहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! ओसण्णकारणं पडुच्च भयसण्णोवउत्ता, संतइभावं पडुच्च आहारसण्णोवउत्ता वि जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता वि । ७३१. एतेसि णं भंते ! नेरइयाणं आहारसण्णोवउत्ताणं भयसण्णोवउत्ताणं मेहुणसण्णोवउत्ताणं परिग्गहसण्णोवउत्ताण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सब्वत्थोवा नेरइया मेहुणसण्णोवउत्ता, आहारसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा, परिग्गहसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा, भयसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा । [सुत्ताइं ७३२-७३३. तिरिक्खजोणियाणं सण्णावियारो] ७३२. तिरिक्खजोणियाणं भंते ! किं आहारसण्णोवउत्ता जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! ओसण्णकारणं पडुच्च आहारसण्णो वउत्ता, संतइभावं पडुच्च आहारसण्णोवउत्ता वि जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता वि । ७३३. एतेसि णं भंते ! तिरिक्खजोणियाणं आहारसण्णोवउत्ताणं जाव परिग्गहसण्णोवउत्ताण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सब्वत्थोवा तिरिक्खजोणिया परिग्गहसण्णोवउत्ता, मेहुणसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा, भयसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा, आहारसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा । [सुत्ताइं ७३४-७३५. मणुस्साणं सण्णाहियारो ] ७३४. मणुस्सा णं भंते ! किं आहारसण्णोवउत्ता जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! ओसण्णकारणं पडुच्च मेहुणसण्णोवउत्ता, संततिभावं पडुच्च आहारसण्णोवउत्ता वि जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता वि । ७३५. एतेसि णं भंते ! मणुस्साणं आहारसण्णोवउत्ताणं जाव परिग्गहसण्णोवउत्ताण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सब्वत्थोवा मणुसा भयसण्णोवउत्ता, आहारसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा, परिग्गहसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा, मेहुणसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा । [सुत्ताइं ७३६-७३७. देवाणं सण्णावियारो] ७३६. देवा णं भंते ! किं आहारसण्णोवउत्ता जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता ? गोयमा ! उस्सण्णकारणं पडुच्च परिग्गहसण्णोवउत्ता, संततिभावं पडुच्च आहारसण्णोवउत्ता वि जाव परिग्गहसण्णोवउत्ता वि । ७३७. एतेसि णं भंते ! देवाणं आहारसण्णोवउत्ताणं जाव परिग्गहसण्णोवउत्ताण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सब्वत्थोवा देवा आहारसण्णोवउत्ता, भयसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा, मेहुणसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा, परिग्गहसण्णोवउत्ता संखेज्जगुणा । ★★ ★॥ पणवणाए भगवइए अट्टमं सण्णापयं समत्तं ॥ ★★ ★९. णवमं जोणीपयं सुत्ताइं ★★ ★ [७३८-७५३. नेरइयाइसु सीयाइजोणीओ ] ७३८. कतिविहा णं भंते ! जोणी पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी पणत्ता ? तं जहा-सीता जोणी १ उसिणा जोणी २ सीतोसिणा जोणी ३ । ७३९. नेरइयाणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ? गोयमा ! सीता वि जोणी, उसिणा वि जोणी, नो सीतोसिणा जोणी । ७४०. असुरकुमाराणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ? गोयमा ! नो सीता, नो उसिणा, सीतोसिणा जोणी । ७४१. एवं जाव थणियकुमाराणं । ७४२. पुढविकाइयाणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ? गोयमा ! सीता वि जोणी, उसिणा वि जोणी, सीतोसिणा वि जोणी । ७४३. एवं आउ-वाउ-वणस्सति-बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिदियाण वि पत्तेयं भाणियव्वं । ७४४. तेउक्काइयाणं नो सीता, उसिणा, नो सीतोसिणा । ७४५. पंचेदियतिक्खजोणियाणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ? गोयमा ! सीता वि जोणी, उसिणा वि जोणी, सीतोसिणा वि जोणी । ७४६. सम्मुच्छिमपंचेदियतिक्खजोणियाणं एवं चेव । ७४७. गब्भवक्कतियपंचेदियतिक्खजोणियाणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणाजोणी ? गोयमा ! नो सीता जोणी, नो उसिणा जोणी, सीतोसिणा जोणी । ७४८. मणुस्साणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ? गोयमा ! सीता वि जोणी, उसिणा वि जोणी, सीतोसिणा वि जोणी । ७४९. सम्मुच्छिममणुस्साणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ? गोयमा ! तिविहा वि जोणी । ७५०. गब्भवक्कतियमणुस्साणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ? गोयमा ! नो सीता जोणी, नो उसिणा जोणी, सीतोसिणा जोणी । ७५१. वाणमंतरदेवाणं भंते ! किं सीता जोणी उसिणा जोणी सीतोसिणा जोणी ? गोयमा ! नो सीता, नो उसिणा जोणी, सीतोसिणा जोणी । ७५२. जोइसिय-वेमाणियाण वि एवं चेव । ७५३. एतेसि णं भंते ! जीवाणं सीतजोणिया णं उसिणजोणियाणं सीतोसिणजोणियाणं

अजोणियाण य कतरे कतरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सीतोसिणजोणिया, उसिणजोणिया असंखेज्जगुणा, अजोणिया अणंतगुणा, सीतजोणिया अणंतगुणा । १॥ [सुत्ताइं ७५४-७६३. नेरइयाइसु सचित्ताइजोणीओ] ७५४. कतिविहा णं भंते ! जोणी पणत्ता ? गोयमा ! तेविहा जोणी पणत्ता । तं जहा - सचित्ता १ अचित्ता २ मीसिया ३ । ७५५. नेरइयाणं भंते ! किं सचित्ता जोणी अचित्ता जोणी मीसिया जोणी ? गोयमा ! नो सचित्ता जोणी, अचित्ता जोणी णो मीसिया जोणी । ७५६. असुरकुमाराणं भंते ! किं सचित्ता जोणी अचित्ता जोणी मीसिया जोणी ? गोयमा ! नो सचित्ता जोणी, अचित्ता जोणी, नो मीसिया जोणी । ७५७. एवं जाव थणियकुमाराणं । ७५८. पुढविकाइयाणं भंते ! किं सचित्ता जोणी अचित्ता जोणी मीसिया जोणी ? गोयमा ! सचित्ता वि जोणी, अचित्ता वि जोणी, मीसिया वि जोणी । ७५९. एवं जाव चउरिदियाणं । ७६०. सम्मुच्छिमपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं सम्मुच्छिममणुस्साण य एवं चेव । ७६१. गम्भवक्कंतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं गम्भवक्कंतियमणुस्साण य नो सचित्ता, नो अचित्ता, मीसिया जोणी । ७६२. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं । ७६३. एतेसि णं भंते ! जीवाणं सचित्तजोणीणं अचित्तजोणीणं मीसजोणीणं अजोणीणं य कतरे कतरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मीसजोणिया, अचित्तजोणिया असंखेज्जगुणा, अजोणिया अणंतगुणा, सचित्तजोणिया अणंतगुणा । २॥ [सुत्ताइं ७६४ - ७७२. नेरइयाइसु संवुडाइजोणीओ] ७६४. कतिविहा णं भंते ! जोणी पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी पणत्ता । तं जहा-संवुडा जोणी १ वियडा जोणी २ संवुडवियडा जोणी ३ । ७६५. नेरइयाणं भंते ! किं संवुडा जोणी वियडा जोणी संवुडवियडा जोणी ? गोयमा ! संवुडा जोणी, नो वियडा जोणी, नो संवुडवियडा जोणी । ७६६. एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । ७६७. बेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! नो संवुडा जोणी, वियडा जोणी, णो संवुडवियडा जोणी । ७६८. एवं जाव चउरिदियाणं । ७६९. सम्मुच्छिमपंचिदियतिरिक्खजोणियाणं सम्मुच्छिममणुस्साण य एवं चेव । ७७०. गम्भवक्कंतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं गम्भवक्कंतियमणुस्साण य नो संवुडा जोणी, नो वियडा जोणी, संवुडवियडा जोणी । ७७१. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाणं जहा नेरइयाणं । ७७२. एतेसि णं भंते ! जीवाणं संवुडजोणियाणं वियडजोणियारणं संवुडवियडजोणियाणं अजोणियाणं य कतरे कतरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा संवुडवियडजोणिया, वियडजोणिया असंखेज्जगुणा, अजोणिया अणंतगुणा, संवुडजोणिया अणंतगुणा । ३॥ [सुत्तं ७७३. मणुस्सेसु तिविहा जोणी] ७७३. १ कतिविहा णं भंते ! जोणी पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी पणत्ता । तं जहा - कुम्मुण्णया १ संखावत्ता २ वंसीपत्ता ३ । २ कुम्मुण्णया णं जोणी उत्तमपुरिसमाऊणं । कुम्मुण्णयाए णं जोणीए उत्तमपुरिसा गम्भे वक्कमंति । तं जहा - अरहंता चक्कवट्ठी बलदेवा वासुदेवा । ३ संखावत्ता णं जोणी इत्थिरयणस्स । संखावत्ताए णं जोणीए बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उवचयंति, नो चेव णं निप्फज्जंति । ४ वंसीपत्ता णं जोणी पिहुजणस्स । वंसीपत्ताए णं जोणीए पिहुजणे गम्भे वक्कमंति । ४ ॥ ☆☆☆ ॥ पणवणाए भगवइए णवमं जोणीपयं समत्तं ॥ ☆☆☆ १०. दसमं चरिमपयं सुत्ताइं ☆☆☆ [ ७७४-७७६. लोगालोगाणं चरिमाचरिमविभागो ] ७७४. कति णं भंते ! पुढवीओ पणत्ताओ ? गोयमा ! अट्ट पुढवीओ पणत्ताओ । तं जहा - रयणप्पभा १ सक्करप्पभा २ वालुयप्पभा ३ पंकप्पभा ४ धूमप्पभा ५ तमप्पभा ६ तमतमप्पभा ७ ईसीपब्भारा ८ । ७७५. इमा णं भंते ! रयणप्पभा पुढवी किं चरिमा अचरिमा चरिमाइं अचरिमाइं चरिमंतपदेसा अचरिमंतपदेसा ? गोयमा ! इमा णं रतणप्पभा पुढवी नो चरिमा नो अचरिमा नो चरिमाइं नो अचरिमाइं नो चरिमंतपदेसा नो अचरिमंतपदेसा, णियमा अचरिमं च चरिमाणि य चरिमंतपदेसा य अचरिमंतपदेसा य । ७७६. एवं जाव अहेसत्तमा पुढवी । सोहम्मादी जाव अणुत्तरविमाणा एवं चेव । ईसीपब्भारा वि एवं चेव । लोगे वि एवं चेव । एवं अलोगे वि । [सुत्ताइं ७७७-७८०. चरिमाचरिमपयाणं अप्पबहुत्तं] ७७७. इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए अचरिमस्स य चरिमाण य चरिमंतपदेसाण य अचरिमंतपदेसाण य दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कतरे कतरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे इमीसे रतणप्पभाए पुढवीए दव्वट्टयाए एगे अचरिमे, चरिमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाहियाइं ।

पदेसद्वयाए सव्वत्थोवा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए चरिमंतपदेसा, अचरिमंतपएसा असंखेज्जगुणा, चरिमंतपएसा य अचरिमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया । दव्वद्वपदेसद्वयाए सव्वत्थोवा इमीसे रतणप्पभाए पुढवीए दव्वद्वयाए एगे अचरिमे, चरिमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाहियाइं, चरिमंतपएसा असंखेज्जगुणा, अचरिमंतपएसा असंखेज्जगुणा, चरिमंतपएसा य अचरिमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया । ७७८. एवं जाव अहेसत्तमा । सोहम्मस्स जाव लोगस्स य एवं चेव । ७७९. अलोगस्स णं भंते ! अचरिमस्स य चरिमाण य चरिमंतपएसाण य अचरिमंतपएसाण य दव्वद्वयाए पदेसद्वयाए दव्वद्वपदेसद्वयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे अलोगस्स दव्वद्वयाए एगे अचरिमे, चरिमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाहियाइं । पदेसद्वयाए सव्वत्थोवा अलोगस्स चरिमंतपदेसा, अचरिमंतपदेसा अणंतगुणा चरिमंतपदेसा य अचरिमंतपदेसा य दो वि विसेसाहिया । दव्वद्वपदेसद्वयाए सव्वत्थोवे अलोगस्स दव्वद्वयाए एगे अचरिमे, चरिमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाहियाइं, चरिमंतपदेसा असंखेज्जगुणा, अचरिमंतपदेसा अणंतगुणा, चरिमंतपएसा य अचरिमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया । ७८०. लोगालोगस्स णं भंते ! अचरिमस्स च चरिमाण य चरिमंतपए साण य अचरिमंतपएसाण य दव्वद्वयाए पदेसद्वयाए दव्वद्वपएसद्वयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे लोगालोगस्स दव्वद्वयाए एगमेगे अचरिमे, लोगस्स चरिमाइं असंखेज्जगुणाइं, अलोगस्स चरिमाइं विसेसाधियाइं, लोगस्स य अलोगस्स य अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाधियाइं । पदेसद्वयाए सव्वत्थोवा लोगस्स चरिमंतपदेसा, अलोगस्स चरिमंतपदेसा विसेसाहिया, लोगस्स अचरिमंतपदेसा, असंखेज्जगुणा, अलोगस्स अचरिमंतपदेसा अणंतगुणा, लोगस्स य अलोगस्स य चरिमंतपदेसा य अचरिमंतपदेसा य दो वि विसेसाहिया । दव्वद्वपदेसद्वयाए सव्वत्थोवे लोगालोगस्स दव्वद्वयाए एगमेगे अचरिमे, लोगस्स चरिमाइं असंखेज्जगुणाइं, अलोगस्स चरिमाइं विसेसाहियाइं, लोगस्स य अलोगस्स य अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाहियाइं, लोगस्स चरिमंतपएसा असंखेज्जगुणा, अलोगस्स चरिमंतपएसा विसेसाहिया, लोगस्स अचरिमंतपएसा असंखेज्जगुणा, अलोगस्स अचरिमंतपएसा अणंतगुणा, लोगस्स य अलोगस्स य चरिमंतपएसा य अचरिमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया, सव्वदव्वा विसेसाहिया, सव्वपएसा अणंतगुणा, सव्वपज्जवा अणंतगुणा । [सुत्ताइं ७८१ - ७९०. परमाणुपोग्गलाईणं चरिमाचरिमाइविभागो] ७८१. परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं चरिमे १ अचरिमे २ अवत्तव्वए ३ ? चरिमाइं ४ अचरिमाइं ५ अवत्तव्वयाइं ६ ? उदाहु चरिमे य अचरिमे य ७ उदाहु चरिमे य अचरिमाइं च ८ उदाहु चरिमाइं च अचरिमे य ९ उदाहु चरिमाइं च अचरिमाइं च १० ? पढमा चउभंगी, उदाहु चरिमे य अवत्तव्वए य ११ उदाहु चरिमे य अवत्तव्वयाइं च १२ उदाहु चरिमाइं च अवत्तव्वए य १३ उदाहु चरिमाइं च अवत्तव्वयाइं च १४ ? बीया चउभंगी, उदाहु अचरिमे य अवत्तव्वए य १५ उदाहु अचरिमे य अवत्तव्वयाइं च १६ उदाहु अचरिमे य अवत्तव्वए य १७ उदाहु अचरिमाइं च अवत्तव्वयाइं च १८ ? तइया चउभंगी, उदाहु चरिमे य अचरिमे य अवत्तव्व य १९ उदाहु चरिमे य अचरिमे य अवत्तव्वयाइं च २० उदाहु चरिमे य अचरिमाइं च अवत्तव्वए य २१ उदाहु चरिमे य अचरिमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२ उदाहु चरिमाइं च अचरिमे य अवत्तव्वए य २३ उदाहु चरिमाइं च अचरिमे य अवत्तव्वयाइं च २४ उदाहु चरिमाइं च अचरिमाइं च अवत्तव्वए य २५ उदाहु चरिमाइं च अचरिमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६ ? एवं एते छव्वीसं भंगा, गोयमा ! परमाणुपोग्गले नो चरिमे १ नो अचरिमे २ नियमा अवत्तव्वए ३, सेसा २३ भंगा पडिसेहेयव्व । ७८२. दुपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा । गोयमा ! दुपएसिए खंधे सिय चरिमे १ नो अचरिमे २ सिय अवत्तव्वए सेसा २३ भंग्ग पडिसेहेयव्व । ७८३. तिपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा । गोयमा ! तिपएसिएहिं खंधे सिय चरिमे १ नो अचरिमे २ सिय अवत्तव्वए ३ नो चरिमाइं ४ णो अचरिमाइं ५ नो अवत्तव्वयाइं ६, नो चरिमे य अचरिमे य ७ नो चरिमे य अचरिमाइं ८ सिय चरिमाइं च अचरिमे य ९ नो चरिमाइं च अचरिमाइं च १०, सिय चरिमे य अवत्तव्वए य ११, सेसा १५ भंगा पडिसेहेयव्व । ७८४. चउपण्णिए णं भंते ! खंधे पुच्छा । गोयमा !



चरिमे य अचरिमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२ सिय चरिमाइं च अचरिमे य अवत्तव्वए य २३ सिय चरिमाइं च अचरिमे य अवत्तव्वयाइं च २४ सिय चरिमाइं च अचरिमाइं च अवत्तव्वए य २५ सिय चरिमाइं च अचरिमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६ । ७८९. संखेज्जपएसिए असंखेज्जपएसिए अणंतपएसिए खंधे जहेव अट्टपदेसिए तहेव पत्तेयं भाणितव्वं । ७९०. परमाणुम्मि य ततिओ पढमो ततिओ य होति दुपदेसे । पढमो ततिओ नवमो एक्कारसमो य तिपदेसे ॥१८५॥ पढमो ततिओ नवमो दसमो एक्कारसो य बारसमो । भंगा चउप्पदेसे तेवीसइमो य बोद्धव्वो ॥१८६॥ पढमो ततिओ सत्तम नव दस एक्कार बार तेरसमो । तेवीस चउव्वीसो पणुवीसइमो य पंचमए ॥१८७॥ बि चउत्थ पंच छट्ठं पणरस सोलं च सत्तरऽद्वारं । वीसेक्कवीस बावीसगं च वज्जेज्ज छट्ठम्मि ॥१८८॥ बि चउत्थ पंच छट्ठं पणर सोलं च सत्तरऽद्वारं । बावीसइमविहूणा सत्तपदेसम्मि खंधम्मि ॥१८९॥ बि चउत्थ पंच छट्ठं पणर सोलं च सत्तरऽद्वारं । एते वज्जिय भंगा सेसा सेसेसु खंधेसु ॥१९०॥

[सुत्ताइं ७९१-८०६. संठाणविवक्खाए चरिमाइविभागाइ] ७९१. कति णं भंते ! संठाणा पणत्ता ? गोयमा ! पंच संठाणा पणत्ता । तं जहा - परिमंडले १ वट्ठे २ तंसे ३ चउरंसे ४ आयते ५ । ७९२. परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता ? गोयमा ! णो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता । एवं जाव आयता । ७९३. परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं संखेज्जपएसिए असंखेज्जपएसिए अणंतपएसिए ? गोयमा ! सिय संखेज्जपएसिए सिय असंखेज्जपदेसिए सिय अणंतपदेसिए । एवं जाव आयते । ७९४. परिमंडले णं भंते ! संठाणे संखेज्जपदेसिए किं संखेज्जपदेसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे अणंतपएसोगाढे ? गोयमा ! संखेज्जपएसोगाढे, नो असंखेज्जपएसोगाढे नो अणंतपएसोगाढे । एवं जाव आयते । ७९५. परिमंडले णं भंते ! संठाणे असंखेज्जपदेसिए किं संखेज्जपदेसोगाढे असंखेज्जपदेसोगाढे अणंतपएसोगाढे ? गोयमा ! सिय संखेज्जपएसोगाढे सिय असंखेज्जपदेसोगाढे, णो अणंतपदेसोगाढे । एवं जाव आयते । ७९६. परिमंडले णं भंते ! संठाणे अणंतपएसिए किं संखेज्जपएसोगाढे असंखेज्जपएसोगाढे अणंतपएसोगाढे ? गोयमा ! सिय संखेज्जपएसोगाढे सिय असंखेज्जपएसोगाढे, नो अणंतपएसोगाढे । एवं जाव आयते । ७९७. परिमंडले णं भंते ! संठाणे संखेज्जपदेसिए संखेज्जपएसोगाढे किं चरिमे अचरिमे चरिमाइं अचरिमाइं चरिमंतपदेसा अचरिमंतपदेसा ? गोयमा ! परिमंडले णं संठाणे संखेज्जपदेसिए संखेज्जपदेसोगाढे ना चरिमे नो अचरिमे नो चरिमाइं नो अचरिमाइं नो चरिमंतपदेसा नो अचरिमंतपदेसा, नियमा अचरिमं च चरिमाणि य चरिमंतपदेसा य अचरिमंतपदेसा य । एवं जाव आयते । ७९८. परिमंडले णं भंते ! संठाणे असंखेज्जपएसिए संखेज्जपदेसोगाढे किं चरिमे० पुच्छा । गोयमा ! असंखेज्जपएसिए संखेज्जपएसोगाढे जहा संखेज्जपएसिए (सु. ७९७) । एवं जाव आयते । ७९९. परिमंडले णं भंते ! संठाणे असंखेज्जपदेसिते असंखेज्जपएसोगाढे किं चरिमे० पुच्छा । गोयमा ! असंखेज्जपदेसिए असंखेज्जपदेसोगाढे नो चरिमे जहा संखेज्जपदेसोगाढे (सु. ७९८) । एवं जाव आयते । ८००. परिमंडले णं भंते ! संठाणे अणंतपएसिए संखेज्जपएसोगाढे किं चरिमे० पुच्छा । गोयमा ! तहेव (सु. ७९७) जाव आयते । ८०१. अणंतपदेसिए असंखेज्जपदेसोगाढे जहा संखेज्जपदेसोगाढे (सु. ८००) । एवं जाव आयते । ८०२. परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स अचरिमस्स य चरिमाण य चरिमंतपदेसाण य अचरिमंतपदेसाण य दव्वट्टयाए पदेसट्टयाए दव्वट्टपदेसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स संखेज्जपदेसियस्स संखेज्जपदेसोगाढस्स दव्वट्टयाए एगे अचरिमे १ चरिमाइं संखेज्जगुणाइं २ अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाहियाइं ३ । पदेसट्टयाए सव्वत्थोवा परिमंडलस्स संठाणस्स संखेज्जपदेसियस्स संखेज्जपदेसोगाढस्स चरिमंतपदेसा १ अचरिमंतपदेसा संखेज्जगुणा २ चरिमंतपदेसा य अचरिमंतपदेसा य दो वि विसेसाहिया ३ । दव्वट्टपदेसट्टयाए सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स संखेज्जपदेसियस्स संखेज्जपदेसोगाढस्स दव्वट्टयाए एगे अचरिमे १ चरिमाइं संखेज्जगुणाइं २ अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाहियाइं ३ चरिमंतपदेसा संखेज्जगुणा ४ अचरिमंतपदेसा संखेज्जगुणा ५ चरिमंतपदेसा य अचरिमंतपदेसा य दो वि विसेसाहिया ६ । एवं वट्ठ-तंस-चउरंस-आयएसु वि जोएअव्वं । ८०३. परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स असंखेज्जपएसियस्स

संखेज्जपएसोगाढस्स अचरिमस्स य चरिमाण य चरिमंतपएसाण य अचरिमंतपएसाण य दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स असंखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स दव्वट्टयाए एगे अचरिमे १ चरिमाइं संखेज्जगुणाइं २ अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाहियाइं ३ । पदेसट्टयाए सव्वत्थोवा परिमंडलस्स संठाणस्स असंखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स चरिमंतपएसा १ अचरिमंतपएसा संखेज्जगुणा २ चरिमंतपएसा य अचरिमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया ३ । दव्वट्टपएसट्टयाए सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स असंखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्सदव्वट्टयाए एगे अचरिमे १ चरिमाइं संखेज्जगुणाइं २ अचरिमं च चरिमाणि य दो वि विसेसाहियाइं ३ चरिमंतपएसा संखेज्जगुणा ४ अचरिमंतपएसा संखेज्जगुणा ५ चरिमंतपएसा य अचरिमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया ६ । एवं जाव आयते । ८०४. परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स असंखेज्जपदेसियस्स असंखेज्जपएसोगाढस्स अचरिमस्स य चरिमाण य चरिमंतपएसाण य अचरिमंतपएसाण य दव्वट्टयाए पएसट्टयाए दव्वट्टपएसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहा रयणप्पभाए अप्पाबहुयं (सु. ७७७) तहेव गिरवसेसं भाणियव्वं । एवं जाव आयते । ८०५. परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स अणंतपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स अचरिमस्स य ४ दव्वट्टयाए ३ कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहा संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स (सु. ८०२) । णवरं संकमे अणंतगुणा । एवं जाव आयते । ८०६. परिमंडलस्स णं भंते ! संठाणस्स अणंतपएसियस्स असंखेज्जपएसोगाढस्स अचरिमस्स य ४ जहा रयणप्पभाए (सु. ७७७) । णवरं संकमे अणंतगुणा । एवं जाव आयते । [सुत्ताइं ८०७-८०९. गतिचरिमाचरिमाइं] ८०७. जीवे णं भंते ! गतिचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । ८०८. १ णेरतिए णं भंते ! गतिचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं णिरंतरं जाव वेमाणिए । ८०९. १ णेरतिया णं भंते ! गतिचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं णिरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८१०-८११. ठितिचरिमाचरिमाइं] ८१०. १ णेरइए णं भंते ! ठितीचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं णिरंतरं जाव वेमाणिए ८११. १ णेरतिया णं भंते ! ठितीचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८१२-८१३. भवचरिमाचरिमाइं] ८१२. १ णेरइए णं भंते ! भवचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिए । ८१३. १ णेरइया णं भंते ! भवचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८१४-८१५. भासाचरिमाचरिमाइं] ८१४. १ णेरइए णं भंते ! भासाचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिए । ८१५. १ णेरतिया णं भंते ! भासाचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं एगिदियवज्जा निरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८१६-८१७. आणापाणुचरिमाचरिमाइं] ८१६. १ णेरइए णं भंते ! आणापाणुचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं णिरंतरं जाव वेमाणिए । ८१७. १ णेरइयाणं णं भंते ! आणापाणुचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८१८ - ८१९. आहारचरिमाचरिमाइं] ८१८. १ णेरइए णं भंते ! आहारचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिए । ८१९. १ नेरइया णं भंते ! आहारचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८२०-८२१. भावचरिमाचरिमाइं] ८२०. १ णेरइए णं भंते ! भावचरिमाणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिए । ८२१. १ णेरइया णं भंते ! भावचरिमाणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८२२-८२३. वण्णचरिमाचरिमाइं] ८२२. १ णेरइए णं भंते ! वण्णचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिए । ८२३. १

णेरइया णं भंते ! वण्णचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८२४-८२५. गंधचरिमाचरिमाइं] ८२४. १ णेरइए णं भंते ! गंधचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिए । ८२५. १ णेरइया णं भंते ! गंधचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८२६-८२७. रसचरिमाचरिमाइं] ८२६. १ णेरइए णं भंते ! रसचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिए । ८२७. १ णेरइया णं भंते ! रसचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं ८२८-८२९. फासचरिमाचरिमाइं] ८२८. १ णेरइए णं भंते ! फासचरिमेणं किं चरिमे अचरिमे ? गोयमा ! सिय चरिमे सिय अचरिमे । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिए । ८२९. १ णेरइया णं भंते ! फासचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ? गोयमा ! चरिमा वि अचरिमा वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणिया । संगहणिगाहा गति ठिति भवे य भासा आणापाणुचरिमे य बोद्धव्वे । आहार भावचरिमे वण्ण रसे गंध फासे य ॥१९१॥ ☆☆☆। पणवणाए भगवईए दसमं चरिमपयं समत्तं ॥ ☆☆☆ ११. एक्कारसमं भासापयं सुत्ताइं ☆☆☆ [८३०-८३१. ओहारिणीभासापरूवणं] ८३०. से णूणं भंते ! मण्णामीति ओहारिणी भासा ? चित्तेमीति ओहारिणी भासा ? अह मण्णामीति ओहारिणी भासा ? अह चित्तेमीति ओहारिणी भासा ? तह मण्णामीति ओहारिणी भासा ? तह चित्तेमीति ओहारिणी भासा ? हंता गोयमा ! मण्णामीति ओहारिणी भासा, चित्तेमीति ओहारिणी भासा, अह मण्णामीति ओहारिणी भासा, अह चित्तेमीति ओहारिणी भासा, तह मण्णामीति ओहारिणी भासा, तह चित्तेमीति ओहारिणी भासा । ८३१. ओहारिणी णं भंते ! भासा किं सच्चा मोसा सच्चामोसा असच्चामोसा ? गोयमा ! सिय सच्चा, सिय मोसा, सिय सच्चामोसा, सिय असच्चामोसा । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ओहारिणी णं भासा सिय सच्चा सिय मोसा सिय सच्चामोसा सिय असच्चामोसा ? गोयमा ! आराहणी सच्चा १ विराहणी मोसा २ आराहणविराहणी सच्चामोसा ३ जा णेव आराहणी णेव विराहणी णेव आराहणविराहणी असच्चामोसा णाम सा चउत्थी भासा ४ से एतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ - ओहारिणी णं भासा सिय सच्चा सिय मोसा सिय सच्चामोसा सिय असच्चामोसा । [सुत्ताइं ८३२-८३८. पणवणीभासापरूवणं] ८३२. अह भंते ! गाओ मिया पसू पक्खी पणवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! गाओ मिआ पसू पक्खी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । ८३३. अह भंते !-जा य इत्थिवयू जा य पुमवयू जा य णपुंसगवयू पणवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! जा य इत्थिवयू जा य पुमवयू जा य णपुंसगवयू पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । ८३४. अह भंते ! जा य इत्थिआणमणी जा य पुमआणमणी जा य णपुंसगआणमणी पणवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! जा य इत्थिआणमणी जा य पुमआणमणी जा य णपुंसगआणमणी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । ८३५. अह भंते ! जा य इत्थीपणवणी जा य पुमपणवणी जा य णपुंसगपणवणी पणवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! जा य इत्थीपणवणी जा य पुमपणवणी जा य णपुंसगपणवणी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । ८३६. अह भंते ! जा जायीति इत्थिवयू जाईइ पुमवयू जातीति णपुंसगवयू पणवणी णं एसा भासा । न एसा भासा मोसा ? ८३७. अह भंते ! जाईति इत्थिआणमणी जाईति पुमआणमणी जाईति णपुंसगआणमणी पणवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! जातीति इत्थिआणमणी जातीति पुमआणमणी जातीति णपुंसगआणमणी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । ८३८. अह भंते ! जातीति इत्थिपणवणी जातीति पुमपणवणी जातीति णपुंसगपणवणी पणवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! जातीति इत्थिपणवणी जातीति पुमपणवणी जातीति णपुंसगपणवणी पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । [सुत्ताइं ८३९-८४८. मंदकुमाराइभासासत्तापरूवणं] ८३९. अह भंते ! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणइ बुयमाणे अहमेसे बुयामि अहमेसे बुयामीति ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, णडणत्थ सण्णिणो । ८४०. अह भंते ! मंदकुमारए वा

मंदकुमारिया वा जाणति आहारमाहरेमाणे अहमेसे आहारमाहरेमि अहमेसे आहारमाहरेमि त्ति ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, णऽण्णत्थ सण्णिणो । ८४१. अह भंते ! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणति अयं मे अम्मा-पियरो २ ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, णऽण्णत्थ सण्णिणो । ८४२. अह भंते ! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणति अयं मे अतिराउले अयं मे अतिराउले त्ति ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, णऽण्णत्थ सण्णिणो । ८४३. अह भंते ! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणति अयं मे भट्टिदारए अयं मे भट्टिदारए त्ति ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, णऽण्णत्थ सण्णिणो । ८४४. अह भंते ! उट्टे गोणे खरे घोडए अए एलए जाणति बुयमाणे अहमेसे बुयामि अहमेसे बुयामि ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, णऽण्णत्थ सण्णिणो । ८४५. अह भंते ! उट्टे जाव एलए जाणति आहारेमाणे अहमेसे आहारेमि अहमेसे आहारेमि त्ति ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, णऽण्णत्थ सण्णिणो । ८४६. अह भंते ! उट्टे गोणे खरे घोडए अए एलए जाणति अयं मे अम्मा-पियरो २ त्ति ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, णऽण्णत्थ सण्णिणो । ८४७. अह भंते ! उट्टे जाव एलए जाणति अयं मे अतिराउले २ ? गोयमा ! जाव णऽण्णत्थ सण्णिणो । ८४८. अह भंते ! उट्टे जाव एलए जाणति अयं मे भट्टिदारए २ ? गोयमा ! जाव णऽण्णत्थ सण्णिणो । [सुत्ताइं ८४९-८५७. एगवयणाइभासापरूवणं ] ८४९. अह भंते ! मणुस्से महिसे आसे हत्थी सीहे वग्घे वगे दीवए अच्चे तरच्चे परस्सरे सियाले विराले सुणए कोलसुणए कोक्कंतिए ससए चित्तए चिल्ललए जे यावऽण्णे तहप्पगारा सव्वा सा एगवयू ? हंता ? गोयमा ! मणुस्से जाव चिल्ललए जे यावऽण्णे तहप्पगारा सव्वा सा एगवयू । ८५०. अह भंते ! मणुस्सा जाव चिल्ललगा जे यावऽण्णे तहप्पगारा सव्वा सा बहुवयू ? हंता गोयमा ! मणुस्सा जाव चिल्ललगा सव्वा सा बहुवयू । ८५१. अह भंते ! मणुस्सी महिसी वलवा हतिथणिया सीही वग्घी वगी दीविया अच्ची तरच्चीपरस्सरी सियाली विराली सुणिया गोलसुणिया कोक्कंतिया ससिया चित्तिया चिल्ललिया जा यावऽण्णा तहप्पगारा सव्वा सा इत्थिवयू ? हंता गोयमा ! मणुस्सी जाव चिल्ललिया जा यावऽण्णा तहप्पगारा सव्वा सा इत्थिवयू । ८५२. अह भंते ! मणुस्से ! जाव चिल्ललए जे यावऽन्ने तहप्पगारा सव्वा सा पुमवयू ? हंता गोयमा ! मणुस्सा महिसे आसे हत्थी सीहे वग्घे वगे दीविए अच्चे तरच्चे परस्सरे सियाले विराले सुणए कोलसुणए कोक्कंतिए ससए चित्तए चिल्ललए जे यावऽण्णे तहप्पगारा सव्वा सा पुमवयू । ८५३. अह भंते ! कंसं कंसोयं परिमंडलं सेलं थूभं जालं धालं तारं रूवं अच्छिं पव्वं कुंडं पउमं दुब्बं दहियं णवणीयं आसणं सयणं भवणं विमाणं छत्तं चामरं भिंजारं अंगणं निरंगणं आभरणं रयणं जे यावऽण्णे तहप्पगारा सव्वं तं णपुंसगवयू ? हंता गोयमा ! कंसं जाव रयणं जे यावऽण्णे तहप्पगारा सव्वं तं णपुंसगवयू । ८५४. अह भंते ! पुढवीति इत्थिवयू आउ त्ति पुमवयू धण्णे त्ति णपुंसगवयू पण्णवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता ? गोयमा ! पुढवि त्ति इत्थिवयू, आउ त्ति पुमवयू, धण्णे त्ति णपुंसगवयू, पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । ८५५. अह भंते ! पुढवीति इत्थिआणमणी आउ त्ति पुमआणमणी धण्णे त्ति नपुंसगाणमणी पण्णवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! पुढवीति इत्थिआणमणी, आउ त्ति पुमआणमणी, धण्णे त्ति णपुंसगआणमणी, पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । ८५६. अह भंते ! पुढवीति इत्थिपण्णवणी आउ त्ति पुमपण्णवणी धण्णे त्ति णपुंसगपण्णवणी आराहणी णं एसा [ ग्रन्थाग्रम् ४००० ] भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! पुढवीति इत्थिपण्णवणीआउ त्ति पुमपण्णवणी धण्णे त्ति णपुंसगपण्णवणी आराहणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । ८५७. इच्चेवं भंते ! इत्थिवयणं वा पुमवयणं वा णपुंसगवयणं वा वयमाणे पण्णवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता ? गोयमा ! इत्थिवयणं वा पुमवयणं वा णपुंसगवयणं वा वयमाणे पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । [सुत्ताइं ८५८-८५९. भासासरूवं] ८५८. भासा णं भंते ! किमादीया किंपहवा किंसठिया किंपज्जवसिया ? गोयमा ! भासा णं जीवादीया सरीरपहवा वज्जसंठिया लोगंतपज्जवसिया पण्णत्ता । ८५९. भासा कओ य पहवति ? कतिहिं च समएहिं भासती भासं ? । भासा कतिप्पगारा ? कति वा भासा अणुमयाओ ? ॥१९२॥ सरीरप्पहवा भासा, दोहि य समएहिं भासती भासं । भासा चउप्पगारा, दोण्णि य भासा अणुमयाओ ॥१९३॥ [ सुत्ताइं ८६०-८६६. पअत्तियाइभासाभेयपरूवणं ] ८६०. कतिविहा णं भंते ! भासा

पणता ? गोयमा ! दुविहा भासा पणता । तं जहा-पज्जत्तिया य अपज्जत्तिया य । ८६१. पज्जत्तिया णं भंते ! भासा कतिविहा पणता ? गोयमा ! दुविहा पणता । तं जहा-सच्चा य मोसा य । ८६२. सच्चा णं भंते ! भासा पज्जत्तिया कतिविहा पणता ? गोयमा ! दसविहा पणता । तं जहा-जणवयसच्चा १ सम्मतसच्चा २ ठवणसच्चा ३ णामसच्चा ४ रूवसच्चा ५ पडुच्चसच्चा ६ ववहारसच्चा ७ भावसच्चा ८ जोगसच्चा ९ ओवम्मसच्चा १० । जणवय १ सम्मत २ ठवणा ३ णामे ४ रूवे ५ पडुच्चसच्चे ६ य । ववहार ७ भाव ८ जोगे ९ दसमे ओवम्मसच्चे १० य ॥१९४॥ ८६३. मोसा णं भंते ! भासा पज्जत्तिया कतिविहा पणता ? गोयमा ! दसविहा पणता । तं जहा-कोहणिससिया १ माणणिससिया २ मायाणिससिया ३ लोभणिससिया ४ पेज्जणिससिया ५ दोसणिससिया ६ हासणिससिया ७ भयणिससिया ८ अक्खाइयाणिससिया ९ उवघायणिससिया १० । कोहे १ माणे २ माया ३ लोभे ४ पेजे ५ तहेव दोसे ६ य । हास ७ भए ८ अक्खाइय ९ उवघाइयणिससिया १० दसमा ॥१९५॥ ८६४. अपज्जत्तिया णं भंते ! भासा कतिविहा पणता ? गोयमा ! दुविहा पणता । तं जहा-सच्चामोसा य असच्चामोसा य । ८६५. सच्चामोसा णं भंते ! भासा अपज्जत्तिया कतिविहा पणता ? गोयमा ! दसविहा पणता । तं जहा-उप्पणमिससिया १ विगयमिससिया २ उप्पणविगयमिससिया ३ जीवमिससिया ४ अजीवमिससिया ५ जीवाजीवमिससिया ६ अणंतमिससिया ७ परित्तमिससिया ८ अब्भामिससिया ९ अब्भामिससिया १० । ८६६. असच्चामोसा णं भंते ! भासा अप्पज्जत्तिया कतिविहा पणता ? गोयमा ! दुवालसविहा पणता । तं जहा- अमंतणि १ याऽऽणमणी २ जायणि ३ तह पुच्छणी ४ य पणवणी ५ । पच्चक्खाणी भासा ६ भासा इच्छाणुलोमा ७ य ॥१९६॥ अणभिग्गहिया भासा ८ भासा य अभिग्गहम्मि बोधव्वा ९ । संसयकरणी भासा १० वोयड ११ अब्बोयडा १२ चेव ॥१९७॥ [सुत्ताइं ८६७-८६९. भासगाभासगपरूवणं] ८६७. जीवा णं भंते ! किं भासगा अभासगा ? गोयमा ! जीवा भासगा वि अभासगा वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जीवा भासगा वि अभासगा वि ? गोयमा ! जीवा दुविहा पणता, तं जहा-संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य । तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अभासगा । तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णया ते णं दुविहा पणता, तं जहा-सेलेसिपडिवण्णगा य असेलेसिपडिवण्णगा य । तत्थ णं जे ते सेलेसिपडिवण्णगा ते णं अभासगा । तत्थ णं जे ते असेलेसिपडिवण्णगा ते दुविहा पणता, तं जहा-एगिदिया य अणेगिदिया य । तत्थ णं जे ते एगिदिया ते णं अभासगा । तत्थ णं जे ते अणेगिदिया ते दुविहा पणता, तं जहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तया य । तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं अभासगा । तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते णं भासगा । से एतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति जीवा भासगा वि अभासगा वि । ८६८. नेरइया णं भंते ! किं भासगा अभासगा ? गोयमा ! नेरइया भासगा वि अभासगा वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति नेरइया भासगा वि अभासगा वि ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पणता, तं जहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं अभासगा, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते णं भासगा, से एणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ णेरइया भासगा वि अभासगा वि । ८६९. एवं एगिदियवज्जाणं णिरंतरं माणियव्वं । [सुत्ताइं ८७०-८७६. सच्चाइभासजायपरूवणं] ८७०. कति णं भंते ! भासज्जाता पणता ? गोयमा ! चत्तारि भासज्जाता पणता । तं जहा-सच्चमेगं भासज्जातं १ बितियं मोसं २ ततियं सच्चामोसं ३ चउत्थं असच्चामोसं ४ । ८७१. जीवा णं भंते ! किं सच्चं भासं भासंति ? मोसं भासं भासंति ? सच्चामोसं भासं भासंति ? असच्चामोसं भासं भासंति ? गोयमा ! जीवा सच्चं पि भासं भासंति, मोसं पि भासं भासंति, सच्चामोसं पि भासं भासंति, असच्चामोसं पि भासं भासंति । ८७२. णेरइया णं भंते ! किं सच्चं भासं भासंति जाव किं असच्चामोसं भासं भासंति ? गोयमा ! णेरइया णं सच्चं पि भासं भासंति जाव असच्चामोसं पि भासं भासंति । ८७३. एवं असुरकुमारा जाव थणियकुमारा । ८७४. बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदिया य णो सच्चं णो मोसं णो सच्चामोसं भासं भासंति, असच्चामोसं भासं भासंति । ८७५. पंचेदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं सच्चं भासं भासंति ? जाव (सु. ८७१) किं असच्चामोसं भासं भासंति ? गोयमा ! पंचेदियतिरिक्खजोणिया णो सच्चं भासं भासंति, णो मोसं भासं भासंति, णो सच्चामोसं भासं भासंति, एणं असच्चामोसं भासं भासंति, णऽण्णत्थ सिक्खापुव्वगं उत्तरगुणलद्धिं वा पडुच्च

सच्चं पि भासं भासंति, मोसं पि भासं भासंति, सच्चामोसं पि भासं भासंति, असच्चामोसं पि भासं भासंति । ८७६. मणुस्सा जाव वेमाणिया एए जहा जीवा (सु. ८७१) तहा भाणियव्वा । [सुत्ताइं ८७७-८९५. भासादव्वगहाणाइपरूवणं] ८७७. १ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं भासत्ताए गेण्हति ताइं किं ठियाइं गेण्हति ? अठियाइं गेण्हति ? गोयमा ! ठियाइं गेण्हति, णो अठियाइं गेण्हति । २ जाइं भंते ! ठियाइं गेण्हति ताइं किं दव्वओ गेण्हति ? खेत्तओ गेण्हति ? कालओ गेण्हति ? भावओ गेण्हति ? गोयमा ! दव्वओ वि गेण्हति, खेत्तओ वि गेण्हति, कालओ वि गेण्हति, भावओ वि गेण्हति । ३ जाइं दव्वओ गेण्हति ताइं किं एगपएसियाइं गिण्हति दुपएसियाइं गेण्हति जाव अणंतपएसियाइं गेण्हति ? गोयमा ! णो एगपएसियाइं गेण्हति जाव णो असंखेज्जपएसियाइं गेण्हति, अणंतपएसियाइं गेण्हति । ४ जाइं खेत्तओ गेण्हति ताइं किं एगपएसोगाढाइं गेण्हति दुपएसोगाढाइं गेण्हति जाव असंखज्जपएसोगाढाइं गेण्हति ? गोयमा ! णो एगपएसोगाढाइं गेण्हति जाव णो संखेज्जपएसोगाढाइं गेण्हति, असंखेज्जपएसोगाढाइं गेण्हति । ५ जाइं कालओ गेण्हति ताइं किं एगसमयठितीयाइं गेण्हति दुसमयठितीयाइं गेण्हति जाव असंखेज्जसमयठितीयाइं गेण्हति ? गोयमा ! एगसमयठितीयाइं पि गेण्हति, दुसमयठितीयाइं पि गेण्हति, जाव असंखेज्जसमयठितीयाइं पि गेण्हति । ६ जाइं भावओ गेण्हति ताइं किं वण्णमंताइं गेण्हति गंधमंताइं गेण्हति रसमंताइं गेण्हति फासमंताइं गेण्हति ? गोयमा ! वण्णमंताइं पि गेण्हति जाव फासमंताइं पि गेण्हति । ७ जाइं भावओ वण्णमंताइं गेण्हति ताइं किं एगवण्णाइं गेण्हति जाव पंचवण्णाइं गेण्हति ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च एगवण्णाइं पि गेण्हति जाव पंचवण्णाइं पि गेण्हति, सब्वग्गहणं पडुच्च णियमा पंचवण्णाइं गेण्हति, तं जहा-कालाइं नीलाइं लोहियाइं हालिद्दाइं सुक्किलाइं । ८ जाइं वण्णओ कालाइं गेण्हति ताइं किं एगगुणकालाइं गेण्हति जाव अणंतगुणकालाइं गेण्हति ? गोयमा ! एगगुणकालाइं पि गेण्हति जाव अणंतगुणकालाइं पि गेण्हति । एवं जाव सुक्किलाइं पि । ९ जाइं भावओ गंधमंताइं गेण्हति ताइं किं एगगंधाइं गेण्हति दुगंधाइं गेण्हति ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च एगगंधाइं पि गेण्हति दुगंधाइं पि गेण्हति, सब्वग्गहणं पडुच्च नियमा दुगंधाइं गेण्हति । १० जाइं गंधओ सुब्भिगंधाइं गेण्हति ताइं किं एगगुणसुब्भिगंधाइं गेण्हति जाव अणंतगुणसुब्भिगंधाइं गेण्हति ? गोयमा ! एगगुणसुब्भिगंधाइं पि गेण्हति जाव अणंतगुणसुब्भिगंधाइं पि गेण्हति । एवं दुब्भिगंधाइं पि गेण्हति । ११ जाइं भावतो रसमंताइं गेण्हति ताइं किं एगरसाइं गेण्हति ? जाव किं पंचरसाइं गेण्हति ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च एगरसाइं पि गेण्हति जाव पंचरसाइं पि गेण्हति, सब्वग्गहणं पडुच्च णियमा पंचरसाइं गेण्हति । १२ जाइं रसतो तित्तरसाइं गेण्हति ताइं किं एगगुणतित्तरसाइं गेण्हति जाव अणंतगुणतित्तरसाइं गेण्हति ? गोयमा ! एगगुणतित्तरसाइं पि गेण्हति जाव अणंतगुणतित्तरसाइं पि गेण्हति । एवं जाव महुरो रसो । १३ जाइं भावतो फासमंताइं गेण्हति ताइं किं एगफासाइं गेण्हति, जाव अट्टफासाइं गेण्हति ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च णो एगफासाइं गिण्हति, दुफासाइं गिण्हति जाव चउफासाइं पि गेण्हति, णो पंचफासाइं गेण्हति जाव णो अट्टफासाइं पि गेण्हति । सब्वग्गहणं पडुच्च णियमा चउफासाइं गेण्हति । तं जहा-सीयफासाइं गेण्हति, उसिणफासाइं गेण्हति, णिद्धफासाइं गेण्हति, लुक्खाफासाइं गेण्हति । १४ जाइं फासओ सीयाइं गेण्हति ताइं किं एगगुणसीयाइं गेण्हति जाव अणंतगुणसीयाइं पि गेण्हति ? गोयमा ! एगगुणसीयाइं पि गेण्हति जाव अणंतगुणसीयाइं गेण्हति ? गोयमा ! एगगुणसीयाइं पि गेण्हति जाव अणंतगुणसीयाइं पि गेण्हति । एवं उसिण-णिद्ध-लुक्खाइं जाव अणंतगुणाइं पि गिण्हति । १५ जाइं भंते ! जाव अणंतगुणलुक्खाइं गेण्हति ताइं किं पुट्टाइं गेण्हति अपुट्टाइं गेण्हति ? गोयमा ! पुट्टाइं गेण्हति, णो अपुट्टाइं गेण्हति । १६ जाइं भंते ! पुट्टाइं गेण्हति ताइं किं ओगाढाइं गेण्हति अणोगाढाइं गिण्हति ? गोयमा ! ओगाढाइं गेण्हति, णो अणोगाढाइं गेण्हति । १७ जाइं भंते ! ओगाढाइं गेण्हति ताइं किं अणंतरोगाढाइं गेण्हति, परंपरोगाढाइं गेण्हति ? गोयमा ! अणंतरोगाढाइं गेण्हति, णो परंपरोगाढाइं गेण्हति । १८ जाइं भंते ! अणंतरोगाढाइं गेण्हति ताइं किं अणूइं गेण्हति ? बादराइं गेण्हति ? गोयमा ! अणूइं पि गेण्हति, बादराइं पि गेण्हति । १९ जाइं भंते ! अणूइं पि गेण्हति बायराइं पि गेण्हति ताइं किं उह्णं गेण्हति ? अहे गेण्हति ? तिरियं गेण्हति ? गोयमा ! उह्णं पि गिण्हति, अहे वि गिण्हति, तिरियं पि गेण्हति । २० जाइं भंते ! उह्णं पि गेण्हति अहे वि गेण्हति तिरियं पि गेण्हति ताइं किं आदिं गेण्हति ? मज्झे गेण्हति ? पज्जवसाणे गेण्हति ? गोयमा ! आइं

पि गेणहति, मज्झे वि गेणहति, पज्जवसाणे वि गेणहति । २१ जाइं भंते ! आइं पि गेणहति मज्झे वि गेणहति पज्जवसाणे वि गेणहति ताइं किं सविसए गेणहति ? अविसए गेणहति ? गोयमा ! सविसए गेणहति, णो अविसए गेणहति । २२ जाइं भंते ! सविसए गेणहति ताइं किं आणुपुव्विं गेणहति ? अणाणुपुव्विं गेणहति ? गोयमा ! आणुपुव्विं गेणहति, णो अणाणुपुव्विं गेणहति । २३ जाइं भंते ! आणुपुव्विं गेणहति ताइं किं तिदिसिं गेणहति जाव छदिसिं गेणहति ? गोयमा ! णियमा छदिसिं गेणहति । पुट्टोगाढ अणंतर अणू य तह बायरे य उट्टमहे । आदि विसयाऽऽणुपुव्विं णियमा तह उदिसिं चव ॥१९८॥ ८७८. जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं भासत्ताए गेणहति ताइं किं संतरं गेणहति ? निरंतरं गेणहति गोयमा ! सतरं वि गेणहति निरंतरं वि गेणहति । संतरं गिण्हमाणे जहण्णेणं एणं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जसमए अंतरं कट्टु गेणहति । निरंतरं गिण्हमाणे जहण्णेणं दो समए, उक्कोसेणं असंखेज्जसमए अणुसमयं अविरहियं निरंतरं गेणहति । ८७९. जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं भासत्ताए गहियाइं गिसिरति ताइं किं संतरं गिसिरति ? गिरंतरं गिसिरति ? गोयमा ! संतरं गिसिरति, णो गिरंतरं गिसिरति । संतरं गिसिरमाणे एगेणं समएणं गेणहइ एगेणं समएणं गिसिरति, एएणं गहण-णिसिरणोवाएणं जहण्णेणं दुसमइयं उक्कोसेणं असंखेज्जसमइयं अंतोमुहुत्तियं गहण-णिसिरणोवायं (णिसिरणं) करेति । गोयमा ! भिण्णाइं पि गिसिरति, अभिण्णाइं पि गिसिरति । जाइं भिण्णाइं गिसिरति [सुत्ताइं ८८०-८८७. भासादव्वभेयणपरुवणं] ८८०. जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं भासत्ताए गहियाइं गिसिरति ताइं किं भिण्णाइं गिसिरति ? अभिण्णाइं गिसिरति ताइं अणंतगुणपरिवह्णीए परिवह्णमाण्णाइं परिवह्णमाण्णाइं लोयंतं फुसंति । जाइं अभिण्णाइं गिसिरति ताइं असंखेज्जाओ ओगाहणवग्गणाओ गंता भेयमावज्जंति, संखेज्जाइं जोयणाइं गंता विद्धंसमागच्छंति । ८८१. तेसिं णं भंते ! दव्वाणं कतिविहे भेए पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे भेये पणत्ते । तं जहा खंडामेए १ पतराभेए २ चुण्णियाभेए ३ अणुतडियाभेए ४ उक्करियाभेए ५ । ८८२. से किं तं खंडाभेए ? २ जण्णं अयखंडाण वा तउखंडाण वा तंबखंडाण वा सीसगखंडाण वा रययखंडाण वा जायरूवखंडाण वा खंडाएण भेदे भवति । से तं खंडाभेदे । ८८३. से किं तं पयराभेदे ? २ जण्णं वंसाण वा वेत्ताण वा णलाण वा कदलित्थंभाण वा अब्भपडलाण वा पयरएणं भेए भवति । से तं पयराभेदे । ८८४. से किं तं चुण्णियाभेए ? २ जण्णं तिलचुण्णाण वा मुण्णचुण्णाणं वा मासचुण्णाणं वा पिप्पलिचुण्णाण वा मिरियचुण्णाण वा सिंगबेरचुण्णाण वा चुण्णियाए भेदे भवति । से तं चुण्णियाभेदे । ८८५. से किं तं अणुतडियाभेदे ? २ जण्णं अगडाण वा तलागाण वा दहाण वा णदीण वा वावीण वा पुक्खरिणीण वा दीहियाण वा गुंजालियाण वा सराण वा सरपंतियाण वा सरसरपंतियाण वा अणुतडियाए भेदे भवति । से तं अणुतडियाभेदे । ८८६. से किं तं उक्करियाभेदे ? २ जण्णं मूसगाण वा मगूसाण वा तिलसिंगाण वा मुग्गसिंगाण वा माससिंगाण वा एरंडबीयाण वा फुडित्ता उक्करियाए भेदे भवति । से तं उक्करियाभेए । ८८७. एएसिं णं भंते ! दव्वाणं खंडाभेएणं पयराभेएणं चुण्णियाभेएणं अणुतडियाभेदेणं उक्करियाभेदेणं य भिज्जमाण्णाणं कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवाइं दव्वाइं उक्करियाभेएणं भिज्जमाण्णाइं, अणुतडियाभेदेणं भिज्जमाण्णाइं अणंतगुणाइं, खंडाभेएणं भिज्जमाण्णाइं अणंतगुणाइं । ८८८. १ णेरइए णं भंते ! जाइं दव्वाइं भासात्ताए गेणहति ताइं किं यिाइं गेणहति ? अट्टियाइं गेणहति ? गोयमा ! एवं चव जहा जीवे वत्तव्वया भणिया (सु. ८७७) तहा णेरइयस्सावि जाव अप्पाबहुयं । २ एवं एगिदियव्वज्जो दंडओ जाव वेमाणिया । ८८९. जीवा णं भंते ! जाइं दव्वाइं भासात्ताए गेणहति ताइं किं ठियाइं गेणहति ? अठियाइं गेणहति ? गोयमा ! एवं चव पुहुत्तेण वि णेयव्वं जाव वेमाणिया । ८९०. जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं सच्चभासत्ताए गेणहति ताइं किं ठियाइं गेणहति ? अट्टियाइं गेणहति ? गोयमा ! जहा ओहियदंडओ (सु. ८७७) तहा एसो वि । नवरं विगलेदिया ण पुच्छज्जंति । एवं मोसभासाए वि सच्चामोसभासाए वि । ८९१. असच्चामोसभासाए वि एवं चव । नवरं असच्चामोसभासाए विगलिदिया वि पुच्छज्जंति इमेणं अभिलावेणं - विगलिदिए णं भंते ! जाइं दव्वाइं असच्चामोसभासात्ताए गेणहति ताइं किं ठियाइं गेणहति ? अठियाइं गेणहति ? गोयमा ! जहा ओहियदंडओ (सु. ८७७) । एवं एते एगत्तपुहत्तषणं दस दंडगा भाणियव्वा । ८९२. जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं सच्चभासत्ताए गेणहति ताइं किं सच्चभासत्ताए गिसिरति ? मोसभासत्ताए

णिसिरति, सच्चामोसभासत्ताए णिसिरति, गोयमा ! सच्चभासत्ताए णिसिरति, गो मोसभासत्ता णिसरते, णो सच्चामोसभासत्ताए णिसरति, णो असच्चामोसभासत्ताए णिसिरति । एवं एगिदिय-विगलिदियवज्जो दंडओ जाव वेमाणिए । एवं पुहुत्तेण वि । ८९३. जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं मोसभासत्ताए गेहति ताइं किं सच्चभासत्ताए णिसरति ? मोसभासत्तशए णिसिरति ? सच्चामोसभासत्ताए णिसिरति ? असच्चामोसभासत्ताए णिसरति ? गोयमा ! णो असच्चामोसभासत्ताए णिसिरति । ८९४. एवं सच्चामोसभासत्ताए वि । ८९५. असच्चामोसभासत्ताए वि एवं चेव । णवरं असच्चामोसभासत्तशए विगलिदिया तहेव पुच्छिज्जंति । जाव चेव गेण्हति ताए चेव णिसिरति । एवं एते एगत्त-पुहत्तिया अट्ट दंडगा भाणियव्वा । [सुत्ताइं ८९६ - ९००. सोलसविहवयणपरूवणाइ ] ८९६. कतिविहे णं भंते ! वयणे वयणे पणत्ते ? गोयमा ! सोलवविहे वयणे पणत्ते । ल तं जहा- एगवयणे १ दुवयणे २ बहुवयणे ३ इत्थिवयणे ४ पुमवयणे ५ णपुंसगवयणे ६ अज्झत्थवयणे ७ उवणीयवयणे ८ अपणीयवयणे ९ उवणीयावणीयवयणे १० अवणीयउवणीयवयणे ११ तीतवयणे १२ पडुप्पन्नवयणे १३ अणागयवयणे १४ पच्चक्खवयणे १५ परोक्खवयणे १६ । ८९७. इच्चेयं भंते ! एगवयणं वा जाव परोक्खवयणं वा वयमाणे पणवणी णं एसा भासा ? ण एसा भासा मोसा ? हंता गोयमा ! इच्चेयं एगवयणं वा जाव परोक्खवयणं वा वयमाणे पणवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा । ८९८. कति ण भंते ! भासाज्जाया पणत्ता ? गोयमा ! चत्तारि भासज्जाया पणत्ता । तं जहा सच्चमेगं भासज्जायं ? बितियं मोसं भासज्जायं २ ततियं सच्चामोसं भासज्जायं ३ चउत्थं असच्चामोसं भासज्जायं ४ । ८९९. इच्चेयाइं भंते ! चत्तारि भासज्जायाइं भासमाणे किं आराहए विराहए ? गोयमा ! इच्चेयाइं चत्तारि भासज्जायाइं आउत्तं भासमाणे आराहए, णो विराहए । तेण परं अस्संजयाऽविरयापडिहयाऽपच्चक्खायपावकम्मे सच्चं वा भासं भासंतो मोसं वा सच्चामोसं वा असच्चामोसं वा भासं भासमाणे णो आराहए, विराहए । ९००. एतेसि णं भंते ! जीवाणं सच्चभासगाणं मोसभासगाणं सच्चामोसभासगाणं असच्चामोसगाणं अभासगाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सच्चभासगा, सच्चामोसभासगा असंखेज्जगुणा, मोसभासगा असंखेज्जगुणा, असच्चामोसगा असंखेज्जगुणा, अभासगा अणंतगुणा । ★★ ★ ||पणवणाए भगवइए एक्कारसमं भासापयं समत्तं || ★★ ★ १२. बारसमं सरीरपयं सुत्तं★ ★ ★ [९०१. सरीरभेयपरूवणा] ९०१. कति णं भंते ! सरीरा पणत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरा पणत्ता । तं जहा ओरालिए १ वेउव्विए २ आहारए ३ तेयए ४ कम्मए ५ । [सुत्ताइं ९०२-९०९. चउवीसदंडएसु सरीरपरूवणा] ९०२. णेरइयाणं भंते ! कति सरीरया पणत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरया पणत्ता । तं जहा वेउव्विए तेयए कम्मए । ९०३. एवं असुरकुमाराण वि जाव थणियकुमाराणं । ९०४. पुढविकाइयाणं भंते ! कति सरीरया पणत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरया पणत्ता । तं जहा ओरालिए तेयए कम्मए । ९०५. एवं वाउक्काइयवज्जं जाव चउरिदियाणं । ९०६. वाउक्काइयाणं भंते ! कति सरीरया पणत्ता ? गोयमा ! चत्तारि सरीरया पणत्ता । तं जहा ओरालिए वेउव्विए तेयए कम्मए । ९०७. एवं पंचिदियतिरिक्खजोणियाण वि । ९०८. मणूसाणं भंते ! कति सरीरया पणत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरया पणत्ता । तं जहा ओरालिए वेउव्विए आहारए तेयए कम्मए । ९०९. वणमंतर-जोतिसिय-वेमाणियाणं जहा णारगाणं सु. ९०२ । [सुत्तं ९१०. ओहण बद्ध- मुक्कसरीरपरूवणा] ९१०. १ केवतिया णं भंते ! ओरालियसरीरया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा- बद्धेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जगा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, दव्वओ अभेवसिद्धिएहिंतो अणंतागुणा अणंतभागो । २ केवतिया णं भंते ! वेउव्वियसरीरया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा- बद्धेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखेज्जतिभागो । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, जहा ओरालियस्स

मुक्केल्लया तहेव वेउव्वियस्स वि भाणिव्वा । ३ केवतिया णं भंते ! आहारगसरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा- बद्धेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं सिय अत्थि सिय णत्थि । जति अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सहस्सपुहुत्तं । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता जहा ओरालियस्स मुक्केल्लया तहा भाणियव्वा । ४ केवतिया णं भंते ! तेयगसरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा-बद्धेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, दव्वओ सिद्धेहिंतो अणंतगुणा सव्वजीवाणंतभागूणा । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणि -ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, दव्वओ सव्वजीवेहिंतो अणंतगुणा, जीववग्गस्स अणंतभागो । ५ एवं कम्मसरीरा वि भाणियव्व । [सुत्तं ९११. णेरइयाणं बद्ध- मुक्कसरीरपरूवणा] ९११. १ णेरइयाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं णत्थि । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं अणंता जहा ओरालियमुक्केल्लगा (सु. ९१० १ ) तहा भाणियव्वा । २ णेरइयाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा- बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणि -ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पतरस्स असंखेज्जतिभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलं बीयवग्गमूलपडुप्पणं, अहवणं अंगुलबितियवग्गमूलघणप्पमाणमेत्ताओ सेढीओ । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा ओरालियस्स मुक्केल्लगा (सु. ९१० १ ) तहा भाणियव्वा । ३ णेरइयाणं भंते ! केवतिया आहारगसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा- बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । एवं जहा ओरालिया बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य भाणिया (सु. ९१० १ तहेव आहारगा वि भाणियव्वा । ४ तेया-कम्मागाइं जगहा एतेसिं चेव वेउव्वियाइं । [सुत्ताइं ९१२-९१३. भवणवासीणं मुक्कसरीरपरूवणा] ९१२. १ असुरकुमाराणं भंते ! केवतिया ओरालियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहा णेरइयाणं ओरालिया भाणिया (सु. ९११ १ ) तहेव एतेसिं पि भाणियव्वा । २ असुरकुमाराणं भंते ! केवतिया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा- बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणि -ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पतरस्स असंखेज्जतिभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलस्स संखेज्जतिभागो । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं जहा ओरालियस्स मुक्केल्लगा तहा भाणियव्व (सु. ९१० १ । ३ आहारयसरीरा जहा एतेसि णं चेव ओरालिया तहेव दुविहा भाणियव्व । ४ तेया -कम्मसरीरा दुविहा वि जहा एतेसि णं चेव वेउव्विया । ९१३. एवं जाव थणियकुमारा । [सुत्ताइं ९१४-९१७. एगिंदियाणं बद्ध-मुक्कसरीरपरूवणा] ९१४. १ पुढविकाइयाणं भंते ! केवतिया ओरालियसरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा-बद्धेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणि -ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालतो, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणि -ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, अभवसिद्धिएहिंतो अणंतगुणा, सिद्धाणं अणंतभागो । २ पुढविकाइयाणं भंते ! केवतिया वेउव्वियसरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं णत्थि । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा एतेसिं चेव ओरालिया भाणिया तहेव भाणियव्वा । ३ एवं आहारगसरीरा वि । ४ तेया-कम्मगा जहा एतेसिं चेव ओरालिया । ९१५. एवं आउक्काइया तेउक्काइया वि । ९१६. १ वाउक्काइयाणं भंते ! केवतिया ओरालियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । दुविहा वि जहा पुढविकाइयाणं ओरालिया (सु. ९१४ १ ) । १ वेउव्वियाणं पुच्छा । गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, समए समए अवहीरमाणा अवहीरमाणा पलिओवमस्स असंखेज्जतिभागमेत्तेणं कालेणं अवहीरंति णो चेव णं अवहिया सिया । मुक्केल्लया जहा पुढविकाइयाणं (सु. ९१४ २ ) । ३ आहारय-

तेया-कम्मा जहा पुढविकाइयाणं (सु. ९१४ ३-४ ) तहा भाणियव्वा । ९१७. वणप्फइकाइयाणं जहा पुढविकाइयाणं । णवरं तेया-कम्मगा जहा ओहिया तेया-कम्मगा (सु. ९१० ४-५ । [सुत्ताइं ९१८-९१९. विगलिंदियाणं बद्ध-मुक्कसरीरपरूवणा] ९१८. १ बेइंदियाणं भंते ! केवतिया ओरालियसरीरा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखेज्जतिभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ असंखेज्जाइं सेढिवग्गमूलाइं । बेइंदियाणं ओरालियसरीरेहिं बद्धेल्लगेहिं पयरं अवहीरति असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं कालओ, खेत्तओ अंगुलपयरस्स आवलियाए य असंखेज्जतिभागपलिभागेणं । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते जहा ओहिया ओरालिया मुक्केल्लया (सु. ९१० १ ) । २ वेउव्विया आहारगा य बद्धेल्लगा णत्थि, मुक्केल्लगा जहा ओहिया ओरालिया मुक्केल्लया (सु. ९१० १ ) । ३ तेया-कम्मगा जहा एतेसिं चेव ओहिया ओरालिया । ९१९. एवं जाव चउरिदिया । [सुत्तं ९२०. पंचिंदियतिरिक्खाणं बद्ध-मुक्कसरीरपरूवणा] ९२०. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं एवं चेव । णवरं वेउव्वियसरीरएसु इमो विसेसो-पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! केवतिया वेउव्वियसरीरया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा जहा असुरकुमाराणं (सु. ९१२ २ ) । णवरं तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलस्स असंखेज्जतिभागो । मुक्केल्लगा तहेव । [सुत्तं ९२१. मणुस्साणं बद्ध-मुक्कसरीरपरूवणा] ९२१. १ मणुस्साणं भंते ! केवतिया ओरालियसरीरा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, जहणपए संखेज्जा संखेज्जाओ कोडाकोडीओ तिजमलपयस्स उवरिं चउजमलपयस्स हेट्ठा, अहवणं छट्ठो वग्गो पंचमवग्गपडुप्पणो, अहवणं छणउईछेयणगदाई रासी; उक्कोसपदे असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणि-ओस्सप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ रूवपक्खित्तेहिं मणुस्सेहिं सेढी अवहीरति, तीसे सेढीए काल-खेत्तेहिं अवहारो मग्गिज्जइ-असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं कालओ, खेत्तओ अंगुलपढमवग्गमूलं ततियवग्गमूलपडुप्पणं । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते जहा ओरालिया ओहिया मुक्केल्लगा (सु. ९१० १ ) । २ वेउव्वियाणं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा-बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं संखेज्जा, समए समए अवहीरमाणा अवहीरमाणा संखेज्जेणं कालेणं अवहीरति णो चेव णं अवहिया सिया । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा ओरालिया ओहिया (सु. ९१० १ ) । ३ आहारगसरीरा जहा ओहिया (सु. ९१० ३ ) । ४ तेया-कम्मया जहा एतेसिं चेव ओरालिया । [सुत्तं ९२२. वाणमंतराणं बद्ध-मुक्कसरीरपरूवणा] ९२२. वाणमंतराणं जहा णेरइयाणं ओरालिया आहारगा य । वेउव्वियसरीरगा जहा णेरइयाणं, णवरं तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई संखेज्जजोयणसयवग्गपलिभागो पयरस्स । मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालिया (सु. ९१० १ ) । तेया-कम्मया जहा एएसिं चेव वेउव्विया । [सुत्तं ९२३. जोइसियाणं बद्ध-मुक्कसरीरपरूवणा] ९२३. जोतिसियाणं एवं चेव । णवरं तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई बेछप्पणंगुलसयवग्गपलिभागो पयरस्स । [सुत्तं ९२४. वेमाणियाणं बद्ध-मुक्कसरीरपरूवणा] ९२४. वेमाणियाणं एवं चेव । णवरं तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलबितियवग्गमूलं ततियवग्गमूलपडुप्पणं, अहवणं अंगुलततियवग्गमूलघणपमाणमेत्ताओ सेढीओ । सेसं तं चेव ☆☆☆ । पणवणाए भगवईए बारसमं सरीरपयं समत्तं ॥ ☆☆☆ १३. तेरसमं परिणामपयं ☆☆☆ [सुत्तं ९२५. परिणामभेयपरूवणा] ९२५. कतिविहे णं भंते ! परिणामे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे परिणामे पणत्ते । तं जहा-जीवपरिणामे य अजीवपरिणामे य । [ सुत्ताइं ९२६-९४६. जीवपरिणामपरूवणा] ९२६. जीवपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! दसविहे पणत्ते । तं जहा-गतिपरिणामे १ इंदियपरिणामे २ कसायपरिणामे ३ लेसापरिणामे ४ जोगपरिणामे ५ उवओगपरिणामे ६ णाणपरिणामे ७ दंसणपरिणामे ८ चरित्तपरिणामे ९ वेदपरिणामे १० । ९२७. गतिपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! चउविहे पणत्ते । तं जहा-णिरयगतिपरिणामे १

तिरियगतिपरिणामे २ मणुयगतिपरिणामे ३ देवगतिपरिणामे ४ । ९२८. इंदियपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तं जहा-सोइंदियपरिणामे १ चक्खिदियपरिणामे २ घाणिदियपरिणामे ३ जिब्भिदियपरिणामे ४ फासिंदियपरिणामे ५ । ९२९. कसायपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते । तं जहा-कोहकसायपरिणामे १ माणकसायपरिणामे २ मायाकसायपरिणामे ३ लोभकसायपरिणामे ४ । ९३०. लेस्सापरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे पण्णत्ते । तं जहा कण्हलेस्सापरिणामे १ णीललेस्सापरिणामे २ काउलेस्सापरिणामे ३ तेउलेस्सापरिणामे ४ पम्हलेस्सापरिणामे ५ सुक्कलेस्सापरिणामे ६ । ९३१. जोगपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते । तं जहा मणजोगपरिणामे १ वइजोगपरिणामे २ कायजोगपरिणामे ३ । ९३२. उवओगपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा-सागारोवओगपरिणामे य अणागारोवओगपरिणामे य । ९३३. णाणपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तं जहा-आभिणिबोहियणाणपरिणामे १ सुयणाणपरिणामे २ ओहिणाणपरिणामे ३ मणपञ्चवणाणपरिणामे ४ केवलणाणपरिणामे ५ । ९३४. अण्णाणपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते । तं जहा-मतिअण्णाणपरिणामे १ सुयअण्णाणपरिणामे २ विभंगणाणपरिणामे ३ । ९३५. दंसणपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते । तं जहा-सम्मदंसणपरिणामे १ मिच्छादंसणपरिणामे २ सम्मामिच्छादंसणपरिणामे ३ । ९३६. चरित्तपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तं जहा-सामाइयचरित्तपरिणामे १ छेदोवद्वावणियचरित्तपरिणामे २ परिहारविसुद्धियचरित्तपरिणामे ३ सुहुमसंपरायचरित्तपरिणामे ४ अहक्खायचरित्तपरिणामे ५ । ९३७. वेयपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते । तं जहा-इत्थिवेयपरिणामे १ पुरिसवेयपरिणामे २ णपुंसगवेयपरिणामे ३ । [सुत्तं ९३८. नेरइयाणं परिणामा] ९३८. णेरइया गतिपरिणामेणं णिरयगतिया, इंदियपरिणामेणं पंचिदिया, कसायपरिणामेणं कोहकसाई वि जाव लोभकसाई वि, लेस्सापरिणामेणं कण्हलेस्सा वि णीललेस्सा वि काउलेस्सा वि, जोगपरिणामेणं मणजोगी वि वइजोगी वि कायजोगी वि, उवओगपरिणामेणं सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि, णाणपरिणामेणं आभिणिबोहियणाणी वि सुयणाणी वि ओहिणाणी वि, अण्णाणपरिणामेणं मतिअण्णाणी वि सुयअण्णाणी वि विभंगणाणी वि, दंसणपरिणामेणं सम्मद्विटी वि मिच्छद्विटी वि सम्मामिच्छद्विटी वि, चरित्तपरिणामेणं णो चरिती णो चरित्ताचरिती अचरिती, वेदपरिणामेणं णो इत्थिवेयगा णो पुरिसवेयगा णपुंसगवेयगा । [सुत्तं ९३९. भवणवासीणं परिणामा] ९३९. १ असुरकुमारा वि एवं चेव । नवरं देवगतिया, कण्हलेसा वि जाव तेउलेसा वि, वेदपरिणामेणं इत्थिवेयगा वि णो णपुंसगवेयगा । सेसं तं चेव । २ एवं जाव थणियकुमारा । [सुत्तं ९४०. एगिंदियाणं परिणामा] ९४०. १ पुढविकाइया गतिपरिणामेणं तिरियगतिया, इंदियपरिणामेणं एगिंदिया, सेसं जहा णेरइयाणं (सु. ९३८) । णवरं लेस्सापरिणामेणं तेउलेस्सा वि, जोगपरिणामेणं कायजोगी, णाणपरिणामो णत्थि, अण्णाणपरिणामेणं मतिअण्णाणी वि, सुयअण्णाणी वि, दंसणपरिणामेणं मिच्छद्विटी । सेसं तं चेव । २ एवं आउ-वणप्फइकाइया वि । ३ तेऊ वाऊ एवं चेव । णवरं लेस्सापरिणामेणं जहा णेरइया (सु. ९३८) । [सुत्तं ९४१. विगलिंदियाणं परिणामा] ९४१. १ बेइंदिया गतिपरिणामेणं तिरियगतिया, इंदियपरिणामेणं बेइंदिया, सेसं जहा णेरइयाणं (सु. ९३८) । णवरं जोगपरिणामेणं वइयोगी वि काययोगी वि, णाणपरिणामेणं आभिणिबोहियणाणी वि सुयणाणी वि, अण्णाणपरिणामेणं मतिअण्णाणी वि सुयअण्णाणी वि णो विभंगणाणी, दंसणपरिणामेणं सम्मद्विटी वि मिच्छद्विटी । सेसं तं चेव । २ एवं जाव चउरिदिया । णवरं इंदियपरिवुद्धी कायव्वा । [सुत्तं ९४२. पंचिंदियतिरियाणं परिणामा] ९४२. पंचेदियतिरिक्खजोणिया गतिपरिणामेणं तिरियगतीया । सेसं जहा णेरइयाणं (सु. ९३८) । णवरं लेस्सापरिणामेणं जाव सुक्कलेस्सा वि, चरित्तपरिणामेणं णो चरिती अचरिती वि चरित्ताचरिती वि, वेदपरिणामेणं इत्थिवेयगा वि पुरिइवेयगा वि णपुंसगवेयगा वि । [सुत्तं ९४३. मणुस्साणं परिणामा] ९४३. मणुस्सा गतिपरिणामेणं मणुयगतिया, इंदियपरिणामेणं पंचेदिया अणिदिया वि, कसायपरिणामेणं कोहकसाई वि जाव

अकसाई वि, लेस्सापरिणामेणं कण्हलेस्सा वि जाव अलेस्सा वि, जोगपरिणामेणं मणजोगी वि जाव अजोगी वि, उवओगपरिणामेणं जहा णेरइया(सु. ९३८), णाणपरिणामेणं आभिणिबोहियणाणी वि जाव केवलणाणी वि, अण्णाणपरिणामेणं तिण्णि वि अण्णाणा, दंसणपरिणामेणं तिन्नि वि दंसणा, चरित्तपरिणामेणं चरिती वि अचरिती वि चरित्ताचरिती वि, वेदपरिणामेणं इत्थिवेयगा वि पुरिसवेयगा वि नपुंसगवेयगा वि अवेयगा वि । [सुत्ताइं ९४४-९४६. वाणमंतराईणं परिणामा] ९४४. वाणमंतरा गतिपरिणामेणं देवगइया जहा असुरकुमारा (सु. ९३९ १) । ९४५. एवं जोतिसिया वि । णवरं लेस्सापरिणामेणं तेउलेस्सा । ९४६. वेमाणिया वि एवं चेव । णवरं लेस्सापरिणामेणं तेउलेस्सा वि पम्हलेस्सा वि सुक्कलेस्सा वि । से तं जीवपरिणामे । [सुत्ताइं ९४७-९५७. अजीवपरिणामा] ९४७. अजीवपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दसविहे पण्णत्ते । तं जहा-बंधणपरिणामे १ गतिपरिणामे २ संठाणपरिणामे ३ भेदपरिणामे ४ वण्णपरिणामे ५ गंधपरिणामे ६ रसपरिणामे ७ फासपरिणामे ८ अगरुयलहुयपरिणामे ९ सहपरिणामे १० । ९४८. बंधणपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा निद्धबंधणपरिणामे य लुक्खबंधणपरिणामे य । समणिद्धयाए बंधो ण होति, समलुक्खयाए वि ण होति । वेमायणिद्ध-लुक्खत्तणेण बंधो उ खंधाणं ॥१९९॥ णिद्धस्स णिद्धेण दुयाहिणं लुक्खस्स लुक्खेण दुयाहिणं । णिद्धस्स लुक्खेण उवेइ बंधो जहण्णवज्जो विसमो समो वा ॥२००॥ ९४९. गतिपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा- फुसमाणगतिपरिणामे य अफुसमाणगतिपरिणामे य, अहवा दीहगइपरिणामे य हस्सगइपरिणामे य । ९५०. संठाणपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तं जहा परिमंडलसंठाणपरिणामे जाव आययसंठाणपरिणामे । ९५१. भेयपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तं जहा खंडाभेदपरिणामे जाव उक्करियाभेदपरिणामे । ९५२. वण्णपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तं जहा-कालवण्णपरिणामे जाव सुक्किलवण्णपरिणामे । ९५३. गंधपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते । गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा सुब्भिगंधपरिणामे य दुब्भिगंधपरिणामे य । ९५४. रसपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तं जहा तिस्सरसपरिणामे जाव महुररसपरिणामे । ९५५. फासपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! अट्टविहे पण्णत्ते । तं जहा कक्खडफासपरिणामे य जाव लक्खफासपरिणामे य । ९५६. अगरुयलहुयपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगागारे पण्णत्ते । ९५७. सहपरिणामे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा-सुब्भिसहपरिणामे य दुब्भिसहपरिणामे य । से तं अजीवपरिणामे । ★★ ★ ॥ पणवणाए भगवईए तेरसमं परिणामपयं समत्तं ॥ ★★ ★ १४. चोदसमं कसायपयं सुत्तं★ ★ ★ ९५८. कसायभेयपरूवणा ९५८. कति णं भंते ! कसाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि कसाया पण्णत्ता । तं जहा कोहकसाए १ माणकसाए २ मायाकसाए ३ लोहकसाए ४ । [ सुत्तं ९५९. चउवीसदंडएसु कसायपरूवणा] ९५९. णेरइयाणं भंते ! कति कसाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि कसाया पण्णत्ता । तं जहा कोहकसाए जाव लोभकसाए । एवं जाव वेमाणियाणं । सुत्तं ९६०. कसायपइट्टापरूवणा ९६०. १ कतिपतिट्टिए णं भंते ! कोहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउपतिट्टिए कोहे पण्णत्ते । तं जहा आयपतिट्टिए १ परपतिट्टिए २ तदुभयपतिट्टिए ३ अप्पतिट्टिए ४ । २ एवं णेरइयादीण जाव वेमाणियाणं दंडओ । ३ एवं माणेणं दंडओ, मायाए दंडओ, लोभेणं दंडओ । सुत्तं ९६१. कसायउप्पत्तिपरूवणा ९६१. १ कतिहि णं भंते ! ठाणेहिं कोहुप्पती भवति ? गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं कोहुप्पती भवति । तं जहा खेत्तं पडुच्च १ वत्थुं पडुच्च २ सरीरं पडुच्च ३ उवहिं पडुच्चं ४ । २ एवं णेरइयादीणं जाव वेमाणियाणं । ३ एवं माणेण वि मायाए वि लोभेण वि । एवं एते वि चत्तारि दंडगा । सुत्ताइं ९६२ ९६३. कसायपभेयपरूवणा ९६२. १ कतिविहे णं भंते ! कोहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे कोहे पण्णत्ते । तं जहा अणंताणुबंधी कोहे १ अप्पच्चक्खाणे कोहे २ पच्चक्खाणावरणे कोहे ३ संजलणे कोहे ४ । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । ३ एवं माणेणं मायाए लोभेणं । एए वि चत्तारि दंडया । ९६३. १ कतिविहे णं भंते ! कोहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे कोहे पण्णत्ते । तं जहा आभोगणिव्वत्तिए अणाभोगणिव्वत्तिए

उवसंते अणुवसंते । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । ३ एवं माणेण वि मायाए वि लोभेण वि चत्तारि दंडया । [सुत्ताइं ९६४-९७१. कसाएहिं कम्मचयोवचयादिपरूवणा] ९६४. १ जीवा णं भंते ! कतिहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ चिणिंसु ? गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ चिणिंसु । तं जहा कोहेणं १ माणेणं २ मायाए ३ लोभेणं ४ । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । ९६५. १ जीवा णं भंते ! कतिहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ चिणिंसु ? गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं । तं जहा कोहेणं १ माणेणं २ मायाए ३ लोभेणं ४ । २ एवं णेरइया जाव वेमाणिया । ९६६. १ जीवा णं भंते ! कइहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ चिणिस्संति ? गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ चिणिस्संति । तं जहा कोहेणं १ माणेणं २ मायाए ३ लोभेणं ४ । २ एवं णेरइया जाव वेमाणिया । ९६७. १ जीवा णं भंते ! कइहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ उवचिणिंसु ? गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ उवचिणिंसु । तं जहा कोहेणं १ माणेणं २ मायाए ३ लोभेणं ४ । २ एवं णेरइया जाव वेमाणिया । ९६८. १ जीवा णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं उवचिणिंसु कोहेणं १ जाव लोभेणं ४ । २ एवं णेरइया जाव वेमाणिया । ९६९. एवं उवचिणिस्संति । ९७०. जीवा णं भंते ! कइहिं ठाणेहिं अट्ट कम्मपगडीओ बंधिंसु ? गोयमा ! चउहिं ठाणेहिं । तं जहा कोहेणं १ जाव लोभेणं ४ । ९७१. एवं णेरइया जाव वेमाणिया बंधेसु बंधंति बंधिस्संति, उदीरेसु उदीरंति उदीरिस्संति, वेइंसु वेएंति वेइस्संति, निज्जरेसु निज्जरिंति निज्जरिस्संति । एवं एते जीवाइया वेमाणियपज्जवसाणा अट्टारस दंडगा जाव वेमाणिया निज्जरिंसु निज्जरंति । निज्जरिस्संति आयपइट्टिय खेतं पडुच्चणंताणुबंधि आभोगे । चिण उवचिण बंध उईर वेय तह निज्जरा चेव ॥२०१॥ ★★ ★॥ पणवणाए भगवतीए चोइसमं कसायपयं समत्तं ॥

★★★ १५. पनरसमं इंदियपयं पढमो उद्देशो ★★ ★ सुत्तं ९७२. पढमुद्देशस्स अत्थाहिंगारा ९७२. संठाणं १ बाहल्लं २ पोहत्तं ३ कतिपएस ४ ओगाढे ५ । अप्पाबहु पुट्ट ७ पविट्ट ८ विसय ९ अणगार १० आहारे ११ ॥२०२॥ अहाय १२ असी १३ य मणी १४ उडुपाणे १५ तेल्ल १६ फाणिय १७ वसा १८ य । कंबल १९ थूणा २० थिग्गल २१ दीवोदहि २२ लोगडलोगे २३-२४ य ॥२०३॥ [सुत्तं ९७३. इंदियभेयपरूवणा] ९७३. कति णं भंते ! इंदिया पणत्ता ? गोयमा ! पंच इंदिया पणत्ता । तं जहा-सोइंदिए १ चक्खिंदिए २ घाणिंदिए ३ जिब्भिंदिए ४ फासिंदिए ५ । [सुत्तं ९७४. १ संठाणदारं] ९७४. १ सोइंदिए णं भंते ! किंसंठिते पणत्ते ? गोयमा ! कलंबुयापुप्फसंठाणसंठिए पणत्ते । २ चक्खिंदिए णं भंते ! किंसंठिए पणत्ते ? गोयमा ! मसूरचंदसंठाणसंठिए पणत्ते । ३ घाणिंदिए णं पुच्छा । गोयमा ! इमुत्तगचंदसंठाणसंठिए पणत्ते । ४ जिब्भिंदिए णं पुच्छा । गोयमा ! खुरप्पसंठाणसंठिए पणत्ते । ५ फासिंदिए णं पुच्छा । गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पणत्ते । सुत्तं ९७५. २ बाहल्लदारं ९७५. १ सोइंदिए णं भंते ! केवतियं बाहल्लेणं पणत्ते ? गोयमा ! अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं बाहल्लेणं पणत्ते । २ एवं जाव फासिंदिए । [सुत्तं ९७६. ३ पोहत्तदारं] ९७६. १ सोइंदिए णं भंते ! केवतियं पोहत्तेणं पणत्ते ? गोयमा ! अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं पोहत्तेणं पणत्ते । २ एवं चक्खिंदिए वि घाणिंदिए वि । ३ जिब्भिंदिए णं पुच्छा । गोयमा ! अंगुलपुहत्तं पोहत्तेणं पणत्ते । ४ फासिंदिए णं पुच्छा । गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ते पोहत्तेणं पणत्ते । [सुत्तं ९७७. ४ कतिपएसदारं ९७७] १ सोइंदिए णं भंते ! कतिपएसिए पणत्ते ? गोयमा ! अणंतपएसिए पणत्ते । २ एवं जाव फासिंदिए । [सुत्तं ९७८. ५ ओगाढदारं] ९७८. १ सोइंदिए णं भंते ! कतिपएसोगाढे पणत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जपएसोगोढे पणत्ते । २ एवं जाव फासिंदिए । [सुत्ताइं ९७९-९८२. ६ अप्पाबहुदारं] ९७९. एसिणं भंते ! सोइंदिय-चक्खिंदिय-घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदियाणं ओगाहणट्टयाए पएसट्टयाए ओगाहणपएसट्टयाए कतरे कतरेहितो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे चक्खिंदिए ओगाहणट्टयाए, सोइंदिए ओगाहणट्टयाए संखेज्जगुणे, घाणिंदिए ओगाहणट्टयाए संखेज्जगुणे, जिब्भिंदिए ओगाहणट्टयाए असंखेज्जगुणे, फासिंदिए ओगाहणट्टयाए संखेज्जगुणे, पदेसट्टयाए-सव्वत्थोवे चक्खिंदिए पदेसट्टयाए, सोइंदिए पदेसट्टयाए संखेज्जगुणे, घाणिंदिए पएसट्टयाए संखेज्जगुणे, जिब्भिंदिए पएसट्टयाए असंखेज्जगुणे, फासिंदिए पएसट्टयाए असंखेज्जगुणे, ओगाहणपएसट्टयाए सव्वत्थोवे

चक्खिदि ए ओगाहणद्वयाए, सोइंदिए ओगाहणद्वयाए संखेज्जगुणे, घाणिदि ए ओगाहणद्वयाए संखेज्जगुणे जिब्भिदि ए ओगाहणद्वयाए असंखेज्जगुणे फासिदि ए ओगाहणद्वयाए संखेज्जगुणे, फासिदियस्स ओगाहणद्वयाएहिंतो चक्खिदि ए पएसद्वयाए अणंतगुणे, सोइंदिए पएसद्वयाए संखेज्जगुणे, घाणिदि ए पएसद्वयाए संखेज्जगुणे, जिब्भिदि ए पएसद्वयाए असंखेज्जगुणे, फासिदि ए पएसद्वयाए संखेज्जगुणे । ९८०. १ सोइंदियस्स णं भंते ! केवतिया कक्खडगरुयगुणा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता कक्खडगरुयगुणा पण्णत्ता । २ एवं जाव फासिदियस्स । ९८१. १ सोइंदियस्स णं भंते ! केवतिया मउयलहुयगुणा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता मउयलहुयगुणा पण्णत्ता । २ एवं जाव फासिदियस्स । ९८२. एतेसिं णं भंते ! सोइंदिय-चक्खिदिय-घाणिदिय-जिब्भिदिय-फासिदियाणं कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाणं कक्खडगरुयगुणमउयलहुयगुणाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थोवा चक्खिदियस्स कक्खडगरुयगुणा, सोइंदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, घाणिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, जिब्भिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, फासिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा; मउयलहुयगुणाणं सब्बत्थोवा फासिदियस्स मउयलहुयगुणा, जिब्भिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, घाणिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, सोइंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, चक्खिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा; कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाणं य सब्बत्थोवा चक्खिदियस्स कक्खडगरुयगुणा, सोइंदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, घाणिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, जिब्भिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, फासिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, फासिदियस्स कक्खडगरुयगुणेहिंतो तस्स चैव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, जिब्भिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, घाणिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, सोइंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, चक्खिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा । [सुत्ताइं ९८३-९८९. चउवीसदंडएसु संठाणाइदारच्छकं] ९८३. १ णेरइयाणं भंते ! कइ इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचेदिया पण्णत्ता । तं जहा-सोइंदिए जाव फासिदि ए । २ णेरइयाणं भंते ! सोइंदिए किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! कलंबुयासंठाणसंठिए पण्णत्ते । एवं जहेव ओहियाणं वत्तव्वया भणिया (सु. ९७४ तः ९८२) तहेव णेरइयाणं पि जाव अप्पाबहुयाणि दोण्णि वि । णवरं णेरइयाणं भंते ! फासिदि ए किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य, तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं हुंडसंठाणसंठिए पण्णत्ते, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से वि तहेव । सेसं तं चैव । ९८४. असुरकुमाराणं भंते ! कति इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचेदिया पण्णत्ता । एवं जहा ओहियाणं (सु. ९७३ तः ९८२) जाव अप्पाबहुयाणि दोण्णि वि । णवरं फासेदि ए दुविहे पण्णत्ते । तं जहा-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य । तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं समचउरंसंठाणसंठिए पण्णत्ते, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से णं णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । सेसं तं चैव । एवं जाव थणियकुमाराणं । ९८५. १ पुढविकाइयाणं भंते ! कति इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! एगे फासिदि ए पण्णत्ते । २ पुढविकाइयाणं भंते ! फासिदि ए किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! मसूरचंदसंठिए पण्णत्ते । ३ पुढविकाइयाणं भंते ! फासिदि ए केवतियं बाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! अंगुलस्स असंखेज्जइभागं बाहल्लेणं पण्णत्ते । ४ पुढविकाइयाणं भंते ! फासिदि ए केवतियं पोहत्तेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ते पोहत्तेणं पण्णत्ते । ५ पुढविकाइयाणं भंते ! फासिदि ए कतिपएसिए पण्णत्ते ? गोयमा ! अणंतपएसिए पण्णत्ते । ६ पुढविकाइयाणं भंते ! फासिदि ए कतिपएसोगाढे पण्णत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जपएसोगाढे पण्णत्ते । ७ एतेसिं णं भंते ! पुढविकाइयाणं फासिदियस्स ओगाहण-पएसद्वयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुवा वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सब्बत्थोवे पुढविकाइयाणं फासिदि ए ओगाहणद्वयाए, से चैव पएसद्वयाए अणंतगुणे । ८ पुढविकाइयाणं भंते ! फासिदियस्स केवतिया कक्खडगरुयगुणा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता । एवं मउयलहुयगुणा वि । ९ एतेसिं णं भंते ! पुढविकाइयाणं फासेदियस्स कक्खडगरुयगुणमउयलहुयगुणाणं कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुवा वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सब्बत्थोवा पुढविकाइयाणं फासेदियस्स कक्खडगरुयगुणा, तस्स चैव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा । ९८६. एवं आउक्काइयाणं वि जाव वणप्फइकाइयाणं । णवरं संठाणे इमो

विसेसो दड्व्वो-आउक्काइयाणं थिबुगबिंदुसंठाणसंठिए पण्णत्ते, तेउक्काइयाणं सूयीकलावसंठाणसंठिए पण्णत्ते, वाउक्काइयाणं पडागासंठाणसंठिए पण्णत्ते, वणप्फइकाइयाणं णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । १८७. १ बेइंदियाणं भंते ! कति इंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! दो इंदिया पण्णत्ता । तं जहा जिब्भिदिए य फासिदिए य । दोण्हं पि इंदियाणं संठाणं बाहल्लं पोहत्तं पदेसा ओगाहणा य जहा ओहियाणं भणिया(सु. ९७४-९७८) तहा भाणियव्वा । णवरं फासेदिए हुंडसंठाणसंठिए पण्णत्ते त्ति इमो विसेसो । २ एतेसि णं भंते ! बेइंदियाणं जिब्भिदिय-फासेदियाणं ओगाहणट्टयाए पएसट्टयाए ओगाहणपएसट्टयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ । ? गोयमा ! सव्वत्थोवे बेइंदियाणं जिब्भिदिए ओगाहणट्टयाए, फासेदिए ओगाहणट्टयाए संखेज्जगुणे; पएसट्टयाए सव्वत्थोवे बेइंदियाणं जिब्भिदिए पएसट्टयाए, फासेदिए पएसट्टयाए संखेज्जगुणे; ओगाहणपएसट्टयाए सव्वत्थोवे बेइंदियस्स जिब्भिदिए ओगाहणट्टयाए, फासिदिए ओगाहणट्टयाए संखेज्जगुणे, फासेदियस्स ओगाहणट्टयाएहिंतो जिब्भिदिए पएसट्टयाए अणंतगुणे, फासिदिए पएसट्टयाए संखेज्जगुणे । ३ बेइंदियाणं भंते ! जिब्भिदियस्स केवइया कक्खडगरुयगुणा पण्णत्ता ? गोयमा ! अणंता एवं फासेदियस्स वि । एवं मउयलहुयगुणा वि । ४ एतेसि णं भंते ! बेइंदियाणं जिब्भिदिय-फासेदियाणं कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाणं कक्खडगरुयगुण-मउयलहुयगुणाण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बेइंदियाणं जिब्भिदियस्स कक्खडगरुयगुणा, फासेदियस्स कक्खडगरुयगुणा, फासेदियस्स कक्खडगरुयगुणेहिंतो तस्स चेव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, जिब्भिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा । ५ एवं जाव चउरिदिय त्ति । णवरं इंदियपरिवुद्धी कायव्वा । तेइंदियाणं घाणेदिए थोवे, चउरिदियाणं चक्खिदिए थोवे । सेसं तं चेव । १८८. पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाण य जहा णेरइयाणं (सु. ९८३) । णवरं फासिदिए छव्विहसंठाणसंठिए पण्णत्ते । तं जहा समचउरंसे १ णग्गोहपरिमंडले २ सांती ३ खुज्जे ४ वामणे ५ हुंडे ६ । ९८९. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं (सु. ९८४) । [सुत्तं ९९०. ७ पुट्टदारं] ९९०. १ पुट्टाई भंते ! सद्दाई सुणेइ ? अपुट्टाई सद्दाई सुणेइ ? गोयमा ! पुट्टाई सद्दाई सुणेइ, नो अपुट्टाई सद्दाई सुणेइ । २ पुट्टाई भंते ! रूवाई पासति ? अपुट्टाई रूवाई पासइ ? गोयमा ! णो पुट्टाई रूवाई पासइ, अपुट्टाई रूवाई पासति । ३ पुट्टाई भंते ! गंधाई अग्घाति ? अपुट्टाई गंधाई अग्घाति ? गोयमा ! पुट्टाई गंधाई अग्घाइ, णो अपुट्टाई गंधाई अग्घाति । ४ एवं रसाणवि फासाणवि । णवरं सराई अस्साएइ फासाई पडिसंवेदेति त्ति अभिलावो कायव्वो । [सुत्तं ९९१. ८ पविट्टदारं] ९९१. १ पविट्टाई भंते ! सद्दाई सुणेइ ? अपविट्टाई सद्दाई सुणेइ ? गोयमा ! पविट्टाई सद्दाई सुणेति, णो अपविट्टाई सद्दाई सुणेति । २ एवं जहा पुट्टाणि तहा पविट्टाणि वि । सुत्तं ९९२. ९ विसयदारं ९९२. १ सोइंदियस्स णं भंते ! केवतिए पण्णत्ते ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागाओ, उक्कोसेणं बारसहिं जोयणेहिंतो अच्छिण्णे पोग्गले पुट्टे पविट्टाई सद्दाई सुणेति । २ चक्खिदियस्स णं भंते ! केवतिए विसए पण्णत्ते ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जतिभागाओ, उक्कोसेणं सातिरेगाओ जोयणस्ससहस्साओ अच्छिण्णे पोग्गले अपुट्टे अपविट्टाई रूवाई पासति । ३ घाणिदियस्स पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागतो, उक्कोसेणं णवहिं जोयणेहिंतो अच्छिण्णे पोग्गले पुट्टे पविट्टाई गंधाई अग्घाति । ४ एवं जिब्भिदियस्स वि फासिदियस्स वि । [सुत्ताई ९९३-९९४. १० अणगारदारं ] ९९३. अणगारस णं भंते ! भाविअप्पणो मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरिमा णिज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पण्णत्ता समणाउसो ! ? सव्वलोगं पि य णं ते ओगाहिता णं चिड्ढंति ? हंता गोयमा ! अणागारस्स णं भाविअप्पणो मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरिमा णिज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पण्णत्ता समणाउसो ! सव्वलोगं पि य णं ते ओगाहिता णं चिड्ढंति । ९९४. छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं किं आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणइ पासइ ? गोयमा ! णो इमट्टे समट्टे । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं णो किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणति पासति ? गोयमा ! देवे वि य णं अत्थेगइए जे णं तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं णो किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणति पासति, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं णो किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा

तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लह्यत्तं वा जाणइ पासति, सुहुमा णं ते पोग्गला पणत्ता समणाउसो !, सब्वलोगं पि य णं ते ओगाहिता चिद्धंति । [सुत्ताइं ९९५--९९८. चउवीसदंडएसु ११ आहारदारं] ९९५. १ णेरइयां णं भंते ! ते णिज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारेति ? उदाहु ण याणंति ण पासंति ण आहारेति ? गोयमा ! णेरइया णं ते णिज्जरापोग्गले ण जाणंति ण पासंति, आहारेति । २ एवं जाव पंचेदियतिरिक्खजोणिया । ९९६. मणूसा णं भंते ! ते णिज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारेति ? उदाहु ण जाणंति ण पासंति ण आहारेति ? गोयमा ! अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेति, अत्थेगइया ण जाणंति पासंति आहारेति । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेति अत्थेगइया ण याणंति ण पासंति आहारेति ? गोयमा ! मणूसा दुविहा पणत्ता । तं जहा- सण्णिभूया य असण्णिभूया य । तत्थ णं जे ते असण्णिभूया ते णं ण जाणंति ण पासंति आहारेति । तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते दुविहा पणत्ता । तं जहा- उवउत्ता य अणुवउत्ता य । तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं ण याणंति ण पासंति आहारेति, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणेति पासंति आहारेति, से एणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति अत्थेगइया ण याणंति ण पासंति आहारेति अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेति । ९९७. वाणमंतर -जोइसिया जहा णेरइया(सु. ९९५ १) । ९९८. वेमाणिया णं भंते ! ते णिज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारेति ? गोयमा ! जहा मणूसा(सु. ९९६) । णवरं वेमाणिया दुविहा [ ग्रन्थाग्रम् ४५०० ] पणत्ता । तं जहा माइमिच्छद्विद्विउववण्णगा य अमाइसम्मद्विद्विउववण्णगा य । तत्थ णं जे ते माइमिच्छद्विउववण्णगा ते णं न याणंति न पासंति आहारिति । तत्थ णं जे ते अमाइसम्मद्विद्विउववण्णगा ते दुविहा पन्नत्ता, तं जहा-अणंतरोववण्णगा य परंपरोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते अणंतरोववण्णगा ते दुविहा पणत्ता, तं जहा- पज्जत्ता य अपज्जत्ता य । तत्थ णं जे ते अपज्जत्ता ते णं ण याणंति ण पासंति आहारेति । तत्थ णं जे ते पज्जत्ता ते दुविहा पणत्ता, तं जहा- उवउत्ता य अणुवउत्ता य । तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता णं ण याणंति ण पासंति आहारेति, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणंति पासंति आहारेति । सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति अत्थेगइया ण जाणंति जाव अत्थेगइया० आहारेति । [ सुत्तं ९९९. १२-१८ अद्दायाइदारसत्तं ] ९९९. १ अद्दाए णं भंते ! पेहमाणे मणूसे किं अद्दायं पेहेति ? अत्ताणं पेहेति ? पलिभागं पेहेति ? गोयमा ! नो अद्दायं पेहेति णो अत्ताणं पेहेति, पलिभागं पेहेति । २ एवं एतेणं अभिलावेणं असिं मणिं उडुपाणं तेल्लं फाणियं वसं । [सुत्तं १०००. १९ कंबलदारं] १०००. कंबलसाडए णं भंते ! आवेढियपरिवेढिए समाणे जावतियं ओवासंतरं फुसित्ता णं चिद्धति विरल्लिए वि य णं समाणे तावतियं चेव ओवासंतरं फुसित्ता णं चिद्धति ? हंता ! गोयमा ! कंबलसाडए णं आवेढियपरिवेढिए समाणे जावतियं तं चेव । [ सुत्तं १००१. २० थूणादारं ] १००१. थूणा णं भंते ! उहं ऊसिया समाणी जावतियं खेत्तं ओगाहिता णं चिद्धति तिरियं पि य णं आयया समाणी तावतियं चेव खेत्तं ओगाहिता णं चिद्धति ? हंता ? गोयमा ! थूणा णं उहं ऊसिया तं चेव जाव चिद्धति । [सुत्तं १००२. २१ थिग्गलदारं ] १००२. आगासथिग्गले णं भंते ! किणा फुडे ? कइहिं वा काएहिं फुडे ? किं धम्मत्थिकाएणं फुडे ? किं धम्मत्थिकायस्स देसेणं फुडे ? धम्मत्थिकायस्स पदेसेहिं फुडे ? एवं अधम्मत्थिकाएणं आगासत्थिकाएणं ? एएणं भेदेणं जाव किं पुढविकाइएणं फुडे जाव तसकाएणं फुडे ? अब्बासमएणं फुडे ? गोयमा ! धम्मत्थिकाएणं फुडे, णो धम्मत्थिकाएण वि । णो आगासत्थिकाएणं फुडे, आगासत्थिकायस्स देसेणं फुडे, धम्मत्थिकायस्स पदेसेहिं फुडे । एवं अधम्मत्थिकाएण वि । णो आगासत्थिकाएणं फुडे, आगासत्थिकायस्स देसेणं फुडे, आगासत्थिकायस्स पदेसेहिं फुडे जाव वणप्फइकाइएणं फुडे । तसकाएणं सिय फुडे, सिय णो फुडे । अब्बासमएणं देसे फुडे, देसे णो फुडे । [सुत्तं १००३. २२ दीवोदहिदारं] १००३. १ जंबुदीवे णं भंते ! दीवे किण्णा फुडे ? कतिहिं वा काएहिं फुडे ? किं धम्मत्थिकाएणं जाव आगासत्थिकाएणं फुडे ? गोयमा ! णो धम्मत्थिकाएणं फुडे धम्मत्थिकायस्स देसेणं फुडे धम्मत्थिकायस्स पएसेहिं फुडे, एवं अधम्मत्थिकायस्स वि आगासत्थिकायस्स वि, पुढविकाइणं फुडे जाव वणप्फइकाइएणं फुडे, तसकाएणं सिय फुडे सिय णो फुडे, अब्बासमएणं फुडे । २ एवं लवणसमुद्दे धायइसंडे दीवे कालोए समुद्दे अब्भितरपुक्खरद्धे । बाहिरपुक्खरद्धे एवं चेव, णवरं अब्बासमएणं णो फुडे । एवं जाव सयंभुरमणे समुद्दे ।

एसा परिवाडी इमाहिं गाहाहिं अणुगंतव्वा । तं जहा जंबुद्वीवे लवणे धायइ कालोय पुक्खरे वरुणे । खीर घत खोत नंदि य अरुणवरे कुंडले रुयए ॥२०४॥  
 आभरण-वत्थ-गंधे उप्पल-तिलए य पुढवि-णिहि-रयणे । वासहर-दह-नदीओ विजया वक्खार-कप्पिंदा ॥२०५॥ कुरु-मंदर-आवासा कूडा णक्खत्त-चंद-सुरा  
 य । देवे णागे जक्खे भूए य सयंभुरमणे ॥२०६॥ एवं जहा बाहिरपुक्खरद्धे भणितं तहा जाव सयंभुरमणे समुद्धे जाव अब्बासमएणं णो फुडे । [सुत्तं १००४. २३  
 लोगदारं] १००४. लोगे णं भंते ! किणो फुडे ? कतिहिं वा काएहिं ? जहा आगासथिग्गले (सु. १००२) । [सुत्तं १००५. २४ अलोगदारं] १००५. अलोए णं  
 भंते ! किणा फुडे ? कतिहिं वा काएहिं पुच्छा । गोयमा ! णो धम्मत्थिकाएणं फुडे जाव णो आगासत्थिकाएणं फुडे, आगासत्थिकायस्स देसेणं फुडे आगासत्थिकायस्स  
 पदेसेहिं फुडे, णो पुढविक्काइएणं फुडे जाव णो अब्बासमएणं फुडे, एगे अजीवदव्वदेसे अगुरुलहुए अणंतेहिं अगुरुलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वायासे अणंतभागूणे ।  
 ☆☆☆॥इंदियपयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥ ☆☆☆बीओ उद्देसो ☆☆☆ [सुत्तं १००६. बीउद्देसस्स अत्थाहिगारा] १००६. इंदियउवचय १  
 णिव्वत्तणा य २ समया भवे असंखेज्जा ३ । लद्धी ४ उवओगद्धा ५ अप्पाबहुए विसेसहिया ६ ॥२०७॥ ओगाहणा ७ अवाए ८ ईहा ९ तह वंजणोग्गहे चव १० ।  
 दव्विदिय ११ भाविदिय १२ तीया बद्धा पुरेक्खडिया ॥२०८॥ [सुत्ताइं १००७-८. १ इंदिओवचयदारं] १००७. कतिविहे णं भंते ! इंदिओवचए पण्णत्ते ? गोयमा !  
 पंचविहे इंदिओवचए पण्णत्ते । तं जहा-सोइंदिओवचए चक्खिदिओवचए घाणिदिओवचए जिब्भिदिओवचए फासिदिओवचए । १००८. १ णेरइयाणं भंते !  
 कतिविहे इंदिओवचए पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे इंदिओवचए पण्णत्ते । तं जहा-सोइंदिओवचए जाव फासिदिओवचए । २ एवं जाव वेमाणिया णं । जस्स जइ  
 इंदिया तस्स तइविहो चव इंदिओवचयो भाणियव्वो । १ ॥ [सुत्तं १००९. २ इंदियनिव्वत्तणादारं] १००९. १ कतिविहा णं भंते ! इंदियनिव्वत्तणा पण्णत्ता ?  
 गोयमा ! पंचविहा इंदियनिव्वत्तणा पण्णत्ता । तं जहा-सोइंदियनिव्वत्तणा जाव फासिदियनिव्वत्तणा । २ एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । नवरं जस्स जतिदिया  
 अत्थि । २ ॥ [सुत्तं १०१०. ३ इंदियनिव्वत्तणासमयदारं] १०१०. १ सोइंदियणिव्वत्तणा णं भंते ! कतिसमइया पन्नत्ता ? गोयमा ! असंखिज्जसमइया अंतोमुहुत्तिया  
 पन्नत्ता । एवं जाव फासिदियनिव्वत्तणा । २ एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । ३ ॥ [सुत्तं १०११. ४ इंदियलद्धिदारं] १०११. १ कतिविहा णं भंते ! इंदियलद्धा  
 पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा इंदियलद्धी पण्णत्ता । तं जहा-सोइंदियलद्धी जाव फासिदियलद्धी । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । नवरं जस्स जति इंदिया अत्थि  
 तस्स तावतिया लद्धि भाणियव्वा । ४ ॥ [सुत्तं १०१२. ५ इंदियउवओगद्धादारं] १०१२. १ कतिविहा णं भंते ! इइंदियउवओगद्धा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा  
 इंदियउवओगद्धा पण्णत्ता । तं जहा सोइंदियउवओगद्धा जाव फासिदियउवओगद्धा । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । णवरं जस्स जति इंदिया अत्थि । ५ ॥  
 [सुत्तं १०१३. ६ इंदियउवओगप्पाबहुयदारं] १०१३. एतेसि णं भंते ! सोइंदिय-चक्खिदिय-घाणिदिय-जिब्भिदिय-फासिदियाणं जहणियाए उवओगद्धाए  
 उक्कोसियाए उवओगद्धाए जहण्णुक्कोसियाए उवओगद्धाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा चक्खिदियस्स जहणिया उवओगद्धा, सोइंदियस्स  
 जहणिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिदियस्स जहणिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिदियस्स जहणिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासेदियस्स जहणिया  
 उवओगद्धा विसेसाहिया । उक्कोसियाए उवओगद्धाए सव्वत्थोवा चक्खिदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा, सोइंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया,  
 घाणिदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासेदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया ।  
 जहण्णुक्कोसियाए उवओगद्धाए सव्वत्थोवा चक्खिदियस्स जहणिया उवओगद्धा, सोइंदियस्स जहणिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिदियस्स जहणिया  
 उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिदियस्स जहणिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासेदियस्स जहणिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासेदियस्स जहणियाहिंतो  
 उवओगद्धाहिंतो चक्खिदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, सोइंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा

विसेसाहिया, जिब्भिदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासेदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया । ६॥ [सुत्तं १०१४. ७ इंदियओगाहणादारं] १०१४. १ कतिविहा णं भंते ! इंदियओगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! पंचविहा इंदियओगाहणा पणत्ता । तं जहा-सोइंदियओगाहणा जाव फासेदियओगाहणा । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । णवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि । ७॥ [सुत्तं १०१५. ८ इंदियावायदारं] १०१५. १ कतिविहे णं भंते ! इंदियअवाए पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे इंदियअवाये पणत्ते । तं जहा-सोइंदियअवाए जाव फासेदियअवाए । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । नवरं जस्स जत्तिया इंदिया अत्थि । ८॥ [सुत्तं १०१६. ९ ईहादारं] १०१६. १ कतिविहा णं भंते ! ईहा पणत्ता ? गोयमा ! पंचविहा ईहा पणत्ता । तं जहा सोइंदियईहा जाव फासेदियईहा । २ एवं जाव वेमाणियाणं । णवरं जस्स जति इंदिया । ९॥ [सुत्ताइं १०१७-२३. १० उग्गहदारं] १०१७. कतिविहे णं भंते ! उग्गहे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे उग्गहे पणत्ते । तं जहा अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य । १०१८. वंजणोग्गहे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पणत्ते । तं जहा- सोइंदियवंजणोग्गहे घाणिदियवंजणोग्गहे जिब्भिदियवंजणोग्गहे फासिदियवंजणोग्गहे । १०१९. अत्थोग्गहे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! छव्विहे अत्थोग्गहे पणत्ते । तं जहा सोइंदियअत्थोग्गहे चक्खिदियअत्थोग्गहे घाणिदियअत्थोग्गहे जिब्भिदियअत्थोग्गहे फासिदियअत्थोग्गहे णोइंदियअत्थोग्गहे । १०२०. १ णेरइयाणं भंते ! कतिविहे उग्गहे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे उग्गहे पणत्ते । तं जहा अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य । २ एवं असुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं । १०२१. १ पुढविकाइयाणं भंते ! कतिविहे उग्गहे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे उग्गहे पणत्ते । तं जहा अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य । २ पुढविकाइयाणं भंते ! वंजणोग्गहे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! एगे फासिदियवंजणोग्गहे पणत्ते । ३ पुढविकाइयाणं भंते ! कतिविहे अत्थोग्गहे पणत्ते ? गोयमा ! एगे फासिदियअत्थोग्गहे पणत्ते । ४ एवं जाव वणप्फइकाइयाणं । १०२२. १ एवं बेइंदियाण वि । णवरं बेइंदियाणं वंजणोग्गहे दुविहे पणत्ते , अत्थोग्गहे दुविहा पणत्ते । २ एवं तेइंदिय-चउरिदियाण वि । णवरं इंदियपरिवुद्धी कायव्वा । चउरिदियाणं वंजणोग्गहे ति विहे पणत्ते, अत्थोग्गहे चउव्विहे पणत्ते । १०२३. सेसाणं जहा णेरइयाणं (सु. १०२० १) जाव वेमाणियाणं । १०॥ [सुत्तं १०२४. पयारंतरेण इंदियभेया] १०२४. कतिविहा णं भंते ! इंदिया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा- दव्विदिया य भाविदिया य । [सुत्ताइं १०२५-५५. ११ दव्विंदियदारं] १०२५. कति णं भंते ! दव्विदिया पणत्ता ? गोयमा ! अट्ठ दव्विदिया पणत्ता । तं जहा दो सोया २ दो णेत्ता ४ दो घाणा ६ जीहा ७ फासे ८ । १०२६. १ णेरइयाणं भंते ! कति दव्विदिया पणत्ता ? गोयमा ! अट्ठ, एते चेव । २ एवं असुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराण वि । १०२७. पुढविकाइयाणं भंते ! कति दव्विदिया पणत्ता ? गोयमा ! एगे फासेदिए पणत्ते । २ एवं जाव वणप्फतिकाइयाणं । १०२८. १ बेइंदियाणं भंते ! कति दव्विदिया पणत्ता ? गोयमा ! दो दव्विदिया पणत्ता । तं जहा फासिदिए य जिब्भिदिए य । २ तेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! चत्तारि दव्विदिया पणत्ता । तं जहा दो घाणा २ जीहा ३ फासे ४ । ३ चउरिदियाणं पुच्छा । गोयमा ! छ दव्विदिया पणत्ता तं जहा दो णेत्ता २ दो घाणा ४ जीहा ४ फासे ६ । १०२९. सेसाणं जहा णेरइयाणं (सु. १०२६ १) जाव वेमाणियाणं । १०३०. एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवतिया दव्विदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लया ? गोयमा ! अट्ठ । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अट्ठ वा सोलस वा सत्तरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । १०३१. १ एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स केवतिया दव्विदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! अट्ठ । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अट्ठ वा णव वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । २ एवं जाव थणियकुमाराणं ताव भाणियव्वं । १०३२. १ एवं पुढविकाइय-आउक्काइय-वणप्फकाइयस्स वि । णवरं केवतिया बद्धेल्लग ? त्ति पुच्छाए उत्तरं एक्के फासिदिए पणत्ते । २ एवं तेउक्काइय-वाउक्काइयस्स वि । णवरं पुरेक्खडा णव वा दस वा । १०३३. १ एवं बेइंदियाण वि । णवरं बद्धेल्लगपुच्छाए दोण्णि । २ एवं तेइंदियस्स वि । णवरं बद्धेल्लगा चत्तारि । ३ एवं चउरिदियस्स वि । नवरं बद्धेल्लगा छ । १०३४. पंचेदियतिरिक्खजोणिय-मणूस-वाणमंतर-जोइसिय-सोहम्मिसाण-गदेवस्स जहा असुरकुमारस्स (सु. १०३१) । नवरं मणूसस्स पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइ अत्थि अट्ठ वा नव वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता

वा । १०३५. सणकुमार-माहिंद-बंध-लंतग-सुक्क-सहस्सार-आणय-पाणय-आरण-अच्चुय-गेवेज्जगदेवस्स य जहा नेरइयस्स (सु. १०३०) । १०३६. एगमेगस्स णं भंते ! विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवस्स केवतिया दब्बिदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! अट्ट । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा । १०३७. सव्वट्टसिद्धगदेवस्स अतीता अणंता, बद्धेल्लगा अट्ट, पुरेक्खडा अट्ट । १०३८. १ णेरइयाणं भंते ! केवतिया दब्बिदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! असंखेज्जा । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । २ एवं जाव गेवेज्जगदेवाणं । णवरं मणूसाणं बद्धेल्लगा सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा । १०३९. विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! अतीता अणंता, बद्धेल्लगा असंखेज्जा, पुरेक्खडा असंखेज्जा । १०४०. १ सव्वट्टसिद्धगदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! अईया अणंता, बद्धेल्लगा संखेज्जा, पुरेक्खज संखेज्जा । १०४१. १ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइअत्ते केवतिया दब्बिदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लया ? गोयमा ! अट्ट । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । २ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवतिया दब्बिदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं जाव थणियकुमारत्ते । ३ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स पुढविकाइयत्ते केवतिया दब्बिदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि एकको वा दो वा तिण्णि वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं जाव वणप्फइकाइयत्ते । ४ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स बेइंदियत्ते केवतिया दब्बिदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि दो वा चत्तारि वा छ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं तेइंदियत्ते वि, णवरं पुरेक्खडा चत्तारि वा अट्ट वा बारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं चउरिंदियत्ते वि नवरं पुरेक्खडा छ वा बारस वा अट्टारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । ५ पंचेदियतिरिक्खजोणियत्ते जहा असुरकुमारत्ते । ६ मणूसत्ते वि एवं चेव । णवरं केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । सव्वेसिं मणूसवज्जाणं पुरेक्खडा मणूसते कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि त्ति एवं ण वुच्चति । ७ वाणमंतर-जोइसिय-सोहम्मग जाव गेवेज्जगदेवत्ते अतीया अणंता; बद्धेल्लगा णत्थि; पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता । ८ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवत्ते केवतिया दब्बिदिया अतीया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि अण्ण वा सोलस वा । ९ सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते अतीया णत्थि; बद्धेल्लगा णत्थि; पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि अट्ट । १०४२. एवं जहा णेरइयदंडओ णीओ तहा असुरकुमारेण वि णेयव्वो जाव पंचेदियतिरिक्खजोणिएणं । णवरं जस्स सट्ठाणे जति बद्धेल्लगा तस्स तइ भाणियव्वा । १०४३. १ एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स णेरयइत्ते केवतिया दब्बिदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लिया गोयमा ! णत्थि केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा अणंता वा । २ एवं जाव पंचेदियतिरिक्खजोणियत्ते । णवरं एगिदिय-विगलिदिएसु जस्स जत्तिया पुरेक्खडा तस्स तत्तिया भाणियव्वा । ३ एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स मणूसत्ते केवतिया दब्बिदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? अट्ट । केवतिया पुरेक्खडा ? कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । ४ वाणमंतर - जोतिसिय जाव गेवेज्जगदेवत्ते जहा णेरइयथष । ५ एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स विजय-वेजयंत-जयंताऽपराजियदेवत्ते केवइया दब्बिदिया अतीया ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि अट्ट वा सोलस वा । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि,

जस्सऽत्थि अट्ट वा सोलस वा । ६ एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते केवतिया दव्विदिया अतीया ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ट । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ट । १०४४. वाणमंतर - जोतिसिए जहा णेरइए (सु. १०४१) । १०४५. १ सोहम्मगदेवे वि जहा णेरइए (सु. १०४१) । णवरं सोहम्मगदेवस्स विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियत्ते केवतिया दव्विदिया ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ट । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ट वा सोलस वा । सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते जहा णेरइस्स । २ एवं जाव गेवेज्जगदेवस्स सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते ताव पेयव्वं । १०४६. १ एगमेगस्स णं भंते ! विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवस्स णेरइयत्ते केवतिया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि । २ एवं जाव पंचेदियतिरिक्खजोणियत्ते । ३ मणूसत्ते अतीया अणंता, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा अट्ट वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा । ४ वाणमंतर-जोतिसियत्ते जहा णेरइयत्ते (सु. १०४१) । ५ सोहम्मगदेवत्ते अतीया अणंता । बद्धेल्लगा णत्थि । पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ट वा सोलस वा चउवीसा संखेज्जा वा । ६ एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते । ७ विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियत्ते अतीया कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ट । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! अट्ट । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ट । ८ एगमेगस्स णं भंते ! विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवस्स सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते केवतिया दव्विदिया अतीया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ट । १०४७. १ एगमेगस्स णं भंते ! सव्वट्टसिद्धगदेवस्स णेरइयत्ते केवतिया दव्विदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि । २ एवं मणूसवज्जं जाव गेवेज्जगदेवत्ते । णवरं मणूसत्ते अतीया अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अट्ट । ३ विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवत्ते अतीया कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सऽत्थि अट्ट । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि । ४ एगमेगस्स णं भंते ! सव्वट्टसिद्धदेवस्स सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते केवतिया दव्विदिया अतीया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! अट्ट । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि । १०४८. १ णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवइया दव्विदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! असंखेज्जा । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । २ णेरइयाणं भंते ! असुरकुमारत्ते केवतिया दव्विदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । ३ एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते । ४ णेरइयाणं भंते ! विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवत्ते केवतिया दव्विदिया अतीता ? णत्थि । केवतिया बद्धेल्लगा ? णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? असंखेज्जा । ५ एवं सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते वि । १०४९. एवं जाव पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते भाणियव्वं । णवरं वणप्फतिकाइयाणं विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवत्ते सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते य पुरेक्खडा अणंता; सव्वेसिं मणूस-सव्वट्टसिद्धगवज्जाणं सट्ठाणे बद्धेल्लगा असंखेज्जा, परट्ठाणे बद्धेल्लगा णत्थि; वणस्सतिकाइयाणं सट्ठाणे बद्धेल्लगा अणंता । १०५०. १ मणुस्साणं णेरइयत्ते अतीता अणंता, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा अणंता । २ एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते । णवरं सट्ठाणे अतीता अणंता, बद्धेल्लगा सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, पुरेक्खडा अणंता । ३ मणुसाणं भंते ! विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवत्ते केवतिया दव्विदिया अतीता ? संखेज्जा । केवतिया बद्धेल्लगा ? णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा । एवं सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते वि । १०५१. वाणमंतर-जोइसियाणं जहा णेरइयाणं (सु. १०४८) । १०५२. सोहम्मगदेवाणं एवं चैव । णवरं विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवत्ते अतीता असंखेज्जा, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा । सव्वट्टसिद्धगदेवत्ते अतीता णत्थि, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा । १०५३. एवं जाव गेवेज्जगदेवाणं । १०५४. १ विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवाणं भंते ! णेरइयत्ते केवतिया

दव्वेदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? णत्थि । २ एवं जाव जोइसियत्ते । णवरमेसिं मणूसत्ते अतीया अणंता; केवतिया बद्धेल्लगा ? णत्थि; पुरेक्खडा असंखेज्जा । ३ एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते । सट्ठाणे अतीता असंखेज्जा । केवतिया बद्धेल्लगा ? असंखेज्जा । केवतिया पुरेक्खडा ? असंखेज्जा । ४ सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते अतीता णत्थि, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा । १०५५. १ सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं भंते ! णेरइयत्ते केवतिया दव्वेदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता केवतिया बद्धेल्लगा ? णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? णत्थि । २ एवं मणूसवज्जं जाव गेवेज्जगदेवत्ते । ३ मणूसत्ते अतीता अणंता, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा संखेज्जा । ४ विजय-वेजयंत-जयंतापराजियदेवत्ते केवतिया दव्वेदिया अतीता ? संखेज्ज । केवतिया बद्धेल्लगा ? नत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? णत्थि । ५ सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं भंते ! सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवतिया दव्वेदिया अतीता ? णत्थि । केवतिया बद्धेल्लगा ? संखेज्जा । केवइया पुरेक्खडा ? णत्थि । ११ दारं ॥ [सुत्ताइं १०५६-६७. १२ भाविंदियदारं] १०५६. कति णं भंते ! भाविंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच भाविंदिया पण्णत्ता । तं जहा सोइंदिए जाव फासिंदिए । १०५७. णेरइयाणं भंते ! कति भाविंदिया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच भाविंदिया पण्णत्ता । तं जहा सोइंदिए जाव फासेदिए । एवं जस्स जति इंदिया तस्स तत्तिया भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं । १०५८. एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवतिया भाविंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? पंच । केवतिया पुरेक्खडा ? पंच वा दस वा एक्कारस वा संखेज्जा वा असंखिंज्जा वा अणंता वा । १०५९. एवं असुरकुमारस्स वि । णवरं पुरेक्खडा पंच वा छ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं जाव थणियकुमारास्स । १०६०. एवं पुढविकाइय-आउकाइय-वणस्सइकाइयस्स वि, बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदियस्स वि । तेउक्काइय-वाउक्काइयस्स वि एवं चेव, णवरं पुरेक्खडा छ वा सत्त वा संखेज्जा वा असंखिज्जा वा अणंता वा । १०६१. पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स जाव ईसाणस्स जहा असुरकुमारस्स (सु. १०५९) । णवरं मणूयस्स पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि त्ति भाणियव्वं । १०६२. सणकुमारं जाव गेवेज्जगस्स जहा णेरइयस्स (सु. १०५७-५८) । १०६३. विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियदेवस्स अतीया अणंता, बद्धेल्लगा पंच, पुरेक्खडा पंच वा दस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा । सव्वट्ठसिद्धगदेवस्स अतीता अणंता, बद्धेल्लगा पंच, केवतिया पुरेक्खडा ? पंच । १०६४. णेरइयाणं भंते ! केवइया भाविंदिया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया बद्धेल्लगा ? असंखेज्जा । केवतिया पुरेक्खडा ? अणंता । एवं जहा दव्वेदिएसुं पोहत्तेणं दंडओ भणिओ तहा भाविंदिएसु वि पोहत्तेणं दंडओ भाणियव्वो, णवरं वणप्फइकाइयाणं बद्धेल्लगा वि अणंता । १०६५. एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवइया भाविंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, बद्धेल्लगा पंच, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि पंच वा दस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं असुरकुमारत्ते जाव थणियकुमारत्ते, णवरं बद्धेल्लगा णत्थि । १०६६. १ पुढविकाइयत्ते जाव बेइंदियत्ते जहा दव्वेदिया । २ तेइंदियत्ते तहेव, णवरं पुरेक्खडा तिण्णि वा छ वा णव संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । ३ एवं चउरिंदियत्ते वि । णवरं पुरेक्खडा चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । १०६७. एवं एते चेव गमा चत्तारि णेयव्वा जे चेव दव्वेदिएसु । णवरं तइयगमे जाणियव्वा जस्स जइ इंदिया ते पुरेक्खडेसु मुणेयव्वा । चउत्थगमे जहेव दव्वेदिया जाव सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवतिया भाविंदिया अतीता ? णत्थि, बद्धेल्लगा संखेज्जा, पुरेक्खडा णत्थि । १२॥ ★★ ★ ॥ बीओ उद्देसो समत्तो ॥ ॥ पण्णवणाए भगवतीए पनरसमं इंदियपयं समत्तं ॥ ★★ ★ १६. सोलसमं पओगपयं ★★ ★ [सुत्तं १०६८. पओगभेयपरूवणं] १०६८. कइविहे णं भंते ! पओगे पण्णत्ते ? गोयमा ! पण्णरसविहे पण्णत्ते । तं जहा सच्चमणप्पओगे १ मोसमणप्पओगे २ सच्चामोसमणप्पओगे ३ असच्चामोसमणप्पओगे ४ एवं वइप्पओगे वि चउहा ८ ओरालियसरीरकायप्पओगे ९ ओरालियमीससरीरकायप्पओगे १० बेउव्वियसरीरकायप्पओगे ११ वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगे १२ आहारगसरीरकायप्पओगे १३ आहारगमीससरीरकायप्पओगे १४ कम्मासरीरकायप्पओगे १५ आहारगमीससरीरकायप्पओगे १६ कम्मासरीरकायप्पओगे १७ १५ । [सुत्तं १०६९. जीवेसु ओहेणं पओगपरूवणं] १०६९. जीवाणं भंते ! कतिविहे पओगे पण्णत्ते ? गोयमा ! पण्णरसविहे पओगे पण्णत्ते । तं जहा

सच्चमणप्पओगे जाव कम्मासरीरकायप्पओगे । [सुत्ताइं १०७०-७६. चउवीसदंडएसु ओहेणं पअं गपरूवणं ] १०७०. णेरइयाणं भंते ! कतिविहे पओगे पणत्ते ? गोयमा ! एक्कारसविहे पओगे पणत्ते । तंजहा-सच्चमणप्पओगे १ जाव असच्चामोसवइप्पओगे ८ वेउव्वियसरीरकायप्पओगे ९ वेउव्वियमीसरीरकायप्पओगे १० कम्मासरीरकायप्पओगे ११ । १०७१. एवं असुरकुमाराण वि जाव थणियकुमाराणं । १०७२. पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! तिविहे पओगे पणत्ते । तं जहा ओरालियसरीरकायप्पओगे १ ओरालियमीससरीरकायप्पओगे २ कम्मासरीरकायप्पओगे ३ । एवं जाव वणप्फइकाइयाणं । णवरं वाउक्काइयाणं पंचविहे पओगे पणत्ते, तं जहा ओरालियसरीरकायप्पओगे ओरालियमीससरीरकायप्पओगे २ वेउव्विए दुविहे ४ कम्मासरीरकायप्पओगे य ५ । १०७३. बेइदियाणं पुच्छा । (गोयमा ! चउव्विहे) पओगे पणत्ते । तं जहा असच्चामोसवइप्पओगे १ ओरालियसरीरकायप्पओगे २ ओरालियमीससरीरकायप्पओगे ३ कम्मासरीरकायप्पओगे ४ । एवं जाव चउरिदियाणं । १०७४. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! तेरसविहे पओगे पणत्ते । तं जहा सच्चमणप्पओगे १ मोसमणप्पओगे २ सच्चामोसमणप्पओगे ३ असच्चामोसमणप्पओगे ४ एवं वइप्पओगे वि ८ ओरालियसरीरकायप्पओगे ९ ओरालियमीससरीरकायप्पओगे १० वेउव्वियसरीरकायप्पओगे ११ वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगे १२ कम्मासरीरकायप्पओगे १३ । १०७५. मणूसाणं पुच्छा । गोयमा ! पणरसविहे पओगे पणत्ते । तं जहा सच्चमणप्पओगे १ जाव कम्मासरीरकायप्पओगे १५ । १०७६. वाणमंतर-जोतिसिय -वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं (सु. १०७०) । [सुत्तं १०७७. जीवेषु विभाजेणं पओगपरूवणं ] १०७७. जीवा णं भंते ! किं सच्चमणप्पओगी जाव किं कम्मसरीरकायप्पओगी ? गोयमा ! जीवा सव्वे वि ताव होज्जा सच्चमणप्पओगी वि जाव वेउव्वियमीसरीरकायप्पओगी वि कम्मासरीरकरयप्पओगी वि, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य १ अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य २ अहवेगे य आहारगमीसरीरकायप्पओगी य ३ अहवेगे य आहारगससरीरकायप्पओगिणो य ४ चउभंगो, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगीय आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य १ अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य २ अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य ३ अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य ४, एए जीवाणं अहु भंगा । [सुत्तं १०७८. नेरइएसु विभागेणं पओगपरूवणं ] १०७८. णेरइया णं भंते ! किं सच्चमणप्पओगी जाव किं कम्मासरीरकायप्पओगी ? गोयमा ! णेरइया सव्वे वि ताव होज्जा सच्चमणप्पओगी वि जाव वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगी य १ अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य २ । [सुत्तं १०७९. भवणवासिसु विभागेणं पओगपरूवणं] १०७९. एवं असुरकुमारा वि जाव थणियकुमारा वि । [सुत्तं १०८०. एगिंदिएसु विभागेणं पओगपरूवणं] १०८०. पुढविकाइया णं भंते ! किं ओरालियसरीरकायप्पओगी ओरालियमीससरीरकायप्पओगी कम्मासरीरकायप्पओगी ? गोयमा ! पुढविकाइया णं ओरालियसरीरकायप्पओगी वि ओरालियमीससरीरकायप्पओगी वि कम्मासरीरकायप्पओगी वि । एवं जाव वणप्फतिकाइयाणं । णवरं वाउक्काइया वेउव्वियसरीरकायप्पओगी वि वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगी वि । [सुत्तं १०८१. विगलिंदिएसु विभागेणं पओगपरूवणं] १०८१. बेइदिया णं भंते ! किं ओरालियसरीरकायप्पओगी जाव कम्मसरीरकायप्पओगी ? गोयमा ! बेइदिया सव्वे वि ताव होज्जा असच्चामोसवइप्पओगी वि ओरालियसरीरकायप्पओगी वि ओरालियमीससरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य कम्मसरीरकायप्पओगी य १ अहवेगे य कम्मसरीरकायप्पओगिणो य २ । एवं जाव चउरिदिया । [सुत्तं १०८२. पंचिंदियतिरिक्खेषु विभागेणं पओगपरूवणं ] १०८२. पंचेदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया (सु. १०७८) । णवरं ओरालियसरीरकायप्पओगी वि ओरालियमीससरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य कम्मसरीरकायप्पओगी य १ अहवेगे य कम्मसरीरकायप्पओगिणो य २ । [सुत्तं १०८३. मणुस्सेसु विभागेणं पओगपरूवणं ] १०८३. मणूसा णं भंते ! किं सच्चमणप्पओगी जाव किं कम्मसरीरकायप्पओगी ? गोयमा ! मणूसा सव्वे





आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य १३ अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १४ अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणा य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य १५ अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिरो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १६, एवं एते चऊसंजोएणं सोलस भंगा भवति । सव्वे वि य णं संपिडिया असीतिं भंगा भवति ८० । [सुत्तं १०८४. वाणमंतराइसु विभागेणं पओगपरूवणं ] १०८४. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा (सु. १०७९) । [सुत्तं १०८५. गइप्पवायपरूवणं ] १०८५. कतिविहे णं भंते ! गतिप्पवाए पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पणत्ते । तं जहा पओगगती १ ततगती २ बंधणच्छेयणगती ३ उववायगती ४ विहायगती ५ । [सुत्ताइं १०८६-८९. पओगगइपरूवणं ] १०८६. से किं तं पओगगती ? पओगगती पण्णरसविहा पणत्ता । तं जहा सच्चमणप्पओगगती एवं जहा पओगो भणिओ तथा एसा वि भाणियव्वा जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगती । १०८७. जीवाणं भंते ! कतिविहा पओगगती पणत्ता ? गोयमा ! पण्णरसविहा पणत्ता । तं जहा सच्चमणप्पओगगती जाव कम्मासरीरकायप्पओगगती । १०८८. णेरइयाणं भंते ! कतिविहा पओगगती पणत्ता ? गोयमा ! एक्कारसविहा पणत्ता । तं जहा सच्चमणप्पओगगती एवं उवउज्जिऊण जस्स जइविहा तस्स ततिविहा भाणितव्वा जाव वेमाणियाणं । १०८९. जीवा णं भंते ! किं सच्चमणप्पओगगती जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगती ? गोयमा ! जीवा सव्वे वि ताव होज्जा सच्चमणप्पओगगती वि, एवं तं चेव पुव्ववण्णियं भाणियव्वं, भंगा तहेव जाव वेमाणियाणं । से तं पओगगती । [सुत्तं १०९०. ततगइपरूवणं ] १०९०. से किं तं ततगती ? ततगती जेणं जं गामं वा जाव सण्णिवेसं वा संपडित्ते असंपत्ते अंतरापहेवट्ठति । से तं ततगती । [ सुत्तं १०९१. बंधणच्छेयणगइपरूवणं ] १०९१. से किं तं बंधणच्छेयणगती ? २ जेणं जीवो वा सरीराओ सरीरं वा जीवाओ । से तं बंधणच्छेयणगती । [ सुत्ताइं १०९२-११०४. उववायगइपरूवणं ] १०९२. से किं तं उववायगती ? २ तिविहा पणत्ता । तं जहा-खेत्तोववायगती १ भवोववायगती २ णोभवोववातगती ३ । १०९३. से किं तं खेत्तोववायगती ? २ पंचविहा पणत्ता । तं जहा णेरइयखेत्तोववातगती १ तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगती २ मणूसखेत्तोववातगती ३ देवखेत्तोववातगती ४ सिद्धखेत्तोववायगती ५ । १०९४. से किं तं णेरइयखेत्तोववातगती ? २ सत्तविहा पणत्ता । तं जहा रयणप्पभापुढविणेरइयखेत्तोववातगती जाव अहेसत्तमापुढविणेरइयखेत्तोववायगती । से तं णेरइयखेत्तोववायगती । १०९५. से किं तं तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगती ? २ पंचविहा पणत्ता । तं जहा-एगिदियतिरिक्खजोणियखेत्तोववायगती जाव पंचेदियतिरिक्खजोणियखेत्तोववायगती । से तं तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगती । १०९६. से किं तं मणूसखेत्तोववायगई ? २ दुविहा पणत्ता । तं जहा-सम्मुच्छिमणूसखेत्तोववायगती गभवक्कतियमणुस्सखेत्तोववायगई । से तं मणूसखेत्तोववायगती । १०९७. से किं तं देवखेत्तोववायगती ? २ चउव्विहा पणत्ता । तं जहा-भवणवइ जाव वेमाणियदेवखेत्तोववायगती । से तं देवखेत्तोववायगती । १०९८. से किं तं सिद्धखेत्तोववायगती ? २ अणेगविहा पणत्ता । तं जहा जंबुदीवे दीवे भरहेरवयवाससपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगती, जंबुदीवे दीवे चुल्लहिमवंत-सिहरिवासहरपव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगती, जंबुदीवे दीवे हेमवय-हेरन्नवयवाससपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगती, जंबुदीवे दीवे सद्दावति-वियडावतिवट्ठवेयहसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगती, जंबुदीवे दीवे महाहिमवंत-रुप्पिवासहरपव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववातगती, जंबुदीवे दीवे हरिवास-रम्मगवाससपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववातगती, जंबुदीवे दीवे गंधावति-मालवंतपरिययवट्ठवेयहसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववातगती, जंबुदीवे दीवे णिसढ-णीलवंतवासहरपव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववातगती, जंबुदीवे दीवे पुव्वविदेह-अवरविदेहसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववातगती, जंबुदीवे दीवे देवकुरूत्तरकुरुसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगती, जंबुदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स सपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववातगती, लवणसमुद्दे सपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववातगती, धायइसंडे दीवे पुरिमद्धपच्छिमद्धमंदरपव्वयस्स सपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववातगती, कालोयसमुद्दे सपक्खिं

सपडिदिसिं सिद्धखेतोववातगती, पुक्खरवरदीवड्डपुरिमड्डभरहेरवयवास सपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेतोववातगती, एवं जाव पुक्खरवरदीवड्डपच्छिमड्डमंदरपव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेतोववातगती, से तं सिद्धखेतोववातगती । से तं खेतोववातगती १ । १०९९. से किं तं भवोववातगती ? २ चउव्विहा पणत्ता । तं जहा णेरइय० जाव देवभवोववातगती । से किं तं णेरइयभवोववातगती ? २ सत्तविहा पणत्ता तं जहा० । एवं सिद्धवज्जो भेओ भाणियव्वो, जो चेव खेतोववातगतीए सो चेव भवोववातगतीए । से तं भवोववातगती २ । १००. से किं तं णोभवोववातगती ? २ दुविहा पणत्ता । तं जहा-पोग्गलणोभवोववातगती य सिद्धणोभवोववातगती य । ११०१. से किं तं पोग्गलणोभवोववातगती ? २ जणं परमाणुपोग्गले लोगस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ पच्छिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छति, पच्छिमिल्लाओ वा चरिमंताओ पुरत्थिमिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छति, दाहणिल्लाओ वा चरिमंताओ उत्तरिल्लं चरिमंतं एगसमएणं गच्छति, एवं उत्तरिल्लाओ दाहणिल्लं, उवरिल्लाओ हेड्डिल्लं, हेड्डिल्लाओ वा उवरिल्लं । से तं पोग्गलणोभवोववातगती । ११०२. से किं सिद्धणोभवोववातगती ? २ दुविहा पणत्ता । तं जहा- अणंतरसिद्धणोभवोववातगती य परंपरसिद्धणोभवोववातगती य । ११०३. से किं तं अणंतरसिद्धणोभवोववातगती ? २ पन्नरसविहा पणत्ता । तं जहा- तित्थसिद्धअणंतरसिद्धणोभवोववातगती य जाव अणेगसिद्धणोभवोववातगती य । से तं अणंतरसिद्धणोभवोववातगती । ११०४. से किं तं परंपरसिद्धणोभवोववातगती ? २ अणेगविहा पणत्ता । तं जहा अपढमसमयसिद्धणोभवोववातगती एवं दुसमयसिद्धणोभवोववातगती जाव अणंतसमयसिद्धणोभवोववातगती । से तं परंपरसिद्धणोभवोववातगती । से तं सिद्धणोभवोववातगती । से तं णोभवोववातगती ३ । से तं उववातगती । [सुत्ताइं ११०५-२२. विहायगतिपरूवणं] ११०५. से किं तं विहायगती ? २ सत्तरसविहा पणत्ता । तं जहा फुसमाणगती १ अफुसमाणगती २ उवसंपज्जमाणगती ३ अणुवसंपज्जमाणगती ४ पोग्गलगती ५ मंडूयगती ६ णावागती ७ णयगती ८ छायागती ९ छायाणुवायगती १० लेसागती ११ लेस्साणुवायगती १२ उद्दिस्सपविभत्तगती १३ चउपुरिसपविभत्तगती १४ वंकगती १५ पंकगती १६ बंधणविमोयणगती १७ । ११०६. से किं तं फुसमाणगती ? २ जणं परमाणुपोग्गले दुपदेसिय जाव अणंतपदेसियाणं खंधाणं अणमणं फुसित्ता णं गती पवत्तइ । से तं फुसमाणगती १ । ११०७. से किं तं अफुसमाणगती ? २ जणं एतेसिं चेव अफुसित्ता णं गती पवत्तइ । से तं अफुसमाणगती २ । ११०८. से किं तं उवसंपज्जमाणगती ? २ जणं रायं वा जुवरायं वा ईसरं वा तलवरं वा माडंबियं वा कोडुंबियं वा इब्भं वा सिद्धिं वा सेणावइं वा सत्थवाहं वा उवसंपज्जित्ता णं गच्छति । से तं उवसंपज्जमाणगती ३ । ११०९. से किं तं अणुवसंपज्जमाणगती ? २ जणं एतेसिं चेव अणमणं अणुवसंपज्जित्ता णं गच्छति । से तं अणुवसंपज्जमाणगती ४ । १११०. से किं तं पोग्गलगती ? २ जणं परमाणुपोग्गलाणं जाव अणंतपदेसियाणं खंधाणं गती पवत्तति । से तं पोग्गलगती ५ । ११११. से किं तं मंडूयगती ? २ जणं मंडूए उप्फिडिया उप्फिडिया गच्छति । से तं मंडूयगती ६ । १११२. से किं तं णावागती ? २ जणं णावा पुव्ववेयालीओ दाहणवेयालिं जलपहेणं गच्छति, दाहणवेयालीओ वा अवरवेयालिं जलपहेणं गच्छति । से तं णावागती ७ । १११३. से किं तं णयगती ? २ जणं णेगम-संगह-ववहार-उज्जुसुयसद्द-समभिरूढ-एवंभूयाणं णायाणं जा गती, अहवा सव्वणया वि जं इच्छति । से तं णयगती ८ । १११४. से किं तं छायागती ? २ जणं ह्यच्छायं वा गयच्छायं वा नरच्छायं वा किन्नरच्छायं वा महोरगच्छायं वा गंधव्वच्छायं वा उसहच्छायं वा रहच्छायं वा छत्तच्छायं वा उवसंपज्जित्ता णं गच्छति । से तं छायागती ९ । १११५. से किं तं छायाणुवातगती ? २ जणं पुरिसं छाया अणुगच्छति णो पुरिसे छायां अणुगच्छति । से तं छायाणुवातगती १० । १११६. से किं तं लेस्सागती ? २ जणं कणहलेस्सा णीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए ताववणत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमति, एवं णीललेस्सा काउलेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव ताफासत्ताए परिणमति, एवं काउलेस्सा वि तेउलेस्सा वि पम्हलेस्सं, पम्हलेस्सा वि सुक्कलेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव परिणमति । से तं लेस्सागती ११ । १११७. से किं लेस्साणुवायगती ? २ जल्लेस्साइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेति तल्लेस्सेसु उववज्जति । तं जहा कणहलेस्सेसु वा जाव सुक्कलेस्सेसु वा । से तं लेस्साणुवायगती १२ । १११८. से किं तं उद्दिस्सपविभत्तगती ? २ जेणं आयरिय वा उवज्झायं वा थेरं वा पवत्तिं

वा गणिं वा गणहरं वा गणावच्छेद्यं वा उद्दिसिय २ गच्छति । से तं उद्दिस्यपविभत्तगती १३ । १११९. से किं तं चउपुरिसपविभत्तगती ? २ से जहाणामए चत्तारि पुरिसा समगं पट्टिता समगं पज्जवट्टिया १ समगं पट्टिया विसमं पज्जवट्टिया २ विसमं पट्टिया समगं पज्जवट्टिया ३ विसम पट्टिया विसमं पज्जवट्टिया ४ । से तं चउपुरिसपविभत्तगती १४ । ११२०. से किं तं वंकगती ? २ चउव्विहा पणत्ता । तं जहा घट्टणया १ थंभणया २ लेसणया ३ पवडणया ४ । से तं वंकगती १५ । ११२१. से किं तं पंकगती ? २ से जहाणामए केइ पुरिसे सेयंसि वा पंकंसि वा उदयंसि वा कायं उव्वहिया गच्छति । से तं पंकगती १६ । ११२२. से किं तं बंधणविमोयणगती ? [ग्रन्थाग्रम ५०००] २ जणं अंबाण वा अंबाडगाण वा माउलुंगाण वा बिल्लाण वा कविट्टाण वा भल्लाण वा फणसाण वा दाडिमाण वा पारेवाण वा अक्खोडाण वा चोराण वा बोराण वा तिंडुयाण वा पक्काणं परियागयाणं बंधणाओ विप्पमुक्काणं णिव्वाघाएणं अहे वीससाए गती पवत्तइ । से तं बंधणविमोयणगती १७ । से तं विहायगती । से तं गइप्पवाए । **☆☆☆॥ पणवणाए भगवतीए सोलसमं पओगपयं समत्तं ॥ ☆☆☆१७. सत्तरसमं लेस्सापयं पढमो उद्देसओ ☆☆☆ [सुत्तं ११२३. पढमुद्देसस्स अत्थाहिगारा]** ११२३. आहार सम सरीरा उस्सासे १ कम्म २ वण्ण ३ लेस्सासु ४ समवेदण ५ समकिरिया ६ समाउया ७ चेव बोधव्वा ॥२०९॥ [सुत्ताइं ११२४-३०. नेरइएसु समाहाराइसत्तदारपरूवणं] ११२४. णेरइया णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा सव्वे समुस्सावणिस्सासा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति णेरइया णो सव्वे समाहारा जाव णो सव्वे समुस्सासणिस्सासा ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पणत्ता, तं जहा-महासरीरा य अप्पसरीरा य । तत्थ णं जे ते महासरीरा ते णं बहुतराए पोग्गले आहारेति बहुतराए पोग्गले परिणामेति बहुतराए पोग्गले उस्ससंति बहुतराए पोग्गले णीससंति, अभिक्खणं आहारेति अभिक्खणं परिणामेति अभिक्खणं ऊससंति अभिक्खणं णीससंति । तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पसरूए पोग्गले आहारेति अप्पतराए पोग्गले परिणामेति अप्पतराए पोग्गले ऊससंति अप्पतराए पोग्गले णीससंति, आहच्च आहारेति आहच्च परिणामेति आहच्च उससंति आहच्चणीससंति, से एतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ णेरइया णो सव्वे समाहारा णो सव्वे समसरीरा णो सव्वे समुस्सासणीसासा १ । ११२५. णेरइया णं भंते ! सव्वे समकम्मा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति ? णेरइया णो सव्वे समकम्मा ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पणत्ता, तं जहा पुव्वोववण्णगा य पच्छोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते पुव्वोववण्णगा ते णं अप्पकम्मतरागा । तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं महाकम्मतरागा, सेएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति णेरइया णो सव्वे समकम्मा २ । ११२६. णेरइया णं भंते ! सव्वे समवण्णा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति णेरइया णो सव्वे समवण्णा ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पणत्ता, तं जहा- पुव्वोववण्णगा य पच्छोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते पुव्वोववण्णगा ते णं विसुद्धवण्णतरागा । तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं अविस्सुद्धवण्णतरागा, सेएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति णेरइया णो सव्वे समवण्णा ३ । ११२७. एवं जहेव वण्णेण भणिया तहेव लेस्सासु वि विसुद्धलेस्सतरागा अविस्सुद्धलेस्सतरागा य भाणियव्वा ४ । ११२८. णेरइया णं भंते ! सव्वे समवेदणा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति णेरइया णो सव्वे समवेयणा ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पणत्ता, तं जहा- सण्णिभूया य असण्णिभूया य । तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते णं महावेदणतरागा । तत्थ णं जे ते असण्णिभूया ते णं अप्पवेदणतरागा, सेतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति नेरइया नो सव्वे समवेयणा ५ । ११२९. णेरइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति णेरइया णो सव्वे समकिरिया ? गोयमा ! णेरइया तिविहा पणत्ता, तं जहा सम्मदिट्ठी मिच्छदिट्ठी सम्मामिच्छदिट्ठी । तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी तेसिं णं चत्तारि किरियाओ कज्जंति, तं जहा आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अपच्चक्खाणकिरिया ४ । तत्थ णं जे ते मिच्छदिट्ठी जे य सम्मामिच्छदिट्ठी तेसिं णेयतियाओ पंच किरियाओ कज्जंति, तं जहा आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अपच्चक्खाणकिरिया ४ मिच्छादंसणवत्तिया ५, सेतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति णेरइया णो सव्वे समकिरिया ६ । ११३०. णेरइया णं भंते ! सव्वे समाउया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? गोयमा ! णेरइया चउव्विहा पणत्ता, तं जहा अत्थेगइया समाउया समोववण्णागा १

अत्येगइया समाउया विसमोववण्णगा २ अत्येगइया विसमाउया समोववण्णगा ३ अत्येगइया विसमाउया विसमोववण्णगा ४, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ णेरइया णो सव्वे समाउया णो सव्वे समोववण्णगा ७ । [सुत्ताइं ११३१-३६. भवणवासिसु समाहाराइसत्तदारपरूवणं] ११३१. असुरकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा ? स च्वेव पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, जहा णेरइया (सु. ११२४) । ११३२. असुरकुमारा णं भंते ! सव्वे समकम्मा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! असुरकुमारा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा पुव्वोववण्णगा य पच्छोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते पुव्वोववण्णगा ते णं महाकम्मतरागा । तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं अप्पकम्मतरागा, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति असुरकुमारा णो सव्वे समकम्मा । ११३३. १ एवं वण्ण-लेस्साए पुच्छा । तत्थ णं जे ते पुव्वोववण्णगा ते णं अविस्सुद्धवण्णतरागा । तत्थ णं जे ते पच्छोववण्णगा ते णं विस्सुद्धवण्णतरागा, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति असुरकुमारा सव्वे णो समवण्णा । २ एवं लेस्साए वि । ११३४. वेदणाए जहा णेरइया (सु. ११२८) । ११३५. अवसेसं जहा णेरइयाणं (सु. ११२९-३०) । ११३६. एवं जाव थणियकुमारा । [सुत्ताइं ११३७-४०. एगिंदियाइसु समाहाराइसत्तदारपरूवणं] ११३७. पुढविक्काइया आहार-कम्म-वण्ण-लेस्साहिं जहा णेरइया (सु. ११२४-२७) । ११३८. पुढविक्काइया णं भंते ! सव्वे समवेदणा ? हंता गोयमा ! सव्वे समवेयणा । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! पुढविक्काइया सव्वे असण्णी असण्णीभूयं अणिययं वेदणं वेदेति, सेतेणट्टेणं गोयमा ! पुढविक्काइया सव्वे समवेदणा । ११३९. पुढविक्काइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? हंता गोयमा ! पुढविक्काइया सव्वे समकिरिया । से केणट्टेणं ? गोयमा ? पुढविक्काइया सव्वे माइमिच्छद्दिट्ठी, तेसिं णेयतियाओ पंच किरियाओ कज्जंति, तं जहा-आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अपच्चक्खाणकिरिया ४ मिच्छादंसणवत्तिया ५ । ११४०. एवं जाव चउरिंदिया । [सुत्तं ११४१. पंचिंदियतिरिक्खेसु समाहाराइसत्तदारपरूवणं ] ११४१. पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा णेरइया (सु. ११२४-३०) । णवरं किरियाहिं सम्मद्दिट्ठी मिच्छद्दिट्ठी सम्मामिच्छद्दिट्ठी । तत्थ णं जे ते सम्मद्दिट्ठी ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा असंजयां य संजयासंजया य । तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसिं णं तिण्णि किरियाओ कज्जंति, तं जहा आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया । तत्थ णं जे ते असंजया तेसिं णं चत्तारि किरियाओ कज्जंति, तं जहा आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अपच्चक्खाणकिरिया ४ । तत्थ णं जे ते मिच्छद्दिट्ठी जे य सम्मामिच्छद्दिट्ठी तेसिं णेयइयाओ पंच किरियाओ कज्जंति, तं जहा आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अपच्चक्खाणकिरिया ४ मिच्छादंसणवत्तिया ५ । सेसं तं चेव । [सुत्तं ११४२. मणुस्सेसु समाहाराइसत्तदारपरूवणं] ११४२. मणूसाणं भंते ! सव्वे समाहारा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे । से केणट्टेणं ? गोयमा ! मणूसा दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- महासरीरा य अप्पसरीरा य । तत्थ णं जे ते महासरीरा ते णं बहुयराए पोग्गले आहारेति जाव बहुतराए पोग्गले णीससंति, आहच्च आहारेति० आहच्च णीससंति । तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पतराए पोग्गले आहारेति जाव अप्पतराए पोग्गले णीससंति, अभिक्खणं आहारेति जाव अभिक्खणं नीससंति, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति मणूसा सव्वे णो समाहारा । सेसं जहा णेरइयाणं (सु. ११२५-३०) । णवरं किरियाहिं मणूसा तिविहा पण्णत्ता, तं जहा सम्मद्दिट्ठी मिच्छद्दिट्ठी सम्मामिच्छद्दिट्ठी । तत्थ णं जे ते सम्मद्दिट्ठी ते तिविहा पण्णत्ता, तं जहा संजया असंजया संजयासंजया । तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा- सरागसंजया य वीतरागसंजया य, तत्थ णं जे ते वीतरागसंजया ते णं अकिरिया । तत्थ णं जे ते सरागसंजया ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा पमत्तसंजया य अपमत्तसंजया य, तत्थ णं जे ते अपमत्तसंजया तेसिं एगा मायावत्तिया किरिया कज्जति, तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया तेसिं दो किरियाओ कज्जंति, तं जहा आरंभिया मायावत्तिया य । तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसिं तिण्णि किरियाओ कज्जंति, तं जहा आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ । तत्थ णं जे ते असंजया तेसिं चत्तारि किरियाओ कज्जंति, तं जहा आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अपच्चक्खाणकिरिया ४ । तत्थ णं जे ते मिच्छद्दिट्ठी जे य सम्मामिच्छद्दिट्ठी तेसिं णेयइयाओ पंच किरियाओ कज्जंति, तं जहा आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अपच्चक्खाणकिरिया ४ मिच्छादंसणवत्तिया ५ । सेसं जहा णेरइयाणं । [सुत्ताइं ११४३-४४. वाणमंतराइसु समाहाराइसत्तदारपरूवणं ] ११४३. वाणमंतराणं जहा असुरकुमाराणं (सु. ११३१-३५) ११४४. एवं

जोइसिय-वेमाणियाण वि । णवरं ते वेदणाए दुविहा पणत्ता, तं जहा माइमिच्छद्विद्वीउववण्णगा य अमाइसम्मद्विद्वीउववण्णगा य । तत्थ णं जे ते माइमिच्छद्विद्वीउववण्णगा ते णं अप्पवेदणतरागा । तत्थ णं जे ते अमाइसम्मद्विद्वोववण्णगा ते णं महावेदणतरागा, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ० । सेसं तहेव । [ सुत्तं ११४५. सलेस्सेसु २४ दंडएसु ओहेणं समाहारादूसत्तदासरूवणं ] ११४५ भंते ! णेरइया सव्वे समाहारा समसरीरा समुस्सासणिस्सासा ? स च्चेव पुच्छा, एवं जहा ओहिओ गमओ (सु. ११२४-४४) भणिओ तहा सलेस्सगमओ वि णिरवसेसो भाणियव्वो जाव वेमाणिया । [ सुत्ताइं ११४६-५५. सलेस्सेसु २४ दंडएसु विभागेणं समाहाराइसत्तदरापरूवणं ] ११४६. कणहलेस्सा णं भंते ! णेरइया सव्वे समाहारा ३ पुच्छा । गोयमा ! जहा ओहिया (सु. ११२४-३०) । णवरं णेरइया वेदणाइ माइमिच्छद्विद्वोववण्णगा य अमाइसम्मद्विद्वोववण्णगा य भाणियव्वा । सेसं तहेव जहा ओहियाणं । ११४७. असुरकुमारा जाव वाणमंतरा एते जहा ओहिया (सु. ११३१-४३) । णवरं मणूसाणं किरियाहिं विसेसो, जाव तत्थ णं जे ते सम्मद्विद्वी ते तिविहा पणत्ता, तं जहा संजया असंजया संजयासंजया य, जहा ओहियाणं (सु. ११४२) । ११४८. जोइसिय-वेमाणिया आइल्लिगासु तिसु लेस्सासु ण पुच्छज्जंति । ११४९. एवं जहा कणहलेस्सा चारिया तहा नीललेस्सा वि चारियव्वा । ११५०. काउलेस्सा णेरइएहिंतो आरब्भ जाव वाणमतरा । णवरं काउलेस्सा णेरइया जहा ओहिया (सु. ११२८) । ११५१. तेउलेस्साणं भंते ! असुरकुमाराणं ताओ चेव पुच्छाओ । गोयमा ! जहेव ओहिया तहेव (सु. ११३१-३५) । णवरं वेदणाए जहा जोतिसिया (सु. ११४४) । ११५२. पुढवि-आउ-वणस्सइ-पंचेदियतिरिक्ख-मणूसा जहा ओहिया (सु. ११३७-३९, ११४१-४२) तहेव भाणियव्वा । णवरं मणूसा किरियाहिं जे संजया ते पमत्ता य अपमत्ता य भाणियव्वा, सरागा वीयरागा णत्थि । ११५३. वाणमंतरा तेउलेस्साए जहा असुरकुमारा (सु. ११५१) । ११५४. एवं जोतिसिय -वेमाणिया वि । सेसं तं चेव । ११५५. एवं पमहलेस्सा भाणियव्वा, णवरं जेसिं अत्थि । सुक्कलेस्सा वि तहेव जेसिं अत्थि । सव्वं तहेव जहा ओहियाणं गमओ । णवरं पमहलेस्स-सुक्क -लेस्साओ पंचेदियतिरिक्खजोणिय -मणूस -वेमाणियाणं चेव, ण सेसाणं ति । ★★ ★॥ पणवणाए लेस्सापए पढमो उद्देसओ समत्तो ॥ ★★ ★ बीओ उद्देसओ ★★ ★ [सुत्तं ११५६. लेस्साभेयपरूवणं ] ११५६ कति णं भंते ! लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेस्साओ पणत्ताओ । तं जहा - कणहलेस्सा १ नीललेस्सा २ काउलेस्सा ३ तेउलेस्सा ४ पमहलेसा ५ सुक्कलेसा ६ [सुत्ताइ ११५६-६९ चउवीस दंडएसु लेस्सा परूवणं ] ११५७. णेरइयाणं भंते ! कति लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! तिण्णि । तं जहा कणहलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा । ११५८. तिरिक्खजोणियाणं भंते ! कति लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेस्साओ । तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा । ११५९. एगिदियाणं भंते ! कति लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ । तं जहा कणहलेस्सा जाव तेउलेस्सा । ११६०. पुढविकाइयाणं भंते ! कति लेस्साओ ? गोयमा ! एवं चेव ११६१. आउ-वणप्फतिकाइयाण वि एवं चेव । ११६२. तेउ-वाउ-बेइदिय-तेइदिय-चउरिदियाणं जहा णेरइयाणं (सु. ११५७) । ११६३. १ पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेस्साओ, कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा । २ सम्मुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहा णेरइयाणं (सु. ११५७) । ३ गम्भवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसाओ, तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा । ४ तिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसाओ एताओ चेव । ११६४. १ मणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसाओ एताओ चेव । २ सम्मुच्छिममणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! जहा णेरइयाणं (सु. ११५७) । ३ गम्भवक्कतियमणुसाणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसाओ, तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेसा । ४ मणुस्सीणं पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव । ११६५. १ देवाणं पुच्छा । गोयमा ! छएताओ चेव । २ देवीणं पुच्छा । गोयमा ! चत्तारि । तं जहा कणहलेस्सा जाव तेउलेस्सा । ११६६. १ भवणवासीणं भंते ! देवाणं पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव । २ एवं भवणवासिणीण वि । ११६७. १ वाणमंतरदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव । २ एवं वाणमंतरीण वि । ११६८. १ जोइसियाणं पुच्छा । गोयमा ! एगा तेउलेस्सा । २ एवं जोइसिणीण वि । ११६९. १ वेमाणियाणं पुच्छा ।

गोयमा ! तिणिण। तं जहा तेउलेस्सा पम्हलेस्सा सुक्कलेस्सा । २ २ वेमाणिणीणं पुच्छा । गोयमा ! एगा तेउलेसा । सुत्तं ११७०. सलेस्सेसु जीवेसु अप्पाबहुयं ११७०. एतेसि णं भंते ! सल्लेस्साणं जीवाणं कण्हलेस्साण जाव सुक्कलेस्साणं अलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थोवा जीवा सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा संखेज्जगुणा, तेउलेस्सा संखेज्जगुणा, अलेस्सा अणंतगुणा, काउलेस्सा अणंतगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया, सलेस्सा विसेसाहिया । [सुत्ताइं ११७१-९०. सलेस्सेसु २४ दंडएसु अप्पाबहुयं] ११७१. एतेसि णं भंते ! णेरइयाणं कण्हलेस्साणं नीललेस्साणं काउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थोवा णेरइया कण्हलेस्सा, नीललेस्सा असंखेज्जगुणा, काउलेस्सा असंखेज्जगुणा । ११७२. एतेसि णं भंते ! तिरिक्खजोणियाणं कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थोवा तिरिक्खजोणिया सुक्कलेसा, एवं जहा ओहिया (सु. ११७०) णवरं अलेस्सवज्जा । ११७३. एतेसि णं भंते ! एगिदियाणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थोवा एगिदिया तेउलेस्सा, काउलेस्सा अणंतगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया । ११७४. एतेसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहा ओहिया एगिदिया (सु. ११७३) । णवरं काउलेस्सा असंखेज्जगुणा । ११७५. एवं आउक्काइयाण वि । ११७६. एतेसि णं भंते ! तेउक्काइयाणं कण्हलेस्साणं नीललेस्साणं काउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थोवा तेउक्काइया काउलेस्सा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया । ११७७. एवं वाउक्काइयाण वि । ११७८. एतेसि णं भंते ! वणप्फकाइयाणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य० जहा एगिदियओहियाणं (सु. ११७३) । ११७९. बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदियाणं जहा तेउक्काइयाणं (सु. ११७६) । ११८०. १ एतेसि णं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहा ओहियाणं तिरिक्खजोणियाणं (सु. ११७२) । णवरं काउलेस्सा असंखेज्जगुणा । २ सम्मुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं जहा तेउक्काइयाणं । (सु. ११७६) । ३ गब्भवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं जहा ओहियाणं तिरिक्खजोणियाणं (सु. ११७२) । णवरं काउलेस्सा संखेज्जगुणा । ४ एवं तिरिक्खजोणियाणं वि । ५ एतेसि णं भंते ! सम्मुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं गब्भवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाण य कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थो गब्भवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणिया सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा संखेज्जगुणा, तेउलेस्सा संखेज्जगुणा, काउलेस्सा संखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया, काउलेस्सा सम्मुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणिया असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया । ६ एतेसि णं भंते ! सम्मुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणियाणं य कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहेव पंचमं (सु. ११८० ५) तहा इमं पि छट्ठं भाणियव्वं । ७ एतेसि णं भंते ! गब्भवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणियाणं य कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थोवा गब्भवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणिया सुक्कलेस्सा, सुक्कलेस्साओ तिरिक्खजोणियाओ संखेज्जगुणाओ, पम्हलेस्सा गब्भवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणिया संखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ० संखेज्जगुणाओ, काउलेस्साओ० संखेज्जगुणा, नीललेस्साओ० विसेसाहिया, कण्हलेस्साओ० विसेसाहिया, काउलेस्साओ० संखेज्जगुणाओ, नीललेस्साओ० विसेसाहियाओ, कण्हलेस्साओ० विसेसाहियाओ । ८ एतेसि णं भंते ! सम्मुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं गब्भवक्कतियपंचेदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणियाणं य कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थोवा गब्भवक्कतियतिरिक्खजोणिया सुक्कलेस्सा, सुक्कलेस्साओ तिरिक्खजोणियाओ संखेज्जगुणाओ, पम्हलेस्सा गब्भवक्कतियतिरिक्खजोणिया संखेज्जगुणा, पम्हलेस्साओ तिरिक्खजोणियाओ संखेज्जगुणाओ, तेउलेस्सा गब्भवक्कतियतिरिक्खजोणिया संखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ तिरिक्खजोणियाओ संखेज्जगुणाओ, काउलेस्सा तिरिक्खजोणिया संखेज्जगुणा, नीललेस्साओ० विसेसाहिया, कण्हलेस्साओ० विसेसाहिया,

काउलेस्साओ० संखेज्जगुणाओ, नीललेस्साओ० विसेसाहियाओ, कणहलेस्साओ० विसेसाहियाओ, काउलेस्सा सम्मुच्छिमपंचेदियतिरिक्खजोणिया असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा० विसेसाहिया, कणहलेस्सा० विसेसाहिया । ९ एतेसि णं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीण य कणहलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचेदियतिरिक्खजोणिया सुक्कलेस्सा, सुक्कलेस्साओ० संखेज्जगुणाओ, पम्हलेस्सा० संखेज्जगुणा, पम्हलेस्साओ० संखेज्जगुणाओ, तेउलेस्सा० संखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ० संखेज्जगुणाओ, काउलेस्साओ० संखेज्जगुणाओ, नीललेस्साओ० विसेसाहियाओ, कणहलेस्साओ० विसेसाहियाओ, काउलेस्सा० असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा० विसेसाहिया, कणहलेस्सा० विसेसाहिया । १० एतेसि णं भंते ! तिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीण य कणहलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! जहेव णवमं अप्पाबहुगं तहा इमं पि, नवरं काउलेस्सा तिरिक्खजोणिया अणंतगुणा । एवं एते दस अप्पाबहुगा तिरिक्खजोणियाणं । ११८१. एवं मणूसाणं पि अप्पाबहुगा भाणियव्वा । णवरं पच्छिमगं अप्पाबहुगं णत्थि । ११८२. १ एतेसि णं भंते ! देवाणं कणहलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थो देवा सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा असंखेज्जगुणा, काउलेस्सा असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कणहलेस्सा विसेसाहिया, तेउलेस्सा संखेज्जगुणा । २ एतेसि णं भंते ! देवीणं कणहलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ देवीओ काउलेस्साओ, नीललेस्साओ विसेसाहियाओ, कणहलेस्साओ विसेसाहियाओ, तेउलेस्साओ संखेज्जगुणाओ । ३ एतेसि णं भंते ! देवाणं देवीण य कणहलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा देवा सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा असंखेज्जगुणा काउलेस्सा असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कणहलेस्सा विसेसाहिया, काउलेस्साओ देवीओ संखेज्जगुणाओ, नीललेस्साओ विसेसाहियाओ, कणहलेस्साओ विसेसाहियाओ, तेउलेस्सा देवा संखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ देवीओ संखेज्जगुणाओ । ११८३. १ एतेसि णं भंते ! भवणवासीणं देवाणं कणहलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा भवणवासी देवा तेउलेस्सा असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कणहलेस्सा विसेसाहिया । २ एतेसि णं भंते ! भवणवासिणीणं देवीणं कणहलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! एवं चेव । ३ एतेसि णं भंते ! भवणवासीणं देवाणं देवीण य कणहलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा भवणवासी देवा तेउलेस्सा, भवणवासिणीओ तेउलेस्साओ संखेज्जगुणाओ, काउलेस्सा भवणवासी असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कणहलेस्सा विसेसाहिया, काउलेस्साओ भवणवासिणीओ संखेज्जगुणाओ, नीललेस्साओ विसेसाहियाओ, कणहलेस्साओ विसेसाहियाओ । ११८४. एवं वाणमंतराण वि तिण्णेव अप्पाबहुया जहेव भवणवासीणं तहेव भाणियव्वा (सु. ११८३ १-३) । ११८५. एतेसि णं भंते ! जोइसियाणं देवाणं देवी य तेउलेस्साणं कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जोइसियदेवा तेउलेस्सा, जोइसिणिदेवीओ तेउलेस्साओ संखेज्जगुणाओ । ११८६. एतेसि णं भंते ! वेमाणियाणं देवाणं तेउलेस्साणं पम्हलेस्साणं सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेमाणिया सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्सा असंखेज्जगुणा । ११८७. एतेसि णं भंते ! वेमाणियाणं देवाणं देवीण य तेउलेस्साणं पम्हलेस्साणं सुक्कलेस्साण कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्सा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ वेमाणिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ । ११८८. एतेसि णं भंते ! भवणवासीणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाण य देवाणं कणहलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्सा असंखेज्जगुणा; तेउलेस्सा भवणवासी देवा असंखेज्जगुणा, काउलेस्सा असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कणहलेस्सा विसेसाहिया; तेउलेस्सा वाणमंतरा देवा असंखेज्जगुणा, काउलेस्सा असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कणहलेस्सा विसेसाहिया; तेउलेस्सा जोइसियदेवा संखेज्जगुणा । ११८९. एतासि णं भंते ! भवणवासिणीणं वाणमंतराणं जोइसिणीणं वेमाणिणीय

य कणहलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतोअप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा ओदेवीओ वेमाणिणीओ तेउलेस्साओ; भवणवासिणीओ तेउलेस्साओ असंखेज्जगुणाओ, काउलेस्साओ असंखेज्जगुणाओ, नीललेस्साओ विसेसाहियाओ, कणहलेस्साओ विसेसाहियाओ; तेउलेस्साओ वाणमंतरीओ देवीओ असंखेज्जगुणाओ, काउलेस्साओ असंखेज्जगुणाओ, नीललेस्साओ विसेसाहियाओ, कणहलेस्साओ विसेसाहियाओ; तेउलेस्साओ जाइसिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ । ११९०. एतेसि णं भंते ! भवणवासीणं जाव वेमाणियाणं देवाण य देवीण य कणहलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्सा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ वेमाणिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ; तेउलेस्सा भवणवासी देवा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ भवणवासिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ, काउलेस्सा भवणवासी असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कणहलेस्सा विसेसाहिया, काउलेस्साओ भवणवासिणीओ संखेज्जगुणाओ, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कणहलेसाओ विसेसाहियाओ; तेउलेस्सा वाणमंतरा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ वाणमंतरीओ संखेज्जगुणाओ, काउलेस्सा वाणमंतरा असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कणहलेस्सा विसेसाहिया, काउलेस्साओ वाणमंतरीओ संखेज्जगुणाओ, नीललेस्साओ विसेसाहियाओ, कणहलेस्साओ विसेसाहियाओ; तेउलेस्सा जोइसिया संखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ जोइसिणीओ संखेज्जगुणाओ । [सुत्ताइं ११९१. सलेस्सेसु जीवेषु इड्ढिअप्पाबहुयं] ११९१. एतेसि णं भंते ! जीवाणं कणहलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पिड्ढिया वा महिड्ढिया वा ? गोयमा ! कणहलेस्सेहिंतो नीललेस्सा महिड्ढिया, नीललेस्सेहिंतो काउलेस्सा महिड्ढिया, एवं काउलेस्सेहिंतो तेउलेस्सा महिड्ढिया, तेउलेस्सेहिंतो पम्हलेस्सा महिड्ढिया, पम्हलेस्सेहिंतो सुक्कलेस्सा महिड्ढिया, सव्वप्पिड्ढिया जीवा किणहलेस्सा, सव्वमहिड्ढिया जीवा सुक्कलेस्सा । [सुत्ताइं ११९२-९८. सलेस्सेसु २४ दंडएसु इड्ढिअप्पाबहुयं] ११९२. एतेसि णं भंते ! णेरइयाणं कणहलेस्साणं नीललेस्साणं काउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पिड्ढिया वा महिड्ढिया वा ? गोयमा ! कणहलेस्सेहिंतो नीललेस्सा महिड्ढिया, नीललेस्सेहिंतो काउलेस्सा महिड्ढिया, सव्वप्पिड्ढिया णेरइया कणहलेस्सा, सव्वमहिड्ढिया णेरइया काउलेस्सा । ११९३. एतेसि णं भंते ! तिरिक्खजोणियाणं कणहलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पिड्ढिया वा महिड्ढिया वा ? गोयमा ! जहा जीवा । ११९४. एतेसि णं भंते ! एगिदियतिरिक्खजोणियाणं कणहलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य कतरे कतरेहिंतो अप्पिड्ढिया वा महिड्ढिया वा ? गोयमा ! कणहलेस्सेहिंतो एगिदियतिरिक्खजोणिएहिंतो नीललेस्सा महिड्ढिया, नीललेस्सेहिंतो काउलेस्सा महिड्ढिया, काउलेस्सेहिंतो तेउलेस्सा महिड्ढिया, सव्वप्पिड्ढिया एगिदियतिरिक्खजोणिया कणहलेस्सा, सव्वमहिड्ढिया तेउलेस्सा । ११९५. एवं पुढविकाइयाण वि । ११९६. एवं एतेण अभिलावेणं जहेव लेस्साओ भावियाओ तहेव णेयव्वं जाव चउरिदिया । ११९७. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीणं सम्मुच्छिमाणं गम्भवक्कंतियाण य सव्वेसिं भाणियव्वं जाव अप्पिड्ढिया वेमाणिया देवा तेउलेस्सा, सव्वमहिड्ढिया वेमाणिया देवा सुक्कलेस्सा । ११९८. केइ भणंति-चउवीसदंडएणं इड्ढी भाणियव्वा । ☆☆☆ ॥ बीओ उद्देसओ समत्तो ॥ तइओ उद्देसओ ☆☆☆ [सुत्ताइं ११९९-१२००. नयमएणं २४ दंडएसु उववाय-उव्वट्टणाओ] ११९९. १ णेरइए णं भंते ! णेरइएसु उववज्जति ? अणेरइए णेरइएसु उववज्जति ? गोयमा ! णेरइए णेरइएसु उववज्जइ, णो अणेरइए णेरइएसु उववज्जति । २ एवं जाव वेमाणियाणं । १२००. १ णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो उव्वट्टइ ? अणेरइए णेरइएहिंतो उव्वट्टति ? गोयमा ! अणेरइए णेरइएहिंतो उव्वट्टति, णो णेरइए णेरइएहिंतो उव्वट्टति । २ एवं जाव वेमाणिए । णवरं जोतिसिय-वेमाणिएसु चयणं ति अभिलावो कायव्वो । [ सुत्ताइं १२०१-७. सलेस्सेसु २४ दंडएसु ओहेणं उववाय-उव्वट्टणाओ] १२०१. १ से णूणं भंते ! कणहलेस्से णेरइए कणहलेस्सेसु णेरइएसु उववज्जति ? कणहलेस्से उव्वट्टति ? जल्लेस्से उववज्जति तल्लेसे उव्वट्टति ? हंता गोयमा ! कणहलेसे णेरइए कणहलेसेसु णेरइएसु उववज्जति, कणहलेसे उव्वट्टति, जल्लेसे उववज्जति तल्लेसे उव्वट्टति । २ एवं नीललेसे वि काउलेसे वि । १२०२. एवं असुरकुमारा वि जाव थणियकुमारा

वि। णवरं तेउलेस्सा अब्भइया। १२०३. १ से णूणं भंते ! कणहलेसे पुढविकाइए कणहलेस्सेसु पुढविकाइएसु उववज्जति ? कणहलेस्से उव्वट्ठति ? जल्लेसे उववज्जति तल्लेसे उव्वट्ठति ? हंता गोयमा ! कणहलेस्से पुढविकाइए कणहलेस्सेसु पुढविकाइएसु उववज्जति; सिय कणहलेस्से उव्वट्ठति, सिय नीललेसे उव्वट्ठति, सिय काउलेसे उव्वट्ठति; सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उव्वट्ठति । २ एवं णीललेस्सा काउलेस्सा वि । ३ से णूणं भंते ! तेउलेस्से पुढविकाइए तेउलेस्सेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ ? ० पुच्छा । हंता गोयमा ! तेउलेसे पुढविकाइए तेउलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जति; सिय कणहलेसे उव्वट्ठइ, सिय णीललेसे उव्वट्ठइ, सिय काउलेसे उव्वट्ठति; तेउलेसे उववज्जति, णो चेव णं तेउलेस्से उव्वट्ठति । ४ एवं आउक्काइय-वणप्फइकाइया वि । ५ तेऊ वाऊ एवं चेव । णवरं एतेसिं तेउलेस्सा णत्थि । १२०४. बिय-तिय-चउरिदिया एवं चेव तिसु लेसासु । १२०५. पंचेदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य जहा पुढविकाइया आदिल्लियासु तिसु लेस्सासु भणिया (सु. १२०३ १-२) तहा छसु वि लेसासु भाणियव्वा । णवरं छप्पि लेसाओ चारियव्वाओ । १२०६. वाणमंतरा जहा असुरकुमारा (सु. १२०२) । १२०७. १ से णूणं भंते ! तेउलेस्से जोइसिए तेउलेसेसु जोइसिएसु उववज्जति ? जहेव असुरकुमारा । २ एवं वेमाणिया वि । नवरं दोण्ह वि चयंतीति अभिलावो । [सुत्ताइं १२०८-१४. सलेस्सेसु २४ दडएसु विभागेणं उववाय-उव्वट्ठणाओ] १२०८. से णूणं भंते ! कणहलेस्से णीललेस्से काउलेस्से णेरइए कणहलेस्सेसु णीललेस्सेसु काउलेस्सेसु णेरइएसु उववज्जति ? कणहलेस्से णीललेस्से काउलेस्से उव्वट्ठति ? जल्लेसे उववज्जति तल्लेसे उव्वट्ठति ? हंता गोयमा ! कणहलेस्से णीललेस्से-काउलेस्सेसु उववज्जति, जल्लेसे उववज्जति तल्लेसे उव्वट्ठति । १२०९. से णूणं भंते ! कणहलेस्से जाव तेउलेस्से असुरकुमारे कणहलेस्सेसु जाव तेउलेस्सेसु असुरकुमारेसु उववज्जति ? एवं जहेव नेरइए (सु. १२०८) तहा असुरकुमारे वि जाव थणियकुमारे वि । १२१०. १ से णूणं भंते ! कणहलेस्से जाव तेउलेस्से पुढविकाइए कणहलेस्सेसु जाव तेउलेस्सेसु पुढविकाइएसु उववज्जति ? एवं पुच्छा जहा असुरकुमाराणं । हंता गोयमा ! कणहलेस्से जाव तेउलेस्से पुढविकाइए कणहलेस्सेसु जाव तेउलेस्सेसु पुढविकाइएसु उववज्जति, सिय कणहलेस्से उव्वट्ठति सिय णीललेसे सिय काउलेस्से उव्वट्ठति, सिय जल्लेस्से उववज्जइ तल्लेसे उव्वट्ठइ, तेउलेसे उववज्जइ, णो चेव णं तेउलेस्से उव्वट्ठति । २ एवं आउक्काइय-वणप्फइकाइया वि भाणियव्वा । ३ से णूणं भंते ! कणहलेस्से णीललेस्से काउलेस्से तेउक्काइए कणहलेसेसु णीललेसेसु काउलेसेसु तेउक्काइएसु उववज्जति ? कणहलेसे णीललेसे काउलेसे उव्वट्ठति ? जल्लेसे उववज्जति तल्लेसे उव्वट्ठति ? हंता गोयमा ! कणहलेस्से णीललेस्से काउलेस्से तेउक्काइए कणहलेसेसु णीललेसेसु काउलेसेसु तेउक्काइएसु उववज्जति, सिय कणहलेसे उव्वट्ठति सिय णीललेसे सिय काउलेस्से उव्वट्ठति, सिय जल्लेसे उववज्जति तल्लेसे उव्वट्ठति । ४ एवं वाउक्काइया बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिदिया वि भाणियव्वा । १२११. से णूणं भंते ! कणहलेसे जाव सुक्कलेसे पंचेदियतिरिक्खजोणिए कणहलेसेसु जाव सुक्कलेसेसु पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जति ? ० पुच्छा । हंता गोयमा ! कणहलेस्से जाव सुक्कलेस्से पंचेदियतिरिक्खजोणिए कणहलेस्सेसु जाव सुक्कलेस्सेसु पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जति, सिय कणहलेस्से उव्वट्ठति जाव सिय सुक्कलेस्से उव्वट्ठति, सिय जल्लेसे उववज्जति तल्लेसे उव्वट्ठति । १२१२. एवं मणूसे वि । १२१३. वाणमंतरे जहा असुरकुमारे (सु. १२०९) । १२१४. जोइसिय-वेमाणिए वि एवं चेव । नवरं जस्स जल्लेसा, दोण्ह वि चयणं ति भाणियव्वं । [सुत्तं १२१५. कणहाइलेस्सेसु नेरइएसु ओहिखेत्तपरूवणं] १२१५. १ कणहलेस्से णं भंते ! णेरइए कणहलेस्से णेरइयं पणिहाए ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ केवतियं खेत्तं जाणति ? केवतियं खेत्तं पासइ ? गोयमा ! णो बहुयं खित्तं जाणति णो बहुयं खेत्तं पासइ, णो दूरं खेत्तं जाणति णो दूरं खेत्तं पासति, इत्तिय समेव खेत्तं जाणइ इत्तिरियमेव खेत्तं पासति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति कणहलेसे णं णेरइए तं चेव जाव इत्तिरियमेव खेत्तं पासति ? गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिज्जंसि भूमिभागंसि ठिच्चा सव्वओ समंता समभिलोएज्जा, तए णं से पुरिसे धरणितलगतं पुरिसं पणिहाए सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ णो बहुयं खेत्तं जाव पासति जाव इत्तिरियमेव खेत्तं पासइ, सेएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति कणहलेसे णं णेरइए

जाव इत्तिरियमेव खेत्तं पासति । २ गीललेसे णं भंते ! णेरइए कणहलेसं णेरइयं पणिहाय ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ केवतियं खेत्तं जाणइ ? केवतियं खेत्तं पासइ ? गोयमा ! बहुतरागं खेत्तं जाणति बहुतरागं खेत्तं पासति, दूरतरागं खेत्तं जाणइ दूरतरागं खेत्तं पासति, वितिमिरतरागं खेत्तं जाणइ वितिमिरतरागं खेत्तं पासइ, विसुद्धतरागं खेत्तं जाणति विसुद्धतरागं खेत्तं पासति । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति गीललेस्से णं णेरइए कणहलेस्सं णेरइयं पणिहाय जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ ? गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ पव्वयं दुरूहति, दुरूहिता सव्वओ समंता समभिलोएज्जा, तए णं से पुरिसे धरणितलगयं पुरिसं पणिहाय सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ बहुतरागं खेत्तं जाणइ जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासति, से एतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति गीललेस्से णेरइए कणहलेस्सं णेरइयं जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासति । ३ काउलेसे णं भंते ! णेरइए गीललेस्सं णेरइयं पणिहाय ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ केवतियं खेत्तं जाणइ ? केवतियं खेत्तं पासइ ? गोयमा ! बहुतरागं खेत्तं जाणइ बहुतरागं खेत्तं पासइ जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति काउलेसे णं णेरइए जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासति ? गोयमा ! से जहाणामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ पव्वतं दुरूहति, दुरूहिता रुक्खं दुरूहति दुरूहिता दो वि पादे उच्चाविय सव्वओ समंता समभिलोएज्जा, तए णं से पुरिसे पव्वतगयं धरणितलगयं च पुरिसं पणिहाय सव्वओसमंता समभिलोएमाणे २ बहुतरागं खेत्तं जाणति बहुतरागं खेत्तं पासति जाव वितिमिरतरागं (?विसुद्धतरागं) खेत्तं पासइ, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति काउलेस्से णं णेरइए गीललेस्सं णेरइयं पणिहाय तं चए जाव वितिमिरतरागं (?विसुद्धतरागं) खेत्तं पासति । [सुत्ताइं १२१६-१७. कणहाइलेस्सेसु जीवेसु णाणपरूवणं] १२१६. १ कणहलेस्से णं भंते ! जीवे कतिसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसुत्ता णाणेसु हुज्जा, दोसु होमाणे आभिणिबोहिय-सुयणाणेसु होज्जा, तिसु होमाणे आभिणिबोहिय-सुयणाण -ओहिणाणेसु होज्जा, अहवा तिसु होमाणे आभिणिबोहिय -सुयणाण -मणपज्जवणाणेसु होज्जा, चउसु होमाणे आभिणिबोहियणाण-सुयणाण -ओहिणाण-मणपज्जवणाणेसु होज्जा । २ एवं जाव पम्हलेस्से । १२१७. सुक्कलेस्से णं भंते ! जीवे कइसु णाणेसु होज्जा ? गोयमा ! दोसु वा तिसु वा चउसु वा एगम्मि वा होज्जा दोसु होमाणे आभिणिबोहियणाण० एवं जहेव कणहलेस्साणं (सु. १२१६ १ ) तहेव भाणियव्वं जाव चउहिं, एगम्मि होमाणे एगम्मि केवलणाणे होज्जा । ☆☆☆॥ पणवणाए भगवतीए लेस्सापदे ततिओ उद्देसओ समत्तो ॥ ☆☆☆ चउत्थो उद्देसओ ☆☆☆ [सुत्तं १२१८. चउत्थुद्देसस्स अहिगारपरूवणं] १२१८. परिणाम १ वण्ण २ रस ३ गंध ४ सुद्ध ५ अपसत्थ ६ संकिलिदुण्हा ७-८ । गति ९ परिणाम १० पदेसावगाह ११-१२ वग्गण १३ ठाणाणमप्पबहुं १४-१५ ॥२१०॥ [सुत्तं १२१९. लेस्साभयपरूवणं] १२१९. कति णं भंते ! लेस्साओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेस्साओ पण्णत्ताओ । तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा । [सुत्ताइं १२२०-२५. १ परिणामाहिगारो] १२२०. से णूणं भंते ! कणहलेस्सा गीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए तावण्णत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति ? हंता गोयमा ! कणहलेस्सा गीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए तावण्णत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति कणहलेस्सा गीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति ? गोयमा ! से जहाणामए खीरे दूसिं पप्प सुद्धे वा वत्थे रागं पप्प तारूवत्ताए तावण्णत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए मुज्जो २ परिणमति, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ कणहलेस्सा गीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति । १२२१. एवं एतेणं अभिलावेणं गीललेस्सा काउलेस्सं पप्प, काउलेस्सा तेउलेस्सं पप्प, तेउलेस्सा पम्हलेस्सं सुक्कलेस्सं पप्प गीललेस्से जाव भुज्जो २ परिणमति । १२२२. से णूणं भंते ! कणहलेस्सा गीललेस्सं काउलेस्सं तेउलेस्सं पम्हलेस्सं सुक्कलेस्सं पप्प तारूवत्ताए तावन्नत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति ? हंता गोयमा ! कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सं पप्प तारूवत्ताए तावन्नत्ताए तात्ताए तारसत्ताए गंध ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति किणहलेस्सा गीललेस्सं जाव सुक्कलेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति ? गोयमा ! से जहाणामए वेरुलियमणी सिया किण्हसुत्तए वा गीलसुत्तए वा लोहियसुत्तए वा हालिदिसुत्तए वा सुक्किल्लसुत्तए वा आइए समाणे

तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ किण्हलेस्सा णीललेस्सं पप्प जाव सुक्कलेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति । १२२३. से णूणं भंते ! णीललेस्सा किण्हलेस्सं जाव सुक्कलेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति ? हंता गोयमा ! एवं चेव । १२२४. एवं काउलेस्सा कण्हलेस्सं णीललेस्सं तेउलेस्सं पम्हलेस्सं सुक्कलेस्सं, एवं तेउलेस्सा किण्हलेसं णीललेसं काउलेसं पम्हलेसं सुक्कलेस्सं, एवं पम्हलेस्सा कण्हलेसं णीललेसं काउलेसं तेउलेसं सुक्कलेस्सं । १२२५. से णूणं भंते ! सुक्कलेस्सा किण्ह० णील० काउ० तेउ० पम्हलेस्सं पप्प जाव भुज्जो २ परिणमति ? हंता गोयमा ! एवं चेव । [सुत्ताइं १२२६-३२. २ वण्णहिगारो ] १२२६. कण्हलेस्सा णं भंते ! वण्णेणं केरिसिया पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए जीमूए इ वा अंजणे इ वा खंजणे इ वा कज्जले इ वा गवले इ वा गवलवले इ वा जंबूफलए इ वा अद्दारिड्ढए इ वा परपुट्टे इ वा भमरे इ वा भमरावली इ वा गयकलभे इ वा किण्हकेसे इ वा आगासथिग्गाले इ वा किण्हासोए इ वा किण्हकणवीरए इ वा किण्हबंधुजीवए इ वा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, किण्हलेस्सा णं एत्तो अणिट्टतरिया चेव अकंततरिया चेव अप्पियतरिया चेव अमणुण्णतरिया चेव अमणामतरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता । १२२७. णीललेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए भिंगे इ वा भिंणपत्ते इ वा चासे ति वा चासपिच्छे इ वा सुए इ वा सुयपिच्छे इ वा सामा इ वा वणराई वा उच्चंतए इ वा पारेवयगीवा इ वा मोरगीवा इ वा हलधरवसणे इ वा अयसिकुसुमए इ वा बाणकुसुमए इ वा अंजणकेसियाकुसुमए इ वा णीलुप्पले इ वा नीलासोए इ वा णीलकणवीरए इ वा णीलबंधुजीवए इ वा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, एत्तो जाव अमणामयरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता । १२२८. काउलेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए खयरसारे इ वा कयरसारे इ वा धमाससारे इ वा तंबे इ वा तंबकरोडए इ वा तंबच्छिवाडिया इ वा वाइंगणिकुसुमए इ वा कोइलच्छदकुसुमए इ वा तंबच्छिवाडिया इ वा वाइंगणिकुसुमए इ वा कोइलच्छदकुसुमए इ वा जवासाकुसुमे इ वा कलकुसुमे इ वा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, काउलेस्सा णं एत्तो अणिट्टतरिया जाव अमणामयरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता । १२२९. तेउलेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए ससरुहिरे इ वा उरब्भरुहिरे इ वा वराहरुहिरे इ वा संबररुहिरे इ मणुस्सरुहिरे इ वा बालिंदगोवे इ वा बालदिवागरे इ वा संझब्भरागे इ वा गुजब्भरागे इ वा बाइहिंगुलुए इ वा पवालंकुरे इ वा लक्खारसे इ वा लोहियक्खमणी इ वा किमिरंगकंबले र वा गयतालुए इ वा चीणपिट्ठरासी इ वा पालियायकुसुम इ वा जासुमणाकुसुमे इ वा किंसुयपुप्फरासी इ वा रत्तुप्पले इ वा रत्तासोगे इ वा रत्तकणवीरए इ वा रत्तबंधुजीवए वा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, तेउलेस्सा णं एत्तो इट्टतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता । १२३० पम्हलेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए चंपे इ वा चंपयछल्ली इ वा चंपयभेदे इ हलिद्दा इ वा हलिद्दगुलिया इ वा हलिद्दाभेए इ वा हरियाले इ वा हरियागुलिया इ वा हरियालभेए इ वा चिउरे इ वा चिउररागे इ वा सुपण्णसिप्पी इ वा वरकणगणिहस्ते इ वा वरपुरिसवसणे इ वा अल्लइकुसुमे इ वा चंपयकुसुमे इ वा कणियारकुसुमे इ वा कुहंडियाकुसुमे इ वा सुवण्णलूहिया इ वा सुहिवण्णियाकुसुमे इ वा कोरेंटमल्लदामे इ वा पीयासोगे इ वा पीयकणवीरए इ वा पीयबंधुजीवए इ वा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, पम्हलेस्सा णं एत्तो इट्टतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता । १२३१. सुक्कलेस्सा णं भंते ! केरिसिया वण्णेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए अंके इ वा संखे इ वा चंदे इ वा कुंदे इ वा दगे इ वा दगरप इ वा दही इ वा दहिघणे इ वा खीरे इ वा खीरपूरे इ वा सुक्कच्छिवाडिया इ वा पेहुणभिजिया इ वा घोयरुप्पट्टे इ वा सारइयबलाइए इ वा कुमुददले इ वा पोंडदियदले इ वा सालिपिट्ठरासी ति वा कुडगप्फरासी ति वा सिंदुवारवरमल्लदामे इ वा सेयासोए इ वा सेयकणवीरे इ वा सेयबंधुजीवए इ वा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, सुक्कलेस्सा णं एत्तो इट्टतरिया चेव कंततरिया चेव पियतरिया चेव मणुण्णतरिया चेव मणामतरिया चेव वण्णेणं पण्णत्ता । १२३२. एयाओ णं भंते ! छल्लेस्साओ कतिसु वण्णेसु साहिज्जंति ? गोयमा ! पंचसु वण्णेसु साहिज्जंति । तं जहा कण्हलेसा कालएणं वण्णेणं साहिज्जति, णीललेस्सा णीलएणं वण्णेणं साहिज्जति, काउलेस्सा काललोहिणं वण्णेणं साहिज्जति, तेउलेस्सा लोहिणं वण्णेणं साहिज्जइ, पम्हलेस्सा हालिद्दएणं वण्णेणं साहिज्जइ, सुक्कलेस्सा सुक्किलएणं वण्णेणं साहिज्जइ ।

[सुत्ताइं १२३३-३८. ३ रसाहिगारो] १२३३. कणहलेस्सा णं भंते ! केरिसिया आसाएणं पणत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए णिबे इ वा णिबसारे इ वा णिबछल्ली इ वा णिबफाणिए इ वा कुडए इ वा कुडगफले इ वा कुडगछल्ली इ वा कुडगफाणिए इ वा कडुगतुंबी इ वा कडुगतुम्बीफले ति वा खारतउसी इ वा खारतउसीफले इ वा देवदाली इ वा देवदालिपुप्फे इ वा मियवालुंकी इ वा मियवालुंकीफले इ वा घोसाडिए इ वा घोसाडइफले इ वा कण्हकंदए इ वा वज्जकंदए इ वा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, कण्हलेस्सा णं एत्तो अणिट्टतरिया चेव जाव अमणामयरिया चेव अस्साएणं पणत्ता । १२३४. णीललेस्साए पुच्छा । गोयमा ! से जहाणामए भंगी ति वा भंगीरए इ वा पाढा इ वा चविता इ वा चित्तामूलए इ वा पिप्पलीमूलए इ वा पिप्पली इ वा पिप्पलिचुण्णे इ वा मिरिए इ वा मिरियचुण्णे इ वा सिंगबेरे इ वा सिंगबेरचुण्णे इ वा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, णीललेस्सा णं एत्तो जाव अमणामतरिया चेव अस्साएणं पणत्ता । १२३५. काउलेस्साए पुच्छा । गोयमा ! से जहाणामए अंबाण वा अंबाडगाण वा माउलुंगाण वा बिल्लाण वा कविट्ठाण वा भट्ठाण वा फणसाण वा दालिमाण वा पारेवयाण वा अक्खौलाण वा चोराण वा बोराण वा तेंदुयाण वा अपिक्काणं अपरियागाणं वण्णेणं अणुववेताणं गंधेण अणुववेयाणं फासेणं अणुववेयाणं । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, जाव एत्तो अमणामयरिया चेव काउलेस्सा अस्साएणं पणत्ता । १२३६. तेउलेस्सा णं पुच्छा । गोयमा ! से जहाणामए अंबाण वा जाव तेंदुयाण वा पिक्काणं परियावण्णाणं वण्णेणं उववेताणं पसत्थेणं जाव फासेणं जाव एत्तो मणामयरिया चेव तेउलेस्सा अस्साएणं पणत्ता । १२३७. पम्हलेस्साए पुच्छा । गोयमा ! से जहाणामए चंदप्पभा इ वा मणिसिलागा इ वा वरसीधू इ वा वरवारुणी ति वा पत्तासवे इ वा पुप्फासवे इ वा फलासवे इ वा चोयासवे इ वा आसवे इ वा मधू इ वा मेरए इ वा कविसाणए इ वा खज्जूरसारए इ वा मुद्धियासारए इ वा सुप्पिक्खो यरसे इ वा अट्टपिट्टिणिट्टिया इ वा जंबूफलकालिया इ वा वरपसण्णा इ वा आसला मासला पेसला ईसी ओट्टावलंबिणी ईसिं वोच्छेयकडुई ईसी तंबच्छि करणी उक्कोसमयपत्ता वण्णेणं उववेया जाव फासेणं, आसायणिज्जा वीसायणिज्जा पीणणिज्ज विहंणिज्जा दीवणिज्जा दप्पणिज्जा मयणिज्जा सव्विदिय-गायपल्हायणिज्जा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, पम्हलेस्सा णं एत्तो इट्टतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव अस्साएणं पणत्ता । १२३८. सुक्कलेस्सा णं भंते ! केरिसिया अस्साएणं पणत्ता ? गोयमा ! से जहाणामए गुले इ वा खंडे इ वा सक्करा इ वा मच्छंडिया इ वा पप्पडमोदए इ वा भिसकंदे इ वा पुप्फुत्तरा इ वा पउमुत्तरा इ वा आयंसिया इ वा सिद्धत्थिया इ वा आगासफालिओवमा इ वा अणोवमाइ वा । भवेतारूवा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, सुक्कलेस्सा णं एत्तो इट्टतरिया चेव कंततरिया चेव पियतरिया चेव मणामयरिया चेव अस्साएणं पणत्ता । [सुत्ताइं १२३९-४१. ४-९ गंधाहिगाराइ अहिगारछक्कं ] १२३९. कति णं भंते ! लेस्साओ दुब्धिगंधाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! तओ लेस्साओ दुब्धिगंधाओ पणत्ताओ । तं जहा किणहलेस्सा णीललेस्सा काउलेस्सा । १२४०. कति णं भंते ! लेस्साओ सुब्धिगंधाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! तओ लेस्साओ सुब्धिगंधाओ पणत्ताओ । तं जहा तेउलेस्सा पम्हलेस्सा सुक्कलेस्सा । १२४१. एवं तओ अविस्सुद्धाओ तओ विस्सुद्धाओ, तओ अप्पसत्थाओ तओ पसत्थाओ, तओ संकिलिट्टाओ तओ असंकिलिट्टाओ, तओ सीयलुक्खाओ तओ निब्बुण्हाओ, तओ दुग्गइगामिणीओ तओ सुग्गइगामिणीओ । [सुत्तं १२४२. १० परिणामहिगारा] १२४२. कणहलेस्सा णं भंते ! कतिविधं परिणामं परिणमति ? गोयमा ! तिविहं वा नवविहं वा सत्तावीसतिविहं वा एकसीतिविहं वा बेतेयालसतविहं वा बहुं वा बहुविहं परिणामं परिणमति । एवं जाव सुक्कलेसा । [सुत्तं १२४३. ११ पदेसाहिगारो] १२४३. कणहलेस्सा णं भंते ! कतिपदेसिया पणत्ता ? गोयमा ! अणंतपदेसिया पणत्ता । एवं जाव सुक्कलेस्सा । [सुत्तं १२४४. १२ अवगाहाहिगारो] १२४४. कणहलेस्सा णं भंते ! कइपएसोगाढा पणत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जपएसोगाढा पणत्ता । एवं जाव सुक्कलेस्सा । [सुत्तं १२४५. १३ वग्गणाहिगारो] १२४५. कणहलेस्सा णं भंते ! केवतियाओ वग्गणाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! अणंताओ वग्गणाओ पणत्ताओ । एवं जाव सुक्कलेस्साए । [सुत्तं १२४६. १४ ठाणाहिगारो] १२४६. केवतिया णं भंते ! कणहलेस्साठाणा पणत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा कणहलेस्साठाणा पणत्ता । एवं जाव सुक्कलेस्साए ।

[सुत्ताइं १२४७-४९. १५ अप्पबहुअहिगारो] १२४७. एतेसि णं भंते ! कन्हलेस्साठाणाणं जाव सुक्कलेस्साठाणाणं य जहण्णगाणं दव्वड्डयाए पएसड्डयाए दव्वड्डपएसड्डयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जहण्णगा काउलेस्साठाणा दव्वड्डयाए, जहण्णगा णीललेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा कण्हलेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा तेउलेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा पम्हलेस्साठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा सुक्कलेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा; पदेसड्डयाए-सव्वत्थोवा जहण्णगा काउलेस्साठाणा पएसड्डयाए, जहण्णगा णीललेस्सट्ठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा कण्हलेस्साठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा तेउलेस्सट्ठाणा पदेसड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा पम्हलेस्सट्ठाणा पणसड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णगा सुक्कलेस्साठाणा पदेसड्डयाए असंखेज्जगुणा; दव्वड्डपदेसड्डयाए-सव्वत्थोवा जहण्णगा काउलेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए, जहण्णगा णीललेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हलेस्सट्ठाणा तेउलेस्सट्ठाणा पम्हलेस्सट्ठाणा, जहण्णगा सुक्कलेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णएहिंतो सुक्कलेस्सट्ठाणेहिंतो दव्वड्डयाए जहण्णगा काउलेस्सट्ठाणा पदेसड्डयाए अणंतगुणा, जहण्णगा णीललेस्सट्ठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं जाव सुक्कलेस्सट्ठाणा । १२४८. एतेसि णं भंते ! कण्हलेस्सट्ठाणाणं जाव सुक्कलेस्सट्ठाणाणं य उक्कोसगाणं दव्वड्डयाए पएसड्डयाए दव्वड्डपएसड्डयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा उक्कोसगा काउलेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए, उक्कोसगा णीललेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं जहेव जहण्णगा तहेव उक्कोसगा वि, णवरं उक्कोस ति अभिलावो । १२४९. एतेसि णं भंते ! कण्हलेस्सट्ठाणाणं जाव सुक्कलेस्सट्ठाणाणं य जहण्णुक्कोसगाणं दव्वड्डयाए पएसड्डयाए दव्वड्डपएसड्डयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जहण्णगा काउलेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए, जहण्णया णीललेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हलेस्सट्ठाणा तेउलेस्सट्ठाणा पम्हलेस्सट्ठाणा, जहण्णगा सुक्कलेसट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णएहिंतो सुक्कलेस्सट्ठाणेहिंतो दव्वड्डयाए उक्कोसा काउलेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसा णीललेसट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हलेसट्ठाणा तेउलेसट्ठाणा पम्हलेसट्ठाणा, उक्कोसा सुक्कलेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा; पदेसड्डयाए सव्वत्थोवा जहण्णगा काउलेस्सट्ठाणा पएसड्डयाए, जहण्णगा णीललेसट्ठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं जहेव दव्वड्डयाए तहेव पएसड्डयाए वि भाणियव्वं, णवरं पएसड्डयाए ति अभिलावविसेसो; दव्वड्डपएसड्डयाए-सव्वत्थोवा जहण्णगा काउलेस्सट्ठाणा दव्वड्डयाए, जहण्णगा णीललेसट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हलेसट्ठाणा तेउलेसट्ठाणा पम्हलेसट्ठाणा, जहण्णया सुक्कलेसट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, जहण्णएहिंतो सुक्कलेसट्ठाणेहिंतो दव्वड्डयाए उक्कोसा काउलेसट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसा णीललेसट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हलेसट्ठाणा तेउलेसट्ठाणा पम्हलेसट्ठाणा, उक्कोसगा सुक्कलेसट्ठाणा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसएहिंतो सुक्कलेसट्ठाणेहिंतो दव्वड्डयाए जहण्णगा काउलेसट्ठाणा पदेसड्डयाए अणंतगुणा, जहण्णगा णीललेसट्ठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हलेसट्ठाणा तेउलेसट्ठाणा पम्हलेसट्ठाणा, जहण्णगा सुक्कलेसट्ठाणा असंखेज्जगुणा, जहण्णएहिंतो सुक्कलेसट्ठाणेहिंतो पदेसड्डयाए उक्कोसा काउलेसट्ठाणा पदेसड्डयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसया णीललेसट्ठाणा पदेसड्डयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हलेसट्ठाणा तेउलेसट्ठाणा पम्हलेसट्ठाणा, उक्कोसया सुक्कलेसट्ठाणा पएसड्डयाए असंखेज्जगुणा ।

★ ★ ★ || पणवणाए भगवतीए चउत्थो उद्देसओ समत्तो || ★ ★ ★ पंचमो उद्देसओ ★ ★ ★ [सुत्तं १२५०. लेस्साभं लेस्सापदे परूवणं] १२५०. कति णं भंते ! लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पणत्ताओ । तं जहा कण्हले,स्सा जाव सुक्कलेस्सा । [सुत्ताइं १२५१-५५. लेस्साणं परिणमणभावपरूवणं] १२५१. से णूणं भंते ! कण्हलेस्सा णीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए तावणत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति ? एत्तो आढत्तं जहा चउत्थुद्देसए तहा भाणियव्वं जाव वेरुलियमणिदिट्ठंत्तो ति । १२५२. से णूणं भंते ! कण्हलेस्सा णीललेस्सं पप्प णो तारूवत्ताए णो तावणत्ताए णो तागंधत्ताए णो तारसत्ताए णो ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति ? हंता गोयमा ! कण्हलेस्सा णीललेस्सं पप्प णो तारूवत्ताए णो तावणत्ताए णो तागंधत्ताए णो तारसत्ताए णो ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमति । से कण्हणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! आगारभावमाताए वा से सिया पलिभागभावमाताए वा से सिया

कणहलेस्सा णं सा, णो खलु सा णीललेस्सा, तत्थ गता उस्सककति, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति कणहलेस्सा णीललेस्सं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति । १२५३. से णूणं भंते ! णीललेस्सा काउलेस्सं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति ? हंता गोयमा ! णीललेस्सा काउलेस्सं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चइ णीललेस्सा काउलेस्सं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति ? गोयमा ! आगारभावमाताए वा से सिया पलिभागभावमाताए वा सिया णीललेस्सा णं सा, णो खलु सा काउलेस्सा, तत्थ गता उस्सककति वा ओसककति वा, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ णीललेस्सा काउलेस्सं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति । १२५४. एवं काउलेस्सा तेउलेस्सं पप्प, तेउलेस्सा पम्हलेस्सं पप्प, पम्हलेस्सा सुक्कलेस्सं पप्प । १२५५. से णूणं भंते ! सुक्कलेस्सा पम्हलेस्सं पप्प णो तारूवत्ताए जाव परिणमति ? हंता गोयमा ! सुक्कलेस्सा तं चेव । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति सुक्कलेस्सा जाव णो परिणमति ? गोयमा ! आगारभावमाताए वा जाव सुक्कलेस्सा णं सा, णो खलु सा पम्हलेस्सा, तत्थ गता ओसककति, सेएणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव णो परिणमति । **☆☆☆॥ लेस्सापदे पंचमो उद्देसओ समत्तो ॥ ☆☆☆ छट्ठो उद्देसओ ☆☆☆ [सुत्तं १२५६. लेस्साभेयपरूवणं ] १२५६. कति णं भंते !** लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पणत्ताओ । तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा । [सुत्तं १२५७. मणुस्सेसु लेस्सापरूवणं] १२५७. १ मणूसाणं भंते ! कति लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पणत्ताओ । तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा । २ मणूसीणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसाओ पणत्ताओ । तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा । ३ कम्मभूमयमणूसाणं भंते ! कति लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! छ । तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा ४ एवं कम्मभूमयमणूसीणं वि । ५ भरहेरवयमणूसाणं भंते ! कति लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! छ । तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा । ६ एवं मणुस्सीणं वि । ७ पुव्वविदेह - अवरविदेहकम्मभूमयमणूसाणं भंते ! कति लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! छ लेसाओ । तं जहा कणहलेस्सा जाव सुक्कलेस्सा । ८ एवं मणूसीणं वि । ९ अकम्मभूमयमणूसाणं पुच्छा । गोयमा ! चत्तारि लेस्साओ पणत्ताओ । तं जहा कणहलेस्सा जाव तेउलेस्सा । १० एवं अकम्मभूमयमणूसीणं वि । ११ एवं अंतरदीवयमणूसाणं मणूसीणं वि । १२ हेमवय एण्णवयअकम्मभूमयमणुस्साणं मणूसीणं य कति लेस्साओ पणत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि । तं जहा कणहलेस्सा जाव तेउलेस्सा । १३ हरिवास-रम्मयअकम्मभूमयमणुस्साणं मणूसीणं य पुच्छा । गोयमा ! चत्तारि । तं जहा-कणहलेस्सा जाव तेउलेस्सा । १४ देवकुरूतरकुरुअकम्मभूमयमणुस्साणं एवं चेव । १५ एतेसिं चेव मणूसीणं एवं चेव । १६ धायइसंडपुरिमद्धे एवं चेव, पच्छिमद्धे वि । एवं पुक्खरद्धे वि भाणियव्वं [ग्रन्थाग्र—५५००] । [सुत्तं १२५८. लेस्सं पडुच्च गब्भुप्पत्तिपरूवणं] १२५८. १ कणहलेस्से णं भंते ! मणूसे कणहलेस्सं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा । २ कणहलेस्से णं भंते ! मणूसे णीललेस्सं गब्भं जणेज्जा हंता गोयमा ! जणेज्जा ३ एवं काउलेस्सं तेउलेस्सं पम्हलेस्सं सुक्कलेस्सं छप्पि मालावगा भाणियव्वा । ४ एवं णीललेसेणं काउलेसेणं तेउलेसेणं वि पम्हलेसेणं वि सुक्कलेसेणं वि, एवं एते छत्तीसं आलावगा । ५ कणहलेस्सा णं भंते ! इत्थिया कणहलेस्सं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा । एवं एते वि छत्तीसं आलावगा । ६ कणहलेसे णं भंते ! मणूसे कणहलेसाए इत्थियाए कणहलेस्सं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा । एवं एते छत्तीसं आलावगा । ७ कम्मभूमयकणहलेस्से णं भंते ! मणूसे कणहलेस्साए इत्थियाए कणहलेस्सं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा । एवं एते वि छत्तीसं आलावगा । ८ अकम्मभूमयकणहलेसे णं भंते ! मणूसे अकम्मभूमयकणहलेस्साए इत्थियाए अकम्मभूमयकणहलेस्सं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा, णवरं चउसु लेसासु सोलस आलावगा । एवं अंतरदीवगा वि । **☆☆☆॥ छट्ठो उद्देसओ समत्तो ॥ ☆☆☆ ॥पणवणाए भगवईए सत्तरसमं लेस्सापयं समत्तं ॥ ☆☆☆ १८. अट्टारसमं कायट्टिइपयं सुत्तं १२५९. अट्टारसमपयस्स अत्थाहिगारपरूवणं १२५९. जीव १ गतिदिय २-३ काए ४ जोगे ५ वेदे ६ कसाय ७ लेस्सा ८ य । सम्मत्त ९ णाण १० दंसण ११ संजय १२ उवओग १३ आहारे १४ । २११ ॥ भासग १५ परित्त १६ पज्जत्त १७**

सुहुम १८ सण्णी १९ भवऽत्थि २०-२१ चरिमे २२ य। एतेसिं तु पदाणं कायठिई होति णायव्वा ॥२१२॥ [सुत्तं १२६०. पढमं जीवदारं] १२६०. जीवेणं भंते ! जीवे  
 त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! सब्बद्ध । दारं १ ॥ [सुत्ताइं १२६१—७०. बीयं गइदारं] १२६१. णेरइए णं भत ! नेरइए त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा !  
 जहण्णेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । १२६२. १ तिरिक्खजोणिणं णं भंते ! तिरिक्खजोणिणं त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा !  
 जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणि-ओप्पिणीओ कालतो, खेत्तओ अणंता लोगा, असंखेज्जा पोग्गलपरियट्ठा, ते णं पोग्गलपरियट्ठा  
 आवलियाए असंखेज्जतिभागो । २ तिरिक्खजोणिणी णं भंते ! तिरिक्खजोणिणीत्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिणि  
 पलिओवमाइं पुव्वकोडिपपुहुत्तअब्भइयाइं । १२६३. १ एवं मणूसे वि । २ मणूसी वि एवं चेव । १२६४. १ देवे णं भंते ! देवे त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहेव  
 णेरइए (सु. १२६१) । २ देवी णं भंते ! देवीत्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं पणपणं पलिओवमाइं । १२६५. सिद्धे  
 णं भंते ! सिद्धे त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । १२६६. १ णेरइयं अपज्जत्तए णं भंते ! णेरइयअप्पत्तए त्ति कालओ केवचिरं होइ ?  
 गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । २ एवं जाव देवी अपज्जत्तिया । १३६७. णेरइयपज्जत्तए णं भंते ! णेरइयपज्जत्तए त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा !  
 जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । १२६८. १ तिरिक्खजोणियपज्जत्तए णं भंते ! तिरिक्खजोणियपज्जत्तए  
 त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिणि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । २ एवं तिरिक्खजोणिणियपज्जत्तिया वि । १२६९. मणूसे  
 मणूसी वि एवं चेव । १२७०. १ देवपज्जत्तए जहा णेरइयपज्जत्तए (सु. १२६७) । २ देवपज्जत्तिया णं भंते ! देवपज्जत्तिय त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा !  
 जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं पणपणं पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । दारं २ । [ १२७१-८४. तइयं इंदियदारं ] १२७१. सइंदिए णं भंते !  
 सइंदिए त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! सइंदिए दुविहा पण्णत्ते । तं जहा अणाईए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सप्पज्जवसिए २ । १२७२. एगिदिए णं  
 भंते ! एगिदिए त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणप्फइकालो । १२७३. बेइंदिए णं भंते ! बेइंदिए त्ति कालओ  
 केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जं कालं । १२७४. एवं तेइंदिय-चउरिंदिए वि । १२७५. पंचेदिए णं भंते ! पंचेदिए त्ति कालतो केवचिरं  
 होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसहस्सं सातिरेणं । १२७६. अणिदिए णं ० पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । १२७७. सइंदियअपज्जत्तए  
 णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । १२७८. एवं जाव पंचेदियअपज्जत्तए । १२७९. सइंदियपज्जत्तए णं भंते ! सइंदियपज्जत्तए त्ति  
 कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसतपुहत्तं सातिरेणं । १२८०. एगिदियपज्जत्तए णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं  
 अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जइं वाससहस्साइं । १२८१. बेइंदियपज्जत्तए णं भंते ! बेइंदियपज्जत्तए त्ति ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं  
 वासाइं । १२८२. तेइंदियपज्जत्तए णं भंते ! तेइंदियपज्जत्तए त्ति ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं रातिदियाइं । १२८३. चउरिंदियपज्जत्तए  
 णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जा मासा । १२८४. पंचेदियपज्जत्तए णं भंते ! पंचेदियपज्जत्तए त्ति कालओ केवचिरं होइ ?  
 गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहत्तं । दारं ३ ॥ [सुत्ताइं १२८५-१३२०. चउत्थं कायदारं] १२८५. सकाइए णं भंते ! सकाइए त्ति  
 कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! सकाइए दुविहे पण्णत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सपज्जवसिए २ । १२८६. पुढविकाइए णं ० पुच्छा ।  
 गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जकालं, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । १२८७. एवं आउ-तेउ-  
 वाउक्काइया वि । १२८८. वणप्फइकाइया णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालओ,  
 खेत्तओ अणंता लोगा, असंखेज्जा पोग्गलपरियट्ठा, ते णं पोग्गलपरियट्ठा आवलियाए असंखेज्जइभागो । १२८९. तसकाइए णं भंते ! तसकाइए त्ति ० पुच्छा ।

गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासअब्भइयाइं । १२९०. अकाइए णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! अकाइए सादीए अपज्जवसिए । १२९१. सकाइयअपज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । १२९२. एवं जाव तसकासयअपज्जत्तए । १२९३. सकाइयपज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहत्तं सातिरेगं । १२९४. पुढविकाइयपज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं । १२९५. एवं आऊ वि । १२९६. तेउक्काइयपज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं राईदियाइं । १२९७. वाउक्काइयपज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं । १२९८. वणप्फइकाइयपज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं । १२९९. तसकाइयपज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहत्तं सातिरेगं । १३००. सुहुमे णं भंते ! सुहुमे त्ति कालओ केवचिरं होति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं असंखेज्जाओ उस्सप्पितण-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । १३०१. सुहुमपुढविकाइए सुहुमआउक्काइए सुहुमतेउक्काइए सुहुमवाउक्काइए सुहुमवणप्फइकाइए सुहुमणिगोदे वि जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । १३०२. सुहुमे णं भंते ! अपज्जत्तए त्ति ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । १३०३. पुढविकाइय-आउक्काइय-तेउक्काइय-वाउक्काइय-वणस्सइकाइयाण य एवं चेव । १३०४. पज्जत्तयाण वि एवं चेव । १३०५. बादरे णं भंते ! बादरे त्ति कालतो केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालतो, खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं । १३०६. बादरपुढविकाइए णं भंते ! २ पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरिसागरोवमकोडाकोडीओ । १३०७. एवं बादरआउक्काइए वि जाव बादरवाउक्काइए वि । १३०८. बादरवणस्सइकाइए णं भंते ! २ पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं जाव खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं । १३०९. पत्तेयसरीरबादरवणप्फइकाइए णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरिसागरोवमकोडाकोडीओ । १३१०. णिगोए णं भंते ! णिगोए त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अह्हाइज्जा पोग्गलपरियट्ठा । १३११. बादरनिगोदे णं भंते ! बादर ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरिसागरोवमकोडाकोडीओ । १३१२. बादरतसकाइए णं भंते ! बादरतसकाइए त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासअब्भइयाइं । १३१३. एतेसिं चेव अपज्जत्तगा सव्वे वि जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । १३१४. बादरपज्जत्तए णं भंते ! बादरपज्जत्त ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसतपुहुत्तं सातिरेगं । १३१५. बादरपुढविकाइयपज्जत्तए णं भंते ! बादर ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं । १३१६. एवं आउक्काइए वि । १३१७. तेउक्काइयपज्जत्तए णं भंते ! तेउक्काइयपज्जत्तए ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं राईदियाइं । १३१८. वाउक्काइए वणप्फइकाइए पत्तेयसरीरबायरवणप्फइकाइए य पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं । १३१९. णिगोयपज्जत्तए बादरणिगोयपज्जत्तए य पुच्छा । गोयमा ! दोण्णि वि जहण्णेणं वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं । १३२०. बादरतसकाइयपज्जत्तए णं भंते ! बादरतसकाइयपज्जत्तए त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसतपुहुत्तं सातिरेगं । दारं ४ ॥ [सुत्ताइं १३२१-२५. पंचमं जोगदारं] १३२१. सजोगी णं भंते ! सजोगि त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! सजोगी दुविहे पणत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सपज्जवसिए २ । १३२२. मणजोगी णं भंते ! मणजोगि त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । १३२३. एवं वयजोगी वि । १३२४. कायजोगी णं भंते ! २ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणप्फइकालो । १३२५. अजोगी णं भंते ! अजोगीति कालतो केवचिरं होइ ? गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । दारं ५ ॥

[सुत्ताइं १३२६-३०. छट्ठं वेयदारं] १३२६. सवेदए णं भंते सवेदए त्ति० ? गोयमा ! सवेदए तिविहे पण्णत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सपज्जवसिए २ सादीए वा सपज्जवसिए ३ । तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवहं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं । १३२७. इत्थिवेदे णं भंते ! इत्थिवेदे त्ति कालतो केवचिरं होति ? गोयमा ! एगेणं आदेसेणं जहण्णेणं एकं समयं उक्कोसेणं दसुत्तरं पलिओवमसतं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भइयं १ एगेणं आदेसेणं जहण्णेणं एणं समयं उक्कोसेणं अट्टारस पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भइयाइं २ एगेणं आदेसेणं जहण्णेणं एणं समयं उक्कोसेणं चोदस पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भइयाइं ३ एगेणं आदेसेणं जहण्णेणं एणं समयं उक्कोसेणं पलिओवमसयं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भइयं ४ एगेणं आदेसेणं जहण्णेणं एणं समयं उक्कोसेणं पलिओवमपुहुत्तं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भइयं ५ । १३२८. पुरिसवेदे णं भंते ! पुरिसवेदे त्ति० ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसतपुहुत्तं सातिरेगं । १३२९. नपुंसगवेदे णं भंते ! णपुंसगवेदे त्ति० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं वणप्फइकालो । १३३०. अवेदए णं भंते ! अवेदए त्ति० पुच्छा । गोयमा ! अवेदए दुविहे पण्णत्ते । तं जहासादीए वा अपज्जवसिए १ सादीए वा सपज्जवसिए २ । तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिए से जहण्णेणं एकं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । दारं ६ ॥ [सुत्ताइं १३३१-३४. सत्तमं कसायदारं] १३३१. सकसाई णं भंते ! सकसाईति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! सकसाई तिविहे पण्णत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सपज्जवसिए २ सादीए वा सपज्जवसिए ३ जाव (सु. १३२६) अवहं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं । १३३२. कोहकसाई णं भंते ! २ पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । एवं जाव मायकसाई । १३३३. लोभकसाई णं भंते ! लोभ ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । १३३४. अकसाई णं भंते ! अकसाइ;ति कालतो केवचिरं हाइ ? गोयमा ! अकसाई दुविहे पण्णत्ते । तं जहा सादीए वा अपज्जवसिए १ सादीए वा सपज्जवसिए २ । तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिए से जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । दारं ७ ॥ [सुत्ताइं १३३५-४२. अट्ठमं लेस्सादारं] १३३५. सलेस्से णं भंते ! सलेसे त्ति ० पुच्छा । गोयमा ! सलेसे दुविहे पण्णत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सपज्जवसिए २ । १३३६. कणहलेसे णं भंते ! कणहलेसे त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तम्भइयाइं । १३३७. णीललेसे णं भंते ! णीललेसे त्ति ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं पलिओवमासंसखेज्जइभागम्भइयाइं । १३३८. काउलेस्से णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं पलिओवमासंसखेज्जइभागम्भइयाइं । १३३९. तेउलेस्से णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं पलिओवमासंसखेज्जइभागम्भइयाइं । १३४०. पम्हलेस्से णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तम्भइयाइं । १३४१. सुक्कलेस्से णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तम्भइयाइं । १३४२. अलेस्से णं ० पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । दारं ८ ॥ [सुत्ताइं १३४३-४५. णवमं सम्मत्तदारं] १३४३. सम्मद्विट्ठी णं भंते ! सम्मद्विट्ठी केवचिरं होइ ? गोयमा ! सम्मद्विट्ठी दुविहे पण्णत्ते । तं जहा सादीए वा अपज्जवसिए १ सादीए वा सपज्जवसिए २ । तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं सातिरेगाइं । १३४४. मिच्छद्विट्ठी णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! मिच्छद्विट्ठी तिविहे पण्णत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणाइ;ए वा सपज्जवसिए २ सादीए वा सपज्जवसिए ३ । तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवहं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं । १३४५. सम्मामिच्छद्विट्ठी णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । दारं ९ ॥ [सुत्ताइं १३४६-५३. दसमं णाणदारं] १३४६. णाणी णं भंते ! णाणीति कालतो केवचिरं होइ ? गोयमा ! णाणी दुविहे पण्णत्ते । तं जहा सादीए वा अपज्जवसिए १ सादीए वा सपज्जवसिए २ । तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं । १३४७. आभिणिबोहियणाणी णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा एवं चेव । १३४८. एवं सुयणाणी वि ।

१३४९. ओहिणाणी वि एवं चेव । णवरं जहण्णेणं एकं समयं । १३५०. मणपज्जवणाणी णं भंते ! मणपज्जवणाणीति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोडिं । १३५१. केवलणाणी णं पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । १३५२. अण्णाणी-मइअण्णाणी सुयअण्णाणी णं पुच्छा । गोयमा ! अण्णाणी मतिअण्णाणी सुयअण्णाणी तिविहे पण्णत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सपज्जवसिए २ सादीए वा सपज्जवसिए ३ । तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवहं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं । १३५३. विभंगणाणी णं भंते ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं देसूणाए पुव्वकोडीए अब्भइयाइं ॥दारं १० ॥ [सुत्ताइं १३५४-५७. एक्कारसमं दंसणदारं] १३५४. चक्खुदंसणी णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसहस्सं सातिरेगं । १३५५. अचक्खुदंसणी णं भंते ! अचक्खुदंसणीति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! अचक्खुदंसणी दुविहे पण्णत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सपज्जवसिए २ । १३५६. ओहिंदंसणी णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं दो छावट्ठीओ सागरोवमाणं सातिरेगाओ । १३५७. केवलदंसणी णं पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । दारं ११ ॥ [सुत्ताइं १३५८-६१. बारसमं संजयदारं] १३५८. संजए णं भंते ! संजते त्ति ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोडिं । १३५९. असंजए णं भंते ! असंजए त्ति ० पुच्छा । गोयमा ! असंजए तिविहे पण्णत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सपज्जवसिए २ सादीए वा सपज्जवसिए ३ । तत्थ णं जे से सादीए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालतो, खेत्ततो अवहं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं । १३६०. संजयासंजए जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोडिं । १३६१. णासंजए णोअसंजए णोसंजयासंजए णं ० पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए दारं १२ ॥ [सुत्ताइं १३६२-६३. तेरसमं उवओगदारं] १३६२. सागारोवउत्ते णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । १३६३. अणागारोवउत्ते वि एवं चेव । दारं १३ ॥ [सुत्ताइं १३६४-७३. चोदसमं आहारदारं] १३६४. आहारए णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! आहारए दुविहे पण्णत्ते । तं जहा छउमत्थआहारए य केवलिआहारए य । १३६५. छउमत्थआहारए णं भंते ! छउमत्थआहारए ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं खुड्ढागभवग्गहणं दुसमऊणं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, असंखेज्जाओ उवसप्पिणीओस कालतो, खेत्ततो अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । १३६६. केवलिआहारए णं भंते ! केवलिआहारए त्ति कालतो केवचिरं होइ ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोडिं । १३६७. अणाहारए णं भंते ! अणाहारए त्ति ० पुच्छा । गोयमा ! अणाहारए दुविहे पण्णत्ते । तं जहा छउमत्थअणाहारए य १ केवलिअणाहारए य २ । १३६८. छउमत्थअणाहारए णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं दो समया । १३६९. केवलिअणाहारए णं भंते ! केवलिअणाहारए त्ति कालओ केवचिरं होइ ? गोयमा ! केवलिअणाहारए दुविहे पण्णत्ते । तं जहा सिद्धकेवलिअणाहारए य १ भवत्थकेवलिअणाहारए य २ । १३७०. सिद्धकेवलिअणाहारए णं ० पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । १३७१. भवत्थकेवलिअणाहारए णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! भवत्थकेवलिअणाहारए दुविहे पण्णत्ते । तं जहा सजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए य १ अजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए य २ । १३७२. सजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसेणं तिण्णि समया । १३७३. अजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । दारं १४ ॥ [सुत्ताइं १३७४-७५. पणरसमं भासगदारं] १३७४. भासए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । १३७५. अभासए णं ० पुच्छा । गोयमा ! अभासए तिविहे पण्णत्ते । तं जहा अणाईए वा अपज्जवसिए १ अणाईए वा सपज्जवसिए २ सादीए वा सपज्जवसिए ३ । तत्थ णं जे से सरदीए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणप्फइकालो ॥दारं १५ ॥ [सुत्ताइं १३७६-८२. सोलसमं परित्तदारं] १३७६. परित्ते णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! परित्ते दुविहे

पणत्ते । तं जहा कायपरित्ते य १ संसारपरित्ते य २ । १३७७. कायपरित्ते णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुढविकालो असंखेज्जाओ उस्सप्पिणि - ओसप्पिणीओ । १३७८. संसारपरित्ते णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव अवहं पोग्गलपरियट्ठं देसूणं । १३७९. अपरित्ते णं ० पुच्छा । गोयमा ! अपरित्ते दुविहे पणत्ते । तं जहा कायअपरित्ते य १ संसारअपरित्ते य २ । १३८०. कायअपरित्ते णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणप्फइकालो । १३८१. संसारअपरित्ते णं ० पुच्छा । गोयमा ! संसारअपरित्ते दुविहे पणत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ अणादीए वा सपज्जवसिए २ । १३८२. णोपरित्ते-णोअपरित्ते णं ० पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । दारं १६ ॥ [सुत्ताइं १३८३-८५. सत्तरसमं पज्जत्तदारं] १३८३. पज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण सागरोवमसयपुहत्तं सातिरेगं । १३८४. अपज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं । १३८५. णोपज्जत्तए-णोअपज्जत्तए णं ० पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । दारं १७ ॥ [सुत्ताइं १३८६-८८. अट्टारसमं सुहुमदारं] १३८६. सुहुमे णं भंते ! सुहुमे त्ति ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुढविकालो । १३८७. बादरे णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं जाव (सु. १३६५) खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । १३८८. णोसुहुमणोबादरे णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । दारं १८ ॥ [सुत्ताइं १३८९-९१. एगूणवीसइमं सण्णिदारं] १३९८. सण्णी णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसतपुहुत्तं सातिरेगं । १३९०. असण्णी णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणप्फइकालो । १३९१. णोसण्णीणोअसण्णी णं ० पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । दारं १९ ॥ [सुत्ताइं १३९२-९४. वीसइमं भवसिद्धियदारं] १३९२. भवसिद्धिए णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! अणादीए सपज्जवसिए । १३९३. अभवसिद्धिए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! अणादीए अपज्जवसिए । १३९४. णोभवसिद्धियणोअभवसिद्धिए णं ० पुच्छा । गोयमा ! सादीए अपज्जवसिए । दारं २० ॥ [सुत्ताइं १३९५-९६. एगवीसइमं अत्थिकायदारं] १३९५. धम्मत्थिकाए णं ० पुच्छा । गोयमा ! सव्वद्धं । १३९६. एवं जाव अब्बासमए । दारं २१ ॥ [सुत्ताइं १३९७-९८. बावीसइमं चरिमदारं] १३९७. चरिमे णं ० पुच्छा । गोयमा ! अणादीए सपज्जवसिए । १३९८. अचरिमे णं ० पुच्छा । गोयमा ! अचरिमे दुविहे पणत्ते । तं जहा अणादीए वा अपज्जवसिए १ सादीए वा अपज्जवसिए २ । दारं २२ ॥ **☆☆☆॥ पणवणाए भगवतीए अट्टारसमं कायट्ठिइपयं समत्तं ॥**

**☆☆☆ १९. एगूणवीसइमं सम्मत्तपयं ☆☆☆** [सुत्तं १३९९. जीवेषु सम्मत्तपरूवणं] १३९९. जीवा णं भंते ! किं सम्मद्धिटी मिच्छद्धिटी सम्मामिच्छद्धिटी ? गोयमा ! जीवा सम्मद्धिटी वि मिच्छद्धिटी वि सम्मामिच्छद्धिटी वि । [सुत्ताइं १४००-५. चउवीसदंडएसु सम्मत्तपरूवणं] १४००. एवं णेरइया वि । १४०१. असुरकुमारा वि एवं चेव जाव थणियकुमारा । १४०२. पुढविक्काइयाणं पुच्छा । गोयमा ! पुढविक्काइया णो सम्मद्धिटी, मिच्छद्धिटी, णो सम्मामिच्छद्धिटी । एवं जाव वणप्फइकाइया । १४०३. बेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! बेइंदिया सम्मद्धिटी वि मिच्छद्धिटी वि, णो सम्मामिच्छद्धिटी । एवं जाव चउरेंदिया । १४०४. पंचेदियतिरिक्खजोणिय-मणुस्सा वाणमंतर-जोतिसिय-वेमाणिया य सम्मद्धिटी वि मिच्छद्धिटी वि सम्मामिच्छद्धिटी वि । १४०५. सिद्धाणं पुच्छा । गोयमा ! सिद्धा णं सम्मद्धिटी, णो मिच्छद्धिटी णो सम्मामिच्छद्धिटी । **☆☆☆॥ पणवणाए भगवतीए एगूणवीसइमं सम्मत्तपयं समत्तं ॥ ☆☆☆ २०. वीसइमं अंतकिरियापयं ☆☆☆** [सुत्तं १४०६. वीसइमपयस्स अत्थाहिगारा] १४०६. णेरइय अंतकिरिया १ अणंतरं एगसमय ३ उव्वट्ठा ४ । तित्थगर ५ चक्कि ६ बल ७ वासुदेव ८ मंडलिय ९ रयणा य १० ॥२१३ ॥दारगाहा ॥ [सुत्ताइं १४०७-९. पढमं अंतकिरियादारं] १४०७. १ जीवे णं भंते ! अंतकिरियं करेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए करेज्जा, अत्थेगइए णो करेज्जा । २ एवं णेरइए जाव वेमाणिए । १४०८. १ णेरइए णं भंते ! णेरइएसु अंतकिरियं करेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । २ णेरइए णं भंते ! असुरकुमारेसु अंतकिरियं करेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । ३ एवं जाव वेमाणिएसु । णवरं मणूसेसु अंतकिरियं करेज्ज त्ति पुच्छा । गोयमा !

अत्येगइए करेज्जा, अत्येगइए णो करेज्जा । १४०९. एवं असुरकुमारे जाव वेमाणिए । एवमेते चउवीसं चउवीसदंडंगा ५७६ भवति । दारं १ ॥ [सुत्ताइं १४१०-१३, बीयं अणंतरदार] १४१०. १ णेरइया णं भंते ! किं अणंतरागता अंतकिरियं करेति परंपरागया अंतकिरियं करेति ? गोयमा ! अणंतरागया वि अंतकिरियं करेति, परंपरागता वि अंतकिरियं करेति । २ एवं रयणप्पभापुढविणेइया वि जाव पंकप्पभापुढविणेइया । ३ धूमप्पभापुढविणेइया णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! णो अणंतरागया अंतकिरियं करेति, परंपरागया अंतकिरियं करेति । एवं जाव अहेसत्तमापुढविणेइया । १४११. असुरकुमारा जाव थणियकुमारा पुढवि-आउ-वणस्सइकाइया य अणंतरागया वि अंतकिरियं करेति, परंपरागया वि अंतकिरियं करेति । १४१२. तेउ-वाउ-बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिदिया णो अणंतरागया अंतकिरियं पकरेति, परंपरागया अंतकिरियं पकरेति । १४१३. सेसा अणंतरागया वि अंतकिरियं पकरेति, परंपरागया वि अंतकिरियं पकरेति । दारं २ ॥ [सुत्ताइं १४१४-१६. तइयं एगसमयदारं] १४१४. १ अणंतरागया णं भंते ! णेरइया एगसमएणं केवतिया अंतकिरियं पकरेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं दस । २ रयणप्पभापुढविणेइया वि एवं चेव जाव वालुयप्पभापुढविणेइया । ३ अणंतरागता णं भंते ! पंकप्पभापुढविणेइया एगसमएणं केवतिया अंतकिरियं पकरेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि । १४१५. १ अणंतरागया णं भंते ! असुरकुमारा एगसमएणं केवइया अंतकिरियं पकरेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं दस । २ अणंतरागयाओ णं भंते ! असुरकुमारीओ एगसमएणं केवतियाओ अंतकिरियं पकरेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को(क्का) वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं पंच । ३ एवं जहा असुरकुमारा सदेवीया तहा जाव थणियकुमारा । १४१६. १ अणंतरागया णं भंते ! पुढविक्काइया एगसमएणं केवतिया अंतकिरियं पकरेति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि । २ एवं आउक्काइया वि चत्तारि । वणप्फइकाइया छ । पंचेदियतिरिक्खजोणिया दस । तिरिक्खजोणिणीओ दस । मणूसा दस । मणूसीओ वीसं । वाणमंतरा दस । वाणमंतरीओ पंच । जोइसिया दस । जोइसिणीओ वीसं । वेमाणिया अट्टसतं । वेमाणिणीओ वीसं । दारं ३ ॥ [सुत्ताइं १४१७-४३. चउत्थं उव्वट्टदारं] १४१७. णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टिता णेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे । १४१८. णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टिता असुरकुमारेसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे । १४१९. एवं निरंतरं जाव चउरिदिएसु पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे । १४२०. १ णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टिता पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्येगइए उववज्जेज्जा, अत्येगइए णो उववज्जेज्जा । २ जे णं भंते ! णेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टिता पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जेज्जा से णं केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! अत्येगइए लभेज्जा, अत्येगइए णो लभेज्जा । ३ जे णं भंते ! केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए से णं केवलं बोहिं बुज्झेज्जा ? गोयमा ! अत्येगइए बुज्झेज्जा, अत्येगइए णो बुज्झेज्जा । ४ जे णं भंते ! केवलं बोहिं बुज्झेज्जा से णं सद्दहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा ? गोयमा ! सद्दहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा । ५ जे णं भंते ! सद्दहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा से णं आभिणिबोहियणाणसुयणाणाइं उप्पाडेज्जा ? हंता ? गोयमा ! उप्पाडेज्जा । ६ जे णं भंते ! आभिणिबोहियणाण-सुयणाणाइं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा सीलं वा वयं वा गुणं वा वेरमणं वा पच्चक्खाणं वा पोसहोववासं वा पडिवज्जित्तए ? गोयमा ! अत्येगइए संचाएज्जा, अत्येगइए णो संचाएज्जा । ७ जे णं भंते ! संचाएज्जा सीलं वा जाव पोसहोववासं वा पडिवज्जित्तए से णं ओहिणाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! अत्येगए उप्पाडेज्जा, अत्येगए णो उप्पाडेज्जा । ८ जे णं भंते ओहिणाणं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा मुडे भवित्ता अण्णाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे । १४२१. १ णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टिता मणूसेसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्येगइए उववज्जेज्जा, अत्येगइए णो उववज्जेज्जा । २ जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवयाए ? गोयमा ! जहा पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु (सु. १४२० २-७) जाव जे णं भंते ! ओहिणाणं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा मुडे भवित्ता अणाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ? गोयमा ! अत्येगइए संचाएज्जा, अत्येगइए णो संचाएज्जा । ३ जे णं भंते ! संचाएज्जा मुडे भवित्ता अणाराओ अणगारियं पव्वइत्तए से णं मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! अत्येगइए उप्पाडेज्जा, अत्येगइए

णो उप्पाडेज्जा । ४ जे णं भंते ! मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा से णं केवलवाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए णो उप्पाडेज्जा । ५ जे णं भंते ! केवलणाणं उप्पाडेज्जा से णं सिज्जेज्जा बुज्जेज्जा मुच्चेज्जा सव्वदुक्खाणं अंतं करेज्जा ? गोयमा ! सिज्जेज्जा जाव सव्वदुक्खाणं अंतं करेज्जा । १४२२. णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । १४२३. असुरकुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । १४२४. असुरकुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता असुरकुमारेसु उववज्जिज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं जाव थणियकुमारेसु । १४२५. १ असुरकुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता पुढविकाइएसु उववज्जेज्जा ? हंता ! गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए नो उववज्जेज्जा । २ जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । ३ एवं आउ-वणप्फईसु वि । १४२६. १ असुरकुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तेउ-वाउ-बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिदिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । अवसेसेसु पंचसु पंचेदियतिरिक्खजोणियादिसु असुरकुमारे जहा णेरइए (सु. १४२०-२२) । २ एवं जाव थणियकुमारे । १४२७. १ पुढविकाइए णं भंते ! पुढविकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । २ एवं असुरकुमारेसु वि जाव थणियकुमारेसु वि । १४२८. १ पुढविकाइए णं भंते ! पुढविकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता पुढविकाइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । २ जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । ३ एवं आउक्काइयादीसु णिरंतरं भाणियव्वं जाव चउरिदिएसु । ४ पंचेदियतिरिक्खजोणिय-मणूसेसु जहा णेरइए (सु. १४२०-२१) । ५ वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु पडिसेहो । १४२९. एवं जहा पुढविकाइओ भणिओ तहेव आउक्काइओ वि वणप्फइकाइओ वि भाणियव्वो । १४३०. १ तेउक्काइए णं भंते ! तेउक्काइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । २ एवं असुरकुमारेसुवि जाव थणियकुमारेसु वि । १४३१. १ पुढविकाइय-आउ-तेउ-वाउ-वणस्सइ-बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिदिएसु अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । २ जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । १४३२. १ तेउक्काइए णं भंते ! तेउक्काइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । २ जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । ३ जे णं भंते ! केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए से णं केवलं बोहिं बुज्जेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । १४३३. मणुस-वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । १४३४. एवं जहेव तेउक्काइए णिरंतरं एवं वाउक्काइए वि । १४३५. बेइंदिए णं भंते ! बेइंदिएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहा पुढविकाइए (सु. १४२७-२८) । णवरं मणूसेसु जाव मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा । १४३६. १ एवं तेइंदिय-चउरिदिया वि जाव मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा । २ जे णं भंते ! मणपज्जवणाणं उप्पाडेज्जा से णं केवलणाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । १४३७. १ पंचेदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणिएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता णेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । २ जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । ३ जे णं केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए से णं केवलं बोहिं बुज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए बुज्जेज्जा, अत्थेगइए नो बुज्जेज्जा । ४ जे णं भंते ! केवलं बोहिं बुज्जेज्जा से णं सद्वहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा ? हंता गोयमा ! जाव रोएज्जा । ५ जे णं भंते ! सद्वहेज्जा ३ से णं आभिणिबोहियणाण-सुयणाण-ओहिणाणाणि उप्पाडेज्जा ? हंता गोयमा ! उप्पाडेज्जा । ६ जे णं भंते ! आभिणिबोहियणाण-सुयणाण-ओहिणाणाणं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा सीलं वा जाव पडिवज्जित्तए ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । १४३८. एवं असुरकुमारेसु वि जाव थणियकुमारेसु । १४३९. एगिंदिय-विगलिदिएसु जहा पुढविकाइए (सु. १४२८ १-३) । १४४०. पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु मणूसेसु य जहा णेरइए (सु. १४२०-२१) । १४४१. वाणमंतर-जोतिसिय-वेमाणिएसु

जहा गेरइएसु उवव ? जे ज्ज त्ति पुच्छाए भणियाए (सु. १४३७) । १४४२. एवं मणूसे वि । १४४३. वाणमंतर-जोतिसिय - वेमाणिए जहा असुरकुमारे (सु. १४२३-२६) । दारं ४ । [सुत्ताइं १४४४-५८. पंचमं तित्थगरदारं] १४४४. रयणप्पभापुढविणेइएणं भंते ! रयणप्पभापुढविणेइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा ? से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं रयणप्पभापुढविणेइयस्स तित्थगरणाम-गोयाइं कम्माइं बद्धाइं पुट्ठाइं कडाइं पुट्ठवियाइं णिविट्ठाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमण्णागयाइं उदिण्णाइं णो उवसंताइं भवंति से णं रयणप्पभापुढविणेइए रयणप्पभापुढविणेइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा, जस्स णं रयणप्पभापुढविणेइयस्स तित्थगरणाम-गोयाइं णो बद्धाइं जाव णो उदिण्णाइं उवसंताइं भवंति से णं रयणप्पभापुढविणेइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं णो लभेज्जा, सेतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ अत्थेगइए लभेज्जा अत्थेगइए लभेज्जा । १४४५. एवं जाव वालुयप्पभापुढविणेइएहिंतो तित्थगरत्तं लभेज्जा । १४४६. पंकप्पभापुढविणेइए णं भंते ! पंकप्पभापुढविणेइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, अंतकिरियं पुण करेज्जा । १४४७. धूमप्पभापुढविणेइए णं ० पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, विरतिं पुण लभेज्जा । १४४८. तमापुढविणेइए णं ० पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, विरयाविरयं पुण लभेज्जा । १४४९. अहेसत्तमाए ० पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, सम्मत्तं पुण लभेज्जा । १४५०. असुरकुमारे णं ० पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, अंतकिरियं पुण करेज्जा । १४५१. एवं विरंतरं जाव आउक्काइए । १४५२. तेउक्काइए णं भंते ! तेउक्काइएहिंतो अणंतरं उव्वट्ठित्ता उववज्जेज्जा (त्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा) । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, केवलिपण्णत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए । १४५३. एवं वाउक्काइए वि । १४५४. वणप्फइकाइए णं ० पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, अंतकिरियं पुण करेज्जा । १४५५. बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिंदिए णं ० पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, मणपज्जवणाणं पुण उप्पाडेज्जा । १४५६. पंचेदियतिरिक्खजोणिय-मणूस-वाणमंतर-जोइसिए णं ० पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, अंतकिरियं पुण करेज्जा । १४५७. सोहम्मगदेवे णं भंते ! अणंतरं चइं चइत्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा । गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा, एवं जहा रयणप्पभापुढविणेइए (सु. १४४४) । १४५८. एवं जाव सव्वट्ठसिद्धगदेवे । दारं ५ ॥ [सुत्ताइं १४५९-६३. छट्ठं चक्किदारं] १४५९. रयणप्पभापुढविणेइए णं भंते ! अणंतरं उव्वट्ठित्ता चक्कवट्ठित्तं लभेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा । अत्थेगइएणो लभेज्जा से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जहा रयणप्पभापुढविणेइयस्स तित्थगरत्ते (सु. १४४४) । १४६०. सक्करप्पभापुढविणेइए अणंतरं उव्वट्ठित्ता चक्कवट्ठित्तं लभेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । १४६१. एवं जाव अहेसत्तमापुढविणेइए । १४६२. तिरिय-मणुएहिंतो पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । १४६३. भवणवइ-वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएहिंतो पुच्छा । गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए नो लभेज्जा । दारं ६ । [सुत्तं १४६४. सत्तमं बलदारं] १४६४. एवं बलदेवत्तं पि । णवरं सक्करप्पभापुढविणेइए वि लभेज्जा । दारं ७ ॥ [सुत्तं १४६५. अट्ठमं वासुदेवदारं] १४६५. एवं वासुदेवत्तं दोहितो पुढवीहिंतो वेमाणिएहिंतो य अणुत्तरोववातियवंजेहिंतो, सेसेसु णो इणट्ठे समट्ठे । दारं ८ ॥ [सुत्तं १४६६. नवमं मंडलियदारं] १४६६. मंडलियत्तं अहेसत्तमा-तेउ-वाउवज्जेहिंतो । दारं ९ ॥ [सुत्तं १४६७-६९. दसमं रयणदारं] १४६७. सेणावइरयणत्तं गाहावइरयणत्तं वहुइरयणत्तं पुरोहियरयणत्तं इत्थिरयणत्तं च एवं, चेव णवरं अणुत्तरोववाइयवज्जेहिंतो । १४६८. आसरयणत्तं हत्थिरयणत्तं च रयणप्पभाओ णिरंतरं जाव सहस्सारो अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । १४६९. चक्करयणत्तं छत्तरयणत्तं चम्मरयणत्तं दंडुरयणत्तं असिरयणत्तं मणिरयणत्तं कागिणिरयणत्तं एतेसि णं असुरकुमारेहिंतो आरब्धं निरंतरं जाव ईसाणेहिंतो उववातो, सेसेहिंतो णो इणट्ठे समट्ठे । दारं १० ॥ [सुत्तं १४७०. भवियदव्वेदेवउववायपरूवणं] १४७०. अह भंते ! असंजयभवियदव्वेदेवाणं अविराहियसंजमाणं विराहियसंजमाणं अविराहियसंजमासंजमाणं विराहियसंजमासंजमाणं असण्णीणं तावसाणं कंदप्पियाणं चरग-परिव्वायगाणं किब्बिसियाणं तिरिच्छियाणं आजीवियाणं आभिओगियाणं सलिंगीणं दंसणवावणगाणं देवलोगेसु उववज्जमाणं कस्स कहिं उववाओ पण्णत्तो ? गोयमा ! अस्संजयभवियदव्वेदेवाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं उवरिमगेवेज्जगेसु,

अविराहियसंजमाणं जहण्णेणं सोहम्मं कप्पे उक्कोसेणं उवरिमगेवेज्जगेसु, अविराहियसंजमाणं जहण्णेणं सोहम्मं कप्पे उक्कोसेणं सव्वट्टसिद्धे, विराहियसंजमाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं सोहम्मं कप्पे, अविराहियसंजमासंजमाणं जहण्णेणं सोहम्मं कप्पे उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे, विराहियसंजमासंजमाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं जोइसिएसु, असण्णीणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं वाणमंतरेसु, तावसाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं जोइसिएसु, कंदप्पियाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं सोहम्मं कप्पे, चरग-परिव्वायगाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं बंभलोए कप्पे, किब्बिसियाणं जहण्णेणं सोहम्मं कप्पे, उक्कोसेणं लंतए कप्पे, तेरिच्छियाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं सहस्सारे कप्पे, आजीवियाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे, एवं आभिओगाणं वि, सलिंगीणं दंसणवावणगाणं जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं उवरिमगेवेज्जएसु। [सुत्ताइं १४७१-७३. असण्णिआयरूवणं] १४७१. कतिविहे णं भंते ! असण्णिआउए पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे असण्णिआउए पण्णत्ते । तं जहा णेरइयअसण्णिआउए जाव देवअसण्णिआउए । १४७२. असण्णी णं भंत ! जीवे किं णेरइयाउयं पकरेति जाव देवाउयं पकरेति ? गोयमा ! णेरइयाउयं पकरेति जाव देवाउयं पकरेति, णेरइयाउयं पकरेमाणे जहण्णेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेति, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेति, एवं मणुयाउयं पि, देवाउयं जहा णेरइयाउयं । १४७३. एयस्स णं भंते ! णेरइयअसण्णिआउयस्स जाव देवअसण्णिआउयस्स य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवे देवअसण्णिआउए मणुयअसण्णिआउए असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणियअसण्णिआउए असंखेज्जगुणे, नेरइयअसन्निआउए असंखेज्जगुणे । ★★ ★॥ पणवणाए भगवतीए वीसइमं अंतकिरियापयं समत्तं ॥ ★★ ★ २१. एगवीसइमं ओगाहणसंठाणपयं ★★ ★ [सुत्तं १४७४. एगवीसइमपयस्स अत्थाहिगारपरूवणं ] १४७४. विहि १ संठाण २ पमाणं ३ पोग्गलचिणणा ४ सरीरसंजोगो ५ । दव्व-पएसप्पबहुं ६ सरीरओगाहणप्पबहुं ७ ॥ २१४॥ [सुत्ताइं १४७५-१५५२. १-३ विहि-संठाण -पमाणदाराइं] १४७५. कति णं भंते ! सरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरया पण्णत्ता । तं जहा ओरालिए १ वेउव्विए २ आहारए ३ तेयए ४ कम्मए ५ । [सुत्ताइं १४७६-८७. ओरालियसरीरे विहिदारं] १४७६. ओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तं जहा एगिदियओरालियसरीरे जाव पंचेदियओरालियसरीरे । १४७७. एगिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते । तं जहा- पुढविक्काइयएगिदियओरालियसरीरे जाव वणप्फइकाइयएगिदियओरालियसरीरे । १४७८. १ पुढविक्काइयएगिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा सुहुमपुढविक्काइयएगिदियओरालियसरीरे य बादरपुढविक्काइयएगिदियओरालियसरीरे य । २ सुहुमपुढविक्काइयएगिदियओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा पज्जत्तगसुहुमपुढविक्काइयएगिदियओरालियसरीरेय अपज्जत्तगसुहुमपुढविक्काइयएगिदियओरालियसरीरे य । ३ बादरपुढविक्काइया वि एवं चेव । १४७९. एवं जाव वणस्सइकाइयएगिदियओरालिय ति । १४८०. बेइंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा पज्जत्तबेइंदियओरालियसरीरे य अपज्जत्तबेइंदियओरालियसरीरे य । १४८१. एवं तेइंदिय-चउरिदिया वि । १४८२. पंचेदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा तिरिक्खपंचेदियओरालियसरीरे य मणुस्सपंचेदियओरालियसरीरे य । १४८३. तिरिक्खजोणियपंचेदियओरालियसरीरे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते । तं जहा जलयरतिरिक्खजोणियपंचेदियओरालियसरीरे य १ थलयरतिरिक्खजोणियपंचेदियओरालियसरीरे य २ खहयरतिरिक्खजोणियपंचेदियओरालियसरीरे य ३ । १४८४. १ जलयरतिरिक्खजोणियपंचेदियओरालियसरीरे णं भंते कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा सम्मुच्छिमजलयरतिरिक्ख-जोणियपंचेदियओरालियसरीरे य गब्भवक्कतियजलयरतिरिक्खजोणियपंचेदियओरालियसरीरे य । २ सम्मुच्छिमजलयरतिरिक्खजोणियपंचेदियओरालियसरीरे



हुंडसंठाणसंठिए । एवं पज्जत्तापज्जत्ताण वि ३ । एवमेते तिरिक्खजोणियाणं ओहियाणं णव आलावगा । १४९८. १ जलयरतिरिक्खजोणियपंचेदियओरालियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहसंठाणसंठिए पण्णत्ते । तं जहा समचउरंसे जाव हुंडे । २ एवं पज्जत्तापज्जत्ताण वि । ३ सम्मुच्छिमजलयरा हुंडसंठाणसंठिया । एतेसिं चेव पज्जत्तापज्जत्ताण वि एवं चेव । ४ गब्भवक्कंतियजलयरा छव्विहसंठाणसंठिया । एवं पज्जत्तापज्जत्ताण वि । १४९९. १ एवं थलयराण वि णव सुत्ताणि । २ एवं चउप्पयथलयराण वि उरपरिसप्पथलयराण वि भुयपरिसप्पथलयराण वि । १५००. एवं खह्यराण वि णव सुत्ताणि । णवरं सव्वत्थ सम्मुच्छिमा हुंडसंठाणसंठिया भाणियव्वा, इयरे छसु वि । १५०१. १ मणूसपंचेदियओरालियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहसंठाणसंठिए पण्णत्ते । तं जहा समचउरंसे जाव हुंडे । २ पज्जत्तापज्जत्ताण वि एवं चेव । ३ गब्भवक्कंतियाण वि एवं चेव । पज्जत्ताऽपज्जत्ताण वि एवं चेव । ४ सम्मुच्छिमाणं पुच्छा । गोयमा ! हुंडसंठाणसंठिया पण्णत्ता । [सुत्ताइं १५०२-१३. ओरालियसरीरे पमाणदारं] १५०२. ओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणापण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सातिरेगं जोयणसहस्सं । १५०३. एगिदियओरालियस्स वि एवं चेव जहा ओहियस्स (सु. १५०२) । १५०४. १ पुढविकाइयएगिदियओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि उक्कोसेणं वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । २ एवं अपज्जत्तयाण वि पज्जत्तयाण वि । ३ एवं सुहुमाण वि पज्जत्तापज्जत्ताणं । ४ बादराणं पज्जत्तापज्जत्ताण वि एवं । एसो णवओ भेदो । १५०५. जहा पुढविकाइयाणं तहा आउक्काइयाण वि तेउक्काइयाण वि वाउक्काइयाण वि । १५०६. १ वणस्सइकाइयओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सातिरेगं जोयणसहस्सं । २ अपज्जत्ताणं जहण्णेण वि उक्कोसेणं वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । ३ पज्जत्ताणं जहण्णेण अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सातिरेगं जोयणसहस्सं । ४ बादराणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सातिरेगं जोयणसहस्सं । पज्जत्ताण वि एवं चेव । अपज्जत्ताणं जहण्णेण वि उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । १५०७. १ बेइंदियओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं बारस जोयणाइं । २ एवं सव्वत्थ वि अपज्जत्तयाणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं जहण्णेण वि उक्कोसेण वि । ३ पज्जत्तयाणं जहेव ओरालियस्स ओहियस्स (सु. १५०२) । १५०८. एवं तेइंदियाणं तिण्णि गाउयाइं, चउरिदियाणं चत्तारि गाउयाइं । १५०९. पंचिदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं ३, एवं सम्मुच्छिमाणं ३, गब्भवक्कंतियाण वि ३ । एवं चेव णवओ भेदो भाणियव्वो । १५१०. एवं जलयराण वि जोयणसहस्सं, णवओ भेदो । १५११. १ थलयराण वि णवओ भेदो उक्कोसेणं छग्गाउयाइं, पज्जत्ताण वि एवं चेव ३ । सम्मुच्छिमाणं पज्जत्ताण य उक्कोसेणं गाउयपुहत्तं । गब्भवक्कंतियाणं उक्कोसेणं छग्गाउयाइं पज्जत्ताण य २ । ओहियचउप्पयपज्जत्तय-गब्भवक्कंतियपज्जत्तयाण य उक्कोसेणं छग्गाउयाइं । सम्मुच्छिमाणं पज्जत्ताण य गाउयपुहत्तं उक्कोसेणं । २ एवं उरपरिसप्पाण वि ओहिय-गब्भवक्कंतियपज्जत्तयाणं जोयणसहस्सं । सम्मुच्छिमाणं जोयणपुहत्तं । ३ भुयपरिसप्पाणं ओहियगब्भवक्कंतियाण य उक्कोसेणं गाउयपुहत्तं । सम्मुच्छिमाणं धणुपुहत्तं । १५१२. खह्यराणं ओहिय-गब्भवक्कंतियाणं सम्मुच्छिमाणं य तिण्ह वि उक्कोसेणं धणुपुहत्तं । इमाओ संगहणिगाहाओ जोयणसहस्सं छग्गाउयाइं तत्तो य जोयणसहस्सं । गाउयपुहत्तं भुयए धणुपुहत्तं च पक्खीसु ॥२१५॥ जोयणसहस्सं गाउयपुहत्तं तत्तो य जोयणपुहत्तं । दोण्हं तु धणुपुहत्तं सम्मुच्छिमे होति उच्चतं ॥ २१६ ॥ १५१३. १ मणुस्सओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणापण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । २ अपज्जत्ताणं जहण्णेण वि उक्कोसेणं वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । ३ सम्मुच्छिमाणं जहण्णेण वि उक्कोसेणं वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । ४ गब्भवक्कंतियाणं पज्जत्ताण य जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । [सुत्ताइं १५१४-२०. वेउव्वियसरीरे विहिदारं] १ वेउव्वियसरीरे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते । तं जहा



सम्मुच्छिममणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे, गब्भवक्कं तियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे । २ जदि गब्भवक्कं तियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे किं कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे अकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे अंतरदीवयगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे, णो अकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे नो अंतरदीवयगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे य । ३ जदि कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे किं संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे असंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! संखेज्ज वासलियकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे । णो असंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतिय अणुसपंचेदिय वेउव्वियसरीरे णो । ४ जदि संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे किं पज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे अपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! पज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतिय-मणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे, णो अपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे । १५२०. १ जदि देवपंचेदियवेउव्वियसरीरे किं भवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे जाव वेमाणियदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! भवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे वि जाव वेमाणियदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे वि । २ जदि भवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे किं असुरकुमारभवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे जाव थणियकुमारभवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे गोयमा ! असुरकुमार० जाव थणियकुमार भवणवासिदेवपंचेदिय वेउव्वियसरीरे वि । ३ जदि असुरकुमारभवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे किं पज्जत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे अपज्जत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेव-पंचेदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! पज्जत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे वि अपज्जत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे वि । एवं जाव थणियकुमारे वि णं दुगओ भेदो । ४ एवं वाणमंतराणं अट्टविहाणं, जोइसियाणं पंचविहाणं । ५ वेमाणिया दुविहा कप्पोवगा कप्पातीता य । कप्पोवगा बारसविहा, तेसिं पि एवं चेव दुगतो भेदो । कप्पातीता दुविहा-गेवेज्जगा य अणुत्तरा य ॥ गेवेज्जगा णवविहा, अणुत्तरोववाइया पंचविहा, एतेसिं पज्जत्तापज्जत्ताभिलावेणं दुगतो भेदो । [सुत्ताइं १५२१-२६. वेउव्वियसरीरे संठाणदारं] १५२१. वेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । १५२२. वाउक्काइयएगिदियवेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! पडाग्गासंठाणासंठिए पण्णत्ते । १५२३. १ णेरइयपंचेदियवेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! णेरइयपंचेदियवेउव्वियसरीरे दुविहे पण्णत्ते । तं जहा भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य । तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से हुंडसंठाणसंठिए पण्णत्ते । तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से वि हुंडसंठाणसंठिए पण्णत्ते । २ रयणप्पभापुढविणेइयपंचेदियवेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! रयणप्पभापुढविणेइयाणं दुविहे सरीरे पण्णत्ते । तं जहा भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य । तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से वि हुंडे, जे वि उत्तरवेउव्विए से वि हुंडे । एवं जाव अहेसत्तमापुढविणेइयवेव्वियसरीरे । १५२४. १ तिरिक्खजोणियपंचेदियवेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । २ एवं जलयर-थलयर-खह्यराण वि । थलयराण चउप्पय-परिसप्पाण वि । परिसप्पाण उरपरिसप्प-भुयपरिसप्पाण वि । १५२५. एवं मणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरे वि । १५२६. १ असुरकुमारभवणवासिदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं दुविहे सरीरे पण्णत्ते । तं जहा भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य । तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं समचउरंसंठाणसंठिए पण्णत्ते । तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से णं णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । २ एवं जाव थणियकुमारदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे । ३ एवं वाणमंतराण वि । णवरं ओहिया वाणमंतरा पुच्छिज्जंति । ४ एवं जोइसियाण वि ओहियाणं । ५ एवं सोहम्म जाव

अच्चुयदेवसरीरे । ६ गेवेज्जगकप्पातीयवेमाणियदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसठिए पणत्ते ? गोयमा ! गेवेज्जगदेवाणं एगे भवधारणिज्जे सरीरए, से णं समचउरंससंठाणसंठिए पणत्ते । ७ एवं अणुत्तरोववातियाण वि । [सुत्ताइं १५२७-३२. वेउव्वियसरीरे पमाणदारं] १५२७. वेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सातिरेगं जोयणसतसहस्सं । १५२८. वाउक्काइयएगिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेण अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । १५२९. १ णेरइयपंचेदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा भवधारणिज्जा उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुसहस्सं । २ रयणप्पभापुढविणेरइयाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिण्णि रयणीओ छच्च अंगुलाइं । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पण्णरस धणूइं अह्हाइज्जाओ रयणीओ । ३ सक्करप्पभाए पुच्छा । गोयमा ! जाव तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पण्णरस धणूइं अह्हाइज्जाओ रयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं एकतीसं धणूइं एक्का य रयणी । ४ वालुयप्पभाए भवधारणिज्जा एकतीसं धणूइं एक्का य रयणी, उत्तरवेउव्विया बावट्ठिं धणूइं दोण्णि य रयणीओ । ५ पंकप्पभाए भवधारणिज्जा बावट्ठिं धणूइं दोण्णि य रयणीओ, उत्तरवेउव्विया पणुवीसं धणुसतं । ६ धूमप्पभाए भवधारणिज्जा पणुवीसं धणुसतं, उत्तरवेउव्विया अह्हाइज्जाइं धणुसताइं । ७ त्तामाए भवधारणिज्जा अह्हाइज्जाइं धणुसताइं, उत्तरवेउव्विया पंच धणुसताइं । ८ अहेसत्तमाए भवधारणिज्जा पंच धणुसताइं, उत्तरवेउव्विया धणुसहस्सं । एयं उक्कोसेणं । ९ जहण्णेणं भवधारणिज्जा अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उत्तरवेउव्विया अंगुलस्स संखेज्जइभागं । १५३०. तिरिक्खजोणियपंचेदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसतपुहत्तं । १५३१. मणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सातिरेगं जोयणसतसहस्सं । १५३२. १ असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं दुविहा सरीरोगाहणा पणत्ता । तं जहा भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्त रयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसतसहस्सं । २ एवं जाव थणियकुमाराणं । ३ एवं ओहियाणं वाणमंतराणं । ४ एवं जोइसियाण वि । ५ सोहम्मीसाणगदेवाणं एवं चेव उत्तरवेउव्विया जाव अच्चुओ कप्पो । णवरं सर्णकुमारे भवधारणिज्जा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं छ रयणीओ, एवं माहिदै वि, बंभलोय-लंतगेषु पंच रयणीओ, महासुक्क-सहस्सारेसु चत्तारि रयणीओ, आणय-पाणय-आरण-अच्चुएसु तिण्णि रयणीओ । ६ गेवेज्जगकप्पातीतवेमाणियदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! गेवेज्जगदेवाणं एगा भवधारणिज्जा सरीरोगाहणा पणत्ता, सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं दो रयणीओ । ७ एवं अणुत्तरोववाइयदेवाण वि । णवरं एक्का रयणी । [सुत्तं १५३३. आहारगसरीरे विहिदारं] १५३३. १ आहारगसरीरे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! एगागारे पणत्ते । २ यदि एगागारे पणत्ते किं मणूसआहारयसरीरे अमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! मणूसआहारगसरीरे, णो अमणूसआहारगसरीरे । ३ यदि मणूसआहारयसरीरे किं सम्मुच्छिमणूसआहारयसरीरे गब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! णो सम्मुच्छिमणूसआहारयसरीरे, गब्भवक्कतियमणूसआहारगसरीरे । ४ यदि

अच्चुयदेवसरीरे । ६ गेवेज्जगकप्पातीयवेमाणियदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! गेवेज्जगदेवाणं एगे भवधारणिज्जे सरीरए, से णं समचउरंससंठाणसंठिए पण्णत्ते । ७ एवं अणुत्तरोववातियाण वि । [सुत्ताइं १५२७-३२. वेउव्वियसरीरे पमाणदारं] १५२७. वेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सातिरेगं जोयणसतसहस्सं । १५२८. वाउक्काइयएगिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेण अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । १५२९. १ णेरइयपंचेदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा भवधारणिज्जा उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुसहस्सं । २ रयणप्पभापुढविणेरइयाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तं जहा भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिण्णि रयणीओ छच्च अंगुलाइं । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पण्णरस धणूइं अट्ठाइज्जाओ रयणीओ । ३ सक्करप्पभाए पुच्छा । गोयमा ! जाव तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पण्णरस धणूइं अट्ठाइज्जाओ रयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं एकतीसं धणूइं एक्का य रयणी । ४ वालुयप्पभाए भवधारणिज्जा एकतीसं धणूइं एक्का य रयणी, उत्तरवेउव्विया बावट्ठिं धणूइं दोण्णि य रयणीओ । ५ पंकप्पभाए भवधारणिज्जा बावट्ठिं धणूइं दोण्णि य रयणीओ, उत्तरवेउव्विया पणुवीसं धणुसतं । ६ धूमप्पभाए भवधारणिज्जा पणुवीसं धणुसतं, उत्तरवेउव्विया अट्ठाइज्जाइं धणुसताइं । ७ वमाए भवधारणिज्जा अट्ठाइज्जाइं धणुसताइं, उत्तरवेउव्विया पंच धणुसताइं । ८ अहेसत्तमाए भवधारणिज्जा पंच धणुसताइं, उत्तरवेउव्विया धणुसहस्सं । एयं उक्कोसेणं । ९ जहण्णेणं भवधारणिज्जा अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उत्तरवेउव्विया अंगुलस्स संखेज्जइभागं । १५३०. तिरिक्खजोणियपंचेदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसतपुहत्तं । १५३१. मणूसपंचेदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सातिरेगं जोयणसतसहस्सं । १५३२. १ असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं दुविहा सरीरोगाहणा पण्णत्ता । तं जहा भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्त रयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसतसहस्सं । २ एवं जाव थणियकुमाराणं । ३ एवं ओहियाणं वाणमंतराणं । ४ एवं जोइसियाण वि । ५ सोहम्मिसाणगदेवाणं एवं चेव उत्तरवेउव्विया जाव अच्चुओ कप्पो । णवरं सणंकुमारे भवधारणिज्जा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं छ रयणीओ, एवं माहिदे वि, बंभलोय-लंतगेषु पंच रयणीओ, महासुक्क-सहस्सारेसु चत्तारि रयणीओ, आणय-पाणय-आरण-अच्चुएसु तिण्णि रयणीओ । ६ गेवेज्जगकप्पातीतवेमाणियदेवपंचेदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! गेवेज्जगदेवाणं एगा भवधारणिज्जा सरीरोगाहणा पण्णत्ता, सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं दो रयणीओ । ७ एवं अणुत्तरोववाइयदेवाण वि । णवरं एक्का रयणी । [सुत्तं १५३३. आहारगसरीरे विहिदारं ] १५३३. १ आहारगसरीरे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगागारे पण्णत्ते । २ यदि एगागारे पण्णत्ते किं मणूसआहारयसरीरे अमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! मणूसआहारगसरीरे, णो अमणूसआहारगसरीरे । ३ यदि मणूसआहारयसरीरे किं सम्मुच्छिमणूसआहारयसरीरे गब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! णो सम्मुच्छिमणूसआहारयसरीरे, गब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे । ४ यदि

पमाणदाराइं] १५५२. कम्मगसरीरे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पणत्ते । तं जहा एगिदियकम्मगसरीरे जाव पंचेदिय० । एवं जहेव तेयगसरीरस्स भेदो संठाणं ओगाहणा य भणिया (सु. १५३६-५१) तहेव णिरवसेसं भाणियव्वं जाव अणुत्तरोववाइय त्ति । [ सुत्ताइं १५५३-५८. ४ पोग्गलचिणणादारं ] १५५३. ओरालियसरीरस्स णं भंते ! कतिदिसं पोग्गला चिज्जंति ? गोयमा ! णिग्वाघाएणं छद्दिसिं, वाघातं पडुच्च सिय तिदिसं सिय चउदिसं सिय पंचदिसं । १५५४. वेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! कतिदिसं पोग्गला चिज्जंति ? गोयमा ! णियमा छद्दिसिं । १५५५. एवं आहारगसरीरस्स वि । १५५६. तेया-कम्मगाणं जहा ओरालियसरीरस्स (सु. १५५३) । १५५७. ओरालियसरीरस्स णं भंते ! कतिदिसिं पोग्गला उवचिज्जंति ? गोयमा ! एवं चेव, जाव कम्मगसरीरस्स । १५५८. एवं उवचिज्जंति(?) अवचिज्जंति । [सुत्ताइं १५५९-६४. ५ सरीरसंजोगदारं] १५५९. जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स णं वेउव्वियसरीरं ? जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स ओरालियसरीरं ? गोयमा ! जस्स ओरालियसरीरं तस्स वेउव्वियसरीरं सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स ओरालियसरीरं सिय अत्थि सिय णत्थि । १५६०. जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स आहारगसरीरं ? जस्स आहारगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं ? गोयमा ! जस्स ओरालियसरीरं तस्स आहारगसरीरं सिय अत्थि सिय णत्थि, जस्स पुण आहारगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं णियमा अत्थि । १५६१. जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स तेयगसरीरं ? जस्स तेयगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं ? गोयमा ! जस्स ओरालियसरीरं तस्स तेयगसरीरं णियमा अत्थि, जस्स पुण तेयगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं सिय अत्थि सिय णत्थि । १५६२. एवं कम्मगसरीरं पि । १५६३. १ जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरं तस्स आहारगसरीरं ? जस्स आहारगसरीरं तस्स वेउव्वियसरीरं ? गोयमा ! जस्स वेउव्वियसरीरं तस्साहारगसरीरं णत्थि, जस्स वि य आहारगसरीरं तस्स वि वेउव्वियसरीरं णत्थि । २ तेया-कम्माइं जहा ओरालिएण समं (सु. १५६१-६२) तहेव आहारगसरीरेण वि समं तेया-कम्माइं चारेयव्वाणि । १५६४. जस्स णं भंते ! तेयगसरीरं तस्स कम्मगसरीरं ? जस्स कम्मगसरीरं तस्स तेयगसरीरं ? गोयमा ! जस्स तेयगसरीरं तस्स कम्मगसरीरं नियमा अत्थि, जस्स वि कम्मगसरीरं तस्स वि तेयगसरीरं णियमा अत्थि । [सुत्तं १५६५. ६ दव्व-पएसडप्पबहुदारं] १५६५. एतेसि णं भंते ! ओरालिय-वेउव्विय-आहारग-तेया-कम्मग-सरीराणं दव्वड्डयाए पएसड्डयाए दव्वड्डपएसड्डयाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा आहारगसरीरा दव्वड्डयाए, वेउव्वियसरीरा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, तेया-कम्मगसरीरा दो वि तुल्ला दव्वड्डयाए अणंतगुणा; पएसड्डयाए-सव्वत्थोवा आहारगसरीरा पएसड्डयाए, वेउव्वियसरीरा पदेसड्डयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरा पदेसड्डयाए असंखेज्जगुणा, तेयगसरीरा पदेसड्डयाए अणंतगुणा, कम्मगसरीरा पदेसड्डयाए अणंतगुणा; दव्वड्डपदेसड्डयाए-सव्वत्थोवा आहारगसरीरा दव्वड्डयाए, वेउव्वियसरीरा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरा दव्वड्डयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरेहिंतो दव्वड्डयाए आहारगसरीरा पएसड्डयाए अणंतगुणा, वेउव्वियसरीरा पदेसड्डयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरा पदेसड्डयाए असंखेज्जगुणा, तेया-कम्मगसरीरा दो वि तुल्ला दव्वड्डयाए अणंतगुणा, तेयगसरीरा पदेसड्डयाए अणंतगुणा, कम्मगसरीरा पदेसड्डयाए अणंतगुणा । [सुत्तं १५६६. ७ सरीरओगाहणडप्पबहुदारं] १५६६. एतेसि णं भंते ! ओरालिय-वेउव्विय-आहारग-तेया-कम्मगसरीराणं जहणियाए ओगाहणाए उक्कोसियाए ओगाहणाए जहण्णुक्कोसियाए ओगाहणाए कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा ओरालियसरीरस्स जहणिया ओगाहणा, तेया-कम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला जहणिया ओगाहणा विसेसाहिया, वेउव्वियसरीरस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा, आहारगसरीरस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा; उक्कोसियाए ओगाहणाए-सव्वत्थोवा आहारगसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा, ओरालियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, वेउव्वियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, तेया-कम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा; जहण्णुक्कोसियाए ओगाहणाए - सव्वत्थोवा ओरालियसरीरस्स जहणिया ओगाहणा, तेया-कम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला जहणिया ओगाहणा विसेसाहिया, वेउव्वियसरीरस्स जहणिया ओगाहणा

१४७७-८१) तहा तेयगस्स वि जाव चउरिदियाणं । १५३९. १ पंचेदियतेयगसरीरे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पणत्ते । तं जहा-णेरइयतेयगसरीरे जाव देवतेयगसरीरे । २ णेरइयाणं दुगतो भेदो भाणियव्वो जहा वेउव्वियसरीरे (सु. १५१७) । ३ पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाण य जहा ओरालियसरीरे भेदो भणितो (सु. १४८२-८७) तहा भाणियव्वो । ४ देवाणं जहा वेउव्वियसरीरे भेओ भणितो (सु. १५२०) तहा भाणियव्वो जाव सब्वट्ठसिद्धदेवे त्ति । [सुत्ताइं १५४०-४४. तेयगसरीरे संठाणदारं] १५४०. तेयगसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पणत्ते ? गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पणत्ते । १५४१. एगिदियतेयगसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पणत्ते ? गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पणत्ते । १५४२. पुढविक्काइयएगिदियतेयगसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पणत्ते ? गोयमा ! मसूरचंदसंठाणसंठिए पणत्ते । १५४३. एवं ओरालियसंठाणाणुसारेणं भाणियव्वं (सु. १४९०-९६) जाव चउरिदियाणं त्ति । १५४४. १ णेरइयाणं भंते ! तेयगसरीरे किंसंठिए पणत्ते ? गोयमा ! जहा वेउव्वियसरीरे (सु. १५२३) । २ पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाण य जहा एतेसिं चैव ओरालिय त्ति (सु. १५२४-२५) । ३ देवाणं भंते ! तेयगसरीरे किंसंठिए पणत्ते ? गोयमा ! जहा वेउव्वियस्स (सु. १५२६) जाव अणुत्तरोववाइय त्ति । [सुत्ताइं १५४५-५१. तेयगसरीरे पमाणदारं] १५४५. जीवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ता विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागे, उक्कोसेणं लोगंताओ लोगंतो । १५४६. एगिदियस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीराग्गहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! एवं चैव, जाव पुढवि-आउ-तेउ-वाउ-वणप्फइकाइयस्स । १५४७. १ बेइंदियस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ता विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिरियलोगाओ लोगंतो । २ एवं जाव चउरिदियस्स । १५४८. णेरइयस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ता विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं सातिरेणं जोयणसहस्सं, उक्कोसेणं अहे जाव अहेसत्तमा पुढवी, तिरियं जाव सयंभुरमणे समुद्दे, उड्डं जाव पंडगवणे पुक्खरिणीओ । १५४९. पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! जहा बेइंदियसरीरस्स (सु. १५४७ १) । १५५०. मणूसस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! समयखेत्ताओ लोगंतो । १५५१. १ असुरकुमारस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ता विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं अहे जाव तच्चाए पुढवीए हेट्टिल्ले चरिमंते, तिरियं जाव सयंभुरमणसमुद्दस्स बाहिरिल्ले वेइयंते, उड्डं जाव इसीपब्भारा पुढवी । २ एवं जाव थणियकुमारतेयगसरीरस्स । ३ वाणमंतर-जोइसिया सोहम्मिसाणगा य एवं चैव । ४ सणंकुमारदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ता विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं अहे जाव महापातालाणं दोच्चे तिभागे, तिरियं जाव सयंभुरमणसमुद्दे, उड्डं जाव अच्चुओ कप्पो । ५ एवं जाव सहस्सारदेवस्स । ६ आणयदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ता विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं अहे जाव अहेलोइयगामा, तिरियं जाव मणूसखेत्ते, उड्डं जाव अच्चुओ कप्पो । ७ एवं जाव आरणदेवस्स । ८ अच्चुयदेवस्स वि एवं चैव । णवरं उड्डं जाव सगाइं विमाणाइं । ९ गेवेज्जगदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पणत्ता ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ता विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं विज्जाहरसेढीओ, उक्कोसेणं जाव अहेलोइयगामा, तिरियं जाव मणूसखेत्ते, उड्डं जाव सगाइं विमाणाइं । १० अणुत्तरोववाइयस्स वि एवं चैव । [सुत्तं १५५२. कम्मगसरीरे विहि-संठाण-

असुरकुमारा वि जाव थणियकुमारा । ३ पुढवि-आउ-तेउ-वणप्फइकाइया य, एते सव्वे वि जहा ओहिया जीवा (सु. १५८२) । ४ अवसेसा जहा णेरइया । १५८४. १ एवं एते जीवेगिदियवज्जा तिण्णि तिण्णि भंगा सव्वत्थ भाणियव्व त्ति जाव मिच्छादंसणसल्लेणं । २ एवं एगत्त-पोहत्तिया छत्तीसं दंडगा होति । [सुत्ताइं १५८५-८७. जीवाईसु कम्मबंधमहिकिच्च किरियापरूवणं] १५८५. १ जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कतिकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिए सिय पंचकिए । २ एवं णेरइए जाव वेमाणिए । १५८६. १ जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणा कतिकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिए सिय पंचकिए वि । २ एवं णेरइया निरंतरं जाव वेमाणिया । १५८७. १ एवं दरिसणावरणिज्जं वेयणिज्जं मोहणिज्जं आउयं णामं गोयं अंतराइयं च अडुविहकम्मपगडीओ भाणियव्वाओ । २ एगत्त-पोहत्तिया सोलस दंडगा । [सुत्ताइं १५८८-१६०४. जीवाईसु एगत्त-पुहत्तेहिं किरियापरूवणं] १५८८. जीवे णं भंते ! जीवातो कतिकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिए सिय पंचकिए सिय अकिए । १५८९. १ जीवे णं भंते ! णेरइयाओ कतिकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिए सिय पंचकिए सिय अकिए । २ एवं जाव थणियकुमाराओ । ३ पुढविक्काइय-आउक्काइय-तेउक्काइय-वाउक्काइय-वणप्फइकाइय-बेइदिय-तेइदिय-चउरिदिय-पंचिदियतिरिक्खजोणिय-मणूसातो जहा जीवातो (सु. १५८८) । ४ वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाओ जहा णेरइयाओ (सु. १५८९) । १५९०. जीवे णं भंते ! जीवेहिंतो कतिकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिए सिय पंचकिए सिय अकिए । १५९१. जीवे णं भंते ! णेरइएहिंतो कतिकिरिए ? गोयमा ! सियतिकिरिए सिय चउकिए सिय अकिए । एवं जहेव पढमो दंडओ तहा एसो वि बितिओ भाणियव्वो । १५९२. जीवा णं भंते ! जीवाओ कतिकिरिया ? गोयमा ! सिय तिकिरिया वि सिय चउकिए सिय पंचकिए सिय अकिए वि । १५९३. जीवा णं भंते ! णेरइयाओ कतिकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिए सिय पंचकिए सिय अकिए वि । १५९५. १ जीवा णं भंते ! णेरइएहिंतो कतिकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिए सिय अकिए वि । २ असुरकुमारेहिंतो वि एवं चेव जाव वेमाणिएहिंतो । णवरं ओरालियसरीरेहिंतो जहा जीवेहिंतो (सु. १५९४) । १५९६. णेरइए णं भंते ! जीवातो कतिकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिए सिय पंचकिए । १५९७. १ णेरइए णं भंते ! णेरइयाओ कतिकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिए । २ एवं जाव वेमाणियाओ । णवरं ओरालियसरीराओ जहा जीवाओ (सु. १५९६) । १५९८. णेरइए णं भंते ! जीवेहिंतो कइकिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिए सिय पंचकिए । १५९९. १ णेरइए णं भंते ! णेरइएहिंतो कइकिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिए । एवं जहेव पढमो दंडओ तहा एसो वि बितिओ भाणियव्वो । २ एवं जाव वेमाणिएहिंतो । णवरं णेरइयस्स णेरइएहिंतो देवेहिंतो य पंचमा किरिया णत्थि । १६००. णेरइया णं भंते ! जीवाओ कतिकिरिया ? गोयमा ! सियतिकिरिया सिय चउकिए सिय पंचकिए । १६०१. एवं जाव वेमाणियाओ । णवरं णेरइयाओ देवाओ य पंचमा किरिया णत्थि । १६०२. णेरइया णं भंते ! जीवेहिंतो कतिकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिए सिय पंचकिए वि । १६०३. १ णेरइया णं भंते ! णेरइएहिंतो कतिकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिए सिय पंचकिए वि । २ एवं जाव वेमाणिएहिंतो । णवरं ओरालियसरीरेहिंतो जहा जीवेहिंतो (सु. १६०२) । १६०४. १ असुरकुमारे णं भंते ! जीवातो कतिकिरिए ? गोयमा ! जहेव णेरइएणं चत्तारि दंडगा (सु. १५९६-९९) तहेव असुरकुमारेण वि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा । एवं उवउज्जिऊण भावेयव्वं ति-जीवे मणूसे य अकिए वुच्चति, सेसा अकिए ण वुच्चंति, सव्वे जीवा ओरालियसरीरेहिंतो पंचकिए, णेरइय-देवेहिंतो य पंचकिए ण वुच्चंति । २ एवं एक्केक्कजीवपए चत्तारि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा । एवं एयं दंडगसयं । सव्वे वि य जीवादीया दंडगा । [सुत्ताइं १६०५-६. चउवीसदंडएसु किरियापरूवणं] १६०५. कति णं भंते ! किरियाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! पंच किरियाओ पणत्ताओ । तं जहा काइया जाव पाणाइवायकिए । १६०६. १ णेरइयाणं भंते ! कति किरियाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! पंच किरियाओ पणत्ताओ । तं जहा काइया जाव

असंखेज्जगुणा, आहारगसरीरस्स जहणिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा, आहारगसरीरस्स जहणियाहितो ओगाहणाहितो तस्स चेव उक्कोसिया ओगाहणा  
 विसेसाहिया, ओरालियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, वेउव्वियसरीरस्स णं उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, तेया-कम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला  
 उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा। **☆☆☆॥ पणवणाए भगवतीए एगवींसइमं ओगाहणसंठाणपयं समत्तं ॥ ☆☆☆ २२. बाबीसइमं किरियापयं**  
**☆☆☆ [ सुत्ताइं १५६७-७२. किरियाभेय-पभेयपरूवणं ] १५६७. कति णं भंते ! किरियाओ पणत्ताओ ? गोयमा ! पंच किरियाओ पणत्ताओ । तं जहा**  
**काइया १ आहिरणिया २ पादोसिया ३ पारियावणिया ४ पाणाइवातकिरिया ५ । १५६८. काइया णं भंते ! किरिया कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं**  
**जहा अणुवरयकाइया य दुप्पउत्तकाइया य । १५६९. आहिरणिया णं भंते ! किरिया कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा संजोयणाहिकरणिया**  
**य निव्वत्तणाहिकरणिया य । १५७०. पादोसिया णं भंते ! किरिया कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा पणत्ता । तं जहा जेणं अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स**  
**वा असुभं मणं पहारेति । से त्तं पादोसिया किरिया । १५७१. पारियावणिया णं भंते ! किरिया कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा पणत्ता । तं जहा जेणं**  
**अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वा असायं वेदणं उदीरेति । से त्तं पारियावणिया किरिया । १५७२. पाणातिवातकिरिया णं भंते ! कतिविहा पणत्ता ? गोयमा !**  
**तिविहा पणत्ता । तं जहा जेणं अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा जीवियाओ ववरोवेइ । से त्तं पाणाइवायकिरिया । [ सुत्तं १५७३. जीवेसु सकिरियत्त-**  
**अकिरियत्तपरूवणं ] १५७३. जीवा णं भंते ! किं सकिरिया अकिरिया ? गोयमा ! जीवा सकिरिया वि अकिरिया वि । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति जीवा सकिरिया वि**  
**अकिरिया वि ? गोयमा ! जीवा दुविहा पणत्ता । तं जहाँ संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य । तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा**  
**णं अकिरिया । तत्थ णं जे संसारसमावण्णगा ते दुविहा पणत्ता । तं जहा सेलेसिपडिवण्णगा य असेलेसिपडिवण्णगा य । तत्थ णं जे ते सेलेसिपडिवण्णगा ते णं**  
**अकिरिया । तत्थ णं जे ते असेलेसिपडिवण्णगा ते णं सकिरिया । से एतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति जीवा सकिरिया वि अकिरिया वि । [ सुत्ताइं १५७४-८०.**  
**जीवाईसु किरियाविसेसपरूवणं ] १५७४. अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जति ? हंता गोयमा ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं**  
**किरिया कज्जइ ? गोयमा ! उसु जीवणिकाएसु । १५७५. १ अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जति ? गोयमा ! एवं चेव । २ एवं जाव निरंतरं**  
**वेमाणियाणं । १५७६. १ अत्थि णं भंते ! जीवाणं मुसावाएणं किरिया कज्जति ? हंता ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं मुसावाएणं किरिया कज्जति ? गोयमा !**  
**सव्वदव्वेसु । २ एवं णिरंतरं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । १५७७. १ अत्थि णं भंते ! जीवाणं अदिण्णादाणेणं किरिया कज्जति ? हंता अत्थि । कम्हि णं भंते !**  
**जीवाणं अदिण्णादाणेणं किरिया कज्जइ ? गोयमा ! गहण-धारणज्जेसु दव्वेसु । २ एवं णेरइयाणं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं । १५७८. १ अत्थि णं भंते ! जीवाणं**  
**मेहुणेणं किरिया कज्जइ ? हंता ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं परिग्गहेणं किरिया कज्जति ? गोयमा ! सव्वदव्वेसु । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । १५७९. १**  
**अत्थि णं भंते ! जीवाणं परिग्गहेणं किरिया कज्जइ ? हंता ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं परिग्गहेणं किरिया कज्जति ? गोयमा ! सव्वदव्वेसु । २ एवं णिइयाणं जाव**  
**वेमाणियाणं । १५८०. एवं कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं पेज्जेणं दोसेणं कलहेणं अब्भक्खाणेणं पेसुण्णेणं परपरिवाएणं अरतिरतीए मायाभोसेणं मिच्छादंसणसल्लेणं**  
**सव्वेसु जीव-णेरइयभेदेसु भाणियव्वं णिरंतरं जाव वेमाणियाणं ति । एवं अट्टारस एते दंडगा १८ । [ सुत्ताइं १५८१-८४. जीवाईसु किरियाहेऊहिं**  
**कम्मपगडिबंधपरूवणं ] १५८१. १ जीवे णं भंते ! पाणाइवाएणं कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा । २ एवं णेरइए जाव**  
**णिरंतरं वेमाणिए । १५८२. जीवा णं भंते ! पाणाइवाएणं कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधगा वि । १५८३. १ णेरइया णं भंते ! पाणाइवाएणं कति**  
**कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य । २ एवं**

पाणाइवायकिरिया । २ एवं जाव वेमाणियाणं । [सुत्ताइं १६०७-१६. जीवाईसु किरियाणं सहभावपरूवणं] १६०७. जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स आहिगरणिया किरिया कज्जति ? जस्स आहिगरणिया किरिया कज्जति तस्स काइया किरिया कज्जति ? गोयमा ! जस्स णं जीवस्स काइया किरिया कज्जति तस्स आहिगरणी णियमा कज्जति, जस्स आहिगरणी किरिया कज्जति तस्स वि काइया किरिया णियमा कज्जति । १६०८. जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया कज्ज तस्स पाओसिया किरिया कज्जति ? जस्स पाओसिया किरिया कज्जति तस्स काइया किरिया कज्जति ? गोयमा ! एवं चेव । १६०९. जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ ? जस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स काइया किरिया कज्जति ? गोयमा ! जस्स णं जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया किरिया सिय कज्जति सिय णो कज्जति, जस्स पुण पारियावणिया किरिया कज्जति तस्स काइया नियमा कज्जति । १६१०. एवं पाणाइवायकिरिया वि । १६११. एवं आदिल्लाओ परोप्परं नियमा तिण्णि कज्जंति । जस्स आयिल्लाओ तिण्णि कज्जंति तस्स उवरिल्लाओ दोण्णि सिय कज्जंति सिय णो कज्जंति । जस्स उवरिल्लाओ दोण्णि कज्जंति तस्स आइल्लाओ तिण्णि णियमा कज्जंति । १६१२. जस्स णं भंते । जीवस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स पाणाइवायकिरिया कज्जति ? जस्स पाणाइवायकिरिया कज्जति तस्स पारियावणिया किरिया कज्जति ? गोयमा ! जस्स णं जीवस्स पारियावणिया किरिया कज्जति तस्स पाणाइवायकिरिया सिय कज्जति सिय णो कज्जति, जस्स पुण पाणाइवायकिरिया कज्जति तस्स पारियावणिया किरिया नियमा कज्जति । १६१३. १ जस्स णं भंते ! णेरइयस्स काइया किरिया कज्जति तस्स आहिगरणिया किरिया कज्जति ? गोयमा ! जहेव जीवस्स (सु. १६०७ तः १२) तहेव णेरइयस्स वि । २ एवं निरंतरं जाव वेमाणियस्स । १६१४. जं समयं णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया कज्जति तं समयं आहिगरणिया किरिया कज्जति ? जं समयं आहिगरणिया किरिया कज्जति तं समयं काइया किरिया कज्जति ? एवं जहेव आइल्लाओ दंडओ भणिओ (सु. १६०७ तः १३) तहेव भाणियव्वो जाव वेमाणियस्स । १६१५. जं देसं णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया कज्जति तं देसं णं आहिगरणिया किरिया कज्जति ? ० तहेव जाव वेमाणियस्स । १६१६. १ जं पएसं णं भंते ! जीवस्स काइया किरिया कज्जति तं पएसं आहिगरणिया किरिया कज्जति ? ० एवं तहेव जाव वेमाणियस्स । २ एवं एते जस्स १ जं समयं २ जं देसं ३ जं पएसं णं ४ चत्तारि दंडगा होति । [सुत्ताइं १६१७-१९. जीवाईसु आओजियकिरियापरूवणं] १६१७. कति णं भंते ! आजोजिताओ किरियाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! पंच आओजिताओ किरियाओ पण्णत्ताओ । तं जहा-काइया जाव पाणाइवायकिरिया । १६१८. एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । १६१९. जस्स णं भंते ! जीवस्स काइया आओजिया किरिया अत्थि तस्स आहिकरणिया आओजिया किरिया अत्थि ? जस्स आहिगरणिया आओजिया किरिया अत्थि तस्स काइया आओजिया किरिया अत्थि ? एवं एतेणं अभिलावेणं ते चेव चत्तारि दंडगा भाणियव्वा जस्स १ जं समयं २ जं देसं ३ जं पदेसं ४ जाव वेमाणियाणं । [सुत्तं १६२०. जीवसु किरियाणं पुट्टापुट्टभावपरूवणं] १६२०. जीवे णं भंते ! जं समयं काइयाए आहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्टे तं समयं पारियावणियाए किरियाए पुट्टे ? पाणाइवायकिरियाए पुट्टे ? गोयमा ! अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए आहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्टे तं समयं पारियावणियाए किरियाए पुट्टे पाणाइवायकिरियाए पुट्टे १, अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए आहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्टे तं समयं पारियावणियाए किरियाए पुट्टे पाणाइवायकिरियाए अपुट्टे २, अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए आहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्टे तं समयं पारियावणियाए किरियाए अपुट्टे पाणाइवायकिरियाए अपुट्टे ३ । अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए आहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए अपुट्टे तं समयं पारियावणियाए किरियाए अपुट्टे पाणाइवायकिरियाए अपुट्टे ४ । [सुत्तं १६२१. पयारंतरेण किरियाभेयपरूवणं] १६२१. कइ णं भंते ! किरियाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ । तं जहा आरंभिया १ पारिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अपच्चक्खाणकिरिया ४ मिच्छादंसणवत्तिया ५ । [सुत्ताइं १६२२-२६.

आरंभियाइकिरियासामित्परूवणं] १६२२. आरंभिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जति ? गोयमा ! अण्णयरस्सावि पमत्तसंजयस्स । १६२३. पारिग्गहिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जति ? गोयमा ! अण्णयरस्सावि संजयासंजयस्स । १६२४. मायावत्तिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जति ? गोयमा ! अण्णयरस्सावि अपमत्तसंजयस्स । १६२५. अप्पच्चक्खाणकिरिया णं भंते ! कस्स कज्जति ? गोयमा ! अण्णयरस्सावि अपच्चक्खाणिस्स । १६२६. मिच्छादंसणवत्तिया णं भंते ! किरिया कस्स कज्जति ? गोयमा ! अण्णयरस्सावि मिच्छादंसणिस्स । [सुत्तं १६२७. चउवीसदंडएसु किरियापरूवणं ] १६२७. १ णेरइयाणं भंते ! कति किरियाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ । तं जहा आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया । २ एवं जाव वेमाणियाणं । [सुत्ताइं १६२८-३६. जीवाईसु किरियाणं सहभावपरूवणं] १६२८. जस्स णं भंते ! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जति तस्स पारिग्गहिया किरिया कज्जति ? जस्स पारिग्गहिया किरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया कज्जति ? गोयमा ! जस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जति तस्स पारिग्गहिया किरिया सिय कज्जति सिय णो कज्जइ, जस्स पुण पारिग्गहिया किरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया नियमा कज्जति । १६२९. जस्स णं भंते ! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जति तस्स मायावत्तिया किरिया कज्जइ ? ० पुच्छा गोयमा ! जस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स मायावत्तिया किरिया णियमा कज्जइ, जस्स पुण मायावत्तिया किरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया सिय कज्जइ सिय णो कज्जइ । १६३०. जस्स णं भंते ! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स अप्पच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ? ० पुच्छा । गोयमा ! जस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स अप्पच्चक्खाणकिरिया सिय कज्जइ सिय णो कज्जइ, जस्स पुण अप्पच्चक्खाणकिरिया कज्जति तस्स आरंभिया किरिया णियमा कज्जति । १६३१. एवं मिच्छादंसणवत्तियाए वि समं । १६३२. एवं पारिग्गहिया वि तिहिं उवरिल्लाहिं समं चारेयव्वा । १६३३. जस्स मायावत्तिया किरिया कज्जति तस्स उवरिल्लाओ दो वि सिय कज्जति सिय णो कज्जति, जस्स उवरिल्लाओ दो कज्जति तस्स मायावत्तिया णियमा कज्जति । १६३४. जस्स अप्पच्चक्खाणकिरिया कज्जति तस्स मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ सिय णो कज्जइ, जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जति तस्स अप्पच्चक्खाणकिरिया णियमा कज्जति । १६३५. १ णेरइयस्स आइल्लियाओ चत्तारि परोप्परं णियमा कज्जति, जस्स एताओ चत्तारि कज्जति तस्स मिच्छादंसणवत्तिया किरिया भइज्जति, जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जति तस्स एयाओ चत्तारि णियमा कज्जति । २ एवं जाव थणियकुमारस्स । ३ पुढविक्काइयस्स जाव चउरिदियस्स पंच वि परोप्परं णियमा कज्जति । ४ पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स आइल्लियाओ तिण्णि वि परोप्परं णियमा कज्जति, जस्स एयाओ कज्जति तस्स उवरिल्लाओ दो भइज्जति, जस्स उवरिल्लाओ दोण्णि कज्जति तस्स एताओ तिण्णि वि णियमा कज्जति; जस्स अप्पच्चक्खाणकिरिया तस्स मिच्छादंसणवत्तिया सिय कज्जति सिय णो कज्जति, जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जति तस्स अप्पच्चक्खाणकिरिया णियमा कज्जति । ५ मणूसस्स जहा जीवस्स । ६ वाणमंतर-जोतिसिय -वेमाणियस्स जहा णेरइयास्स । १६३६. जं समयणं भंते ! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जति तं समयं पारिग्गहिया किरिया कज्जति ? एवं एते जस्स १ जं समयं २ जं देसं ३ जं पदेसणं ४ चत्तारि दंडगा णेयव्वा । जहा णेरइयाणं तहा सव्वदेवाणं णेयव्वं जाव वेमाणियाणं । [सुत्ताइं १६३७-४१. जीवाईसु पावट्ठाणविरइपरूवणं] १६३७. अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवायवेरमणे कज्जति ? हंता ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवायवेरमणे कज्जति ? गोयमा ! छसु जीवणिकाएसु । १६३८. १ अत्थि णं भंते ! णेरइयाणं पाणाइवायवेरमणे कज्जति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । २ एवं जाव वेमाणियाणं । णवरं मणूसाणं जहा जीवाणं (सु. १६३७) । १६३९. एवं मुसावाएणं जाव मायामोसेणं जीवस्स य मणूसस्स य, सेसाणं णो इणट्ठे समट्ठे । णवरं अदिण्णादाणे गहण-धारणिज्जेसु दव्वेसु, मेहुणे रूवेसु सा रूवसहगएसु वा दव्वेसु, सेसाणं सव्वदव्वेसु । १६४०. अत्थि णं भंते ! जीवाणं मिच्छादंसणसल्लवेरमणे कज्जति ? हंता ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं मिच्छादंसणसल्लवेरमणे कज्जइ ? गोयमा ! सव्वदव्वेसु । १६४१. एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । णवरं एगिदिय-

विगलिदियाणं णो इण्ठे समट्ठे । [सुत्ताइं १६४२-४९. पावट्ठाणविरएसु जीवाईसु कम्मपगडिबंधपरूवणं ] १६४२. पाणाइवायविरए णं भंते ! जीवे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधगे वा छव्विहबंधिए वा एगविहबंधगे वा अबंधए वा । एवं मणूसे वि भाणियव्वे । १६४३. पाणाइवायविरया णं भंते ! जीवा कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य १ । अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य १ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य २ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ४ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अबंधगे य ५ । ३ अहवा सत्तविहबंधगा य एगावहबंधगा य छव्विह बंधगा य ५ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अबंधगा य ६ । अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य छव्विहबंधगे य १ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य छव्विहबंधगा य २ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगे य ३ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ४, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य अबंधए य १ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य अबंधगा य २ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य अबंधगे य ३ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य अबंधगा य ४ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगे य अबंधगे य १ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगे अबंधगा य २ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगा अबंधए य ३ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगा अबंधगा य ४ । अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य छव्विहबंधगे य अबंधगे य १ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य छव्विहबंधगे य अबंधगा य २ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य छव्विहबंधगा य अबंधगे य ३ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य छव्विहबंधगा अबंधगा य ४ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगे य अबंधगा य ६ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगा य अबंधगे य ७ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगा य अबंधगा य ८ एते अट्ट भंगा । सव्वे वि मिलिया सत्तावीसं भंगा भवंति । १६४४. एवं मणूसाण वि एते चेव सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा । १६४५. एवं मुसावायविरयस्स जाव मायामोसविरयस्स जीवस्स य मणूसस्स य । १६४६. मिच्छादंसणसणसल्लविरए णं भंते ! जीवे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा छव्विहबंधए वा एगविहबंधए वा अबंधए वा । १६४७. १ मिच्छादंसणसल्लविरए णं भंते ! णेरइए कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा, जाव पंचेदियतिरिक्खजोणिए । २ मणूसे जहा जीवे (सु. १६४६) । ३ वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिए जहा णेरइए । १६४८. मिच्छादंसणसल्लविरया णं भंते ! जीवा कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! ते चेव सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा (सु. १६४३) । १६४९. १ मिच्छादंसणसल्लविरया णं भंते ! णेरइया कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्ज सत्तविहबंधगा १ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य २ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य ३ । २ एवं जाव वेमाणिया । णवरं मणूसा जहा जीवाणं (सु. १६४८) । [सुत्ताइं १६५०-६२ . पावट्ठाणविरएसु जीवाईसु किरियाभेयपरूवणं] १६५०. पाणाइवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स किं आरंभिया किरिया कज्जति जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! पाणाइवायविरयस्स जीवस्स आरंभिया किरिया सिय कज्जइ सिय णो कज्जइ । १६५१. पाणाइवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स पारिग्गहिया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । १६५२. पाणाइवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स मायावत्तिया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! सिय कज्जइ तसय णो कज्जति । १६५३. पाणाइवायविरयस्स णं भंते ! जीवस्स अप्पच्चक्खाणवत्तिया किरिया कज्जति ? गोयमा ! णो इण्ठे समट्ठे । १६५४. मिच्छादंसणवत्तियाए पुच्छा । गोयमा ! नो इण्ठे समट्ठे । १६५५. एवं पाणाइवायविरयस्स मणूसस्स वि । १६५६. एवं जाव मायामोसविरयस्स जीवस्स मणूसस्स य । १६५७. मिच्छादंसणसल्लविरयस्स णं भंते ! जीवस्स किं आरंभिया किरिया कज्जति जाव मिच्छादंसणवत्तिया

किरिया कज्जति ? गोयमा ! मिच्छादंसणसल्लविरयस्स जीवस्स आरंभिया किरिया सिव कज्जति सिय नो कज्जति । एवं जाव अप्पच्चखाणकिरिया । मिच्छादंसणवत्तिया किरिया नो कज्जति । १६५८. मिच्छादंसणसल्लविरयस्स णं भंते ! णेरइयस्स किं आरंभिया किरिया कज्जति जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! आरंभिया वि किरिया कज्जति जाव अप्पच्चखाणकिरिया वि कज्जति, मिच्छादंसणवत्तिया किरिया णो कज्जइ । १६५९. एवं जाव थणियकुमारस्स । १६६०. मिच्छादंसणसल्लविरयस्स णं भंते ! पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स एवमेव पुच्छा । गोयमा ! आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मायावत्तिया किरिया कज्जइ, अप्पच्चखाणकिरिया सिय णो कज्जइ, मिच्छादंसणवत्तिया किरिया नो कज्जति । १६६१. मणूसस्स जहा जीवस्स (सु. १६५७) । १६६२. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाणं जहा णेरइयस्स (सु. १६५८) । [सुत्तं १६६३. आरंभियाइकिरियाणं अप्पाबहुयं ] १६६३. एयासि णं भंते ! आरंभियाणं जाव मिच्छादंसणवत्तियाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्बत्थोवाओ मिच्छादंसणवत्तियाओ किरियाओ, अप्पच्चखाणकिरियाओ विसेसाहियाओ, पारिग्गहियाओ विसेसाहियाओ, आरंभियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ, मायावत्तियाओ विसेसाहियाओ । ☆☆☆ ॥ पण्णवणाए भगवईए बावीसइमं किरियापयं समत्तं ॥ ☆☆☆ २३. तेवीसइमं कम्मपगडिपयं पढमो उद्देसओ ☆☆☆ [सुत्तं १६६४. पढमुद्देस्स अत्थाहिगारा] १६६४. कति पगडी १ कह बंधति २ कतिहि व ठाणेहिं बंधए जीवो ३ । कति वेदेइ य पयडी ४ अणुभावो कतिविहो कस्स ५ ॥२१७ ॥ [सुत्ताइं १६६५-६६. १ कतिपयडिदारं ] १६६५. कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ट कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ । तं जहा णाणावरणिज्जं १ दरिसणावरणिज्जं २ वेदणिज्जं ३ मोहणिज्जं ४ आउयं ५ णामं ६ गोयं ७ अंतराइयं ८ । १६६६. णेरइयाणं भंते ! कति कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव वेमाणियाणं । [सुत्ताइं १६६७-६९. २. कहबंधतिदारं] १६६७. कहण्णं भंते ! जीवे अट्ट कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं दरिसणावरणिज्जं कम्मं णियच्छति, दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं दंसणमोहणिज्जं कम्मं णियच्छति, दंसणमोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मिच्छत्तं णियच्छति, मिच्छत्तेणं उदिण्णेणं गोयमा ! एवं खलु जीवे अट्ट एवं चेव कम्मपगडीओ बंधइ । १६६८. कहण्णं भंते ! णेरइए अट्ट कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! एवं जाव वेमाणिए । १६६९. कहण्णं भंते ! जीवा अट्ट कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! एवं चेव । एवं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं १६७०-७४. ३ कतिठाणबंधसारं] १६७०. जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं ठाणेहिं बंधति ? गोयमा ! दोहिं ठाणेहिं । तं जहा रागेण य दोसेण य । रागे दुविहे पण्णत्ते । तं जहा माया य लोभे य । दोसे दुविहे पण्णत्ते । तं जहा कोहे य माणे य । इच्चेतेहिं चउहिं ठाणेहिं वीरओवग्गहिएहिं एवं खलु जीवे णाणावरणिज्जं कम्मं बंधति । १६७१. एवं णेरइए जाव वेमाणिए । १६७२. जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं कतिहिं ठाणेहिं बंधति ? गोयमा ! दोहिं ठाणेहिं, एवं चेव । १६७३. एवं णेरइया जाव वेमाणिया । १६७४. १ एवं दंसणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । २ एवं एते एगत्त-पोहत्तिया सोलस दंडगा । [सुत्ताइं १६७५-७८. ४ कतिपयडिवेददारं] १६७५. जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेति ? गोयमा ! अत्थेगइए वेदेति, अत्थेगइए णो वेदेति । १६७६. १ णेरइए णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेति ? गोयमा ! णियमा वेदेति । २ एवं जाव वेमाणिए । णवरं मणूसे जहा जीवे (सु. १६७५) । १६७७. १ जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेति ? गोयमा ! एवं चेव । २ एवं जाव वेमाणिया । १६७८. १ एवं जहा णाणावरणिज्जं तहा दंसणावरणिज्जं मोहणिज्जं अंतराइयं च । २ वेदणिज्जं उय-णाम -गोयाइं एवं चेव । णवरं मणूसे वि णियम वेदेति । ३ एवं एते एगत्त-पोहत्तिया सोलस दंडगा । [सुत्ताइं १६७९-८६. ५ कतिविश्राणुभावदारं] १६७९. णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स पुट्टस्स बद्ध-फास-पुट्टस्स संचितस्स चियस्स उवचितस्स आवागपतस्स विवागपतस्स फलपतस्स उदयचत्तस्स जीवेणं कडस्स जीवेणं णिव्वत्तियस्स जीवेणं परिणामियस्स सयं वा उदिण्णस्स परेण वा उदीरियस्स तदुभएण वा उदीरिज्जमाणस्स गतिं पप्प ठितिं पप्प भवं पप्प पोग्गलपरिणामं पप्प कतिविहे अणुभावे पण्णत्ते ? गोयमा ! णाणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प दसविहे अणुभावे पण्णत्ते । तं जहा सोयावरणे १ सोयविण्णाणावरणे २ णेत्तावरणे ३ णेत्तविण्णाणावरणे ४ घाणावरणे ५ घाणविण्णाणावरणे

६ रसावरणे ७ रसविण्णाणावरणे ८ फासावरणे ९ फासविण्णाणावरणे १० । जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं, तेसिं वा उदएणं जाणियव्वं ण जाणइ, जाणिउकामे वि ण याणइ, जाणित्ता वि ण याणति, उच्छण्णणाणी यावि भवति णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदळ्ळणं । एस णं गोयमा ! णाणावरणिज्जे कम्मे । एस णं गोयमा ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प दसविहे अणुभावे पण्णत्ते १ । १६८०. दरिसणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प कतिविहे अणुभावे पण्णत्ते ? गोयमा ! दरिसणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प णवविहे अणुभावे पण्णत्ते । तं जहा णिद्दा १ णिद्दाणिद्दा २ पयला ३ पयलापयला ४ थीणगिद्धी ५ चक्खुदंसणावरणे ६ अचक्खुदंसणावरणे ७ ओहिदंसणावरणे ८ केवलदंसणावरणे ९ । जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं, तेसिं वा उदएणं पासियव्वं ण पासति, पासिउकामे वि ण पासति, पासित्ता वि ण पासति, उच्छन्नदंसणी यावि भवति दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं । एस णं गोयमा ! दरिसणावरणिज्जे कम्मे । एस णं गोयमा ! दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प णवविहे अणुभावे पण्णत्ते २ । १६८१. १ सातावेदणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प कतिविहे अणुभावे पण्णत्ते ? गोयमा ! सायावेदणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पण्णत्ते । तं जहा-मणुण्णा सद्दा १ मणुण्णा रूवा २ मणुण्णा गंधा ३ मणुण्णा रसा ४ मणुण्णा फासा ५ मणोसुहता ६ वइसुहया ७ कायसुहया ८ । जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं, तेसिं वा उदएं सातावेदणिज्जं कम्मं वेदेति । एस णं गोयमा ! सातावेदणिज्जे कम्मे । एस णं गोयमा ! सातावेयणिज्जस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पण्णत्ते । २ असातावेयणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं ० तहेव पुच्छा उत्तरं च । नवरं अमणुण्णा सद्दा जाव कायदुहया । एस णं गोयमा ! असायावेदणिज्जस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पण्णत्ते ३ । १६८२. मोहणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव कतिविहे अणुभावे पण्णत्ते ? गोयमा ! मोहणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पंचविहे अणुभावे पण्णत्ते । तं जहा-सम्मत्तवेयणिज्जे १ मिच्छत्तवेयणिज्जे २ सम्मामिच्छत्तवेयणिज्जे ३ कसायवेयणिज्जे ४ णोकसायवेयणिज्जे ५ । जं वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं, तेसिं वा उदएणं मोहणिज्जं कम्मं वेदेति । एस णं गोयमा ! मोहणिज्जे कम्मे । एस णं गोयमा ! मोहणिज्जस्स कम्मस्स जाव पंचविहे अणुभावे पण्णत्ते ४ । १६८३. आउअस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं ० तहेव पुच्छा । गोयमा ! आउअस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव चउव्विहे अणुभावे पण्णत्ते । तं जहा-णेरइयाउए १ तिरियाउए २ मणुयाउए ३ देवाउए ४ । जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं, तेसिं वा उदएणं आउयं कम्मं वेदेति । एस णं गोयमा ! आउए कम्मे । एस णं गोयमा ! आउअस्स कम्मस्स जाव चउव्विहे अणुभावे पण्णत्ते ५ । १६८४. १ सुभणामस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं ० पुच्छा । गोयमा ! सुभणामस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव चोद्वसविहे अणुभावे पण्णत्ते । तं जहा-इद्दा सद्दा १ इद्दा रूवा २ इद्दा गंधा ३ इद्दा रसा ४ इद्दा फासा ५ इद्दा गती ६ इद्दा ठिती ७ इद्दे लावण्णे ८ इद्दा जसोकत्ती ९ इद्दे उद्दाण-कम्म-बल-विरिय-पुरिसक्कार-परक्कमे १० इद्दस्सरता ११ कंतस्सरता १२ पियस्सरया १३ मणुण्णस्सरया १४ । जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं, तेसिं वा उदएणं सुभणामं कम्मं वेदेति । एस णं गोयमा ! सुभणामे कम्मे । एस णं गोयमा ! सुभणामस्स कम्मस्स जाव चोद्वसविहे अणुभावे पण्णत्ते । २ दुहणामस्स णं भंते ! ०पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव । णवरं अणिद्दा सद्दा १ जाव हीणस्सरया ११ दीणस्सरया १२ अणिद्वस्सरया १३ अकंतस्सरया १४ । जं वेदेति सेसं तं चेव जाव चोद्वसविहे अणुभावे पण्णत्ते ६ । १६८५. १ उच्चागोयस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं ०पुच्छा । गोयमा ! उच्चागोयस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पण्णत्ते । तं जहा जातिविसिद्धया १ कुलविसिद्धया २ बलविसिद्धया ३ रूवविसिद्धया ४ तवविसिद्धया ५ सुयविसिद्धया ६ लाभविसिद्धया ७ इस्सरियविसिद्धया ८ । जह वेदेति पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं, तेसिं वा उदएणं जाव अट्ठविहे अणुभावे पण्णत्ते । २ णीयागोयस्स णं भंते ! ०पुच्छा । गोयमा



जहा ओरालियसरीरबंधनणामे जाव कम्मगसरीरबंधनणामे । ६ सरीरसंघायणामे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पणत्ते । तं जहा ओरालियसरीरसंघातणामे जाव कम्मगसरीरसंघायणामे । ७ संघयणणामे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! छव्विहे पणत्ते । तं जहा वइरोसभणारायसंघयणणामे १ उसभणारायसंघयणणामे २ णारायसंघयणणामे ३ अब्दणारायसंघयणणामे ४ खीलियासंघयणणामे ५ छेवडुसंघयणणामे ६ । ८ संठाणणामे णं भंते ! कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! छव्विहे पणत्ते । तं जहा समचउरंसंठाणणामे १ णग्गोहपरिमंडलसंठाणणामे २ सातिसंठाणणामे ३ वामणसंठाणणामे ४ खुज्जसंठाणणामे ५ हुंडसंठाणणामे ६ । ९ वणणणामे णं भंते ! कम्मे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पणत्ते । तं जहा कालवणणणामे जाव सुक्किलवणणणामे । १० गंधणामे णं भंते ! कम्मे ० पुच्छा । गोयमा ! दुविहे पणत्ते । तं जहा सुरभिगंधणामे १ दुरभिगंधणामे २ । ११ रसणामे णं ० पुच्छा । गोयमा ! पंचविहे पणत्ते । तं जहा तित्तरसणामे जाव महुररसणामे । १२ फासणामे णं ० पुच्छा । गोयमा ! अट्टविहे पणत्ते । तं जहा कक्खडफासणामे जाव लुक्खफासणामे । १३ अगुरुलहुअणामे एगागारे पणत्ते । १४ उवघायणामे एगागारे पणत्ते । १५ पराघायणामे एगागारे पणत्ते । १६ आणुपुव्विणामे चउव्विहे पणत्ते । तं जहा णेरइयाणुपुव्विणामे जाव देवाणुपुव्विणामे । १७ उस्सासणामे एगागारे पणत्ते । १८ सेसाणि सव्वाणि एगागाराइं पणत्ताइं जाव तित्थगरणामे । णवरं विहायगतिणामे दुविहे पणत्ते । तं जहा पसत्थविहायगतिणामे य अपसत्थविहायगतिणामे य । १६९५. १ गोए णं भंते ! कम्मे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे पणत्ते । तं जहा उच्चागोए य णीयागोए य । २ उच्चागोए णं भंते ! कम्मे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! अट्टविहे पणत्ते । तं जहा जाइविसिद्धया जाव इस्सरियविसिद्धया । ३ एवं णीयागोए वि । णवरं जातिविहीणया जाव इस्सरियविहीणया । १६९६. अंतराइए णं भंते ! कम्मे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पणत्ते । तं जहा दाणंतराइए जाव वीरियंतराइए । [सुत्ताइं १६९७-१७०४. कम्मपयडीणं ठिइपरुवणं ] १६९७. णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवतियं कालं ठिती पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया कम्मठिती कम्मणिसेगो । १६९८. १ निद्दापंचयस्स णं भंते ! कम्मस्स केवतियं कालं ठिती पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेण ऊणया, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया कम्मठिती कम्मणिसेगो । २ दंसणचउक्कस्स णं भंते ! कम्मस्स केवतियं कालं ठिती पणत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा० । १६९९. सातावेयणिज्जस्स इरियावहियबंधणं पडुच्च अजहण्णमणुक्कोसेणं दो समयया, संपराइयबंधणं पडुच्च जहण्णेणं बारस मुहुत्ता, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ; पण्णरस य वाससताइं अबाहा० । २ असायावेयणिज्जस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेण ऊणगा, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा० । १७००. १ सम्मत्तवेयणिज्जस्स पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं । २ मिच्छत्तवेयणिज्जस्स जहण्णेणं सागरोवमं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेण ऊणगं, उक्कोसेणं सत्तरिं कोडाकोडीओ; सत्त य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया० । ३ सम्मामिच्छत्तवेदणिज्जस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तं । ४ कसायबारसगस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स चत्तारि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेण ऊणया, उक्कोसेणं चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; चत्तालीसं वाससताइ अबाहा, जाव णिसेगो । ५ कोहसंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दो मासा, उक्कोसेणं चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; चत्तालीसं वाससताइं जाव णिसेगो । ६ माणसंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं मासं, उक्कोसेणं जहा कोहस्स । ७ माणसंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अब्दमासं, उक्कोसेणं जहा कोहस्स । ८ लोभसंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं जहा कोहस्स । ९ इत्थियवेदस्स णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दिवडुं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेण ऊणयं, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ,

पण्णरस य वाससत्ताइं अबाहा० । १० पुरिसवेयस्स णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अट्ट संवच्छराइं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ; दस य वाससयाइं अबाहा, जाव निसेगो । ११ नपुंसगवेदस्स णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दुण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीसतिं वाससताइं अबाहा० । १२ हास-रतीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स एकं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ; दस य वाससताइं अबाहा० । १३ अरइ-भय-सोग-दुगुंछाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीसतिं वाससताइं अबाहा० । १७०१. १ णेरइयाउयस्स णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भइयाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीतिभागमब्भइयाइं । २ तिरिक्खजोगियाउअस्स पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडितिभागमब्भइयाइं । ३ एवं मणूसाउअस्स वि । ४ देवाउअस्स जहा णेरइयाउस्स ठिति ति । १७०२. १ णिरयगतिणामाए णं भंते ! कम्मस्स ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जतिभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीस य वाससत्ताइं अबाहा० । २ तिरियगतिणामाए जहा णपुंसगवेदस्स (सु. १७०० ११) । ३ मणुयगतिणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दिवहं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणं, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ; पण्णरस य वाससताइं अबाहा० । ४ देवगतिणामाए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स एकं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणं, उक्कोसेणं जहा पुरिसवेयस्स सु. १७००. १०) । ५ एगिदियजाइणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीस य वाससताइं अबाहा० । ६ बेइंदियजातिणामाए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स णव पणतीसभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ; अट्टारस य वाससयाइं अबाहा० । ७ तेइंदियजाइणामाए णं जहण्णेणं एवं चेव, उक्कोसेणं अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ; अट्टारस य वाससत्ताइं अबाहा० । ८ चउरिदियजाइणामाए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स नव पणतीसतिभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ; अट्टारस य वाससयाइं अबाहा० । ९ पंचेदियजाइणामाए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीस य वाससयाइं अबाहा० । १० ओरालियसरीरणामाए वि एवं चेव । ११ वेउव्वियसरीरणामाए णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीस य वाससताइं अबाहा० । १२ आहारगसरीरणामाए जहण्णेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं वि अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ । १३ तेया-कम्मसरीरणामाए जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीस य वाससताइं अबाहा० । १४ ओरालिय-वेउव्वियं आहारगसरीरंगोवंगणामाए तिण्णि वि एवं चेव । १५ सरीरबंधणणामाए वि पंचण्ह वि एवं चेव । १६ सरीरसंघायणामाए पंचण्ह वि जहा सरीरणामाए (सु. १७०२ १०-१३) कम्मस्स ठिति ति । १७ वइरोसभणारायसंघयणणामाए जहा रतिणामाए (सु. १७०० १२) । १८ उसभणारायसंघयणणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स छ पणतीसतिभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं बारस सागरोवमकोडाकोडीओ; बारस य वाससयाइं अबाहा० । १९ णारायसंघयणणामाए जहण्णेणं सागरोवमस्स सत्त पणतीसतिभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं चोइस सागरोवमकोडाकोडीओ; चोइस य वाससताइं अबाहा० । २० अब्बणारायसंघवणणामस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स अट्ट पणतीसविभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं सोलस सागरोवमकोडाकोडीओ; सोलस य वाससताइं अबाहा । २१ खीलियासंघयणे णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स णव पणतीसतिभागा

पलिओवमस्स असंखेज्जभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ; अट्टारस य वाससयाइं अबाहा० । २२ सेवट्टसंघयणणामस्स पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीस य वासवयाइं अबाहा० । २३ एवं जहा संघयणणामाए छ भणिया एवं संठाणा वि छ भाणियव्वा । २४ सुक्किलवण्णणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स एणं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणगं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ; दस य वाससयाइं अबाहा० । २५ हालिद्ववण्णणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स पंच अट्टावीसतिभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं अद्धतेरस सागरोवमकोडाकोडीओ; अद्धतेरस य वाससयाइं अबाहा० । २६ लोहियवण्णणामाए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स छ अट्टावीसतिभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ; पण्णरस य वाससयाइं अबाहा० । २७ णीलवण्णणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स सत्त अट्टावीसतिभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अद्धट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ; अद्धट्टारस य वाससयाइं अबाहा० । २८ कालवण्णणामाए जहा सेवट्टसंघयणस्स (सु.१७०२ २२) । २९ सुब्धिगंधणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहा सुक्किलवण्णणामस्स (सु.१७०२ २४) । ३० दुब्धिगंधणामाए जहा सेवट्टसंघयणस्स । ३१ रसाणं महुुरादीणं जहा वण्णाणं भणियं (सु.१७०२ २४-२८) तहेव परिवाडीए भाणियव्वं । ३२ फासा जे अपसत्था तेसिं जहा सेवट्टरस, जे पसत्था तेसिं जहा सुक्किलवण्णणामस्स (सु.१७०२ २४) । ३३ अगुरुलहुणामाए जहा सेवट्टस्स । ३४ एवं उवघायणामाए वि । ३५ पराघायणामाए वि एवं चेव । ३६ गिरयाणुपुव्विणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीस य वाससयाइं अबाहा० । ३७ तिरियाणुपुव्वीए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगा, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीस य वाससयाइं अबाहा० । ३८ मणुयाणुपुव्विणामाए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दिवट्टं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगं, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ; पण्णरस य वाससयाइं अबाहा० । ३९ देवाणुपुव्विणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स एणं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ; दस य वाससयाइं अबाहा० । ४० उस्सासणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहा तिरियाणुपुव्वीए । ४१ आयवणामाए वि एवं चेव, उज्जोवणामाए वि । ४२ प्रसत्थविहायगतिणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एणं सागरोवमस्स सत्तभागं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ; दस य वाससयाइं अबाहा० । ४३ अपसत्थविहायगतिणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; वीस य वाससयाइं अबाहा० । ४४ तसणामाए थावरणामाए य एवं चेव । ४५ सुहुमणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स णव पणतीसतिभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अट्टारस सागरोवमकोडाकोडीओ; अट्टारस य वाससयाइं अबाहा० । ४६ बादरणामाए जहा अपसत्थविहायगतिणामस्स (सु.१७०२ ४३) । ४७ एवं पज्जत्तगणामाए वि । अपज्जत्तगणामाए जहा सुहुमणामस्स (सु.१७०२ ४५) । ४८ पत्तेयसरीरणामाए वि दो सत्तभागा । साहारणसरीरणामाए जहा सुहुमस्स । ४९ थिरणामाए एणं सत्तभागं । अधिरणामाए दो । ५० सुभणामाए एगो । असुभणामाए दो । ५१ सुभणामाए एगो । दूभणामाए दो । ५२ सूसरणामाए एगो । दूसरणामाए दो । ५३ आएज्जणामाए एगो । अणाएज्जणामाए दो । ५४ जसोकित्तिणामाए जहण्णेणं अट्ट मुहुत्ता, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ; दस य वाससयाइं अबाहा० । ५५ अजसोकित्तिणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहा अपसत्थविहायगतिणामस्स (सु.१७०२ ४३) । ५६ एवं णिम्माणामाए वि । ५७ तित्थगरणामाए णं ० पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ,

उक्कोसेणं वि अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ । ५८) एवं जत्थ गो सत्तभागो तत्थ उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ दस य वाससयाइं अबाहा० । जत्थ दो सत्तभागा तत्थ उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ वीस य वाससयाइं अबाहा० । १७०३. १ उच्चागोयस्स पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अट्ट मुहुत्ता, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ; दस य वाससयाइं अबाहा० । २ णीयागोयस्स पुच्छा । गोयमा ! जहा अपसत्थविहायगतिणायमस्स १७०४. अंतराइयस्स णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया कम्मठिती कम्मणिसेगो । [सुत्ताइं १७०५-१४. एगिंदिएसु कम्मपयडीणं ठिइबंधपरूवणं ] १७०५. एगिदिया णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागे पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । १७०६. एवं णिद्धापंचकस्स वि दंसणचउक्कस्स वि । १७०७. १ एगिदिया णं भंते ! जीवा सातावेयणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स दिवहं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । २ असायावेयणिज्जस्स जहा णाणावरणिज्जस्स सु. १७०५) । १७०८. १ एगिदिया णं भंते ! जीवा सम्मत्तवेयणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! णत्थि किंचि बंधंति । २ एगिदिया णं भंते ! जीवा मिच्छत्तवेयणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । ३ एगिदिया णं भंते ! जीवा सम्मामिच्छत्तवेयणिज्जस्स किं बंधंति ? गोयमा ! णत्थि किंचि बंधंति । ४ एगिदिया णं भंते ! कसायबारसगस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमस्स चत्तारि सत्तभागे पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपचण्णे बंधंति । ५ एवं कोहसंजलणाए वि जाव लोभसंजलणाए वि । ६ इत्थिवेयस्स जहा सायावेयणिज्जस्स (सु. १७०७ १ । ७ एगिदिया पुरिसवेदस्स कम्मस्स जहण्णेणं सागरोवमस्स एकं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । ९ हास-रतीए जहा पुरिसवेयस्स (सु. १७०८ ७) । १० अरति-भया-सोग-दुगुंछाए जहा णपुंसगवेयस्स (सु. १७०८ ८) । १७०९. णेरइयाउअ देवाउअ णिरयगतिणाम देवगतिणाम वेउव्वियसरीरणाम आहारगसरीरणाम णेरइयाणुपुव्विणाम देवाणुपुव्विणाम तित्थगरणाम एयाणि पयाणि ण बंधंति । १७१०. तिरिक्खजोणियाउअस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी सत्तहिं वाससहस्सेहिं वाससहस्सतिभागेण य अहियं बंधंति । एवं मणुस्साउअस्स वि । १७११. १ तिरियगतिणामए जहा णपचंसगवेदस्स (सु. १७०८ ८) । मणुयगतिणामए जहा सातावेदणिज्जस्स(सु. १७०७ १) । २ एगिदियजाइणामाए पंचेदियजातिणामाए य जहा णपुंसगवेदस्स । बेइंदिय-तेइंदियजातिणामाए जहण्णेणं सागरोवमस्स णव पणतीसतिभागे पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । चउरिंदियनामाए वि जहण्णेणं सागरोवमस्स णव पणतीसतिभागे पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । १७१२. एसं जत्थ जहण्णेणं दो सवभागा तिण्णि वा चत्तारि वा सत्तभागा अट्टावीसतिभागा ० भवंति तत्थ णं जहण्णेणं ते चेव पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणगा भाणियव्वा, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । जत्थ णं जहण्णेणं एगो वा दिवहो वा सत्तभागो तत्थ जहण्णेणं तं चेव भाणियव्वं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । १७१३. जसोकिति-उच्चागोयाणं सागरोवमस्स एणं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । १७१४. अंतराइयस्स णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! जहा णाणावरणिज्जस्स जाव उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । [सुत्ताइं १७१५-२०. बेइंदिएसु कम्मपयडीणं ठिइबंधपरूवणं ] १७१५. बेइंदिया णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमपणुवीसाए तिण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । १७१६. एवं णिद्धापंचगस्स वि । १७१७. एवं जहा एगिदियाणं भणियं तहा बेइंदियाण वि भाणियव्वं । णवरं सागरोवमपणुवीसाए सह भाणियव्वा पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणा, सेसं तं चेव, जत्थ एगिदिया ण बंधंति तत्थ एते वि ण बंधंति । १७१८. बेइंदिया णं

भंते ! जीवा मिच्छत्तवेयणिज्जस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमपणुवीसं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । १७१९. तिरिक्खजोणियाउअस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडिं चउहिं वासेहिं अहियं बंधंति एवं मणुयाउअस्स वि । १७२०. सेसं जहा एगिदियाणं जाव अंतराइयस्स । [सुत्ताइं १७२१-२४. तेइंदिएसु कम्मपयडीणं ठिइबंधपरूवणं] १७२१. तेइंदिया णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमपण्णासाए तिण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । एवं जस्स जइ भागा ते तस्स सागरोवपण्णासाए सह भाणियव्वा । १७२२. तेइंदिया णं ० मिच्छत्तवेयणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवपण्णासं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । १७२३. तिरिक्खजोणियाउअस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडिं सोलसहिं राइंदिएहिं राइंदियतिभागेण य अहियं बंधंति । एवं मणुस्साउयस्स वि । १७२४. सेसं जहा बेइंदियाणं जाव अंतराइयस्स । [सुत्ताइं १७२५-२७. चउरिंदिएसु कम्मपयडीणं ठिइबंधपरूवणं ] १७२५. चउरिंदिया णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवपण्णासाए तिण्णि सत्तभागे पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । एवं जस्स जइ भागा ते तस्स सागरोवमसतेण सह भाणियव्वा । १७२६. तिरिक्खजोणियाउअस्स अस्स कम्मस्स जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडिं दोहिं मासेहिं अहियं । एवं मणुस्साउअस्स वि । १७२७. सेसं जहा बेइंदियाणं । णवरं मिच्छत्तवेयणिज्जस्स जहण्णेणं सागरोवमसत्तं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । सेसं जहा बेइंदियाणं जाव अंतराइयस्स । [सुत्ताइं १७२८-३३. असण्णीसु कम्मपयडीणं ठिइबंधपरूवणं] १७२८. असण्णी णं भंते ! जीवा पंचेदिया णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसंस्सस्स तिण्णि सत्तभागे पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे बंधंति । एवं सो चेव गमो जहा बेइंदियाणं । णवरं सागरोवमसहस्सेण समं भाणियव्वा जस्स जति भाग ति । १७२९. मिच्छत्तवेदणिज्जस्स जहण्णेणं सागरोवमसहस्सं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं । १७३०. १ णेरइयाउअस्स जहण्णेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तंभइयाइं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागं पुव्वकोडितिभागंभइयं बंधंति । २ एवं-तिरिक्खजोणियाउअस्स वि । णवरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं । ३ एवं मणुस्साउअस्स वि । ४ देवाउअस्स जहा णेरइयाउअस्स । १७३१. १ असण्णी णं भंते ! जीवा पंचेदिया णिरयगतिणामाए कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागे पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे । २ एवं तिरियगतीए वि । ३ मणुयगतिणामाए वि एवं चेव । णवरं जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स दिवह्णं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति । ४ एवं देवगतिणामाए वि । णवरंजहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स एणं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं तं चेव दो पडिपुण्णं । ५ वेउव्वियसरीरणामाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागे पलिओवमस्स असंखिज्जइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं दो पडिपुण्णे बंधंति । १७३२. सम्मत्त-सम्मामिच्छत्त-आहारगसरीरणामाए तित्थगरणामाए य ण किंचिं बंधंति । १७३३. अवसिह्णं जहा बेइंदियाणं । णवरं जस्स जत्तिया भागा तस्स ते सागरोवमसहस्सेणं सह भाणियव्वा सब्वेसिं आणुपुव्वीए जाव अंतराइयस्स । [सुत्ताइं १७३४-४१. सण्णीसु कम्मपयडीणं ठिइबंधपरूवणं] १७३४. सण्णी णं भंते ! जीवा पंचेदिया णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा० । १७३५. १ सण्णी णं भंते पंचेदिया णिद्वापंचगस्स किं बंधंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ; उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा० । २ दंसणचउक्कस्स जहा णाणावरणिज्जस्स । १७३६. १ सातावेदणिज्जस्स जहा ओहिया ठिती भणिया तहेव भाणिव्वा इरियावहियबंधयं पडुच्च संपराइयबंधयं च । २ असातावेयणिज्जस्स जहा णिद्वापंचगस्स ।

१७३७. १ सम्मत्तवेदणिज्जस्स सम्मामिच्छत्तवेदणिज्जस्स य जा ओहिया ठिती भणिया तं बंधंति । २ मिच्छत्तवेदणिज्जस्स जहण्णेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं सत्तरिं सागरोवमकोडाकोडीओ; सत्त य वाससहस्साइं अबाहा० । ३ कसायबारसगस्स जहण्णेणं एवं चेव, उक्कोसेणं चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीओ; चत्तालीस वाससयाइं अबाहा० । ४ कोह-माण-माया-लोभसंजलणाए य दो मासा मासो अद्धमासो अंतोमुहुत्तो एयं जहण्णगं, उक्कोसेणं पुण जहा कसायबारसगस्स । १७३८. चउण्ह वि आउआणं जा ओहिया ठिती भणिया तं बंधंति । १७३९. १ आहारगसरीरस्स तित्थगरणामाए य जहण्णेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं वि अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ बंधंति । २ पुरिसवेदस्स जहण्णेणं अट्ट संवच्छराइं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ; दस य वाससयाइं अबाहा० । ३ जसोकित्तिणामाए उच्चागोयस्स य एवं चेव । णवरं जहण्णेणं अट्ट मुहुत्ता । १७४०. अंतराइयस्स जहा णाणावरणिज्जस्स । १७४१. सेसएसु सव्वेसु ठाणेसु संघयणेसु संठाणेसु वण्णेसु गंधेसु य जहण्णेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं जा जस्स ओहिया ठिती भणिया तं बंधंति, णवरं इमं णाणत्तं-अबाहा अबाहूणिया ण वुच्चति । एवं आणुपुव्वीए सव्वेसिं जाव अंतराइयस्स ताव भाणियव्वं । [सुत्ताइं १७४२-४४, जहण्णठिइबंधगपरूवणं] १७४२. णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठितिबंधए के ? गोयमा ! अण्णयरे सुहुमसंपराए उवसामए वा खवए वा, एस णं गोयमा ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स जहण्णठितिबंधए, तव्वइरित्ते अजण्णे । एवं एतेणं अभिलावेणं मोहाऽऽउअवज्जाणं सेसकम्माणं भाणियव्वं । १७४३. मोहणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठितिबंधए के ? गोयमा ! अण्णयरे बायरसंपराए उवसामए वा खवए वा, एस णं गोयमा ! मोहणिज्जस्स कम्मस्स जहण्णठितिबंधए, तव्वतिरित्ते अजहण्णे । १७४४. आउयस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठितिबंधए के ? गोयमा ! जे णं जीवे असंखेप्पद्धप्पविट्ठे सव्वणिरुद्धे से आउए, सेसे सव्वमहंतीए आउअबंधद्धाए, तीसे णं आउअबंधद्धाए चरिमकालसमयंसि सव्वजहण्णियं ठिइं पज्जत्तापज्जत्तियं णिव्वत्तेति । एस णं गोयमा ! आउयकम्मस्स जहण्णठितिबंधए, तव्वइरित्ते अजहण्णे । [सुत्ताइं १७४५-५३, उक्कोसठिइबंधगपरूवणं] १७४५. उक्कोसकालठितीयं णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं किं णेरइओ बंधति तिरिक्खजोणिओ बंधति तिरिक्खजोणिणी बंधति मणुस्सो बंधति मणुस्सी बंधति देवो बंधति देवी बंधति ? गोयमा ! णेरइओ वि बंधति जाव देवी वि बंधति । १७४६. केरिसए णं भंते ! णेरइए उक्कोसकालठितीयं णाणावरणिज्जं कम्मं बंधति ? गोयमा ! सण्णी पंचेदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्ते सागारे जागरे सुतोवउते मिच्छादिट्ठी कण्हलेसे उक्कोससंकिलिडुपरिणामे ईसिमज्झिमपरिणामे वा, एरिसए णं गोयमा ! णेरइए उक्कोसकालठितीयं णाणावरणिज्जं कम्मं बंधति । १७४७. १ केरिसए णं भंते ! तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालठितीयं णाणावरणिज्जं कम्मं बंधति ? गोयमा ! कम्मभूमए वा कम्मभूमगपलिभागी वा सण्णी पंचेदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए, सेसं तं चेव जहा णेरइयस्स । २ एवं तिरिक्खजोणिणी वि, मणूसे मणूसी वि । देव-देवी जहा णेरइए (सु. १७४६) । १७४८. एवं आउअवज्जाण सत्तण्हं कम्माणं । १७४९. उक्कोसकालठितीयं णं भंते ! आउअं कम्मं किं णेरइओ बंधइ जाव देवी बंधइ ? गोयमा ! णो णेरइओ बंधइ, तिरिक्खजोणिओ बंधति, णो तिरिक्खजोणिणी बंधति, मणुस्सो वि बंधति, मणुस्सी वि बंधति, णो देवो बंधति, णो देवी बंधइ । १७५०. केरिसए णं भंते ! तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालठितीयं आउयं कम्मं बंधति ? गोयमा ! कम्मभूमए वा कम्मभूमगपलिभागी वा सण्णी पंचेदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए सागारे जागरे सुतोवउत्ते मिच्छादिट्ठी परमक्खिहलेस्से उक्कोससंकिलिडुपरिणामे, एरिसए णं गोयमा ! तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालठितीयं आउअं कम्मं बंधति । १७५१. केरिसए णं भंते ! मणूसे उक्कोसकालठितीयं आउयं कम्मं बंधति ? गोयमा ! कम्मभूमगे वा कम्मभूमपलिभागी वा जाव सुतोवउत्ते सम्मद्धिटी वा मिच्छादिट्ठी वा कण्हलेसे वा सुक्कलेसे वा णाणी वा अण्णाणी वा उक्कोससंकिलिडुपरिणामे वा तप्पाउग्गविसुज्झमाणपरिणामे वा, एरिसए णं गोयमा ! मणूसे उक्कोसकालठितीयं आउयं कम्मं बंधति । १७५२. केरिसिया णं भंते ! मणूसी उक्कोसकालठितीयं आउयं कम्मं बंधइ ? गोयमा ! कम्मभूमिगा वा कम्मभूमगपलिभागी वा जाव सुतोवउत्ता सम्मद्धिटी सुक्कलेस्सा तप्पाउग्गविसुज्झमाणपरिणामा एरिसिया णं

गोयमा ! मणुस्सी उक्कोसकालठितीयं आउयं कम्मं बंधति । १७५३. अंतराइयं जहा णाणावरणिज्जं (सु. १७४५-४७) । बीओ उद्देसओ समत्तो ☆☆☆ ॥  
**पणवणाए भगवतीए तेवीसइमं कम्मे ति पदं समत्तं ॥ ☆☆☆ २४. चउवीसइमं कम्मबंधपयं ☆☆☆ [सुत्ताइं १७५४-६१. णाणावरणिज्जबंधएसु जीवाईसु कम्मपयडिबंधपरुवणं]** १७५४. १ कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पणत्ताओ ? गोयमा ! अट्ट कम्मपगडीओ पणत्ताओ तं जहा णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । १७५५. जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा छव्विहबंधए वा । १७५६. १ णेरइ णं भंते । णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा । २ एवं जाव वेमाणिए । णवरं मणूसे जहा जीवे (सु. १७५५) । १७५७. जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य १ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगे य २ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ३ । १७५८. १ णेरइयाणं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणा कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा ? अहवा सत्तविह बंधगा य अट्टविहबंधगे य २ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा च, ३ तिणि भंगा । २ एवं जाव थणियकुमारा । १७५९. १ पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! सत्तविहबंधगा वि अट्टविहबंधगा वि । २ एवं जाव वणस्सतिकाइया । १७६०. वियलाणं पंचेदियतिरिक्खजोणियाण य तियभंगो-सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा १ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधए य २ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य ३ । १७६१. मणूसा णं भंते ! णाणावरणिज्जस्स पुच्छा । गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा १ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधए य २ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य ३ अहवा सत्तविहबंधगा य छव्विहबंधए य ४ अहवा सत्तविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ५ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधए य छव्विहबंधगा य ६ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य छव्विहबंधगा य ७ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधए य ८ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ९, एवं एते णव भंगा । सेसा वाणमंतराइया जाव वेमाणिया जहा णेरइया सत्तविहादिबंधगा भणिया (सु. १७५८ १ ) तहा भणियव्वा । [सुत्तं १७६२. दंसणावरणिज्जबंधएसु जीवाईसु कम्मपयडिबंधपरुवणं] १७६२. एवं जहा णाणावरणं बंधमाणा जाहिं भणिया दंसणावरणं पि बंधमाणा ताहिं जीवादीया एगत्त-पोहत्तेहिं भाणियव्वा । [सुत्ताइं १७६३-६५. वेयणिज्जबंधएसु जीवाईसु कम्मपयडिबंधपरुवणं] १७६३. १ वेयणिज्जं बंधमाणे जीवे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए छव्विहबंधए वा । २ एवं मणूसे वि । ३ सेसा णारगादीया सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य जाव वेमाणिए । १७६४. जीवा णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं० पुच्छा । गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगे य १ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगीवहबंधगा य छव्विहबंधगा य २ । १७६५. १ अवसेसा णारगादीया जाव वेमाणिया जाओ णाणावरणं बंधमाणा बंधति ताहिं भाणियव्वा । २ णवरं मणूसा णं भंते ! वेदणिज्जं कम्मं बंधमाणाकति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव ज्जा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य १ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधए य २ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य ३ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगे य ४ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ५ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधए य छव्विहबंधए य ६ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधए य छव्विहबंधगा य ७ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधए य ८ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधए य ९, एवं णव भंगा । [सुत्ताइं १७६६-६८. मोहणिज्जाइबंधएसु जीवाईसु कम्मपयडिबंधपरुवणं] १७६६. मोहणिज्जं बंधमाणे जीवे कति कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । जीवेगिदिया सत्तविहबंधगा वि अट्टविहबंधगा वि । १७६७. १

जीवे णं भंते ! आउअं कम्मं बंधमाणे कति कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! णियमा अट्ट । एवं णेरइए जाव वेमाणिए । २ एवं पुहत्तेण वि । १७६८. १ णाम-गोय-  
अतरायं बंधमाणे जीवे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! जाओ णाणावरणिज्जं बंधमाणे बंधइ ताहिं भाणियव्वो । २ एवं णेरइए वि जाव वेमाणिए । ३ एवं  
पुहत्तेण वि भाणियव्वं । ☆☆☆॥ पणवणाए भगवतीए चउवीसइमं कम्मबंधपदं समत्तं ॥ ☆☆☆ २५. पंचवीसइमं कम्मबंधवेयपयं ☆☆☆  
[ सुत्ताइं १७६९-७४. णाणावरणाइबंधएसु जीवाईसु कम्मपयडिवेयपरूवणं ] १७६९. १ कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पणत्ताओ ? गोयमा ! अट्ट  
कम्मपगडीओ पणत्ताओ तं जहा णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । १७७०. १ जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे  
कति कम्मपगडीओ वेदेति ? गोयमा ! णियमा अट्ट कम्मपगडीओ वेदेति । २ एवं णेरइए जाव वेमाणिए । १७७१. एवं पुहत्तेण वि । १७७२. एवं वेयणिज्जवज्जं जाव  
अंतराइयं । १७७३. १ जीवे णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं बंधमाणे कइ कम्मपगडीओ वेइ ? गोयमा ! सत्तविहवेयए वा अट्टविहवेयए वा चउव्विवेयए वा । २ एवं  
मणूसे वि । सेसा णेरइयाई एगत्तेण वि पुहत्तेण वि णियमा अट्ट कम्मपगडीओ वेदेति, जाव वेमाणिया । १७७४. १ जीवा णं भंते ! वेदणिज्जं कम्मं बंधमाणा कति  
कम्मपगडीओ वेदेति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा अट्टविहवेदगा य चउव्विहवेदगा य १ अहवा अट्टविहवेदगा य चउव्विहवेदगा य सत्तविहवेदगे य २ अहवा  
अट्टविहवेदगा य चउव्विहवेदगा य सत्तविहवेदगा य ३ । २ एवं मणूसा वि भाणियव्वा । ☆☆☆॥ पणवणाए भगवतीए पंचवीसइमं कम्मबंधवेदपयं  
समत्तं ॥ ☆☆☆ २६. उव्वीसइमं कम्मवेयबंधपयं सुत्ताइं ☆☆☆ [ १७७५-८१. णाणावरणिज्जवेदएसु जीवाईसु कम्मपयडिबंधपरूवणं ] १७७५.  
१ कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पणत्ताओ ? गोयमा ! अट्ट कम्मपगडीओ पणत्ताओ । तं जहा णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । २ एवं णेरइयाणं जाव  
वेमाणियाणं । १७७६. जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा छव्विहबंधए वा  
एगविहबंधए वा । १७७७. १ णेरइए णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा । २ एवं जाव  
वेमाणिए । णवरं मणूसे जहा जीवे (सु. १७७६) । १७७८. जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणा कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा  
सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य १ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधए य २ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ३  
अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगविहबंधगे य ४ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगविहबंधगा य ५ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा  
य छव्विहबंधए य एगविहबंधए य ६ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधए य एगविहबंधगा य ७ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य  
छव्विहबंधए य एगविहबंधए य ८ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य छव्विहबंधगा य एगविहबंधगा य ९, एवं एते नव भंगा । १७७९. अवसेसाणं एगिदिय-  
मणूसवज्जाणं तियभंगो जाव वेमाणियाणं । १७८०. एगिदिया णं सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य । १७८१. मणूसाणं पुच्छा । गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा  
सत्तविहबंधगा, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगे य २ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य ३ अहवा सत्तविहबंधगा य छव्विहबंधए य, एवं छव्विहबंधएण  
वि समं दो भंगा ५ एगविहबंधएण वि समं दो भंगा ७ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधए य छव्विहबंधए य चउभंगो ११ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधए  
य एगविहबंधए य चउभंगो १५ अहवा सत्तविहबंधगा य छव्विहबंधगे य एगविहबंधए य चउभंगो १९ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधए य छव्विहबंधए य  
एगविहबंधए य भंगा अट्ट २७, एवं एते सत्तावीसं भंगा । [सुत्तं १७८२. दंसणावरणाइवेदेएसु जीवाईसु एगत्त-पुडत्तेणं कम्मबंधपरूवणं ] १७८२. एवं जहा  
णाणावरणिज्जं तहा दरिसणावरणिज्जं पि अंतराइयं पि । [ सुत्ताइं १७८३-८४. वेयणिज्जवेदएसु जीवाईसु कम्मपयडिबंधपरूवणं ] १७८३. १ जीवे णं भंते !  
वेयणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कति कम्मपगडीओ बंधति ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्टविहबंधए वा छव्विहबंधए वा एगविहबंधए वा अबंधए वा । २ एवं मणूसे वि ।

अवसेसा णारगादीया सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य । एवं जाव वेमाणिए । १७८४. १ जीवा णं भंते ! वेदणिज्जं कम्मं वेदेमाणा कति कम्मपगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगविहबंधगा य १ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगे य २ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ३ अबंधगेण विसमं दो भंगा भाणियव्वा ५ अहवा सत्तविहबंधगा य अट्टविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगे य अबंधगेण य चउभंगो ९, एवं एते णव भंगा । २ एगिदियाणं अभंगयं । ३ णारगादीणं तियभंगो, जाव वेमाणियाणं । णवरं मणूसाणं पुच्छा । गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य १ अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगे य अट्टविहबंधगे य अबंधगेण य, एवं एते सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा जहा किरियासु पाणाइवायविरतस्स (सु. १६४३) । [सुत्ताइं १७८५-८६. आउयाइवेदएसु जीवाईसु कम्मपयडिबंधपरूवणं] १७८५. एवं जहा वेदणिज्जं तहा आउयं णामं गोयं च भाणियव्वं । १७८६. मोहणिज्जं वेदेमाणे जहा बंधे णाणावरणिज्जं तहा भणियव्वं (सु. १७५५-६१) । ★★ ★

॥ पणवणाए भगवईए छव्वीसइमं कम्मवेयबंधपयं समत्तं ॥ ★★ ★ २७. सत्तावीसइमं कम्मवेयवेयगपयं सुत्ताइं ★★ ★ [१७८७-९२. णाणावरणिज्जइवेदएसु जीवाईसु कम्मपयडिवेयपरूवणं] १७८७. १ कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पणत्ताओ ? गोयमा ! अट्ट । तं जहा णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । २ एवं णेरइयाणं जाव वेमाणियाणं । १७८८. १ जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कति कम्मपगडीओ वेदेति ? गोयमा ! सत्तविहवेदए वा अट्टविहवेदए वा । २ एवं मणूसे वि । अवसेसा एगत्तेण वि पुहत्तेण वि नियमा अट्टविहकम्मपगडीओ वेदेति जाव वेमाणिया । १७८९. जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेमाणा कति कम्मपगडीओ वेदेति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा अट्टविहवेदगा १ अहवा अट्टविहवेदगा य सत्तविहवेदगे य २ अहवा अट्टविहवेदगा य सत्तविहवेदगा य ३ । एवं मणूसा वि । १७९०. दरिसणावरणिज्जं अंतराइयं च एवं चेव भाणियव्वं । १७९१. वेदणिज्ज-आउअ-णाम-गोयाइं वेदेमाणे कति कम्मपगडीओ वेदेति ? गोयमा ! जहा बंधगवेयगस्स वेदणिज्जं (सु. १७७३-७४) तहा भाणियव्वं । १७९२. १ जीवे णं भंते ! मोहणिज्जं कम्मं वेदेमाणे कति कम्मपगडीओ वेदेति ? गोयमा ! णियमा अट्ट कम्मपगडीओ वेदेति । २ एवं णेरइए जाव वेमाणिए । ३ एवं पुहत्तेण वि ॥ पणवणाए भगवतीए सत्तावीसत्तिमं कम्मवेदवेदयपयं समत्तं ॥ ★★ ★ २८. अट्टावीसइमं आहारपयं पढमो उद्देशओ सुत्तं ★★ ★ [१७९३. पढमुद्देशस्स अत्थाहिगारपरूवणं] १७९३. सच्चित्ता १ ऽऽहारट्टी २ केवति ३ किं वा वि ४ सव्वओ चेव ५ ॥ कतिभागं ६ सव्वे खलु ७ परिणामे चेव ८ बोधव्वे ॥ २१७ ॥ एगिदिसरीरादी ९ लोमाहारे १० तहेव मणभक्खी ११ । एतेसिं तु पयाणं विभावणा होइ कायव्वा ॥ २१८ ॥ [सुत्तं १७९४. चउवीसदंडएसु १ सच्चित्ताहारदारं] १७९४. १ णेरइया णं भंते ! किं सच्चित्ताहारा अचित्ताहारा मीसाहारा ? गोयमा ! णो सच्चित्ताहारा, अचित्ताहारा, णो मीसाहारा । २ एवं असुरकुमारा जाव वेमाणिया । ३ ओरालियसरीरी जाव मणूसा सच्चित्ताहारा वि अचित्ताहारा वि मीसाहारा वि । [सुत्ताइं १७९५-१८०५. णेरइएसु २-८ आहारट्टिआइदारसत्तगं] १७९५. णेरइया णं भंते ! आहारट्टी ? हंता गोयमा ! आहारट्टी । १७९६. णेरइयाणं भंते ! केवतिकालस्स आहारट्टे समुप्पज्जति ? गोयमा ! णेरइयाणं आहारे दुविहे पणत्ते । तं जहा आभोगणिव्वत्तिए य अणाभोगणिव्वत्तिए य । तत्थ णं जे से अणाभोगणिव्वत्तिए से णं अणुसमयमविरहिए आहारट्टे समुप्पज्जति । तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए से णं असंखेज्जसमइए अंतोमुहुत्तिए आहारट्टे समुप्पज्जति । १७९७. णेरइया णं भंते ! किमाहारमाहारेति ? गोयमा ! दव्वओ अणंतपदेसियाइं, खेतओ असंखेज्जपदेसोगाढाइं, कालतो अण्णतरठित्तियाइं, भावओ वण्णमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं । १७९८. १ जाइं भावओ वण्णमंताइं आहारेति ताइं किं एगवण्णाइं आहारेति जाव किं पंचवण्णाइं आहारेति ? गोयमा ! ठाणमण्णं पडुच्च एगवण्णाइं पि आहारेति जाव पंचवण्णाइं पि आहारेति, विहाणमग्गणं पडुच्च कालवण्णाइं पि आहारेति जाव सुक्किलाइं पि आहारेति । २ जाइं वण्णओ कालवण्णाइं आहारेति ताइं किं एगगुणकालाइं आहारेति जाव दसगुणकालाइं आहारेति संखेज्जगुणकालाइं

असंखेज्जगुणकालाई अणंतगुणकालाई आहारेति ? गोयमा ! एगगुणकालाई पि आहारेति जाव अणंतगुणकालाई पि आहारेति । एवं जाव सुक्किलाई पि । १७९९. एवं गंधओ वि रसतो वि । १८००. १ जाई भावओ फासमंताई ताई णो एगफासाई आहारेति णो दुफासाई आहारेति णो तिफासाई आहारेति, चउफासाई आहारेति जाव अट्टफासाई पि आहारेति, विहाणमग्गणं पडुच्च कक्खडाई पि आहारेति जाव लुक्खाई पि । २ जाई फासओ कक्खाई आहारेति ताई किं एगगुणकक्खडाई आहारेति जाव अणंतगुणकक्खडाई आहारेति ? गोयमा ! एगगुणकक्खडाई पि अहारेति जाव अणंतगुणकक्खडाई पि आहारेति । एवं अट्ट वि फासा भाणियव्वा जाव अणंतगुणलुक्खाई पि आहारेति । ३ जाई भंते ! अणंतगुणलुक्खाई आहारेति ताई किं पुट्टाई आहारेति अपुट्टाई आहारेति ? गोयमा ! पुट्टाई आहारेति, णो अपुट्टाई आहारेति, जहा भासुद्वेसए (सु. ८७७ १५-२३ ) जाव णियमा छदिसिं आहारेति । १८०१. ओसण्णकारणं पडुच्च वण्णओ काल-नीलाई गंधओ दुब्धिगंधाई रसतोतित्तरस -कडुयाई फासओ कक्खड-गरुय-सीय-लुक्खाई तेसिं पोरणे वण्णगुणे गंधगुण; रसगुण; फासगुणे विप्परिणामइत्ता परिपीलइत्ता परिसाडइत्ता परिविद्धंसइत्ता अण्णे अपुव्वे वण्णगुणे गंधगुणे रसगुणे फासगुणे उप्पाएत्ता आयसरीरखेतोगाढे पोग्गले सब्बप्पयाए आहारमाहरेति । १८०२. णेरइया णं भंते ! सब्बतो आहारेति सब्बतो परिणामेति सब्बओ ऊससंति सब्बओ णीसंति अभिक्खणं आहारेति अभिक्खणं परिणामेति अभिक्खणं ऊससंति अभिक्खणं णीससंति आहच्च आहारेति आहच्च परिणामेति आहच्च ऊससंति आहच्च णीससंति ? हंता गोयमा ! णेरइया सब्बतो आहारेति एवं तं चेव जाव आहच्च णीससंति । १८०३. णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति ते णं तेसिं पोग्गलाणं सेयालंसि कतिभागं आहारेति कतिभागं आसाएति ? गोयमा ! असंखज्जतिभागं आहारेति अणंतभागं अस्साएति । १८०४. णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति ते किं सब्बे आहारेति णो सब्बे अहारेति ? गोयमा ! ते सब्बे अपरिसेसिए आहारेति । १८०५. णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारेत्ताए गेण्हंति ते णं तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ? गोयमा ! सोइंदियत्ताए जाव फासिदियत्ताए अणिट्टत्ताए अकंतत्ताए अप्पियत्ताए असुभत्ताए अमणुणत्ताए अमणामत्ताए अणिच्छित्ताए अभिज्झियत्ताए अहत्ताए णो उट्टत्ताए दुक्खत्ताए णो सुहत्ताए एएसिं (ते तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति । १८०६. भवणवसीसु २-८ आहारट्टिआइदारसत्तगं १८०६. १ असुरकुमारा णं भंते ! आहारट्टी ? हंता ! आहारट्टी । एवं जहा णेरइयाणं तहा असुरकुमाराण वि भाणियव्वं जाव ते तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति । तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए से णं जहण्णेणं चउत्थभत्तस्स उक्कोसेणं सातिरेगस्स वाससहस्स आहारट्टे समुप्पज्जति । ओसण्णकारणं पडुच्च वण्णओ हालिद्द-सुक्किलाई गंधओ सुब्धिगंधाई रसओ अंबिल-महुराई फासओ मउय-लहुय -णिद्धुण्हाई तेसिं पोरणे वण्णगुणे जाव फासिदियत्ताए जाव मणामत्ताए इच्छियत्ताए अभिज्झियत्ताए [ग्रन्थाग्रम्-७०००] उट्टत्ताए णो अहत्ताए सुहत्ताए णो दुहत्ताए ते तेसिं भुज्जो २ परिणमंति । सेसं जहा णेरइयाणं । २ एवं जाव थणियकुमाराणं । णवरं आभोगणिव्वत्तिए उक्कोसेणं दिवसपुहत्तस्स आहारट्टे समुप्पज्जति । [सुत्ताई १८०७-१३. एगिंदिएसु २-८ आहारट्टिआइदारसत्तगं] १८०७. पुढविकाइया णं भंते ! आहारट्टी ? हंता ! आहारट्टी । १८०८. पुढविकाइयाणं भंते ! केवतिकालस्स आहारट्टे समुप्पज्जति ? गोयमा ! अणुसमयं अविरहिए आहारट्टे समुप्पज्जति । १८०९. पुढविकाइया णं भंते ! किमाहारमाहरेति एवं जहा णेरइयाणं (सु. १७९७-१८००) जाव ताई भंते ! कति दिसिं आहारेति ? गोयमा ! णिव्वाघाएणं छदिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय । चउदिसिं सिय पंचदिसिं, णवरं ओसण्णकारणं ण भवति, वण्णतो काल -णील-लोहिय-हालिद्द-सुक्किलाई, गंधओ सुब्धिगंध-दुब्धिगंधाई, रसओ तित्त-कडुय-कसाय-अंबिल-महुराई, फासतो कक्खड-मउय-गरुअ-लहुय-सीय -उसिण-णिद्ध-लुक्खाई, तेसिं पोरणे वण्णगुणे सेसं जहा णेरइयाणं (सु. १८०१-२) जाव आहच्च णीससंति । १८१०. पुढविकाइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गिण्हंति तेसिं णं भंते ! पोग्गलाणं सेयालंसि कतिभागं आहारेति कतिभागं आसाएति ? गोयमा ! असंखेज्जतिभागं आहारेति अणंतभागं आसाएति । १८११. पुढविकाइया णं भंते ! जे पुग्गले आहारत्ताए गिण्हंति ते किं सब्बे आहारेति णो सब्बे आहारेति ? जहेव णेरइया

(सु. १८०४) तहेव । १८१२. पुढविकाइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति ते णं तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ? गोयमा ! फासेदियवेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति । १८१३. एवं जाव वणप्फइकाइयाणं । [सुत्ताइं १८१४-२३. विगलिंदिएसु २-८ आहारट्टिआइदारसत्तगं] १८१४. बेइंदिया णं भंते ! आहारट्टी ? हंता गोयमा ! आहारट्टी । १८१५. बेइंदियाणं भंते ! केवतिकालस्स आहारट्टे समुप्पज्जति ? जहा णेरइयाणं (सु. १७९६) । णवरं तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए से णं असंखेज्जइयाणं अंतोमुहुत्तिए वेमायाए आहारट्टे समुप्पज्जति । सेसं जहा पुढविकाइयाणं (सु. १८०९) जाव आहच्च णीससंति, णवरं णियमा छदिसिं । १८१६. बेइंदिया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति ते णं तेसिं पोग्गलाणं सेयालंसि कतिभागं आहारेति कतिभागं अस्साएंति ? एवं जहा णेरइयाणं (सु. १८०३) । १८१७. बेइंदिया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति ते किं सव्वे आहारेति णो सव्वे आहारेति ? गोयमा ! बेइंदियाणं दुविहे आहारे पण्णत्ते, तं जहा लोभाहारे य पक्खेवाहारे य । जे पोग्गले लोभाहारत्ताए गेण्हंति ते सव्वे अपरिसेसे आहारेति, जे पोग्गले पक्खेवाहारत्ताए गेण्हंति तेसिं असंखेज्जइभागमाहारेति णेगाइं च णं भागसहस्साइं अफासाइज्जमाणाणं अणासाइज्जमाणाणं विद्धंसमागच्छंति । १८१८. एतेसि णं भंते ! पोग्गलाणं अणासाइज्जमाणाणं अफासाइज्जमाणाणं य कतरे कतरेहिंतो ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पोग्गला अणासाइज्जमाणा, अफादाइज्जमाणा अणंतगुणा । १८१९. बेइंदिया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए० पुच्छा । गोयमा ! जिब्भिय-फासिदियवेमायत्ताए ते तेसिं भुज्जो २ परिणमंति । १८२०. एवं जाव चउरिदिया । णवरं णेगाइं च णं भागसहस्साइं अणग्घाइज्जमाणाइं अफासाइज्जमाणाइं अणस्साइज्जमाणाइं विद्धंसमागच्छंति । १८२१. एतेसि णं भंते ! पोग्गलाणं अणाघाइज्जमाणाणं अणासाइज्जमाणाणं अफासाइज्जमाणाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पोग्गला अणग्घाइज्जमाणा, अणस्साइज्जमाणा अणंतगुणा, अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा । १८२२. तेइंदिया णं भंते ! जे पोग्गला० पुच्छा । गोयमा ! घाणिदियजिब्भिय-फासिदियवेमायत्ताए ते तेसिं भुज्जो २ परिणमंति । १८२३. चउरिदियाणं चक्खिदिय-घाणिदिय-जिब्भिय -फासिदियवेमायत्ताए ते तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति, सेसं जहा तेइंदियाणं । [सुत्ताइं १८२४-२८. पंचिंदियतिरिक्खाइंसु २-८ आहारट्टिआइदारसत्तगं] १८२४. पंचेदियतिरिक्खजोणिया जहा तेइंदिया । णवरं तत्थ णं जे से आभोगणिव्वत्तिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेणं छट्ठभत्तस्स आहारट्टे समुप्पज्जति । १८२५. पंचेदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए० पुच्छा । गोयमा ! सोइंदिय - चक्खिदिय - घाणिदिय - जिब्भिय - फासेदियवेमायत्ताए भुज्जो २ परिणमंति । १८२६. मणूसा एवं चेव । णवरं आभोगणिव्वत्तिए जहण्णेणं अंतोमुत्तस्स, उक्कोसेणं अट्ठभत्तस्स आहारट्टे समुप्पज्जति । १८२७. वाणमंतरा जहा णागकुमारा (सु. १८०६ २) । १८२८. एवं जोइसिया वि । णवरं आभोगणिव्वत्तिए जहण्णेणं दिवसपुहत्तस्स, उक्कोसेणं वि दिवसपुहत्तस्स आहारट्टे समुप्पज्जति । [सुत्ताइं १८२९-५२. वेमाणिएसु २-८ आहारट्टिआइदारसत्तगं] १८२९. वेमाणिया वि । णवरं आभोगणिव्वत्तिए जहण्णेणं दिवसपुहत्तस्स, उक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं आहारट्टे समुप्पज्जति । सेसं जहा असुरकुमाराणं (सु. १८०६ १) जाव ते तेसिं भुज्जो २ परिणमंति । १८३०. सोहम्मि आभोगणिव्वत्तिए जहण्णेणं दिवसपुहत्तस्स, उक्कोसेणं दोण्हं वाससहस्साणं आहारट्टे समुप्पज्जइ । १८३१. ईसाणाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दिवसपुहत्तस्स सातिरेगस्स, उक्कोसेणं सातिरेगाणं दोण्हं वाससहस्साणं । १८३२. सणंकुमाराणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दोण्हं वाससहस्साणं २ उक्कोसेणं सत्तण्हं वाससहस्साणं । १८३३. माहिंदे पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दोण्हं वाससहस्साणं सातिरेगाणं, उक्कोसेणं सत्तण्हं वाससहस्साणं सातिरेगाणं । १८३४. बंभलेए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सत्तण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं दसण्हं वाससहस्साणं । १८३५. लंतए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं चोदसण्हं वाससहस्साणं आहारट्टे समुप्पज्जइ । १८३७. सहस्सारे णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सत्तरसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं अट्ठारसण्हं वाससहस्साणं । १८३८. आणए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठारसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं एगूणवीसाए वाससहस्साणं । १८३९. पाणए णं

पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगुणवीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं वीसाए वाससहस्साणं । १८४०. आरणे णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं वीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं एकवीसाए वाससहस्साणं । १८४१. अच्चुए णं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकवीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं बावीसाए वाससहस्साणं । १८४२. हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जगाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं बावीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं तेवीसाए वाससहस्साणं । एवं सव्वत्थ सहस्साणि भाणियव्वाणि जाव सव्वट्ठं । १८४३. हेट्ठिममज्झिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं तेवीसाए, उक्कोसेणं चउवीसाए । १८४४. हेट्ठिमउवरिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउवीसाए, उक्कोसेणं पणुवीसरए । १८४५. मज्झिममहेट्ठिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं पणवीसाए, उक्कोसेणं छव्वीसाए । १८४६. मज्झिममज्झिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं छव्वीसाए, उक्कोसेणं सत्तावीसाए । १८४७. मज्झिमउवरिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सत्तावीसाए, उक्कोसेणं अट्ठावीसाए । १८४८. उवरिमहेट्ठिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं सत्तावीसाए उक्कोसेणं एगुणतीसाए । १८४९. उवरिममतज्झिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकूणतीसाए, उक्कोसेणं तीसाए । १८५०. उवरिमउणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं तीसाए, उक्कोसेणं एकतीसाए । १८५१. विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एकतीसाए, उक्कोसेणं तेतीसाए । १८५२. सव्वट्ठगदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसेणं तेतीसाए वाससहस्साणं आहारट्ठे समुप्पज्जति । [सुत्ताइं १८५३-५८. चउवीसदंडएसु ९ एगिंदियसरीरादिदारं ] १८५३. णेरइया णं भंते ! किं एगिंदियसरीराइं आहारेति जाव पंचेदियसरीराइं आहारेति ? गोयमा ! पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एगिंदियसरीराइं पि आहारेति जाव पंचेदियसरीराइं पि, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च णियमा पंचेदियसरीराइं आहारेति । १८५४. एवं जाव थणियकुमारा । १८५५. पुढविक्काइयाणं पुच्छा । गोयमा ! पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एवं चेव, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च णियमा एगिंदियसरीराइं आहारेति । १८५६. बेइंदिया पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एवं चेव, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च णियमा बेइंदियसरीराइं आहारेति । १८५७. एवं जाव चउरिंदिया ताव पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एवं, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च णियमा जस्स जति इंदियाइं तइंदियसरीराइं ते आहारेति । १८५८. सेसा जहा णेरइया जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं १८५९-६१. चउवीसदंडएसु १० लोभाहारदारं] १८५९. णेरइया णं भंते ! किं लोमाहारा पक्खेवाहारा ? गोयमा ! लोमाहारा, णो पक्खेवाहारा । १८६०. एवं एगिंदिया सव्वे देवा य भाणियव्वा जाव वेमाणिया । १८६१. बेइंदिया जाव मणूसा लोमाहारा वि पक्खेवाहारा वि । [सुत्ताइं १८६२-६४. चउवीसदंडएसु ११ मणभक्खिदारं] १८६२. णेरइया णं भंते ! किं ओयाहारा मणभक्खी ? गोयमा ! ओयाहारा, णो मणभक्खी । १८६३. एवं सव्वे ओरालियसरीरा वि । १८६४. देवा सव्वे जाव वेमाणिया ओयाहारा वि मणभक्खी वि । तत्थ णं जे ते मणभक्खी देवा तेसिं णं इच्छामणे समुप्पज्जइ 'इच्छामो णं मणभक्खणं करित्तए' तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकते समाणे खिप्पामेव जे पोग्गला इट्ठा कंता जाव मणामा ते तेसिं मणभक्खत्ताए परिणमंति, से जहाणामए सीता पोग्गला सीयं पप्पा सीयं चेव अइवइत्ताणं चिट्ठंति उसिणा वा पोग्गला उसिणं पप्पा उसिणं चेव अतिवइत्ताणं चिट्ठंति एवामेव तेहिं देवेहिं मणभक्खणे कते समाणे गोयमा ! से इच्छामणे खिप्पामेव अवेति ।

☆☆☆॥ पण्णवणाए भगवतीए आहारपदे पढमोउद्देसओ समत्तो ॥ ☆☆☆ बीओ उद्देसओ ☆☆☆ [सुत्तं १८६५. बीउद्देसस्स अत्थाहिगारपरूवणं] १८६५. आहार १ भविय २ सण्णी ३ लेस्सा ४ दिट्ठी य ५ संजय ६ कसाए ७ । णाणे ८ जोगुवओगे ९-१० वेदे य ११ सरीर १२ पज्जती १३ ॥ २१९॥ [सुत्ताइं १८६६-७०. जीवाईसु १ आहारदारं] १८६६. १ जीवे णं भंते ! किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए सिय अणाहारए । २ एवं नेरइए जाव असुरकुमारे जाव वेमाणिए । १८६७. सिद्धे णं भंते ! किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! णो आहारए, अणाहारए । १८६८. जीवा णं भंते ! किं आहारया अणाहारया ? गोयमा ! आहारगा वि अणाहारगा वि । १८६९. १ णेरइयाणं पुच्छा गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा आहारगा १ अहवा आहारगा य अणाहारगे य २ अहवा आहारगा य अणाहारगा य ३ । २ एवं जाव वेमाणिया । णवरं एगिंदिया जहा जीवा । १८७०. सिद्धाणं पुच्छा । गोयमा ! णो आहारगा,

अणाहारगा । दारं १ ॥ [सुत्ताइं १८७१-७५. २ भवियदारे आहारयाइपरूवणं] १८७१. १ भवसिद्धिए णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए सिय अणाहारए । २ एवं जाव वेमाणिए । १८७२. भवसिद्धिया णं भंते ! जीवा किं आहारगा अणाहारगा ? गोयमा ! जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । १८७३. अभवसिद्धिए वि एवं चेव । १ गोभवसिद्धिए-णोअभवसिद्धिए णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! णो आहारए, अणाहारए । २ एवं सिद्धे वि । १८७५. १ गोभवसिद्धिया-णोअभवसिद्धिया णं भंते ! जीवे किं आहारगा अणाहारगा ? गोयमा ! णो आहारगा, अणाहारगा । २ एवं सिद्धा वि । दारं २ ॥ [सुत्ताइं १८७६-८२. ३ सण्णिदारे आहारयाइपरूवणं] १८७६. १ सण्णी णं भंते ! जीवे किं आहारगे अणाहारगे ? गोयमा ! सिय आहारगे सिय अणाहारगे । २ एवं जाव वेमाणिए । णवरं एगिदिय-विगलिदिया ण पुच्छिज्जंति । १८७७. सण्णी णं भंते ! जीवा किं आहारया अणाहारगा ? गोयमा ! जीवाइओ तियभंगो जाव वेमाणिया । १८७८. १ असण्णी णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए सिय अणाहारए । २ एवं णेरइए जाव वाणमंतरे । ३ जोइसिय-वेमाणिया ण पुच्छिज्जंति । १८७९. असण्णी णं भंते ! जीवा किं आहारगा अणाहारगा ? गोयमा ! आहारगा वि अणाहारगा वि, एगो भंगो । १८८०. १ असण्णी णं भंते ! णेरइया किं आहारगा अणाहारगा ? गोयमा ! आहारगा वा १ अणाहारगा वा २ अहवा आहारए य अणाहारए य ३ अहवा आहारए य अणाहारगा य ४ अहवा आहारगा य अणाहारगे य ५ अहवा आहारगा य अणाहारगा य ६, एवं एते छब्भंगा । २ एवं जाव थणियकुमारा । ३ एगिदिएसु अभंगयं । ४ बेइंदिय जाव पंचेदियतिक्खिजोणिएसु तियभंगो । ५ मणूस-वाणमंतरेसु छब्भंगा । १८८१. १ णोसण्णी-णोअसण्णी णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए सिय अणाहारए । २ एवं मणूसे वि । ३ सिद्धे अणाहारए । १८८२. १ पुहत्तेणं णोसण्णी-णोअसण्णी जीवा आहारगा वि अणाहारगा वि । २ मणूसेसु तियभंगो । ३ सिद्धा अणाहारगा । दारं ३ ॥ [सुत्ताइं १८८३-८६. ४ लेस्सादारे आहारयाइपरूवणं] १८८३. १ सलेसे णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए सिय अणाहारए । २ एवं जाव वेमाणिए । १८८४. सलेसा णं भंते ! जीवा किं आहारगा अणाहारगा ? गोयमा ! जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । १८८५. १ एवं कण्हलेसाए वि णीललेसाए वि काउलेसाए वि जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । २ तेउलेस्साए पुढवि-आउ-वणप्फइकाइयाणं छब्भंगा । ३ सेसाणं जीवादीओ तियभंगो जेसिं अत्थि तेउलेस्सा । ४ पमहलेस्साए सुक्कलेस्साए य जीवादीओ तियभंगो । १८८६. अलेस्सा जीवा मणूसा सिद्धा य एगत्तेण वि पुहत्तेण वि णो आहारगा, अणाहारगा । दारं ४ ॥ [सुत्ताइं १८८७-८९. ५ दिट्ठिदारे आहारयाइपरूवणं] १८८७. १ सम्मदिट्ठी णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए सिय अणाहारए । २ बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिदिया छब्भंगा । ३ सिद्धा अणाहारगा । ४ अवसेसाणं तियभंगो । १८८८. मिच्छदिट्ठीसु जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । १८८९. १ सम्मामिच्छादिट्ठी णं भंते ! किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! आहारए, णो अणाहारए । २ एवं एगिदिय-विगलिदियवज्जं जाव वेमाणिए । ३ एवं पुहत्तेणं वि । दारं ५ ॥ [सुत्ताइं १८९०-९३. जीवाइसु ६ संजयदारे आहारयाइपरूवणं] १८९०. १ संजए णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए सिय अणाहारए । २ एवं मणूसे वि । ३ पुहत्तेण तियभंगो । १८९१. १ अस्संजए पुच्छा । गोयमा ! सिय आहारए सिय अणाहारए । २ पुहत्तेणं जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । १८९२. संजयासंजए जीवे पंचेदियतिक्खिजोणिए मणूसे य एते एगत्तेण वि पुहत्तेण वि आहारगा, णो अणाहारगा । १८९३. णोसंजए-णोअसंजए-णोसंजयासंजए जीवे सिद्धे य एते एगत्तेण वि पुहत्तेण वि णो आहारगा, अणाहारगा । दारं ६ ॥ [सुत्ताइं १८९४-९६. ७ कसायदारे आहारयाइपरूवणं] १८९४. १ सकसाई णं भंते ! जीवे किं आहारए अणाहारए ? गोयमा ! सिय आहारए सिय अणाहारए । २ एवं जाव वेमाणिए । १८९५. १ पुहत्तेणं जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । २ कोहकसाईसु जीवादिएसु एवं चेव । णवरं देवेसु छब्भंगा । ३ माणकसाईसु मायाकसाईसु य देव-णेरइएसु छब्भंगा । अवसेसाणं जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । ४ लोभकसाईसु णेरइएसु छब्भंगा । अवसेसेसु जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । १८९६. अकसाई जहा णोसण्णी-णोअसण्णी

(सु. १८८१-८२) । दारं ७ ॥ [सुत्ताइं १८९७-९९. ८ णाणदारे आहारयाइपरूवणं] १८९७. णाणी जहा सम्मद्धिटी (सु. १८८७) । १८९८. १ आभिणिबोहियणाणि-सुतणाणिसु बेइंदिय-तेइंदिय-चउरिदिएसु छब्भंगा । अवसेसेसु जीवादीओ तियभंगो जेसिं अत्थि । २ ओहिणाणी पंचेदियतिरिक्खजोणिया आहारगा, णो अणाहारगा । अवसेसेसु जीवादीओ तियभंगोजेसिं अत्थि ओहिणाणं । ३ मणपज्जवणाणी जीवा मणूसा य एगत्तेण वि पुहत्तेण वि आहारगा, णो अणाहारगा । ४ केवलणाणी जहा णोसण्णी-णोअसण्णी (सु. १८८१-८२) । १८९९. १ अण्णणी मइअण्णणी सुयअण्णणी जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । २ विभंगणाणी पंचेदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य आहारगा, णो अणाहारगा । अवसेसेसु जीवादीओ तियभंगो । दारं ८ ॥ [सुत्तं १९००. ९ जोगदारे आहारयाइपरूवणं] १९००. १ सजोगीसु जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । २ मणजोगी वइजोगी य जहा सम्मामिच्छद्धिटी (सु. १८८९) । णवरं वइजोगो विगलिदियाण वि । ३ कायजोगीसु जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । ४ अजोगी जीव-मणूस-सिद्धा अणाहारगा । दारं ९ ॥ [सुत्तं १९०१. १० उवओगदारे आहारयाइपरूवणं ] १९०१. १ सागाराणागारोवउत्तेसु जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । २ सिद्धा अणाहारगा । दारं १० ॥ [सुत्तं १९०२. ११ वेददारे आहारयाइपरूवणं] १९०२. १ सवेदे जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । २ इत्थिवेद-पुरिसवेदेसु जीवादीओ तियभंगो । ३ णपुंसगवेदए जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । ४ अवेदए जहा केवलणाणी (सु. १८९८ ४ ) दारं ११ ॥ [सुत्तं १९०३. १२ सरीरदारे आहारयाइपरूवणं ] १९०३. १ ससरीरी जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । २ ओरालियसरीरीसु जीव-मणूसेसु तियभंगो । ३ अवसेसा आहारगा, णो अणाहारगा, जेसिं अत्थि ओरालियसरीरं । ४ वेउव्वियसरीरी आहारगसरीरी य आहारगा, णो अणाहारगा, जेसिं अत्थि । ५ तेय-कम्मगसरीरी जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । ६ असरीरी जीवा सिद्धा य णो आहारगा, अणाहारगा । दारं १२ ॥ [सुत्ताइं १९०४-७. १३ पज्जत्तिदारे आहारयाइपरूवणं] १९०४. १ आहारपज्जत्तीपज्जत्तए सरीरपज्जत्तीपज्जत्तए इंदियपज्जत्तीपज्जत्तए आणापाणुपज्जत्तीपज्जत्तए भासा-मणपज्जत्तीपज्जत्तए एयासु पंचसु वि पज्जत्तीसु जीवेसु मणूसेसु य तियभंगो । २ अवसेसा आहारगा, णो अणाहारगा । ३ भासा-मणपज्जत्ती पंचेदियाणं, अवसेसाणं णत्थि । १९०५. १ आहारपज्जत्तीअपज्जत्तए णो आहारए, अणाहारए, एगत्तेण वि पुहत्तेण वि । २ सरीरपज्जत्तीअपज्जत्तए सिय आहारए सिय अणाहारए । ३ उवरिल्लियासु चउसु अपज्जत्तीसु णेरइय-देव-मणूसेसु छब्भंगा, अवसेसाणं जीवेगिदियवज्जो तियभंगो । १९०६. भासा-मणअपज्जत्तीए(ज्जत्तएसु)जीवेसु पंचेदियतिरिक्खजोणिएसु य तियभंगो, णेरइय-देव-मणुएसु छब्भंगा । १९०७. सब्वपदेसु एगत्त-पुहत्तेणं जीवादीया दंडगा पुच्छाए भाणियव्वा । जस्स जं अत्थि तस्स तं पुच्छिज्जति, जं णत्थि तं णं पुच्छिज्जति जाव भासामणपज्जत्तीए अपज्जत्तएसु णेरइय-देव-मणुएसु य छब्भंगा । सेसेसु तियभंगो । दारं १३ ॥ ☆☆☆॥ बीओ उद्देसओ समत्तो ॥ ☆☆☆ ॥पण्णवणाए भगवतीए अट्टावीसइमं आहारपयं समत्तं॥ ☆☆☆ २९ एगूणतीसइमं उवओगपयं सुत्ताइं ☆☆☆ [१९०८-२७. जीवाईसु उवओगभेय-पभेयपरूवणं] १९०८. कतिविहे णं भंते ! उवओगे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे उवओगे पन्नत्ते । तं जहा-सागारोवओगे य अणागारोवओगे य । १९०९. सागारोवओगे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! अट्टविहे पण्णत्ते । तं जहा-आभिणिबोहियणाणसागारोवओगे १ सुयणाणसागारोवओगे २ ओहिणाणसागारोवओगे ३ मणपज्जवणाणसागारोवओगे ४ केवलणाणसागारोवओगे ५ मतिअण्णणाणसागारोवओगे ६ सुयअण्णणाणसागारोवओगे ७ विभंगणाणसागारोवओगे ८ । १९१०. अणागारोवओगे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते । तं जहा-चक्खुदंसणअणागारोवओगे १ अचक्खुदंसणअणागारोवओगे २ ओहिदंसणअणागारोवओगे ३ केवलदंसणअणागारोवओगे ४ । १९११. एवं जीवाणं पि । १९१२. णेरइयाणं भंते ! कतिविहे उवओगे पण्णत्ते ? गोयमा ! दुविहे उवओगे पण्णत्ते । तं जहा-सागारोवओगे य अणागारोवओगे य । १९१३. णेरइयाणं भंते ! सागारोवओगे कतिविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! छव्विहे पण्णत्ते । तं जहा-मतिणाणसागारोवओगे १ सुयणाणसागारोवओगे २ ओहिणाणसागारोवओगे ३

मतिअण्णाणसागारोवओगे ४ सुयअण्णाणसागारोवओगे ५ विभंगणाणसागारोवओगे ६ । १९१४. णेरइयाणं भंते ! अणागारोवओगे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! तिविहे पणत्ते । तं जहा- चक्खुदंसणअणागारोवओगे १ अचक्खुदंसणअणागारोवओगे २ ओहिदंसणअणागारोवओगे ३ य । १९१५. एवं जाव थणियकुमाराणं । १९१६. पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! दुविहे उवओगे पणत्ते । तं जहा-सागारोवओगे य अणागारोवओगे य । १९१७. पुढविकाइयाणं भंते ! सागारोवओगे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! दुविहे पणत्ते । तं जहा मतिअण्णाणे सुतअण्णाणे । १९१८. पुढविकाइयाणं भंते ! अणागारोवओगे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! एगे अचक्खुदंसणाणागारोवओगे पणत्ते । १९१९. एवं जाव वणप्फइकाइयाणं । १९२०. बेइदियाणं पुच्छा । गोयमा ! दुविहे उवओगे पणत्ते । तं जहा सागारे अणागारे य । १९२१. बेइदियाणं भंते ! सागारोवओगे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पणत्ते । तं जहा-आभिणिबोहियणाणसागारोवओगे १ सुयणाणसागारोवओगे २ मतिअण्णाणसागारोवओगे ३ सुतअण्णाणसागारोवओगे ४ । १९२२. बेइदियाण भंते ! अणागारोवओगे कतिविहे पणत्ते ? गोयमा ! एगे अचक्खुदंसणअणागारोवओगे । १९२३. एवं तेइदियाण वि । १९२४. चउरिदियाण वि एवं चेव । णवरं अणागारोवओगे दुविहे पणत्ते । तं जहा चक्खुदंसणअणागारोवओगे य अचक्खुदंसणअणागारोवओगे य । १९२५. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं जहा णेरइयाणं(सु. १९१२-१४) । १९२६. मणुस्साणं जहा ओहिए उवओगे भणियं (सु. १९०८-१०) तहेव भाणियव्वं । १९२७. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं (सु. १९१२-१४) । [ सुत्ताइं १९२८-३५. जीवाईसु सागाराणागारोवओगपरूवणं ] १९२८. जीवा णं भंते ! किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जीवा सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि ? गोयमा ! जे णं जीवा आभिणिबोहियणाण-सुतणाण-ओहिणाण-मण-केवल-मतिअण्णाण-सुतअण्णाण-विभंगणाणोवउत्ता ते णं जीवा सागारोवउत्ता, जे णं जीवा चक्खुदंसण-अचक्खुदंसण-ओहिदंसण-केवलदंसणोवउत्ता ते णं जीवा अणागारोवउत्ता, सेतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति जीवा सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि । १९२९. णेरइया णं भंते ! किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! णेरइया सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! जे णं णेरइया आभिणिबोहियणाण-सुत-ओहिणाण-मतिअण्णाण-सुतअण्णाण-विभंगणाणोवउत्ता ते णं णेरइया सागारोवउत्ता, जे णं णेरइया चक्खुदंसण-अचक्खुदंसण-ओहिदंसणोवउत्ता ते णं णेरइया अणागारोवउत्ता, सेतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति जाव सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि । १९३०. एवं जाव थणियकुमारा । १९३१. पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! तहेव जाव जे णं पुढविकाइया मतिअण्णाण-सुतअण्णाणोवउत्ता ते णं पुढविकाइया सागारोवउत्ता, जे णं पुढविकाइया अचक्खुदंसणोवउत्ता ते णं पुढविकाइया अणागारोवउत्ता, सेतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति जाव वणप्फइकाइया । १९३२. १ बेइदियाणं अट्ठसहिया तहेव पुच्छा गोयमा ! जाव जे णं बेइदिया आभिणिबोहियणाण-सुतणाण-मतिअण्णाण-सुयअण्णाणोवउत्ता ते णं बेइदिया सागारोवउत्ता, जे णं बेइदिया अचक्खुदंसणोवउत्ता ते णं बेइदिया अणागारोवउत्ता, सेतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति० । २ एवं जाव चउरिदिया । णवरं चक्खुदंसणं अब्भइयं चउरिदियाणं । १९३३. पंचेदियतिक्खजोणिया जहा णेरइया (सु. १९२९) । १९३४. मणूसा जहा जीवा (सु. १९२८) । १९३५. वाणमंतर-जोतिसिय-वेमाणिया जहा णेरइया (सु. १९२९) । ★★ ★॥ पणवणाए भगवतीए एगूणतीसइमं उवओगपयं समत्तं ॥ ★★ ★ ३०. तीसइमं पासणयापयं सुत्ताइं ★★ ★ [१९३६-५३. जीवाईसु पासणयाभेय-पभेयपरूवणं ] १९३६. कतिविहा णं भंते ! पासणया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पासणया पणत्ता । तं जहा सागारपासणया अणागारपासणया य । १९३७. सागारपासणया णं भंते ! कइविहा पणत्ता ? गोयमा ! छव्विहा पणत्ता । तं जहासुयणाणसागारपासणया १ ओहिणाणसागारपासणया २ मणपज्जवणाणसागारपासणया ३ केवलणाणसागारपासणया ४ सुयअन्नाणसागारपासणया ५ विभंगणाणसागारपासणया ६ । १९३८. अणागारपासणया णं भंते ! कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा पणत्ता । तं

जहा चक्खुदंसणअणागारपासणया १ ओहिदंसणअणागारपासणया २ केवलदंसणअणागारपासणया ३ । १९३९. एवं जीवाणं पि । १९४०. णेरइयाणं भंते ! कतिविहा पासणया पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा सागारपासणया अणागारपासणया य । १९४१. णेरइयाणं भंते ! सागारपासणया कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा पणत्ता । तं जहा-सुतणाणसागारपासणया १ ओहिणाणसागारपासणया २ सुयअण्णाणसागारपासणया ३ विभंगणाणसागारपासणया ४ । १९४२. णेरइयाणं भंते ! अणागारपासणया कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा चक्खुदंसणअणागारपासणया य ओहिदंसणअणागारपासणया य । १९४३. एवं जाव थणियकुमारा । १९४४. पुढविक्काइयाणं भंते ! कतिविहा पासणया पणत्ता ? गोयमा ! एगा सागारपासणया । १९४५. पुढविक्काइयाणं भंते ! सागारपासणता कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! एगा सुयअण्णाणसागारपासणता पणत्ता । १९४६. एवं जाव वणप्फइकाइयाणं । १९४७. बेइंदियाणं भंते ! कतिविहा पासणया पणत्ता ? गोयमा ! एगा सागारपासणता पणत्ता । १९४८. बेइंदियाणं भंते ! सागारपासणता कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा-सुतणाणसागारपासणता य सुयअण्णाणसागारपासणता य १९४९. एवं तेइंदियाणं वि । १९५०. चउरिदियाणं पुच्छा । गोयमा ! दुविहा पणत्ता । तं जहा-सागारपासणता य अणागारपासणता य । सागारपासणया जहा बेइंदियाणं (सु. १९४१-४८) १९५१. चउरिदियाणं भंते ! अणागारपासणता कतिविहा पणत्ता ? गोयमा ! एगा चक्खुदंसणअणागारपासणया पणत्ता । १९५२. मणूसानं जहा जीवाणं (सु. १९३९) । १९५३. सेसा जहा णेरइया (सु. १९४०-४२) जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं १९५४-६२. जीवाईसु पस्सिभेयपरूवणं] १९५४. जीवा णं भंते ! किं सागारपस्स अणागारपस्सी ? गोयमा ! जीवा सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति जीवा सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि ? गोयमा ! जे णं जीवा सुयणाणी ओहिणाणी मणपज्जवणाणी केवलणाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी ते णं जीवा वागारपस्सी, जे णं जीवा चक्खुदंसणी ओहिदंसणी केवलदंसणी ते णं जीवा अणागारपस्सी, से तेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति जीवा सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि । १९५५. णेरइया णं भंते ! किं सागारपस्सी अणागारपस्सी ? गोयमा ! एवं चेव । णवरं सागारपासणताए मणपज्जवणाणी केवलणाणी ण वुच्चंति, अणागारपासणताए केवलदंसणं णत्थि । १९५६. एवं जाव थणियकुमारा । १९५७. १ पुढविक्काइयाणं पुच्छा । गोयमा ! पुढविक्काइया सागारपस्सी, णो अणागारपस्सी । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! पुढविक्काइयाणं एगा सुयअण्णाणसागारपासणया पणत्ता, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति० । २ एवं जाव वणस्सतिकाइया । १९५८. बेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! सागारपस्सी, णो अणागारपस्सी । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ? गोयमा ! बेइंदियाणं दुविहा सागारपासणया पणत्ता । तं जहा सुयणाणसागारपासणया य सुयअण्णाणसागारपासणया य, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति० । १९५९. एवं तेइंदियाणं वि । १९६०. चउरिदियाणं पुच्छा । गोयमा ! चउरिदिया सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि । से केणट्टेणं० ? गोयमा ! जे णं चउरिदिया सुयणाणी सुतअण्णाणी ते णं चउरिदिया सागारपस्सी, जे णं चउरिदिया चक्खुदंसणी ते णं चउरिदिया अणागारपस्सी, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति० । १९६१. मणूसा जहा जीवा (सु. १९५४) । १९६२. अवसेसा जहा णेरइया (सु. १९५५) जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं १९६३-६४. केवलिउवओगपरूवणं] १९६३. केवली णं भंते ! इमं रयणप्पभं पुढविं आगारेहिं हेतूहिं उवमाहिं दिट्ठंतेहिं वण्णेहिं संठाणेहिं पमाणेहिं पडोयारेहिं जं समयं जाणति तं समयं पासति जं समयं पासति तं समयं जाणति ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति केवली णं इमं रयणप्पभं पुढविं आगारेहिं जाव जं समयं जाणति णो तं समयं पासति जं समयं पासति णो तं समयं जाणति ? गोयमा ! सागारे से णाणे भवति अणागारे से दंसणे भवति, सेतेणट्टेणं जाव रो तं समयं जाणति । एवं जाव अहेसत्तमं । एवं सोहम्मं कप्पं जाव अच्चुयं गेवेज्जगविमाणा अणुत्तरविमाणा ईसीपब्भारं पुढविं परमाणुपोग्गलं दुपएसियं खंधं जाव अणंतपदेसियं खंधं । १९६४. केवली णं भंते ! इमं रयणप्पभं पुढविं अणागारेहिं अहेतूहिं अणुवमाहिं अदिट्ठंतेहिं अवण्णेहिं असंठाणेहिं अपमाणेहिं अप्पगेयरेहिं पासति ण जाणति ? हंता गोयमा ! केवली णं इयं रयणण्णपं पुढविं अणागारेहिं जाव पासति. ण जाणइ । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति केवली णं इमं रयणप्पभं पुढविं अणागारेहिं जाव पासति, ण गाणइ ? गोयमा ! अणागारे से दंसणे

भवति सागारे से णाणे भवति, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति केवली णं इमं रयणप्पभं पुढविं अणागारेहिं जाव पासति, ण जाणति । एवं जाव ईसीपब्भारं पुढविं परमाणुपोग्गलं अणंतपदेसियं खंधं पासइ, ण जाणइ । ★★ ★॥ पणवणाए भगवतीए तीसइमं पासणयापयं समत्तं ॥ ★★ ★ ३१. एगतीसइमं सण्णियं सुत्ताइं ★★ ★ [१९६५-७३. जीवाईसु सण्णिआइभेयपरूवणं] १९६५. जीवा णं भंते ! किं सण्णी असण्णी णोसण्णी-णोअसण्णी ? गोयमा ! जीवा सण्णी वि असण्णी वि णोसण्णी-णोअसण्णी वि । १९६६. णेरइया णं भंते ! ०पुच्छा । गोयमा ! णेरइया सण्णी वि असण्णी वि, णो णोसण्णी -णोअसण्णी । १९६७. एवं असुरकुमारा जाव थणियकुमारा । १९६८. पुढविक्काइयाणं पुच्छा । गोयमा ! णो सण्णी, असण्णी, णो णोसण्णी-णोअसण्णी । १९६९. एवं बेइंदिय-तेइदिय-चउरिदिया वि । १९७०. मणूसा जहा जीवा (सु. १९६५) । १९७१. पंचेदियतिरिक्खजोणिया वाणमंतरा य जहा णेरइया (सु. १९६६) । १९७२. जोइसिय-वेमाणिया सण्णी, णो असण्णी णो णोसण्णी-णोअसण्णी । १९७३. सिद्धाणं पुच्छा । गोयमा ! णो सण्णी णो असण्णी, णोसण्णी-णोअसण्णी । णेरइय-तिरिय-मणुया य वणयरसुरा य सण्णऽसण्णी य । विगलिदिया असण्णी, जोतिस-वेमाणिया सण्णी ॥२२०॥ ★★ ★॥ पणवणाए भगवतीए एगतीसइमं सण्णियं समत्तं ॥ ★★ ★ ३२. बत्तीसइमं संजमपयं सुत्ताइं ★★ ★ [१९७४-८०. जीवाईसु संजयाइभेयपरूवणं] १९७४. जीवा णं भंते ! किं संजया असंजया संजतासंजता णोसंजतणोअसंजतणोसंजयासंजया ? गोयमा ! जीवा णं संजया वि असंजया वि संजयासंजया वि णोसंजयणोअसंजयणोसंजतासंजया वि । १९७५. णेरइया णं भंते ! किं संजया असंजया संजयासंजया णोसंजतणोअसंजतणोसंजयासंजया ? गोयमा ! णेरइया णो संजया, असंजया णो संजयासंजया णो णोसंजयणोअसंजयणोसंजतासंजया । १९७६. एवं जाव चउरिदिया । १९७७. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! पंचेदियतिरिक्खजोणिया णो संजया, असंजया वि संजतासंजता वि, णो णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजया । १९७८. मणूसा णं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! मणूसा संजया वि असंजय वि संजतासंजया वि, णो णोसंजतणोअसंजयणोसंजतासंजया । १९७९. वाणमंतर-जोतिसिय-वेमाणिया जहा णेरइया (सु. १९७५) । १९८०. सिद्धाणं पुच्छा । गोयमा ! सिद्धा नो संजया नो असंजया नो संजयासंजया, णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजया । संजय अस्संजय मीसगा य जीवा तहेव मणुया य । संजतरहिया तिरिया, सेसा अस्संजता होति ॥२२१॥ ★★ ★॥ पणवणाए भगवतीए बत्तीसइमं संजमपयं समत्तं ॥ ★★ ★ ३३. तेत्तीसइमं ओहियं सुत्तं ★★ ★ [१९८१. तेत्तीसइमपयस्स अत्थाहिगारपरूवणं] १९८१. भेद १ विसय २ संठाणे ३ अब्भितर-बाहिरे ४ य देसोही ५ । ओहिस्स य खय-वह्णी ६ पडिवाई चेवऽपडिवाई ७ ॥२२२॥ [सुत्तं १९८२. १ ओहिभेयदारं] १९८२. कतिविहा णं भंते ! ओही पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा ओही पणत्ता । तं जहा भवपच्चइया य खओवसमिया य । दोण्हं भवपच्चइया, तं जहा-देवाण य णेरइयाण य । दोण्हं खओवसमिया, तं जहा-मणूसाणं पंचेदियतिरिक्खजोणियाण य । [सुत्ताइं १९८३-२००७. २ ओहिविसयदारं] १९८३. णेरइया णं भंते ! केवतियं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अब्दगाउयं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति । १९८४. रयणप्पभापुढविणेरइया णं भंते ! केवतियं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अब्दुद्धाइं गाउआइं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउआइं ओहिणा जाणंति पासंति । १९८५. सक्करप्पभापुढरिणेरइया जहण्णेणं तिण्णि गाउआइं, उक्कोसेणं अब्दुद्धाइं गाउआइं ओहिणा जाणंति पासंति । १९८६. वालुयप्पभापुढविणेरइया जहण्णेणं अह्वाइज्जाइं गाउयाइं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउआइं ओहिणा जाणंति पासंति । १९८७. पंकप्पभापुढविणेरइया जहण्णेणं दोण्णि गाउयाइं, उक्कोसेणं अह्वाइज्जाइं गाउआइं ओहिणा जाणंति पासंति । १९८८. धूमप्पभापुढविणेरइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं दिवह्णं गाउअं, उक्कोसेणं दो गाउआइं ओहिणा जाणंति पासंति । १९८९. तमापुढवि० ? गोयमा ! जहण्णेणं गाउयं, उक्कोसेणं दिवह्णं गाउयं ओहिणा जाणंति पासंति । १९९०. अहेसत्तमाए पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अब्दगाउयं, उक्कोसेणं गाउयं ओहिणा जाणंति पासंति । १९९१. असुरकुमारा णं भंते ! ओहिणा केवतियं खेत्तं जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं

पणुवीसं जोयणाइं, उक्कोसेणं असंखेज्जे दीव-समुद्दे ओहिणा जाणंति पासंति । १९९२. णागकुमारा णं जहण्णेणं पणुवीसं जोयणाइं, उक्कोसेणं संखेज्जे दीव-समुद्दे ओहिणा जाणंति पासंति । १९९३. एवं जाव थणियकुमारा । १९९४. पंचेदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! केवतियं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं, उक्कोसेणं असंखेज्जे दीव-समुद्दे । १९९५. मणूसा णं भंते ! ओहिणा केवतियं खेत्तं जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं अलोए लोयपमाणमेत्ताइं खंडाइं ओहिणा जाणंति पासंति । १९९६. वाणमंतरा जहा णागकुमारा (सु. १९९२) । १९९७. जोइसिया णं भंते ! केवतियं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं संखेज्जे दीव-समुद्दे, उक्कोसेणं वि संखिज्जे दीव-समुद्दे । १९९८. सोहम्मगदेवा णं भंते ! केवतियं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं, उक्कोसेणं अहे जाव इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए हेट्टिल्ले चरिमंते तिरियं जाव असंखेज्जे दीव-समुद्दे उहं जाव सगाइं विमाणाइं ओहिणा जाणंति पासंति । १९९९. एवं ईसाणगदेवा वि । २०००. सणंकुमारदेवा वि एवं चेव । णवरं अहे जाव दोच्चाए सक्करप्पभाए पुढवीए हेट्टिल्ले चरिमंते । २००१. एवं माहिंदगदेवा वि । २००२. बंभलोग-लंतगदेवा तच्चाए पुढवीए हेट्टिल्ले चरिमंते । २००३. महासुक्क-सहस्सारगदेवा चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए हेट्टिल्ले चरिमंते ! २००४. आणय-पाणय-आरण-अच्चुयदेवा अहे जाव पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए हेट्टिल्ले चरिमंते । २००५. हेट्टिम-मज्झिमगेवेज्जगदेवा अहे जाव छट्ठाए तमाए पुढवीए हेट्टिल्ले चरिमंते । २००६. उवरिमगेवेज्जगदेवा णं भंते ! केवतियं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं, उक्कोसेणं अहेसत्तमाए पुढवीए हेट्टिल्ले चरिमंते तिरियं जाव असंखेज्जे दीव-समुद्दे उहं जाव सगाइं विमाणाइं ओहिणा जाणंति पासंति । २००७. अणुत्तरोववाइयदेवा णं भंते ! केवतियं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति ? गोयमा ! संभिन्नं लोगणालिं ओहिणा जाणंति पासंति । [सुत्ताइं २००८-१६. ३ ओहिसंठाणदारं] २००८. णेरइयाणं भंते ! ओही किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! तप्पागारसंठिए पण्णत्ते । २००९. १ असुरकुमाराणं भंते ! ० पुच्छा । गोयमा ! पल्लगसंठिए । २ एवं जाव थणियकुमाराणं । २०१०. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पण्णत्ते । २०११. एवं मणूसाण वि । २०१२. वाणमंतराणं पुच्छा । गोयमा ! पडहसंठाणसंठिए पण्णत्ते । २०१३. जोतिसियाणं पुच्छा । गोयमा ! झल्लरिसंठाणसंठिए पण्णत्ते । २०१४. १ सोहम्मगदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! उह्मुइंगागारसंठिए पण्णत्ते । २ एवं जाव अच्चुयदेवाणं पुच्छा । २०१५. गेवेज्जगदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! पुप्फचंगेरिसंठिए पण्णत्ते । २०१६. अणुत्तरोववाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जवणालियासंठिए ओही पण्णत्ते । [सुत्ताइं २०१७-२१. ४ ओहिअब्भितर-बाहिरदारं] २०१७. णेरइया णं भंते ! ओहिस्स किं अंतो बाहिं ? गोयमा ! अंतो, नो बाहिं । २०१८. एवं जाव थणियकुमारा । २०१९. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! णो अंतो, बाहिं । २०२०. मणूसाणं पुच्छा । गोयमा ! अंतो वि बाहिं पि । २०२१. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं (सु. २०१७) । [सुत्ताइं २०२२-२६. ५ देसोहिदारं] २०२२. णेरइया णं भंते ! किं देसोही सव्वोही ? गोयमा ! देसोही, णो सव्वोही । २०२३. एवं जाव थणियकुमाराणं । २०२४. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! देसोही, णो सव्वोही । २०२५. मणूसाणं पुच्छा । गोयमा ! देसोही वि सव्वोही वि । २०२६. वाणमंतर-जोतिसिय-वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं (सु. २०२२) । [सुत्ताइं २०२७-३१. ६-७ ओहिस्स खयवट्ठिआइदाराइं] २०२७. णेरइयाणं भंते ! ओही किं आणुगामिए अणाणुगामिए वड्ढमाणए हायमाणए पडिवाई अपडिवाई अवट्टिए अणवट्टिए ? गोयमा ! आणुगामिए, नो अणाणुगामिए नो वड्ढमाणए णो हायमाणए णो पडिवाई, अपडिवादी अवट्टिए, णो अणवट्टिए । २०२८. एवं जाव थणियकुमाराणं । २०२९. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! आणुगामिए वि जाव अणवट्टिए वि । २०३०. एवं मणूसाण वि । २०३१. वाणमंतर-जोतिसिय-वेमाणियाणं जहा णेरइयाणं (सु. २०२७) । ☆☆☆॥ पणवणाए भगवतीए तेत्तीसइमं ओहिपयं समत्तं ॥ ☆☆☆ ३४. चउत्तीसइमं पवियारणापयं सुत्तं ☆☆☆ [२०३२. चउत्तीसइमपयस्स अत्थाहिगारपरूवणं] २०३२. अणंतरायआहारे १ आहाराभोगणाइ य २ । पोग्गला नेव जाणंति ३ अज्झवसाणा य आहिया ४ ॥२२३॥ सम्मत्तस्स अभिगमे ५ तत्तो परियारणा य बोद्धवा ६ ।

काए फासे रूवे सद्दे य मणे य अप्पबहुं ॥२२४॥ [सुत्ताइं २०३३-३७. चउवीसदंडएसु १ अणंतराहारदारं] २०३३. णेरइयाणं भंते ! अणंतराहारा तओ निव्वत्तणया ततो परियाइयणया ततो परिणामणया ततो परियारणया ततो पच्छा विउव्वणया ? हंता गोयमा ! णेरइया णं अणंतराहारा तओ निव्वत्तणया ततो परियादियणता तओ परिणामणया तओ परियारणया तओ पच्छा विउव्वणया । २०३४. १ असुरकुमाराणं भंते ! अणंतराहारा तओ णिव्वत्तणया तओ परियाइयणया तओ परिणामणया तओ विउव्वणया तओ पच्छा परियारणया ? हंता गोयमा ! असुरकुमारा अणंतराहारा तओ णिव्वत्तणया जाव तओ पच्छा परियारणया । २ एवं जाव थणियकुमारा । २०३५. पुढविक्काइया णं भंते ! अणंतराहारा तओ णिव्वत्तणया तओ परियाइयणया तओ परिणामणया य तओ परियारणया ततो विउव्वणया ? हंता गोयमा ! तं चव जाव परियारणया, णो चव णं विउव्वणया । २०३६. एवं जाव चउरिदिया । णवरं वाउक्काइया पंचेदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य जहा णेरइया (सु. २०३३) । २०३७. वाणमंतर-जोतिसिय-वेमाणिया जहा असुरकुमारा (सु. २०३४) । [सुत्ताइं २०३८-३९. चउवीसदंडएसु २ आहाराभोगणादारं] २०३८. णेरइयाणं भंते ! आहारे किं आभोगणिव्वत्तिए अणाभोगणिव्वत्तिए ? गोयमा ! आभोगणिव्वत्तिए वि अणाभोगणिव्वत्तिए वि । २०३९. एवं असुरकुमाराणं जाव वेमाणियाणं । णवरं एगिदियाणं णो आभोगणिव्वत्तिए, अणाभोगणिव्वत्तिए । [सुत्ताइं २०४०-४६. चउवीसदंडएसु ३ पोग्गलजाणणादारं] २०४०. णेरइया णं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति ते किं जाणंति पासंति आहारेति ? उयाहु ण जाणंति ण पासंति आहारेति ? गोयमा ! ण जाणंति ण पासंति, आहारेति । २०४१. एवं जाव तेइंदिया । २०४२. चउरिदियाणं पुच्छा । गोयमा ! अत्थेगइया ण जाणंति पासंति आहारेति, अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति आहारेति । २०४३. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेति १ अत्थेगइया जाणंति न पासंति आहारेति २ अत्थेगइया ण याणंति पासंति आहारेति ३ अत्थेगइया ण याणंति ण पासंति आहारेति ४ । २०४४. एवं मणूसाण वि । २०४५. वाणमंतर-जोतिसिया जहा णेरइया (सु. २०४०) । २०४६. वेमाणियाणं पुच्छा । गोयमा ! अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेति १ अत्थेगइया ण याणंति ण पासंति आहारेति २ । से केणट्टेण भंते ! एवं वुच्चति अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेति अत्थेगइया ण जाणंति ण पासंति आहारेति ? गोयमा ! वेमाणिया दुविहा पण्णत्ता, तं जहा माइमिच्छदिट्ठिउ-ववण्णगा य अमाइसम्मदिट्ठिउववण्णगा य, एवं जहा इंदियउद्देसए बढमे भणियं (सु. ९९८) तहा भाणियव्वं जाव सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति० । [सुत्ताइं २०४७-४८. चउवीसदंडएसु ४ अज्झवसाणदारं] २०४७. णेरइयाणं भंते ! केवतिया अज्झावसाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा पण्णत्ता । ते णं भंते ! किं पसत्था अप्पसत्था ? गोयमा ! पसत्था वि अप्पसत्था वि । २०४८. एवं जाव वेमाणियाणं । [सुत्ताइं २०४९-५०. चउवीसदंडएसु ५ सम्मत्ताभिगमदारं] २०४९. णेरइया णं भंते ! किं सम्मत्ताभिगमी मिच्छत्ताभिगमी सम्मामिच्छत्ताभिगमी ? गोयमा ! सम्मत्ताभिगमी वि मिच्छत्ताभिगमी वि सम्मामिच्छत्ताभिगमी वि । २०५०. एवं जाव वेमाणिया । णवरं एगिदिय-विगलिदिया णो समत्ताभिगमी, भिच्छत्ताभिगमी, णो सम्मामिच्छत्ताभिगमी । [सुत्ताइं २०५१-५३. ६ परियारणादारं] २०५१. देवा णं भंते ! किं सदेवीया सपरियारा सदेवीया अपरियारा अदेवीया सपरियारा अदेवीया अपरियारा ? गोयमा ! अत्थेगइया देवा सदेवीया सपरियारा १ अत्थेगइया देवा अदेवीया सपरियारा २ अत्थेगइया देवा अदेवीया अपरियारा ३ णो चव णं देवा सदेवीया अपरियारा । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति अत्थेगइया देवा सदेवीया सपरियारा तं चव जाव णो चव णं देवा सदेवीया अपरियारा ? गोयमा ! भवणवति-वाणमंतर-जोतिस-सोहम्मिसाणेसु कप्पेसु देवा सदेवीया सपरियारा, सणंकुमार-माहिंद-बंधलोग-लंतग-महासुक्क-सहस्सार-आणय-पाणय-आरणअअच्चुएसु कप्पेसु देवा अदेवीया सपरियारा, गेवेज्जणुत्तरोववाइयदेवा अदेवीया अपरियारा, णो चव णं देवा सदेवीया अपरियारा, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति अत्थेगइया देवा सदेवीया सपरियारा तं चव जाव णो चव णं देवा सदेवीया अपरियारा । २०५२. १ कतिविहा णं भंते ! परियारणा पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता । तं जहा-कायपरियारणा १ फासपरियारणा २ रूवपरियारणा ३ सद्दपरियारणा ४ मणपरियारणा ५ । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति पंचविहा परियारणा पण्णत्ता तं जहाकायपरियारणा जाव मणपरियारणा ? गोयमा ! भवणवति-वाणमंतर-जोइस-सोहम्मिसाणेसु कप्पेसु देवा कायपरियारणा, सणंकुमार-माहिंदेसु कप्पेसु देवा

फासपरियारगा, बंभलोय-लंतगेसु कप्पेसु देवा रूवपरियारगा, महासुक्क-सहस्सारेसु देवा सद्दपरियारगा, आणय-पाणय-आरण-अच्चुएसु कप्पेसु देवा मणपरियारगा, गेवेज्जअणुत्तरोववाइया देवा अपरियारगा, सेतेणट्टेणं गोयमा ! तं चेव जाव मणपरियारणा । २ तत्थ णं जे ते कायपरियारगा देवा तेसि णं इच्छामणे समुप्पज्जइ इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं कायपरियारणं करेत्तए, तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे खिप्पामेव ताओ अच्छराओ ओरालाई सिंगाराई मणुण्णाई मणोहराई मणोरमाई उत्तरवेउव्वियाई रूवाई विउव्वंति, विउव्वित्ता तेसिं देवाणं अंतियं पादुभवंति, तए णं देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं कायपरियारणं करेति, से जहाणामए सीया पोग्गला सीयं पप्पा सीयं चेव अतिवत्तित्ता णं चिट्ठंति, उसिणा वा पोग्गला उसिणं पप्पा उसिणं चेव अइवइत्ता णं चिट्ठंति, उसिणा वा पोग्गला उसिणं पप्पा उसिणं चेव अइवइत्ता णं चिट्ठंति एवामेव तेहिं देवेहिं ताहिं अच्छराहिं सद्धिं कायपरियारणे कते समाणे से इच्छामणे खिप्पामेवावेति । अत्थि णं भंते ! तेसिं देवाणं सुक्कपोग्गला ? हंता अत्थि । ते णं भंते ! तासिं अच्छराणं कीसत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ? गोयमा ! सोइंदियत्ताए चक्खिदियत्ताए घाणिदियत्ताए रसिदियत्ताए फासिदियत्ता, इट्ठत्ताए कंतत्ताए मणुणत्ताए मणामत्ताए सुभगत्ताए सोहग्ग-रूव-जोव्वण-गुणलायणत्ताए ते तासिं भुज्जो २ परिणमंति । ३ तत्थ णं जे ते फासपरियारगा देवा तेसिं णं इच्छामणे समुप्पज्जइ, एवं जहेव कायपरियारगा तहेव निरवसेसं भाणिव्वं । ४ तत्थ णं जे ते रूवपरियारगा देवा तेसिं णं इच्छामणे समुप्पज्जइच्छामो णं अचउराई सद्धिं रूवपरियारणं करेत्तए, तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे तहेव जाव उत्तरवेउव्वियाई रूवाई विउव्वंति, विउव्वित्ता जेणामेव ते देवा तेणामेव उवागच्छंति, तेणामेव उवागच्छित्ता तेसिं देवाणं अदूरसामंते ठिच्चा ताई ओरालाई जाव मणोरमाई उत्तरवेउव्वियाई रूवाई उवदंसेमाणीओ २ चिट्ठंति, तए णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं रूवपरियारणं करेति, सेसं तं चेव जाव भुज्जो २ परिणमंति । ५ तत्थ णं जे ते सद्दपरियारगा देवा तेसिं णं इच्छामणे समुप्पज्जइच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं सद्दपरियारणं करेत्तए, तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे तहेव जाव उत्तरवेउव्वियाई रूवाई विउव्वंति, विउव्वित्ता जेणामेव ते देवा तेणामेव उवागच्छंति, तेणामेव उवागच्छित्ता तेसिं देवाणं अदूरसामंते ठिच्चा अणुत्तराई उच्चावयाई सद्दाई समुदीरेमाणीओ २ चिट्ठंति, तए णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं सद्दपरियारणं करेति, सेसं तं चेव जाव भुज्जो २ परिणमंति । ६ तत्थ णं जे ते मणपरियारगा देवा तेसिं इच्छामणे समुप्पज्जइ-इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं मणपरियारणं करेत्तए, तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे खिप्पामेव ताओ अच्छराओ तत्थगताओ चेव समाणीओ अणुत्तराई उच्चावयाई मणाई पहारेमाणीओ २ चिट्ठंति, तए णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं मणपरियारणं करेति, सेसं णिरवसेसं तं चेव जाव भुज्जो २ परिणमंति । २०५३. एतेसि णं भंते ! देवाणं कायपरियारगाणं जाव मणपरियारगाणं अपरियारगाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्वत्थोवा देवा अपरियारगा, मणपरियारगा संखेज्जगुणा, सद्दपरियारगा असंखेज्जगुणा, रूवपरियारगा असंखेज्जगुणा, फासपरियारगा असंखेज्जगुणा, कायपरियारगा असंखेज्जगुणा । ★ ★ ★ ॥ पणवणाए भगवतीए चउतीसइमं पवियारणापयं समत्तं ॥ ★ ★ ★ ३५. पंचतीसइमं वेयणापयं सुत्ताइं ★ ★ ★ [२०५४. पणतीसइमपयस्स अत्थाहिगारपरूवणं] २०५४. सीता १ य दव्व २ सारीर ३ सात ४ तह वेदणा हवति दुक्खा ५ । अब्भुवगमोवक्कमिया ६ णिदा य अणिदा य ७ णायव्वा ॥२२५॥ सातमसातं सव्वे सुहं च दुक्खं अदुक्खमसुहं च । माणसरहियं विगलिदिया उ सेसा दुविहमेव ॥२२६॥ [ सुत्ताइं २०५५-५९. चउवीसदंडएसु १ सीताइवेदणादारं] २०५५. कतिविहा णं भंते ! वेदणा पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा वेदणा पणत्ता । तं जहा सीता १ उसिणा २ सीतोसिणा ३ । २०५६. णेरइया णं भंते ! किं सीतं वेदणं वेदेति उसिणं वेदणं वेदेति सीतोसिणं वेदणं वेदेति ? गोयमा ! सीयं पि वेदणं वेदेति उसिणं पि वेदणं वेदेति, णो सीतोसिणं वेदणं वेदेति । २०५७. १ केइ एक्केकीए पुढवीए वेदणाओ भणंति २ रयणप्पभापुढविणेरइया णं भंते ! ०पुच्छा । गोयमा ! णो सीयं वेदणं वेदेति, उसिणं वेदणं वेदेति, णो सीतोसिणं वेदणं वेदेति । एवं जाव वालुयप्पभापुढविणेरइया । ३ पंकप्पभापुढविणेरइयाणं पुच्छा । गोयमा ! सीयं पि वेदणं वेदेति, उसिणं पि वेदणं वेदेति, णो सीओसिणं वेदणं वेदेति । ते बहुयतरागा जे उसिणं वेदणं वेदेति, ते थोवतरागा जे सीयं वेदणं वेदेति । ४ धूमप्पभाए एवं चेव दुविहा । नवरं ते बहुयतरागा जे सीयं वेदणं वेदेति, ते थोवतरागा जे उसिणं वेयणं वेदेति । ५ तमाए तमतमाए य सीयं वेदणं वेदेति, णो उसिणं वेदणं वेदेति, णो सीओसिणं वेदणं वेदेति । २०५८. असुरकुमाराणं पुच्छा । गोयमा !

सीयं पि वेदणं वेदेति, उसिणं पि वेदणं वेदेति, सीतोसिणं पि वेदणं वेदेति । २०५९. एवं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं २०६०-६२. चउवीसदंडएसु २ दव्वाइवेदणादारं] २०६०. कतिविहा णं भंते ! वेदणा पणत्ता ? गोयमा ! चउविहा वेदणा पणत्ता । तं जहा-दव्वओ खेत्तओ कालओ भावतो । २०६१. णेरइया णं भंते ! किं दव्वओ वेदणं वेदेति जाव किं भावओ वेदणं वेदेति ? गोयमा ! दव्वओ वि वेदणं वेदेति जाव भावओ वि वेदणं वेदेति । २०६२. एवं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं २०६३-६५. चउवीसदंडएसु ३ सारीराइवेदणादारं] २०६३. कतिविहा णं भंते ! वेयणा पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा वेदणा पणत्ता । तं जहा सारीरा १ माणसा २ सारीरमाणसा ३ । २०६४. णेरइया णं भंते ! किं सारीरं वेदणं वेदेति माणसं वेदणं वेदेति सारीरमाणसं वेदणं वेदेति ? गोयमा ! सारीरं पि वेयणं वेदेति, माणसं पि वेदणं वेदेति, सारीरमाणसं पि वेदणं वेदेति । २०६५. एवं जाव वेमाणिया । णवरं एगिदिय-विगल्लिदिया सारीरं वेदणं वेदेति, णो माणसं वेदणं वेदेति णो सारीरमाणसं वेयणं वेदेति । [सुत्ताइं २०६६-६८. चउवीसदंडएसु ४ साताइवेदणादारं] २०६६. कतिविहा णं भंते ! वेयणा पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा वेयणा पणत्ता । तं जहा साता १ असाया २ सायासाया ३ । २०६७. णेरइया णं भंते ! किं सायं वेदणं वेदेति असायं वेदणं वेदेति सातासायं वेदणं वेदेति ? गोयमा ! तिविहं पि वेयणं वेदेति । २०६८. एवं सब्वजीवा जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं २०६९-७१. चउवीसदंडएसु ५ दुक्खाइवेदणादारं] २०६९. कतिविहा णं भंते ! वेयणा पणत्ता ? गोयमा ! तिविहा वेयणा पणत्ता । तं जहा दुक्खा सुहा अदुक्खमसुहा । २०७०. णेरइया णं भंते ! किं दुक्खं वेदणं वेदेति० पुच्छा । गोयमा ! दुक्खं पि वेदणं वेदेति, सुहं पि वेदणं वेदेति, अदुक्खमसुहं पि वेदणं वेदेति । २०७१. एवं जाव वेमाणिया । [सुत्ताइं २०७२-७६. चउवीसदंडएसु ६ अब्भोवगमियाइवेयणादारं] २०७२. कतिविहा णं भंते ! वेदणा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा वेदणा पणत्ता । तं जहा अब्भोवगमिया य ओवक्कमिया य । २०७३. णेरइया णं भंते ! किं अब्भोवगमियं वेदणं वेदेति ओवक्कमियं वेदणं वेदेति ? गोयमा ! णो अब्भोवगमियं वेदणं वेदेति, ओवक्कमियं वेदणं वेदेति । २०७४. एवं जाव चउरिदिया । २०७५. पंचेदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य दुविहं पि वेदणं वेदेति । २०७६. वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा णेरइया (सु. २०७३) । [सुत्ताइं २०७७-८४. चउवीसदंडएसु ७ णिदाइवेदणादारं] २०७७. कतिविहा णं भंते ! वेदणा पणत्ता ? गोयमा ! दुविहा वेयणा पणत्ता । तं जहा णिदा य अणिदा य । २०७८. णेरइया णं भंते ! किं णिदायं वेदणं वेदेति अणिदायं वेदणं वेदेति ? गोयमा ! णिदायं पि वेदणं वेदेति अणिदायं पि वेदणं वेदेति । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति णेरइया णिदायं पि वेदणं वेदेति अणिदायं पि वेदणं वेदेति ? गोयमा ! णेरइया दुविहा पणत्ता । तं जहा सण्णिभूया य असण्णिभूया य । तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते णं निदायं वेदणं वेदेति, तत्थ णं जे ते असण्णिभूया ते णं अणिदायं वेदणं वेदेति, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति णेरइया निदायं पि वेदणं वेदेति अणिदायं पि वेदणं वेदेति । २०७९. एवं जाव थणियकुमारा । २०८०. पुढविक्काइयाणं पुच्छा । गोयमा ! णो निदायं वेदणं वेदेति, अणिदायं वेदणं वेदेति । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति पुढविक्काइया णो णिदायं वेदणं वेदेति अणिदायं वेयणं वेदेति ? गोयमा ! पुढविक्काइया सब्वे असण्णी असण्णिभूतं अणिदायं वेदणं वेदेति, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति पुढविक्काइया णो णिदायं वेयणं वेदेति, अणिदायं वेदणं वेदेति । २०८१. एवं जाव चउरिदिया । २०८२. पंचेदियतिरिक्खजोणिया मणूसा वाणमंतरा जहा णेरइया (सु. २०७८) । २०८३. जोइसियाणं पुच्छा । गोयमा ! णिदायं पि वेदणं वेदेति अणिदायं पि वेदणं वेदेति । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति जोइसिया णिदायं पि वेदणं वेदेति अणिदायं पि वेदणं वेदेति ? गोयमा ! जोतिसिया दुविहा पणत्ता । तं जहा माइमिच्छदिट्ठिउववण्णगा य अमाइसम्मद्दिट्ठिउववण्णगा य, तत्थ णं जे ते माइमिच्छदिट्ठिउववण्णगा ते णं अणिदायं वेदणं वेदेति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मद्दिट्ठिउववण्णगा ते णं णिदायं वेदणं वेदेति, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति जोतिसिया दुविहं पि वेदणं वेदेति । २०८४. एवं वेमाणिया वि । ☆☆☆॥ पणवणाए भगवतीए पंचतीसइमं वेयणापयं समत्तं ॥ ☆☆☆ ३६. छत्तीसइमं समुग्घायपयं सुत्ताइं ☆☆☆ [२०८५-८६. समुग्घायभेयपरूवणं] २०८५. वेयण १ कसाय २ मरणे ३ वेउव्विय ४ तेयए य ५ आहारे ६ । केवलिए चव भवे ७ जीव मणुस्साण सत्तेव ॥२२७॥ २०८६. कति णं भंते ! समुग्घाया पणत्ता ? गोयमा ! सत्तसमुग्घाए पणत्ता । तं जहा वेदणासत्तसमुग्घाए १ कसायसमुग्घाए २ मारणंतियसमुग्घाए

३ वेउव्वियसमुघाए ४ तेयासमुघाए ५ आहारगसमुघाए ६ केवलिसमुघाए ७ । [सुत्ताइं २०८७-८८. समुघायकालपरूवणं] २०८७. १ वेदणासमुघाए णठ भंते ! कतिसमइए पणत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जमसइए पणत्ते । २ एवं जाव आहारसमुघाए । २०८८. केवलिसमुघाए णं भंते ! कतिसमइए पणत्ते ? गोयमा ! अट्टसमइए पणत्ते । [सुत्ताइं २०८९-९२. चउवीसदंडएसु समुघायपरूवणं] २०८९. णेरइयाणं भंते ! कति समुघाया पणत्ता ? गोयमा ! चत्तारि समुघाया पणत्ता । तं जहा वेदणासमुघाए १ कसायसमुघाए २ मारणंतियसमुघाए ३ वेउव्वियसमुघाए ४ । २०९०. १ असुरकुमाराणं भंते ! कति समुघाया पणत्ता ? गोयमा ! पंच समुघाया पणत्ता । तं जहा वेदणासमुघाए १ कसायसमुघाए २ मारणंतियसमुघाए ३ वेउव्वियसमुघाए ४ तेयासमुघाए ५ । २ एवं जाव थणियकुमाराणं । २०९१. १ पुढविक्काइयाणं भंते ! कति समुघाया पणत्ता ? गोयमा ! तिण्णि समुघाया पणत्ता । तं जहा वेदणासमुघाए १ कसायसमुघाए २ मारणंतियसमुघाए ३ । २ एवं जाव चउरिदियाणं । णवरं वाउक्काइयाणं चत्तारि समुघाया पणत्ता, तं जहा वेदणासमुघाए १ कसायसमुघाए २ मारणंतियसमुघाए ३ वेउव्वियसमुघाए ४ । २०९२. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं जाव वेमाणियाणं भंते ! कति समुघाया पणत्ता ? गोयमा ! पंच समुघाया पणत्ता । तं जहा वेदणासमुघाए १ कसायसमुघाए २ मारणंतियसमुघाए ३ वेउव्वियसमुघाए ४ तेयासमुघाए ५ । णवरं मणूसाणं सत्तविहे समुघाए पणत्ते, तं जहा वेदणासमुघाए १ कसायसमुघाए २ मारणंतियसमुघाए ३ वेउव्वियसमुघाए ४ तेयासमुघाए ५ आहारगसमुघाए ६ केवलिसमुघाए ७ । [सुत्ताइं २०९३-९६. चउवीसदंडएसु एगत्तेणं अतीताइसमुघायपरूवणं] २०९३. १ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवतिया वेदणी समुघाया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अत्थि कस्सइ कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । २ एवं असुरकुमारस्स वि, णिरंतरं जाव वेमाणियस्स । २०९४. १ एवं जाव तेयगसमुघाए । २ एवं एते पंच चउवीसा दंडगा । २०९५. १ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवतिया आहारगसमुघाया अतीता ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा, उक्कोसेणं तिण्णि । केवतिया पुरेक्खडा ? कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि । २ एवं णिरंतरं जाव वेमाणियस्स । नवरं मणूसस्स अतीता वि पुरेक्खडा वि जहा णेरइयस्स पुरेक्खडा । २०९६. १ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवतिया केवलिसमुघाया अतीया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि एक्को । २ एवं जाव वेमाणियस्स । णवरं मणूसस्स अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि एक्को । एवं पुरेक्खडा वि । [सुत्ताइं २०९७-२१००. चउवीसदंडएसु पुहत्तेणं अतीताइसमुघायपरूवणं] २०९७. १ णेरइयाणं भंते ! केवतिया वेदणासमुघाया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । २ एवं जाव वेमाणियाणं । २०९८. १ एवं जाव तेयगसमुघाए । २ एवं एते वि पंच चउवीसा दंडगा । २०९९. १ णेरइयाणं भंते ! केवतिया आहारगसमुघाया अतीया ? गोयमा ! असंखेज्जा । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! असंखेज्जा । २ एवं जाव वेमाणियाणं । णवरं वणप्फइकाइयाणं मणूसाण य इमं णाणत्तं वणप्फइकाइयाणं भंते ! केवतिया आहारगसमुघाया अतीता ? गोयमा ! अणंता । मणूसाणं भंते ! केवतिया आहारगसमुघाया अतीता ? गोयमा ! सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा । एवं पुरेक्खडा वि । २१००. १ णेरइयाणं भंते ! केवतिया केवलिसमुघाया अतीया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! असंखेज्जा । २ एवं जाव वेमाणियाणं । णवरं वणप्फइकाइय-मणूसेसु इमं णाणत्तंवणप्फइकाइयाणं भंते ! केवतिया केवलिसमुघाया अतीता ? [ग्रन्थाग्रम ७६००] गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । मणूसाणं भंते ! केवतिया केवलिसमुघाया अतीया ? गोयमा ! सिय अत्थि सिय णत्थि । जदि अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सतपुहत्तं । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा । [सुत्ताइं २१०१-२०. चउवीसदंडयाणं २४ दंडएसु एगत्तेणं अतीताइसमुघायपरूवणं] २१०१. १ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवतिया वेदणासमुघाया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि

जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । २ एवं असुरकुमारत्ते जाव वेमाणियत्ते । २१०२. एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स णेरइयत्ते केवतिया वयणासमुग्घाया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि तस्स सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय अणंता । २१०३. १ एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स असुरकुमारत्ते केवतिया वेदणासमुग्घाया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । २ एवं णागकुमारत्ते वि जाव वेमाणियत्ते । २१०४. १ एवं जहा वेदणासमुग्घाएणं असुरकुमारे णेरइयादिवेमाणियपज्जवसाणेसु भणिए तहा णागकुमारादीया अवसेसेसु सट्ठाण-परट्ठाणेसु भाणियव्वा जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते । २ एवमेते चउवीसं चउवीसा दंडगा भवंति । २१०५. एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवतिया कसायसमुग्घाया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि एगुत्तरियाए जाव अणंता । २१०६. एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवतिया कसायसमुग्घाया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय अणंता । २१०७. एवं जाव णेरइयस्स थणियकुमारत्ते । पुढविकाइयत्ते एगुत्तरियाए णेयव्वं, एवं जाव मणूसत्ते । वाणमंतरत्ते जहा असुरकुमारत्ते (सु. २१०६) । जोतिसियत्ते अतीया अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि सिय असंखेज्जा सिय अणंता । एवं वेमाणियत्ते वि सिय असंखेज्जा सिय अणंता । २१०८. असुरकुमारस्स णेरइयत्ते अतीता अणंता । पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय अणंता । २१०९. असुरकुमारस्स असुरकुमारत्ते अतीया अणंता । पुरेक्खडा एगुत्तरिया । २११०. एवं नागकुमारस्स निरंतरं जाव वेमाणियत्ते जहा णेरइयस्स भणियं (सु. २१०७) तहेव भाणियव्वं । २१११. एवं जाव थणियकुमारस्स वि जाव वेमाणियत्ते । णवरं सव्वेसिं सट्ठाणे एगुत्तरिए परट्ठाणे जहेव असुरकुमारस्स (सु. २१०८-१०) । २११२. पुढविकाइयस्स णेरइयत्ते जाव थणियकुमारत्ते अतीता अणंता । पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय अणंता । २११३. पुढविकाइयस्स पुढविकाइयत्ते जाव मणूसत्ते अतीता अणंता । पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि एगुत्तरिया । वाणमंतरत्ते जहा णेरइयत्ते (सु. २११२) । जोतिसिय-वेमाणियत्ते अतीया अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि सिय असंखेज्जा सिय अणंता । २११४. एवं जाव मणूसे वि णेयव्वं । २११५. १ वाणमंतर - जोतिसिय - वेमाणिया जहा असुरकुमारे (सु. २१०८-१०) । णवरं सट्ठाणे एगुत्तरियाए भाणियव्वा जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते । २ एवमेते चउवीसं चउवीसा दंडगा । २११६. १ मारणंतिय समुग्घाओ सट्ठाणे पि परट्ठाणे वि एगुत्तरियाए नेयव्वो जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते २ एवमेते चउवीसं चउवीसा दंडगा भाणियव्वा । २११७. १ वेउव्वियसमुग्घाओ जहा कसायसमुग्घाओ (सु. २१०५-१५) तहा निरवसेसो २ एत्थ वि चउवीसं चउवीसा दंडगा भाणियव्वा । २११८. १ तेयगसमुग्घाओ जहा मारणंतियसमुग्घाओ (सु. २११६) । णवरं जस्स अत्थि । २ एवं एते वि चउवीसं चउवीसा दंडगा भाणियव्वा । २११९. १ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवतिया आहारगसमुग्घाया अतीया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि । २ एवं जाव वेमाणियत्ते । णवरं मणूसत्ते अतीया कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा, उक्कोसेणं तिण्णि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि । ३ एवं सव्वजीवाणं मणूसेसु भाणियव्वं । ४ मणूसस्स मणूसत्ते अतीया कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि । एवं पुरेक्खडा वि । ५ एवमेते वि चउवीसं चउवीसा दंडगा जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते । २१२०. १ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवतिया केवलिसमुग्घाया अतीया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि । २ एवं जाव वेमाणियत्ते । णवरं मणूसत्ते अतीया णत्थि, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि एक्को । ३ मणूसस्स मणूसत्ते अतीया कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सइत्थि एक्को । एवं पुरेक्खडा वि । ४ एवमेते चउवीसं चउवीसा दंडगा । [सुत्ताइं २१२१-२४. चउवीसदंडयाणं चउवीसदंडएसु पुहत्तेणं

**अतीताइसमुघायपरस्वर्णं] २१२१. १ णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवतिया वेदणासमुघाया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । एवं जाव वेमाणियत्ते । २ एवं सब्वजीवाणं भाणियव्वं जाव वेमाणियाण वेमाणियत्ते । २१२२. एवं जाव तेयगसमुघाओ । णवरं उवउज्जिऊण णेयव्वं जस्सऽत्थि वेउव्विय-तेयगा । २१२३. १ णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवतिया आहारगसमुघाता अतीया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! नत्थि । २ एवं जाव वेमाणियत्ते । णवरं मणूसत्ते अतीया असंखेज्जा, पुरेक्खडा असंखेज्जा । ३ एवं जाव वेमाणियाणं । णवरं वणस्सइकाइयाणं मणूसत्ते अतीया अणंता, पुरेक्खडा अणंता । मणूसाणं मणूसत्ते अतीया सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, एवं पुरेक्खडा वि । सेसा सब्वे जहा णेरइया । ४ एवं एते चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा । २१२४. १ णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवतिया केवलिसमुघाया अतीया ? गोयमा ! णत्थि । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि । २ एवं जाव वेमाणियत्ते । णवरं मणूसत्ते अतीया णत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा । ३ एवं जाव वेमाणिया । णवरं वणप्फइकाइयाणं मणूसत्ते अतीया णत्थि, पुरेक्खडा अणंता । मणूसाणं मणूसत्ते अतीया सिय अत्थि सिय णत्थि । जदि अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सत्तपुहुत्तं । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा । ४ एवं एते चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा सब्वे पुच्छाए भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते । [सुत्ताइं २१२५-३२. समुघायसमोहयासमोहयाणं जीवाइणमप्पाबहुयं] २१२५. एतेसि णं भंते ! जीवाणं वेयणासमुघाएणं कसायसमुघाएणं मारणंतियसमुघाएणं वेउव्वियसमुघाएणं तेयगसमुघाएणं आहारगसमुघाएणं केवलिसमुघाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सब्वत्थोवा जीवा आहारगसमुघाएणं समोहया, केवलिसमुघाएणं समोहया संखेज्जगुणा, तेयगसमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेउव्वियसमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, मारणंतियसमुघाएणं समोहया अणंतगुणा, कसायसमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेदणासमुघाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया असंखेज्जगुणा । २१२६. एतेसि णं भंते ! णेरइयाणं वेदणासमुघाएणं कसायसमुघाएणं मारणंतियसमुघाएणं वेउव्वियसमुघाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा गोयमा ! सब्वत्थोवा णेरइया मारणंतियसमुघाएणं समोहया, वेउव्वियसमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुघाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेदणासमुघाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा । २१२७. १ एतेसि णं भंते ! असुरकुमाराणं वेदणासमुघाएणं कसायसमुघाएणं मारणंतियसमुघाएणं वेउव्वियसमुघाएणं तेयगसमुघाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सब्वत्थोवा असुरकुमारा तेयगसमुघाएणं समोहया, मारणंतियसमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेयणासमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुघाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेउव्वियसमुघाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया असंखेज्जगुणा । २ एवं जाव थणियकुमारा । २१२८. १ एतेसि णं भंते ! पुढविक्काइयाणं वेदणासमुघाएणं कसायसमुघाएणं मारणंतियसमुघाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कतरे ? गोयमा ! सब्वत्थोवा पुढविक्काइया मारणंतियसमुघाएणं समोहया, कसायसमुघाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेदणासमुघाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया असंखेज्जगुणा । २ एवं जाव वणप्फइकाइया । णवरं सब्वत्थोवा वाउक्काइया वेउव्वियसमुघाएणं समोहया, मारणंतियसमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेदणासमुघाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया असंखेज्जगुणा । २१२९. १ बेइंदियाणं भंते ! वेयणासमुघाएणं कसायसमुघाएणं मारणंतियसमुघाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्वत्थोवा बेइंदिया मारणंतियसमुघाएणं समोहया, वेदणासमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुघाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा । २ एवं जाव चउरिंदिया । २१३०. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! वेदणासमुघाएणं कसायसमुघाएणं मारणंतियसमुघाएणं वेउव्वियसमुघाएणं तेयासमुघाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सब्वत्थोवा पंचेदियतिरिक्खजोणिया तेयासमुघाएणं समोहया, वेउव्वियसमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, मारणंतियसमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेदणासमुघाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुघाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा ।**

२१३१. मणुस्साणं भंते ! वेदणासमुग्घाएणं कसायसमुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं वेउव्वियसमुग्घाएणं तेयगसमुग्घाएणं आहारगसमुग्घाएणं केवलिसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाणं य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणूसा आहारगसमुग्घाएणं समोहया, केवलिसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, तेयगसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेयणासमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा कसायसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया असंखेज्जगुणा । २१३२. वाणमंतर-जोतिसिय -वेमाणिया जहा असुरकुमारा । [सुत्ताइं २१३३-४६. कसायसमुग्घायवत्तव्वया] २१३३. कति णं भंते ! कसायसमुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि कसायसमुग्घाया पण्णत्ता । तं जहा कोहसमुग्घाए १ माणसमुग्घाए २ मायासमुग्घाए ३ लोभसमुग्घाए ४ । २१३४. १ णेरइयाणं भंते ! कति कसायसमुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि कसायसमुग्घाया पण्णत्ता । २ एवं जाव वेमाणियाणं । २१३५. १ एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स केवइया कोहसमुग्घाया अतीता ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि । जस्सइत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । २ एवं जाव वेमाणियस्स । २१३६. एवं जाव लोभसमुग्घाए । एते चत्तारि दंडगा । २१३७. १ णेरइयाणं भंते ! केवतिया कोहसमुग्घाया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । २ एवं जाव वेमाणियाणं । २१३८. एवं जाव लोभसमुग्घाए । एए वि चत्तातर दंडगा । २१३९. एगमेगस्स णं भंते ! णेरइयस्स णेरइयत्ते केवतिया कोहसमुग्घाया अतीया ? गोयमा ! अणंता, एवं जहा वेदणासमुग्घाओ भणिओ (सु. २१०१-४) तहा कोहसमुग्घाओ वि भाणियव्वो णिरवसेसं जाव वेमाणियत्ते । माणसमुग्घाओ मायासमुग्घातो य णिरवसेसं जहा मारणंतियसमुग्घाओ (सु. २११६) । लोभसमुग्घाओ जहा कसायसमुग्घाओ (सु. २१०५-१५) । णवरं सव्वजीवा असुरादी णेरइएसु लोभकसाएणं एगुत्तरिया णेयव्वा । २१४०. १ णेरइयाणं भंते ! णेरइयत्ते केवतिया कोहसमुग्घाया अतीया ? गोयमा ! अणंता । केवतिया पुरेक्खडा ? गोयमा ! अणंता । २ एवं जाव वेमाणियत्ते । २१४१. एवं सट्ठाण-परट्ठाणेसु सव्वत्थ वि भाणियव्वा सव्वजीवाणं चत्तारि समुग्घाया जाव लोभसमुग्घातो जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते । २१४२. एतेसि णं भंते ! जीवाणं कोहसमुग्घाएणं साणसमुग्घाएणं मायासमुग्घाएणं लोभसमुग्घाएणं य समोहयाणं अकसायसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थो वा जीवा अकसायसमुग्घाएणं समोहया, माणसमुग्घाएणं समोहया अणंतगुणा, कोहसमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, मायासमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, लोभसमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया संखेज्जगुणा । २१४३. एतेसि णं भंते ! णेरइयाणं कोहसमुग्घाएणं माणसमुग्घाएणं मायासमुग्घाएणं लोभसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कतरे कतरेहिंतो अप्पा वा ४ !? गोयमा ! सव्वत्थोवा णेरइया लोभसमुग्घाएणं समोहया, मायासमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, माणसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, कोहसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा । २१४४. १ असुरकुमाराणं पुच्छा । गोयमा ! सव्वत्थोवा असुरकुमारा कोहसमुग्घाएणं समोहया, माणसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, मायासमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, लोभसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा असमोहया संखेज्जगुणा २ एवं सव्वदेवा जाव वेमाणिया । २१४५. १ पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! सव्वत्थोवा पुढविकाइया माणसमुग्घाएणं समोहया, कोहसमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, मायासमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, लोभसमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया संखेज्जगुणा । २ एवं जाव पंचेदियतिरिक्खजोणिया । २१४६. मणुस्सा जहा जीवा (सु. २१४२) । णवरं माणसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा । [सुत्ताइं २१४७-५२. चउवीसदंडएसु छाउमत्थियसमुग्घायपरूवणं] २१४७. कति णं भंते ! छाउमत्थिया समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! छाउमत्थिया छ समुग्घाया पण्णत्ता । तं जहा वेदणासमुग्घाए १ कसायसमुग्घाए २ मारणंतियसमुग्घाए ३ वेउव्वियसमुग्घाए ४ तेयगसमुग्घाए ५ आहारगसमुग्घाए ६ । २१४८. णेरइयाणं भंते ! कति छाउमत्थिया समुग्घाया पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि छाउमत्थिया समुग्घाया पण्णत्ता । तं जहा वेदणासमुग्घाए १ कसायसमुग्घाए २ मारणंतियसमुग्घाए ३ वेउव्वियसमुग्घाए ४ । २१४९. असुरकुमाराणं पुच्छा । गोयमा ! पंच छाउमत्थिया समुग्घाया पण्णत्ता । तं जहा वेदणासमुग्घाए १

कसायसमुग्घाए २ मारणंतियसमुग्घाए ३ वेउव्वियसमुग्घाए ४ तेयगसमुग्घाए ५ । २१५०. एगिदिय-विगलिदियाणं पुच्छा । गोयमा ! तिण्णि छाउमत्थिया समुग्घाया पणत्ता । तं जहा वेदणासमुग्घाए १ कसायसमुग्घाए २ मारणंतियसमुग्घाए ३ । णवरं वाउक्काइयाणं चत्तारि समुग्घाया पणत्ता, तं जहा वेदणासमुग्घाए १ कसायसमुग्घाए २ मारणंतियसमुग्घाए ३ वेउव्वियसमुग्घाए ४ । २१५१. पंचेदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! पंच समुग्घाया पणत्ता । तं जहा वेदणासमुग्घाए १ कसायसमुग्घाए २ मारणंतियसमुग्घाए ३ वेउव्वियसमुग्घाए ४ तेयगसमुग्घाए ५ । २१५२ मणूसाणं भंते ! कति छाउमत्थिया समुग्घाया पणत्ता ? गोयमा ! छ छाउमत्थिया समुग्घाया पणत्ता । तं जहा वेदणासमुग्घाए १ कसायसमुग्घाए २ मारणंतियसमुग्घाए ३ वेउव्वियसमुग्घाए ४ तेयगसमुग्घाए ५ आहारगसमुग्घाए ६ । [सुत्ताइं २१५३-५४. वेयणासमुग्घायसमोहयजीवाईणं] ओगाहफासाइपरूवणं २१५३. १ जीवे णं भंते ! वेदणासमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोग्गले णिच्छुभति तेहि णं भंते ! पोग्गलेहिं केवतिए खेत्ते अफुण्णे ? केवतिए खेत्ते फुडे ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ते विक्खंभ-बाहल्लेणं णियमा छदिसिं एवइए खेत्ते अफुण्णे एवइए खेत्ते फुडे । २ से णं भंते ! खेत्ते केवइकालस्स अफुण्णे केवइकालस्स फुडे ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेण वा एवइकालस्स अफुण्णे एवइकालस्स फुडे । ३ ते णं भंते ! पोग्गला केवइकालस्स णिच्छुभति ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तस्स । ४ ते णं भंते ! पोग्गला णिच्छुढा समाणा जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणंति वत्तेति लेसेति संघाएंति संघट्टेतिं परियावेति किलावेति उह्वेति तेहिंते णं भंते ! से जीवे कतिकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए । ५ ते णं भंते ! जीवा ताओ जीवाओ कतिकिरिया ? गोयमा ! सिय तिकिरिया सिय चउकिरिया सिय पंचकिरिया । ६ से णं भंते ! जीवे ते य जीवा अण्णेसिं जीवाणं परंपराघाएणं कतिकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिरिया वि पंचकिरिया वि । २१५४. १ णेरइए णं भंते ! वेदणासमुग्घाएणं समोहए० एवं जहेव जीवे (सु. २१५३) । णवरं णेरइयाभिलावो । २ एवं णिरवसेसं जाव वेमाणिए । [सुत्तं २१५५. कसायसमुग्घायसमोहयजीवाईणं ओगाहफासाइपरूवणं] २१५५. एवं कसायसमुग्घातो वि भाणियव्वो । [सुत्ताइं २१५६-५८. मारणंतियसमुग्घायसमोहयजीवाईणं ओगाहफासाइपरूवणं] २१५६. १ जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोग्गले णिच्छुभति तेहि णं भंते ! पोग्गलेहिं केवतिए खेत्ते अफुण्णे केवतिए खेत्ते फुडे ? गोयमा ! सरीरपमाणमेत्ते विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं एवइए खेत्ते अफुण्णे एवतिए खेत्ते फुडे । २ से णं भंते ! खेत्ते केवतिकालस्स अफुण्णे केवतिकालस्स फुडे ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइएण वा विग्गहेणं एवतिकालस्स अफुण्णे एवतिकालस्स फुडे । सेसं तं चेव जाव पंचकिरिया । २१५७. एवं णेरइए वि । णवरं आयामेणं जहण्णेणं सातिरेणं जोयणसहस्सं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं एवतिए खेत्ते अफुण्णे एवतिए खेत्ते फुडे; विग्गहेणं एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा, णवरं चउसमइएण ण भणत्ति । सेसं तं चेव जाव पंचकिरिया वि । २१५८. १ असुरकुमारस्स जहा जीवपए (सु. २१५६) । णवरं विग्गहो तिसमइओ जहा णेरइयस्स (सु. २१५७) । सेसं तं चेव । २ जहा असुरकुमारे एवं जाव वेमाणिए । णवरं एगिदिए जहा जीवे णिरवसेसं । [सुत्ताइं २१५९-६४. वेउव्वियसमुग्घायसमोहयजीवाईणं ओगाहफासाइपरूवणं] २१५९. १ जीवे णं भंते ! वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोग्गले णिच्छुभति तेहि णं भंते ! पोग्गलेहिं केवतिए खेत्ते अफुण्णे केवतिए खेत्ते फुडे ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्कोसेणं संखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं विदिसिं वा एवतिए खेत्ते अफुण्णे एवतिए खेत्ते फुडे । २ से णं भंते ! खेत्ते केवतिकालस्स अफुण्णे केवतिकालस्स फुडे ? गोयमा ! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेण एवतिकालस्स अफुण्णे एवतिकालस्स फुडे । सेसं तं चेव जाव पंचकिरिया वि । २१६०. एवं णेरइए वि । णवरं आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जिभागं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं एवतिए खेत्ते० । केवतिकालस्स ० तं चेव जहा जीवपए (सु. २१५९) । २१६१. एवं जहा णेरइयस्स (सु. २१६०) तहा असुरकुमारस्स । णवरं एगदिसिं विदिसिं वा । एवं जाव थणियकुमारस्स । २१६२. वाउक्काइयस्स जहा

जीवपदे (सु. २१५९) । णवरं एगदिसिं । २१६३. पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स णिरवसेसं जहा णेरइयस्स (सु. २१६०) । २१६४. मणूस-वाणमंतर-जोतिसिय-वेमाणियस्स णिरवसेसं जहा असुरकुमारस्स (सु. २१६१) । [ सुत्तं २१६५. तेयगसमुघायसमोहयजीवाईणं ओगाहफासाइपरूवणं ] २१६५. जीवे णं भंते ! तेयगसमुघाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोग्गले णिच्छुभइ तेहि णं भंते ! पोग्गलेहिं केवतिए खेत्ते अफुण्णे० ? एवं जहेव वेउव्वियसमुघाए (सु. २१५९-६४) तहेव । णवरं आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं, सेसं तं चव । एवं जाव वेमाणियस्स, णवरं पंचेदियतिरिक्खजोणियस्स एगदिसिं एवतिए खेत्ते अफुण्णे० । [सुत्ताइं २१६६-६७. आहारगसमुघायसमोहयजीवाईणं ओगाहफासापरूवणं ] २१६६. १ जीवे णं भंते ! आहारगसमुघाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोग्गले णिच्छुभइ तेहि णं भंते पोग्गलेहिं केवतिए खेत्ते अफुण्णे केवतिए खेत्ते फुडे ? गोयमा ! सरीरपमाणमेते विक्खंभ-बाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जतिभागं उक्कोसेणं संखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं एवइए खेत्ते० । एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं एवतिकालस्स अफुण्णे एवतिकालस्स फुडे । २ ते णं भंते ! पोग्गला केवतिकालस्स णिच्छुभति ? गोयमा ! जहण्णेणं वि उक्कोसेणं वि अंतोमुहुत्तस्स । ३ ते णं भंते ! पोग्गला णिच्छुढा समाणा जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणंति जाव उद्वेति तओ णं भंते ! जीवे कतिकिरिए ? गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए । ते णं भंते ! जीवा तातो जीवाओ कतिकिरिया ? गोयमा ! एवं चव । ४ से णं भंते ! जीवे ते य जीवा अण्णेसिं जीवाणं परंपराघाएणं कतिकिरिया ? गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिरिया वि पंचकिरिया वि । २१६७. एवं मणूसे वि । [सुत्ताइं २१६८-७५. केवलिसमुघायवत्तव्वया] २१६८. अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो केवलिसमुघाएणं समोहयस्स जे चरिमा णिज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पणत्ता समणाउसो ! सव्वलोगं पि य णं ते फुसित्ता णं चिड्ढंति ? हंता गोयमा ! अणगारस्स भावियप्पणो केवलिसमुघाएणं समोहयस्स जे चरिमा णिज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पणत्ता समणाउसो सव्वलोगं पि य णं ते फुसित्ता णं चिड्ढंति । २१६९. छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेण वा फासं जाणति पासति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति छउमत्थे णं मणूसे तेसिं विज्जरापोग्गलाणं णो किंचि वि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणति पासति ? गोयमा ! अयण्णं जंबुद्दीवे दीवे सव्वदीव-समुद्दाणं सव्वभंतराए सव्वखुड्ढाए वट्ठे तेल्लापूयसंठाणसंठिए वट्ठे रहचक्कवालसंठाणसंठिए वट्ठे पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिते वट्ठे पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिए एणं जोयणसयसहस्सं आयाम-विक्खंभेणं, तिण्णि य जोयणसयसहस्साइं सोलस य सहस्साइं दोण्णि य सत्तावीसे जोयणसते तिण्णि य कोसे अट्ठावीसं च धुणसतं तेरस य अंगुलाइं अद्धंगुलं च किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं पणत्ते । देवे णं महिद्दीए जाव महासोक्खे एणं महं सविलेवणं गंधसमुग्गयं गहाय तं अवदालेति, तं मह एणं सविलेवणं गंधसमुग्गयं अवदालेत्ता इणामेव कट्ठु केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं तिहिं अच्छराणिवातेहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्ठित्ता णं हव्वमागच्छेज्जा, से णूणं गोयमा ! से केपलकप्पे जंबुद्दीवे दीवे तेहिं घाणपोग्गलेहिं कुडे ? हंतो कुडे । छउमन्ये णं गोतमा ! मणूसे तेसिं घाणपोग्गलाणं किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणति पासति ? भगवं ! णो इणट्ठे समट्ठे । सेतेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं णो किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणति पासति, एसुहुमा णं ते पोग्गला पणत्ता समणाउसो ! सव्वलोगं पि य णं फुसित्ता णं चिड्ढंति । २१७०. १ कम्हा णं भंते ! केवली समुघायं गच्छति ? गोयमा ! केवलिसस्स चत्तारि कम्मसा अक्खीणा अवेदिया अणिज्जिण्णा भवन्ति । तं जहा वेयणिज्जे १ आउए २ णामे ३ गोए ४ । सव्वबहुप्पएसे से वेदणिज्जे कम्मे भवति, सव्वत्थोवे से आउए कम्मे भवति । विसमं समं करेति बंधणेहिं ठितीहि य । विसमसमीकरणयाए बंधणेहिं ठितीहि य ॥२२८॥ एवं खलु केवली समोहणत्ति, एवं खलु समुघायं गच्छति । २ सव्वे वि णं भंते ! केवली समोहणंति ? सव्वे वि णं भंते ! केवली समुघायं गच्छंति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, जस्साऽऽउएण तुल्लाइं बंधणेहिं ठितीहि य । भवोवग्गहकम्माइं समुघायं से ण गच्छति ॥२२९॥ अगंतूणं समुघायं अणंता केवली जिणा । जर-मरणविप्पमुक्का सिद्धिं वरगतिं गता । २३०॥ २१७१. कतिसमइए णं भंते ! आउज्जीकरणे पणत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जसमइए अंतोमुहुत्तिए आउग्गीकरणे पणत्ते । २११२. कतिसमइए णं भंते : केवलिसमुघाए पणत्ते ? गोयमा ! अट्ठसमइए पणत्ते । तं जहा पढमे समए

दंडं करेति, बिइए समए कवाडं करेति, ततिए समए मंथं करेति, चउत्थे समए लोगं पूरेइ, पंचमे समये लोयं पडिसाहरति, छट्टेसमए मंथं पडिसाहरति, सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरति, अट्टमे समए दंडं पडिसाहरति, दंडं पडिसाहरित्ता ततो पच्छा सरीरत्थे भवति । २१७३. १ से णं भंते ! तहासमुघायगते किं मणजोगं जुंजति वइजोगं जुंजति कायजोगं जुंजति ? गोयमा ! णो मणजोगं जुंजइ णो वइजोगं जुंजइ, कायजोगं जुंजति । २ कायजोगणं भंते ! जुंजमाणे किं ओरालियसरीरकायजोगं जुंजति ओरालिय मीसासरीर कायजोगं जुंजति ? किं वेउव्वियसरीरकायजोगं जुंजति वेउव्वियमीसासरीरकायजोगं जुंजति ? किं आहारगसरीरकायजोगं जुंजइ ? गोयमा ! ओरालियसरीरकायजोगं पि जुंजति ओरालियमीसासरीरकायजोगं पि जुंजति, णो वेउव्विय सरीरकायजोगं जुंजति णो पेठव्वियमीसासरीरकायजोगं जुंजति आहारगमीसा सरीरकायजोगं जुंजति ? किं कम्मगसरीरकायजोगं जुंजर णो आहारगसरीरकायजोगं जुंजति णो आहारगमीसरीरकायजोगं जुंजति, कम्मगसरीरकायजोगं पि जुंजति; पढमऽट्टमेसु समएसु ओरालियसरीरकायजोगं जुंजति, बितिय-छट्ट-सत्तमेसु समएसु ओरालियमीसगसरीरकायजोगं जुंजति, ततिय-चउत्थ-पंचमेसु समएसु कम्मगसरीरकायजोगं जुंजति । २१७४. १ से णं भंते ! तहासमुघायगते सिञ्जति बुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वाइ सब्बदुक्खाणं अंतं करेति ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे, से णं तओ पडिनियत्तति, ततो पडिनियत्तित्ता ततो पच्छा मणजोगं पि जुंजति वइजोगं पि जुंजति कायजोगं पि जुंजति । २ मणजोगणं जुंजमाणे किं सच्चमणजोगं जुंजति मोसमणजोगं जुंजति सच्चामोसमणजोगं जुंजति असच्चामोसमणजोगं जुंजति ? गोयमा ! सच्चमणजोगं जुंजति, णो मोसमणजोगं जुंजति णो सच्चामोसमणजोगं जुंजति, असच्चामोसमणजोगं पि जुंजइ । ३ वयजोगं जुंजमाणे किं सच्चवइजोगं जुंजति मोसवइजोगं जुंजति सच्चामोसवइजोगं जुंजति असच्चामोसवइजोगं जुंजति ? गोयमा ! सच्चावइजोगं जुंजति, णो मोसवइजोगं जुंजइ णो सच्चामोसवइजोगं जुंजति, असच्चामोसवइजोगं पि जुंजइ । ४ कायजोगं जुंजमाणे आगच्छेज्ज वा गच्छेज्ज वा चिट्ठेज्ज वा णिसीएज्ज वा तुयट्टेज्ज वा उल्लंधेज्ज वा पलंधेज्ज वा पाडिहारियं पीढ-फलग-सेज्जा-संधारणं पच्चप्पिणेज्जा । २१७५. से णं भंते ! तहासजोगी सिञ्जति जाव अंतं करेति ? गोयमा ! णो इणट्टे समट्टे । से णं पुव्वामेव सण्णिसस्स पंचेदियस्स पज्जत्तयस्स जहण्णजोगिस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं पढमं मणजोगं णिरुंभइ, तओ अणंतरं च णं बेइंदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्णजोगिस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं दोच्चं वइजोगं णिरुंभति, तओ अणंतरं च णं सुहुमस्स पणगजीवस्स अपज्जत्तयस्स जहण्णजोगिस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं तच्चं कायजोगं णिरुंभति । से णं एतेणं उवाएणं पढमं मणजोगं णिरुंभइ, मणजोगं णिरुंभित्ता वइजोगं णिरुंभति, वइजोगं णिरुंभित्ता कायजोगं णिरुंभति, कायजोगं णिरुंभित्ता जोगणरोहं करेति, जोगणरोहं करेत्ता अजोगयं पाउणति, अजोगतं पाउणित्ता ईसीहस्सपंचक्खरुच्चारणद्वाए असंखेज्जसमइयं अंतोमुहुत्तियं सेलेसिं पडिवज्जइ, पुव्वरइगुणसेढीयं च णं कम्मं तीसे सेलेसिमद्वाए असंखेज्जहिं गुणसेढीहिं असंखेजे कम्मखंधे खवयति, खवइत्ता वेसणिज्जाऽऽय-णाम-गोत्ते इच्चेते चत्तारि कम्मसे जुगवं खवेति, जुगवं खवेत्ता ओरालियतेया-कम्मागाइं सब्बाहिं विप्पजहणाहिं विप्पजहति, विप्पजहति, विप्पजहिता उजुसेढीपडिवण्णे अफुसमाणगतीए एगसमएरं अविग्गहेणं उट्ठं गंता सागरोवउत्ते सिञ्जति बुज्झति० । [ सुत्तं २१७६. सिद्धसरूवपरूवणं ] २१७६. ते णं तत्थ सिद्धा भवंति, असरीररा जीवघणा दंसण-णाणोवउत्ता णिट्ठियट्ठा णीरया णिरेयणा वितिमिरा विसुद्धा सासयमणागतद्धं कालं चिट्ठंति । से केणट्टेणं भंते ! एवं वुच्चति ते णं तत्थ सिद्धा भवंति असरीररा जीवघणा दंसण-णाणोवउत्ता णिट्ठियट्ठा णीरया णिरेयणा वितिमिरा विसुद्धा सासतमणागतद्धं कालं चिट्ठंति ? गोयमा ! से जहाणामए बीयाणं अग्गिदह्णणं पुणरवि अंकुरुप्पत्ती न हवइ एवमेव सिद्धाण वि कम्मबीएसु दहेसु पुणरवि जम्मुप्पत्ती न हवति, सेतेणट्टेणं गोयमा ! एवं वुच्चति ते णं तत्थ सिद्धा भवंति असरीररा जीवघणा दंसण-णाणोवउत्ता निट्ठियट्ठा णीरया णिरेयणा वितिमिरा विसुद्धा सासयमणागतद्धं कालं चिट्ठंति ति । णिच्छिण्णसब्बदुक्खा जाति-जरा-मरण-बंधणविमुक्का । सासयमव्वाबाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥२३१॥ ५५५५॥ पणवणाए भगवतीए छत्तीसइमं समुघायपदं समत्तं ॥ ॥ पणवणा समत्ता ॥ अनुष्टुप्छंदसा ग्रन्थाग्रम् ७८८७ ॥छा॥ मङ्गलं महाश्रीः ॥छा॥ सं० १३८९वर्षे ॥५५५५